शिक्षण

विषयानुक्रमणिका

नौकरी

दूकानदार

विषयानुक्रमणिका

यात्रा

माल और मालिक

रंगशाला

व्यसन

हास्य-मन्दाकिनी

मूर्ख

वकील

डॉक्टर

हास्य-मन्दाकिनी

राजनीति

सिपाही

वक्ता

हास्य-मन्दाकिनी

महापुरुष

मित्र

प्रेम

स्त्री

शादी

विषयानुक्रमणिका

दम्पति

वालक

बालक

हृदय-मन्दाकिनी

घरेलू

परिभाषाएँ

विविध

विषयानुक्रमणिका

विषयानुक्रमणिका

धर्म और धार्मिक

०

मन्दिर-प्रवेश

अछूतोद्धारक वक्ता "जिस मन्दिरमे मुसलमान जा सकते है, ईसाई जा सकते है, कुत्ते जा सकते है, गधे जा सकते है,· ·· "

एक अछूत श्रोता "ऐसे मन्दिरमे मन्दिर-प्रवेशके विरोधी खुशीसे जाये।"

रोनी शक्ल

एक प्रसिद्ध उपदेशक ईसाई-धर्म-प्रचारकोकी एक सभामे बोल रहा था, "जिस विषयपर आप प्रवचन करें उसके अनुरूप अभिनय करनेका बडा महत्त्व है। मसलन् जब आप स्वर्गका जिक्र करे तो आपका चेहरा देदीप्यमान हो जाना चाहिए और स्वर्गीय प्रकाशसे दमक उठना चाहिए, आपके नेत्रोसे ज्योति बरसने लगनी चाहिए, लेकिन जब आप नरकका वर्णन करने लगे तब तो केवल आपके रोजमर्राके चेहरेसे काम चल जायेगा।"

प्रार्थना

लिटिल क्रिस (प्रार्थनाके अन्तमे): "और प्रभो, कृपा करके विटामिनोको मूली और पालकके बजाय बिस्कुट और मिठाईमे भर दे! आमीन!"

कुंजी

"पादरी साहब, क्या ही अच्छा होता यदि स्वर्गकी कुजी आपके पास होती, तब आप मुझे अन्दर आ जाने देते !"

"तुम्हारे हकमें यह अच्छा होता कि 'दूसरे स्थान'की कुजी मेरे पास होती, तब तुम्हें बाहर निकल जाने देता ।"

मूर्खका धन

"आज पादरी साहबने बडे अविवेकसे काम लिया !"

"क्यो, क्या बात हुई ?"

"उन्होने चन्दा इकट्ठा करनेसे पहले ही 'मूर्खका धन अधिक देर नही टिकता' विषयपर प्रवचन शुरू कर दिया !"

जान बची

तीन स्कॉच किसी इतवारकी सुबह किसी गिरजाघरमे थे। प्रवचनके बाद वहाँ पादरी साहबने किसी सत्कार्यके लिए चन्देकी पुरज़ोर अपील की और पूर्ण आशा दर्शायी कि मजमेमे-से हरेक कमसे-कम एक डॉलर तो देगा ही। किन्तु चन्देकी थाली ज्यों-ज्यो नज़दीक आती गयी, स्कॉच-जन बहुत 'बेचैन' होते गये—यहाँतक कि उनमे-से एक बेहोश हो गया और बाकी दो उसे उठाकर बाहर ले गये।

शुक्र है

एक पादरीने प्रवचनके बाद चन्देके लिए अपना टोप घुमाया। कुछ देरके बाद उनका शिष्य टोप लेकर वापस आ गया। मगर उनमें एक पाई भी नही थी।

पादरी . "शुक्र है परवरदिगारका कि मेरी टोपी सही-सलामत आ गयी !"

बहु-जननी

पादरी "आपके इस सुन्दर शिशुकी उम्र क्या होगी ?"

मां (सगर्व) "पाँच हफ्ते !"

पादरी : "यह आपका सबसे छोटा बच्चा है न ?"

खुदा मालूम !

बेटा . "पिताजी, गुरुजी कहते थे कि हम यहां दूसरोंको सेवा करनेके लिए है ?"

बाप : "हां बेटा ।"

बेटा . "और दूसरे किस लिए है ?"

झूठोका बादशाह

एक पादरी साहबने देखा कि कुछ लडके एक कुत्तेके चारों ओर जमा है । जाकर पूछा,

"बच्चो, क्या कर रहे हो ?"

"झूठ-झूठ खेल रहे है । हममें-से जो सबसे बडा झूठ बोले, यह कुत्ता उसका ।"

"शॉकिंग ! मै जब तुम्हारी उम्रका था तो झूठ बोलने का ख्याल तक नही कर सकता था !"

"तुम जीत गये ! कुत्ता तुम्हारा है ।"

आमीन !

एक पादरी साहब लम्बी तकरीरके दौरानमे बीचमे जरा अटककर बोले, "मैं और ज्यादा क्या कहूँ ?"

एक श्रोता · "आमीन कहिए !"

अजातशत्रु

एक नौजवान पादरी एक बूढे ईसाईको सार्वत्रिक भ्रातृ-प्रेमकी महत्ता समझा रहा था।

बूढा बोला "ठीक है श्रद्धेय ! गत मास मै सौ वर्षका हो चुका, और मै सीनेपर हाथ रखकर कह सकता हूँ कि दुनियामे मेरा कोई दुश्मन नही है।"

पादरी "यह तो आपके लिए बडे ही गौरवकी बात है ! ऐसा कैसे सम्भव हुआ ?"

बूढा "बडी आसानीसे, वे सब मेरे देखते-देखते मर गये।"

अतिक्रमण

एक जहाज़ तूफानमे घिर गया। बचनेके कोई आसार नही थे। डरकर एक आदमी प्रार्थना करने लगा,

"हे प्रभो, मैने तेरे अधिकाश आदेशोको तोडा है। मै व्यसनी और दुराचारी रहा हूँ, लेकिन अगर आज मेरी जान बच गयी तो मै तेरे सामने प्रतिज्ञा करता हूँ कि अब कभी ·· "

"ज़रा ठहरो," उसका दोस्त बोला, "इतने आगे न बढो, किनारा नज़र आ रहा है।"

नियाग्रा

एक अमेरिकन मरकर स्वर्ग पहुंचा। वहाँ वह अपने मुल्ककी तारीफोंके पुल बाँधने लगा।

बोला, "देवगण ! क्या आप जानते है कि नियाग्रा फॉल्स (जल-प्रपात) से एक सेकिण्डमे अस्सी खरब घनफीट पानी गिरता है ?"

हजरत नूह · "आँह ! शबनम !"

गिरजाघर

पादरी "अब तुम गिरजाघर क्यो नही आते ?"

ऐण्ड्रूज "इसको तीन वजहें है जनाव! पहले तो मुझे आपका कर्मकाण्ड पसन्द नही, दूसरे गाना पसन्द नही, तीसरे आपके ही गिरजेमे मेरी बीबीसे मेरी आँखे चार हुई थी।"

टूटनीय

एक स्त्री अपने घरानेकी पुरानी बाइबिलको अपने भाईके पास दूर देश भेज रही थी। डाकके कर्मचारीने उस पार्सलको सावधानीसे जाँचकर पूछा कि इसमे टूटने लायक तो कोई चीज नही है ?

"दस आदेश (टेन कमाण्डमेण्ट्स) के अलावा तो कुछ नही," स्त्रीने तुरत जवाब दिया।

ईश्वरमे अविश्वास

समयपर बरसात न होते देख वर्षाके लिए प्रार्थना करने ईसाई लोग इकट्ठे हुए। प्रार्थना खत्म होनेपर पादरी साहब बोले,

"बारिशके लिए प्रार्थना तो हुई ही, साथ ही यह भी मालूम हो गया कि हमें ईश्वरमे कितना विश्वास है। मेरे सिवाय कोई भी छतरी लेकर नही आया।"

गरीबोके लिए

एक महिला किसी धर्मार्थ फण्डके लिए चन्दा लेने एक धनी मूँजीके पास आयी और दान-पात्र बढा दिया। वह बोला,

"मेरे पास कुछ नही है।"

महिला "तो इनमें-से कुछ ले लीजिए! आप तो जानते ही है कि मै गरीबोंके लिए ही चन्दा इकट्ठा कर रही हूँ।"

खम्भा

एक आदमी अँधेरेमें खम्भेसे टकरा गया। झुँझलाकर बोला, "कम-वख्तोंने इस खम्भेको नरकमें क्यों नहीं खड़ा किया?"

एक सुननेवाला बोला, "इसे वहाँ न खडा कराइए वर्ना आप फिर टकरा जायेंगे।"

स्वर्गका टिकट

एक मौलवी साहबने जन्नत (स्वर्ग) की टिकटें बेच-बेचकर बहुत-सा धन इकट्ठा कर लिया। एक नौजवानने उन्हें एक रात तमचा दिखाकर सारा धन लूट लिया।

"बदमाश! तू दोजखमें जायेगा!"

"मैंने आपसे जन्नतकी टिकट पहले ही खरीद रखी है।"

ब्लैकमेल

एक पादरी साहब किसी अन्तरंग सभामें चन्दा उगाह रहे थे। बोले,

"यहाँ एक ऐसा शख्स मौजूद है जो एक पर-स्त्रीसे नाजायज़ ताल्लुक़ रखता है। अगर उसने चन्देके झोलेमें एक पौंड नहीं डाला तो मंचसे उसका नाम घोषित कर दिया जायेगा।"

जब झोली वापस आयी तो उसमें पौंड-पौंडके छह नोट निकले। एक नोट दस शिलिंगका भी था जिसके साथ एक पुरज़ा टँका हुआ था। उसमें लिखा था : "इस वक्त मेरे पास नकदी इतनी ही है, लेकिन बाकीके दस शिलिंग मैं बुधवारको भेज दूँगा।"

धर्म-यात्री

"ये लोग देव-दर्शनके लिए जा रहे हैं या प्रवचन सुनने?"

"वह बॉल-डान्समें जा रही है, यह सिनेमा जा रहा है।"

परमेश्वरका बेटा

एक पादरी साहब किसी गाँवमे अपना सरमन सुना रहे थे, 'ईसापर विश्वास लाओ, वही तुम्हारा उद्धार करेगा ··"

एक देहाती : "ईसा कौन है ?"

पादरी "ईसा परमेश्वरका बेटा है।"

देहाती : "ईसाका बाप जिन्दा है या मर गया ?"

पादरी · "जिन्दा है।"

देहाती "तो जबतक बाप जिन्दा है, हम तो उसीकी भक्ति करेंगे। जब वह मर जायेगा तब उसका बेटा मालिक है ही।"

डबल भूल

आदमी (मरनेके बाद स्वर्गके द्वारपालसे) · "क्या स्वर्गमे मुझे जगह मिल सकती है ?"

द्वारपाल "तुमने कभी अपनी गलतियोपर पश्चात्ताप किया है ?"

आदमी "जी हाँ, मै शादी करके जिन्दगी-भर पछताता रहा।"

द्वारपाल · "हाँ तुम भीतर आ सकते हो, क्योकि शादी एक बडी तपस्या है और तुम उसके कष्ट उठा चुके हो।"

दूसरा आदमी "तब तो मै भी अन्दर आ सकता हूँ, मैने दो शादियाँ की थी।"

द्वारपाल "जी नही, यह स्वर्ग है कोई पागलखाना नही।"

गुप्त-दान

"महाशयजी, आशा है आप भी इस शुभ कार्यमे कुछ सहायता देंगे।"

"जी, लीजिए यह चैक ले जाइए।"

"पर आपने इसमे अपना नाम तो लिखा ही नही !"

"मै नामके लिए नही दे रहा हूँ। मै तो गुप्तदान ही देना चाहता हूँ।"

सुखद मरण

एक पुरातन-प्रेमी आधुनिकताके खिलाफ लेक्चर झाड रहा था और आजकी दुनियाकी ऐश-परस्तीकी भावी सजाएँ गिना रहा था। वह चिल्लाकर बोला, "मेरे दोस्तो, नरक भरा पड़ा है शराबसे, सिगरेटोंसे, नाचघरोंसे, अर्ध-नग्न नारियोंसे . . ।"

"अब मरना क्या मुश्किल होगा !' पीछेसे एक आवाज आयी।"

ओले

एक सन्यासीका घुटा हुआ सिर देखकर किसी मसखरेको चुहल सूझी,

"महाराज, यह विधवाओंकी तरह सिर क्यों मुँडा रखा है ? आपकी तो अभी शादी भी नहीं हुई होगी।"

"मेरी शादी हो गयी है।"

"किससे ?"

"संसारसे।"

"लेकिन संसार तो अभी जिन्दा है और अपनी जवानीपर है।"

"मेरे लिए संसार मर चुका है।"

हाज़िर-नाजिर

कांग्रेसी : "कल भी आप प्रार्थनामें हाज़िर रहेंगे न ?"

गांधीजी : "मैं न भी रहा तो भी ईश्वर तो हाज़िर रहेगा ही।"

सुभाषित

"बाइबिलका कोई उद्धरण सुनाइए !"

"जूडा बाहर गया और खुदको फाँसी दे ली।"

"और कोई ?"

"तुम भी जाओ और वही करो।"

प्रवचन

उपदेशक . "क्यो जी, प्रवचन कैसा रहा ?"

श्रोता "बहुत ही उपदेशपूर्ण ! आपके यहाँ आनेसे पहले हम लोग पापका नाम भी नही जानते थे ।"

व्यक्तिगत

एक सम्पादकने अपने अखबारका एक खाली कोना भरनेके लिए बिना सम्पादकीय टिप्पणीके दस आदेश (टेन कमाण्डमेण्ट्स) छाप दिये ।

अगले दिन एक पाठकका पत्र आया, "मैं ग्राहक नही रहना चाहता, आप बहुत व्यक्तिगत (पर्सनल) होते जा रहे है ।"

उपदेश

किसी इतवारको एक पादरी साहबने इस सूक्तिपर कि 'घासकी हर पत्तीपर एक उपदेश है' एक लम्बा प्रवचन झाड डाला ।

अगले रोज़ जब वह अपने मैदानकी घास काट रहे थे, एक श्रोता उधरसे गुजरा । बोला, "अहह पादरी साहब ! देखकर खुशी होती है कि आप अपने उपदेशोको काटकर छोटा कर रहे है ।"

आरती

"पुजारी जी, आरतीमे आप कितना समय लगाते है ?"

"जैसी भक्तोकी भीड हो ।"

फादर

"मै यह नही समझ पाती कि ईसाई पादरियोको 'फ़ादर' क्यो कहते है ?"

"क्योकि वे बीबी-बच्चो वाले होते है ।"

धर्म

नास्तिक . "दुनियामे आज जितनी अशान्ति और खून-खराबी मची हुई है उससे साबित होता है कि धर्म बेकारकी चीज है।"

गांधीजी "जरा सोचो तो, जब धर्मके रहनेपर भी लोग इतनी अशान्ति और खून-खराबी मचाये हुए है, तो धर्मके न रहने पर वे क्या नही कर गुजरेंगे।"

खामोशी

एक गिरजाघरमे स्त्री-पुरुष अलग-अलग बैठे थे। शोरकी वजहसे पादरी साहबको सरमनके बीचमे ही रुक जाना पडा। स्त्रियोकी नुमाइन्दगी करती हुई एक महिला बोली, "हम शोर नही मचा रही।"

पादरी "तब तो और अच्छी बात है। यह कोलाहल अधिक जल्दी शान्त हो जायेगा।"

इस्लाम खतरेमे

अरबिस्तानमे जब पहली दफा टेलिफोन लगा तो मुल्लोने उसे धर्म-विरुद्ध कहकर उसके खिलाफ वावेला मचाना शुरू कर दिया।

सुलतान इब्न सऊदको एक युक्ति सूझी। उसने टेलिफोनसे लोगोको कुरानकी आयतें सुनानी शुरू कर दी और बादमें एक सार्वजनिक सभा बुलाकर उसमें मौलवियोंसे पूछा कि जो चीज कुरानकी वाहक बन सकती है वह मजहबके खिलाफ कैसे ? लोगोंको सुल्तानकी बात जँच गयी, उन्होंने मौलवियोका साथ न देकर टेलिफोनको धर्मानुकूल घोषित कर दिया।

प्रार्थना

लिली प्रार्थना करती थी · "हे प्रभो, मै अपने लिए कुछ नही मांगती, लेकिन कृपा करके मेरी मांको दामाद दो!"

रिपोर्ट

एक हब्शी पादरी सहायताके लिए अपने बिशपको बार-बार अर्जियाँ भेजता था। आखिर तंग आकर बिशपने उसे चेतावनी दी कि आइन्दा कोई ऐसी अर्ज़ी न भेजें।

इसपर पादरीने पत्र लिखा, "यह कोई सहायताके लिए अपील नही है। यह तो रिपोर्ट है। मेरे पास पतलून नही है। इत्तिलाअन् अर्ज है।"

नरक कैसा है ?

एक गिरजाघरमे होनेवाले व्याख्यानकी विज्ञप्ति नोटिस-बोर्डपर यूँ की गयी,

"नरक कैसा है ?—यह जानने के लिए आप अन्दर आइए।"

उपदेशक

"आपकी आजीविकाका साधन क्या है ?"

"मै उपदेशक हूँ।"

"क्या तनख्वाह पाते है ?"

"दस रुपया महीना।"

"यह तो बडी दरिद्र रकम है।"

"मै भी तो एक दरिद्र उपदेशक हूँ।"

दूसरेकी औरत

एक नास्तिकने एक पादरीसे मज़ाकमे ही पूछा, "आदमकी बीवी कौन थी ?"

पादरी (गम्भीरतापूर्वक). "सत्यके ज्ञानके हर खोजीकी मै इज़्ज़त करता हूँ, लेकिन उस प्रश्नकर्ताको चेतावनी-स्वरूप दो शब्द कहूँगा, दूसरोकी बीवियोंके पीछे अपने स्वर्गको न बिगाड़ो !"

कहरनाक

एक पादरी साहब उपदेश दे रहे थे "आनेवाले कहरसे तो बचिए ! मार-धाड होगी, रोना-पीटना होगा, दांत किटकिटाये जायेंगे"...."

एक बुढिया : "मेरे दांत नही है, साहब ।"

पादरी "मेम साहिबा, दांत दे दिये जायेंगे ।"

वंशज

एक नास्तिकने एक पादरीसे छेडखानीके लिए पूछा, "क्या आप बता सकते है कि शैतानकी उम्र क्या है ?"

पादरी "अपने खान्दानवालोका रिकार्ड तुम्हें ही रखना चाहिए ।"

दुआ

"क्या तुम हर रातको दुआ पढते हो ?"

"नही, कुछ रातें ऐसी होती है जब मुझे कुछ नही चाहिए होना ।"

अमल

एक पादरी बाइबिलका बडा भक्त था । वह बाइबिल खोलता और जिस लाइनपर नजर पडती उसीके मुताबिक चलता । एक बार बाइबिल खोलनेपर उसकी निगाह इस लाइनपर पडी, "जुडासने खुद अपने-आपको फांसीपर लटका दिया ।"

यह करनेमें अपनेको असमर्थ पाकर पादरी साहबने दिलको बहलाया कि एक बार फिर बाइबिल खोली जाये, खोली तो देखा, "तुम्हें उसीका अनुसरण करना चाहिए ।"

घबराकर पादरीने तीसरी बार बाइबिल खोली । इस बार पंक्ति थी, "तुम किस सोचमें पडे हो ? जल्दीसे इसपर अमल क्यों नही करते ?"

चमत्कार

एक ईसाई पादरी इस इतमीनानके साथ हिन्दुस्तान आया कि लोग ईसाइयतके चमत्कार सुनकर ईसाई बन जायेगे। लेकिन कुछ ही दिनो बाद उसने अपने देशको खत लिखा कि यहाँ हमारे चमत्कारोका कोई असर नही पडता, यहां तो पहलेसे ही बन्दर समुद्रको लाँघा करते है।

शैतान

दो नौजवान एक पादरीसे बोले, "सुनी आपने वह खुशखबरी? अगर वह सच निकली तो आपके तो धन्धेको ही चौपट कर देगी!"

पादरी : "क्या?"

नौजवान "यही कि शैतान मर गया!"

पादरी (नौजवानोके सिरोपर हाथ रखकर) · "या खुदा! अब इन गरीब यतीम बच्चोका क्या होगा!"

दर्शन और दार्शनिक

●

ओ सॉरी !

एक प्रोफेसर एक होटलमें गये। टेबलपर गिलास रखा हुआ था। प्रोफेसर साहबने उसपर हाथ रखा तो कहा, "अरे, इसका तो मुंह बन्द है।" फिर नीचे हाथ दिया तो बोले, "और पेंदी भी गायब है!"

वेटर बोला : "हुजूर, गिलास उलटा रखा हुआ है।"

प्रोफेसर : "ओ सॉरी!"

भुलक्कड

एक श्रोता "क्या यह सच है कि प्रोफेसर लोग बड़े भुलक्कड़ होते हैं?"

प्रोफेसर (बिगड़कर) · "यह बिलकुल झूठ बात है। प्रोफेसरोंकी यादददाश्त बिलकुल ठीक होती है और उनके होश-हवास भी हमेशा दुरुस्त रहते हैं…… कोई और सवाल?"

दूसरा श्रोता "क्या यह सच है कि प्रोफेसर लोग बड़े भुलक्कड होते हैं?"

प्रोफ़ेसर (प्रसन्न होकर). "मैं जानता था कि यहाँ यह सवाल जरूर पूछा जायेगा। बात यह है कि…… ."

कही और !

नौकर : "हुजूर, डाक्टर साहब आ गये हैं ।"

गैरहाजिर-दिमाग मालिक : "मै उनसे नही मिल सकता, कह दो बीमार हूँ ।"

परिचित

वह इस कदर गैरहाजिर-दिमाग है कि दो घण्टे तक आइनेके सामने खडा होकर सोचता रहा कि मैंने इसे पहले कहाँ देखा था ।

बेखुद

एक प्रोफेसर साहब अपनी घडी हमेशा अपनी 'वेस्ट कोट'की दाहिनी जेवमे रखा करते थे । एक दिन जब वह क्लासमे पढानेके लिए आये और दाहिनी जेबमें हाथ डाला तो मालूम हुआ कि घडी नही है । तब उन्होने सब लडकोंकी तरफ देखकर एक लडकेसे कहा, "तुम हमारे घर दौड जाओ और घडी ले आओ ।"

लडका जाने लगा । तभी प्रोफेसर साहबने अपनी बाँयी जेबमे हाथ डाला और उसमे-से घडी निकालकर उस लडकेसे कहा, "देखो, इस वक्त दस बजकर बीस मिनट है, तुम दस-चालीस तक लौट आना । खबरदार, देर न लगाना ।"

छतरी

गैरहाजिर-दिमाग प्रोफेसर (गिरजाघरसे निकलते हुए) "अब बताओ भुलक्कड मै हूँ या तुम ? तुम अपनी छतरी वही छोड आयी, मगर मैं न सिर्फ अपनी छतरी लाया बल्कि तुम्हारी भी लेता आया ।"

पत्नी (साश्चर्य) . "लेकिन हममें-से तो कोई छतरी लेकर गिरजाघर नहीं गया था !"

घरपर नही

अनुपस्थित-चित्त प्रोफेसर "क्या कहा, बनिया बिलके पैसे लेने आया है ? तुमने कह नही दिया कि वे घरपर नही है ?"

नौकरानी : "कहा साहब, मगर वह मेरा विश्वास नही करता !"

प्रोफेसर · "खैर, तब तो मुझे खुद ही जाकर यह कहना पडेगा।"

कही और, और कही !

"आज शामको तुम हमारे साथ खाना खाने आओ, वहाँ तुम्हारा दोस्त डैविस भी होगा।"

"लेकिन डैविस तो मैं ही हूँ।"

"अरे अरे, भूल गया ! लेकिन फिर भी आना तो सही, मुझे यकीन है तुम उससे मिलकर खुश होगे।"

जीवित-समाधि

प्रोफेसर अध्ययनमें व्यस्त थे। उनकी पत्नी अखबार लिये दौडी आयी और साक्रोश बोली,

"देखा है यह तुमने ? इसमें तुम्हारे मरनेकी खबर छपी है !"

"हमे फूल भेजना न भूलना चाहिए," प्रोफेसर बिना सिर उठाये बोले।

पुड़िया गायब !

फिलॉसफर साहब अपनी बीवीको लेकर बाजार करने गये। घर आकर वे पैकेटो और पुड़ियोको गिनने लगे, जेबोमें भी हाथ डालकर देखते। बोले, - "कुछ-न-कुछ चीज बाजारमे रह गयी मालूम होती है बिन्नी !"

बिन्नी · "पर पिता जी, अम्मी कहाँ हैं ?—आपके साथ ही तो गयी थी वह।"

अच्छा हुआ बता दिया

दार्शनिक (अपनी स्त्रीसे) "अरे भई, मैं कितनी देरसे अपनी टोपी देख रहा हूँ, मिलती ही नही, जरा देखो तो !"

स्त्री "टोपी तो आपके सिरपर ही है।"

दार्शनिक (सिरपर हाथसे देखकर) "अरे हाँ ! अच्छा हुआ तुमने बता दिया, नही तो मुझे आज नगे सिर ही कॉलेज जाना पड़ता।"

युगलिया

नर्स "श्रीमान् बधाई है, आपके दो बच्चे हुए है !"

पिता "अच्छा ! मेरी पत्नीसे न कहना, मैं उसे आश्चर्यमें डालना चाहता हूँ।"

अकेली

प्रोफेसर काममे गर्क थे। एक नवयुवक विद्यार्थी मिलने आया।

प्रोफेसर "हूँ, बैठो—बैठो, हूँ ! तुम्हारी बीबीकी तबीयत अब कैसी है ?"

विद्यार्थी "पर मैं तो अभी अविवाहित हूँ !"

प्रोफ़ेसर "अच्छा ? हूँ, यह बात है ! ठीक, तब तो तुम्हारी बीबी भी तुम्हारी तरह अकेली ही होगी न ?"

शुभ समाचार

एक सम्पादक महोदय अपने अध्ययनमे निमग्न थे। उस समय दासी-ने आकर शुभ समाचार सुनाया,

"भगवान्ने आपके घरमे एक सुन्दर बालक भेजा है !"

सम्पादकजीने उसी ध्यानमग्न अवस्थामे कहा,

"अच्छा, उससे पूछो कि क्या चाहता है।"

भेदाभेद

एक गैरहाज़िर-दिमाग़ प्रोफेसरको सुबहके दो वजे टेलिफोनकी घण्टीने जगा दिया।

आवाज़ : "क्या यह वन, वन, वन, वन है ?"

प्रोफेसर : "नही, यह इलैवन, इलैवन है।"

आवाज . "ओह, गलत नम्बर, माफ कीजिए मैने आपको डिस्टर्व किया !"

प्रोफेसर . "कोई मुज़ायका नही, आखिर टेलिफोनका जवाव देने तो उठना था ही।"

कमीकी पूर्ति

मशहूर मनोवैज्ञानिक ऐड्लर किसी सभामे वोल रहे थे, "आदमी किसी खास कमीकी वजहसे ही अपनी जिन्दगीको किसी खास लक्ष्यकी तरफ ले चलता है। मसलन्, कमज़ोर आँखोवाला चित्रकार वनना ज्यादा पसन्द करता है।"

एक आवाज़ · "मिस्टर ऐड्लर, और शायद इसीलिए कमजोर दिमागवाले मनोवैज्ञानिक वन जाते होगे ?"

होशमन्द

प्रोफेसर विसरभोले अपने स्नेही डाक्टरके यहाँ आये। एक-दो घण्टे गपें मारने के वाद प्रोफेसर मजकूर जानेके लिए उठे। डाक्टर साहव उन्हे पहुँचानेके लिए जीने तक आकर वोले, "और आपके परिवारमे तो सव ठीक है न ?"

प्रोफेसर एकदम चौंककर वोले, "अरे-अरे, सव गडवड हो गया! उसे फिट आ गयी थी, इसीलिए तो मैं तुम्हें वुलाने आया था।"

तीन छतरियाँ

"आप तीन छतरियाँ क्यो लिये हुए है ?"

"एक ट्रेनमे भूलनेके लिए. एक होटलमे छोड देनेके लिए और एक बारिशमे काममें लानेके लिए।"

"मगर वडी देरमे तवज्जह फर्मायी, आप तो पानीसे तर-बतर है।"

छतरी भूल गये

"आज मै अपनी छतरी घरपर ही भूल गया।"

"आपको कैसे याद आया कि छतरी भूल आये है ?"

"क्या बताऊँ, बारिशके वाद मैने उसे वन्द करनेके लिए जो हाथ उठाया तो मालूम हुआ कि छतरी कहाँ लाया हूँ।"

इधर भी तो है !

एक फिलॉसफर तेल लेने गये। वोतल भर गयी तो दूकानदार वोला, "साहव, थोडा-सा तेल और वचा है।"

फिलॉसफरने वोतल उलटकर पेंदीका गड्ढा उनकी ओर करके कहा, "वह इसमे भर दो।" यूँ तेल लेकर वे घर आये।

जरा-सा तेल देखकर उनकी पत्नी वोली, "आठ आनेका बस इतना ही तेल लाये हो ?"

फिलॉसफरने वोतल सीधी करते हुए कहा, "और इधर भी तो है!"

कलाकार

●

कवि

"वसन्त, कल मैंने तेरी कविता पिताजीको दिखायी। देखकर बड़े खुश हुए!"

"सचमुच ?"

"हाँ, बोले, अच्छा हुआ इस पागलको अपनी लड़की नही दी।"

चित्रकारी

समालोचक "अहा! और यह क्या है? बडी कमालकी चीज है? क्या आत्मा है! और कैसा मस्ताना चित्रीकरण! वाह-वा!"

चित्रकार. "यह? यह तो वह कैन्वस है जिसपर मै अपने ब्रशके रग पोछता हूँ।"

वसन्त

एक सकोचशील सज्जन किसी चित्रशालामे एक लडकीके विशाल नग्नप्राय तैल-चित्रको निर्निमेष दृष्टिसे देख रहे थे। पोशाकके नामपर उसमे अमुक मुकामपर केवल चन्द पत्तियाँ थी। चित्रका शीर्षक था 'वसन्त'। एकाएक उनको स्त्रीका कर्कश स्वर सुनायी दिया, "अब इन्तजार किस बातका किया जा रहा है?—क्या पतझड़का ?"

संगीत

"जब मै गाता हूँ, तुम बार-बार खिडकीके बाहर क्यो झाँकते हो ?"

"पडोसियोको यह दर्शानेके लिए कि गानेवाला मै नही हूँ ।"

जुल्फे-दराज

एक पॉलिशवाला छोकरा एक कविके रुबरू पहुँचा ।

"पॉलीश ?"

"नही वत्स, परन्तु यदि तुम अपने मुखारविन्दको धो डालो तो तुम्हें इकन्नी दूँगा ।"

"अच्छी बात है !" कहकर लड़का उनके घडेसे पानी लेकर मुँह धो आया । कविने इकन्नी दी । लडका अपनी तरफसे तीन आने और मिलाकर बोला, "यह लीजिए, और अब आप जाकर अपने बाल कटवा आइए !"

बुद्दूखाँ

"कहिए, सितार कैसा बज रहा है ?"

"क्या कहने है ! सुनकर बुद्दूखाँकी याद आ रही है ।"

"पर बुद्दूखाँ तो सारंगीमें प्रवीण थे, सितार बजाना वे नही जानते थे ।"

"तभी तो कह रहा हूँ ।"

सीता

एक चित्रकारने सीताकी एक आधुनिक सभ्य रोमाण्टो गर्लकी-सी मदमाती तसवीर बनायी । उसे ग्राहकको सगर्व दिखलाते हुए बोला,

"और यह लीजिए सीताकी लेटेस्ट फिल्मकी तसवीर !"

ग्राहक . "वाह भाई वाह, क्या कहने है ! भला ऐसी सीताको रावण क्यो न चुराकर ले जाये !"

चन्द्रक

"आपको यह छोटा मैडिल किस उपलक्ष्यमे मिला ?"

"गानेके लिए।"

"और यह बडा मैडिल ?"

"गाना बन्द करनेके लिए।"

विचित्र कृति

चित्रकार "देखो, यह मेरी नवीनतम कृति है। यह मेरे सर्वोत्तम चित्रोमे-से एक है। मैने इसे अभी समाप्त किया है। जब मैने इसे बनाना आरम्भ किया, यह नही जानता था कि मै क्या बना रहा हूँ।"

मित्र "और जब तुम बना चुके तो तुम्हे यह कैसे पता चला कि तुमने क्या बनाया है ?"

कलाकृति

"उन्होने उस तसवीरको क्यो टाँग रखा था ?"

"क्योकि उन्हे उस चित्रका चित्रकार न मिल सका।"

तारीफ

पिकासोके चित्रोकी एक प्रदर्शनीमे एक तसवीरके आगे सबसे ज्यादा दर्शक खडे थे और तारीफोंके पुल बाँध रहे थे। तभी वहाँ पिकासो आया और उसने तसवीरको उलटकर सीधा कर दिया। पहले तसवीर उलटी टँगी थी।

सन्ध्या-वन्दन

"यह देखिए सन्ध्याका चित्र! मेरी बेटीने इसे जगलमें जाकर खीचा।"

"तभी! वर्ना ऐसी सन्ध्या शहरमे कहाँ दिखती!"

आधुनिक कला

"और मैं समझता हूँ यही उस भोडी खाका-कशीका नमूना है जिसे आप आधुनिक कला कहते हैं ?"

"नही नही, यह तो केवल दर्पण है।"

तोबा-तोबा

एक पार्टीमे एक स्त्री गाना गा रही थी। एक शख्सको उसका गाना निहायत बुरा लग रहा था। पासवालेसे बोला,

"क्या गला फाड रही है ! कौन है यह ?"

"हाँ ! वह मेरी पत्नी है।"

"ओह, माफ कीजिए, गलती हो गयी। इनकी आवाज तो ठीक है मगर इन्हें बेढगा गीत गाना पड रहा है। न जाने किस नौसिखियेने इसे लिखा है ?"

"मैने।"

दयादान

लडका "पिताजीने पूछा है कि आजके लिए अपना हारमोनियम देनेकी आप कृपा करेंगे क्या ?'

सीखनेवाला (उत्सुकतासे) "क्यो, आज कोई पार्टी है क्या ?"

लड़का : "नही, पिताजी आज आराममे सोना चाहते है।"

रे रे !

सगीतज्ञ · "देवीजी, आपने इन सगीतकी प्रारम्भिक शिक्षा कहाँ से प्राप्त की ?"

मिस नोमा "क्यो ? डाकके कोर्ससे।"

सगीतज्ञ : "कही कोई पाठ डाकमे ही तो नही रह गया ?"

दौलतकी बदौलत

"मेरी समझमे नही आता कुछ लोग रेखाके गानेकी इतनी तारीफ क्यो करते है। रेखासे तो जमुना हजार दर्जे अच्छा गाती है।"

"लेकिन रेखाका पिता जमुनाके पितासे लाख दर्जे धनी है।"

स्वर्गवासी

"क्या आप मेरे काशीवासी काकाका चित्र बना देगे ?"

"हाँ हाँ, लाना उन्हें।"

"मैने कहा न, वे काशीवासी हो गये है।"

"तो वे जब भी आवे लेकर आना।"

मामूली बात

"वह इतना महान् चित्रकार है कि एक बार उसने एक हँसते बालकके चित्रको ब्रुशके एक इशारेसे रोते बालकके रूपमे बदल दिया।"

"यह कोई बड़ी बात नही। ऐसा तो मेरी माँ झाड़ूसे ही कर दिया करती थी।"

मगरूर

एक धनी-मानी व्यक्ति किसी मगरूर चित्रकारसे मिलने आया। बात-चीतके दौरानमे उसने चित्रकारसे पूछा,

"आप यहाँके राजाको तो जानते होगे ?"

"नही।"

"बड़ी अजीब बात है! कुछ दिन पहले मै राजासे मिला था। उनने तो कहा था कि वह आपसे अच्छी तरह परिचित है।"

"झूठी शान बघार रहा होगा।"

नृत्य

"कहा जाता है कि एक बार नाचना दस मील चलनेके बराबर होता है।"

"वह गुजिश्त ज़मानेकी बात है। आजकलका एक नाच तो सौ दरख्तो पर चढनेके बराबर होता है।"

तीक्ष्णालोचना

चित्रकार "तो आपका ख्याल है कि मैं कुदरतको वैसा ही चित्रित करूँ जैसा उसे देखूँ ?"

आलोचक "बशर्ते कि तुम उसे वैसा न देखो जैसा चित्रित करते हो।"

नाम

गरीब कलाकार "आप यह तो सोचिए कि कुछ साल बाद लोग आपके मकानको देखकर कहा करेंगे कि यहाँ मैं चित्र बनाया करता था।"

मालिक-मकान "अगर आज राततक पिछला तमाम किराया अदा न कर दिया तो कलसे ही कहने लगेंगे।"

विम्ब-प्रतिविम्ब

"मैं इस चित्रको पसन्द नही करता—इसमें तो मैं बिलकुल बन्दर-सा लगता हूँ।"

"यह तो आपको चित्र खिचवानेसे पहले सोचना चाहिए था।"

नासमझ

कवि : "मेरी पत्नी मुझे समझ ही नहीं सकती। तुम्हारी ?"

मित्र : "कहाँसे समझे ! वह तुमसे परिचित ही कहाँ है !"

मिश्रण

"तुम अपने रंगोंमे क्या मिलाते हो कि इतनी अच्छी तसवीरे बना लेते हो ?"

"अपना दिमाग मिलाता हूँ।"

कवि

सम्पादक "छि छि ! आपके अक्षर नितान्त खराब है। लिखनेकी बजाय आप अपनी कविता टाइप करके क्यो नही भेजते ?"

कवि "टाइप करके लाऊँ ? मुझे टाइपिंग आता होता तो कविता करनेमे अपना वक्त क्यो खराब करता ?"

दिगम्बर

"आपको नग्न चित्रकलाके अध्ययनमे इतनी दिलचस्पी क्यो है ?"

"क्योकि मै पैदा होते वक्त दिगम्बर था।"

रसज्ञ

एक पक्के गवैयेकी दो आँख-मूँद अलापोमें ही सारी सभा उठकर चल दी। सिर्फ एक आदमी रह गया।

गवैया "अहो ! पक्के गानेका एक कद्रदाँ तो है ! लो भाई, मै तुम्हें ही संगीत सुनाकर अपनी मेहनत सफल समझूँगा।"

श्रोता "उठ जानेवालोंकी बनिस्बत मै पक्के गानेका कोई विशेष रसज्ञ नही हूँ। मै भी चला गया होता, मगर मुझे इसलिए ठहरना पड़ा है कि जिस दरीपर आप बैठे है वह मेरी है। मै इसी इन्तज़ारमें बैठा हूँ कि कब आपका गाना खतम हो और कब मै दरी लेकर घर जाऊँ।"

सदर-मुकाम

वायलिनका अभ्यास करनेवाली एक सखीको वायलिनपर एक ही स्थानपर एक अँगुली मजबूतीसे जमाकर, घण्टो तार आगे-पीछे खीचते देखकर निर्मलाने उससे कहा, "दूसरे वायलिन बजानेवाले तो चारो तारो पर अपनी अँगुलियाँ नचाते रहते है। पर तेरा ढंग तो उनसे अलग है।"

"अरी, वे अँगुलियाँ नचा-नचाकर जिस जगहको ढूँढते रहते है, वह मैने ढूँढ निकाली है।"

ड्रेस-निर्णय

एक अमीर औरत किसी चित्रकारसे अपना चित्र बनवाना चाह रही थी। सिटिंगके वक्त चित्रकारने पूछा,

"शामकी ही पोशाकमे खीचूँ ?"

"अरे नही," औरत बोली, "कोई भी चलेगी—धोती-कुरता ही पहने रहो।"

कवि या चित्रकार

"मै कवि बनूँ या चित्रकार ?"

"चित्रकार बनना।"

"ऐसा कैसे कहता है ?"

"मैने तेरी कविताएँ पढी है।"

कवि

एक ठग अपने साथीसे बोला, "कल रात तो मैने एक कविको पकड़ा।"

साथी "मजाक करते हो !"

ठग : "मजाक नही, उसे भोजन करानेमे उल्टे मेरे ही दो रुपये खर्च हो गये।"

संगीतका शौक़

"तुम्हें संगीतका शौक है ?"

"हाँ हाँ।"

"कौन-सा बाजा बजाते हो ?"

"ग्रामोफोन।"

संगीतज्ञ

एक देहाती एक पक्के गवैयेको गाते देखकर ज़ार-ज़ार रोने लगा। पास बैठे हुए एक सज्जनने पूछा, "आपपर तो इस गानेका बडा असर पडा ! आप इस रागको खूब समझते मालूम होते है।"

देहाती बोला, "कैसे न समझूँगा ! परसाल मेरा बकरा भी इसी तरह बिलबिला-बिलबिलाकर मर गया। जब किसीको यो राग अलापते देखता हूँ तो रजसे सिर धुनने लगता हूँ।"

भागमभाग

"अगर मेरी चित्रशालामे आग लग जाये तो आप कौनसे चित्र देखना चाहेंगे ?"

"दरवाज़े वाले।"

लजीज

"क्या तुम्हारी बीवी कलात्मक रुचिवाली है ?"

"कलात्मक रुचि ! वह ऐसे कलात्मक टेम्प्रवाली है कि अगर सूपका रंग सुरमनुमा हो तो वह इस बातकी परवाह नहीं करती कि उसका जायका कैसा है !"

वापस

कवि "मुझे आश्चर्य होता है कि मेरी कविताएँ वापस क्यों आ जाती हैं।"

मित्र : "टिकट न भेजा करो, वापस नहीं आयेंगी।"

एक समर्पण

"मेरी बीबीको—जिसकी गैरहाज़िरीके बगैर यह किताब लिखी ही नही जा सकती थी।"

मूर्ख

सम्पादक "आप ऐसी भाषामे लिखा करें कि निपट अपढ भी उसे आसानीसे समझ सके!"

नया लेखक "तो इस लेखमें कौन-सा शब्द आपको समझमें नही आया ?"

अनुभव

लेखक. "यह वह किताब है जो मैंने पिछले साल आपको दिखलायी थी।"

प्रकाशक : "लौटायी गयी कृतिको फिरसे दिखलाने का मतलब ?"

लेखक "तब से आपका एक वर्षका अनुभव बढ गया है।"

हकीकत

करोडपति · "तुमने अखबारमे मेरे बारेमें झूठी बातें क्यों छापी हैं ?"

सम्पादक "तुम्हारे बारेमें सच्ची बातें छाप दी जायें तो न जाने तुम्हारा क्या हाल हो!"

आवरण

सम्पादक : "आपकी यह कहानी नही छप सकती क्योंकि इसमें नायिकाको नग्न कर दिया गया है।"

लेखक : "जरा आगे पढ़िए। अगले ही वाक्यमें मैंने उसे लज्जासे ढँक दिया है।"

अखबारमे 'जन्म' और 'मृत्यु'

एक अखबारमे निकला,

"स्थानाभावसे हमें कितने ही 'जन्मो' और 'मरणो' को लाचार होकर अगले महीने तकके लिए मुल्तवी करना पड रहा है।"

इनाम

आगन्तुक "मैंने यहाँके अखबारमे अपने खोये हुए कुत्तेका विज्ञापन दिया था। दस डॉलर इनामकी घोषणा की थी। लगा कुछ पता ?"

चपरासी : "तमाम एडीटर और रिपोर्टर आपके कुत्तेकी तलाशमे बाहर गये हुए हैं।"

तो पेशगी !

"इस मकानका भाडा क्या है ?"

"बीस रुपया माहवार।"

"आप जानते है मै कवि हूँ।"

"तो बीस रुपया पेशगी !"

अखबारी रिपोर्ट

"क्वेटाके भूकम्पमे ज़मीदोज एक इमारत खोदी गयी। उसके नीचे चालीस मुरदे निकले। उनमें-से एकके भी ज़िदा रहनेकी उम्मीद नही है।"

कलह-कोश

किसीने एक महान् कोशकारसे पूछा, "आपने इतना बड़ा कोश कैसे बना डाला ?"

"इसका तरीका बीबीसे झगड़नेके मानिन्द है—एक शब्दके बाद दूसरा आता जाता है।"

वधू चाहिए !

कनाडाके एक पत्रमें विज्ञापन निकला—"एक करोड़पति नौजवान ऐसी लड़कीसे शादी करना चाहता है जो '......' (अमुक) उपन्यासकी नायिकाकी तरह हो।"

नतीजा यह हुआ कि २४ घण्टेके अन्दर उस उपन्यासकी सभी प्रतियाँ बिक गयीं !

प्रार्थना

एक कविने अपनी कविताके साथ सम्पादकको पत्र लिखा, "तनख्वाहमें गुजारा नहीं होता। कुछ अतिरिक्त आमदनीकी आशासे आपके प्रख्यात मासिक-पत्रके लिए कविताएँ भेजते रहना चाहता हूँ।"

सम्पादकका जवाब आया, "ईश्वरसे प्रार्थना है कि आपकी तनख्वाह फौरन् बढ़ जाये !"

लाइफ-वर्क

"यह आपका पहला ही उपन्यास है ?"

"जी, इसके लिए मैंने जिन्दगीके बीस वर्ष दिये हैं।"

"इतना वक्त ?"

"लिखा तो इसे मैंने तीन ही महीनेमें, लेकिन उन्नीस साल तो मुझे प्रकाशक ढूँढनेमें गये।"

घोड़ा और गदहा

फ्रान्सके मशहूर उपन्यासकार विक्टर ह्यूगो और अलेक्जैण्डर ड्यूमा कही मिले। बात-चीतके दौरानमे ड्यूमाने ह्यूगोके सामने सुझाव रक्खा, "क्यो न हम दोनो मिलकर कोई लाजवाब उपन्यास लिखे ?"

ह्यूगो : "यह कतई गैरमुमकिन है। कही गधे और घोडेका भी साथ हुआ है।"

ड्यूमा : "खैर, आपको साथ लिखना मजूर नही तो न सही, पर बराय-मेहरबानी मुझे घोडा तो न बनाइए।"

दिमागी काम

एक कवि सख्त बीमारीसे उठे। डाक्टरने ताकीद की,

"तीन महीने तक आप हर्गिज कोई दिमागी काम न करें।"

"कुछ कविता करू तो कोई आपत्ति है ?"

"नही, कविता चाहे जितनी कर सकते है।"

अपढ लेखक

एक धनिक आदमी जरूरतमन्द लेखकोंसे किताबे लिखवाकर अपने नामसे छपवाया करता था।

एक रोज उसने गर्वके साथ अपने लड़केसे कहा, "तूने मेरा आखिरी उपन्यास पढा ?"

लड़केने उलटकर पूछा, "आपने पढ़ा ?"

लेखकका गुण

"नये लेखकमे आप किस गुणकी आशा रखते है ?"

"कम भूलकी।"

व्याख्यान

रविबाबू "आज आपका 'कबीर' पर व्याख्यान क्यों मौकूफ रहा ?"

क्षितिबाबू . "दांतमें दर्द था ।"

रविबाबू "आपको सिर्फ व्याख्यान देना था, श्रोताओंको काटना तो था नहीं ।"

पद्य बनाम गद्य

एक कवि अपनी कविताओंको एक समालोचकके पास ले गया। जब कहा गया कि इनमें कुछ सार नहीं है, तो कवि आग-बबूला होकर गालियों और कटूक्तियोंकी गोला-अफशानियाँ करने लगा। कुछ शान्त होनेपर समालोचक बोला, "मेरे विचारसे आपका यह गद्य आपके पद्यसे कहीं सुन्दर है।"

हैङ्ग हिम

ईरानके कवि जामी बड़े हाजिर-जवाब थे। एक कवि उनसे कहने लगा, "मैं अपनी सब कविताओंको शहरके फाटकपर टँगवाऊँगा ताकि तमाम लोग मेरी शायरीके कमालसे वाकिफ हो जायें।"

जामी बोले, "लेकिन लोग कैसे जानेंगे कि यह तुम्हारी शायरी है तावक्ते कि तुम भी उनके साथ न टाँग दिये जाओ ?"

देर-सवेर

दफ्तरके कामका नियमित ढर्रा चार्ल्स लैम्बकी साहित्यिक अभिरुचि और आजादाना मिजाजके खिलाफ था। एक रोज हेड-क्लर्क ने कहा :

"मिस्टर लैम्ब, तुम दफ्तर देरसे आते हो।"

"जी हाँ, मगर मैं जाता जल्दी हूँ।"

इस विचित्र उत्तरको सुनकर शिकायत करनेवाला ठगा रह गया।

प्रेमांगणा

किसीने मोपासाँसे पूछा—

"आप खराब औरतोंकी ही कहानियाँ क्यों लिखते हैं?"

"अच्छी औरतोंकी भी कोई कहानी होती है क्या?" मोपासाँने प्रति-प्रश्न किया।

षड्यन्त्र

लेखक: "ऐसा प्रतीत होता है कि प्रकाशकोंने मेरे प्रतिकूल षड्यन्त्र रच रखा है।"

मित्र: "इस मान्यताका आधार?"

लेखक: "मेरी एक ही कहानीको दस प्रकाशकोंने वापस लौटा दिया।"

कवि-सम्मेलन

एक कवि-सम्मेलनमें एक कवि महोदयने आखिरतक बैठे हुए एक श्रोतासे पूछा, "भाई, सभी लोग चले गये, आप ही क्यों रह गये?"

श्रोता महाशयने कहा, "आपके बाद मेरे सुनानेका नम्बर जो है!"

मातृभाषा

पुत्र: "हमारी भाषा 'मातृ-भाषा' क्यों कही जाती है?"

पिता: "क्योंकि पिताको उसे बोलनेका शायद ही कोई मौका मिलता हो।"

इतमीनान

शान्ति-निकेतनसे कविवर रवीन्द्रनाथ टैगोरके दो चित्र चोरी चले गये।

संचालकोंको इस इतमीनानसे सन्तोष है कि आखिरश चोरोंको उन चित्रोंका मतलब समझनेके लिए इधर आना ही पड़ेगा।

चिर-कुमारी

महाकवि अकबर इलाहाबादी, वैभवशालिनी गौहरका गाना सुनकर बोले—

खुदाकी कुदरत सिवाय शौहरके
खुदाने सब-कुछ दिया है गौहरको।

लेखककी पत्नी

आधीसे ज्यादा रात बीत चुकी थी। लेखकके चेहरेपर चिन्ता और गम्भीरता छायी हुई थी। वह उपन्यास पूरा करनेमें लगा हुआ था।

"क्यों, अभी सोनेका विचार है कि नहीं?" उसकी पत्नीने पूछा।

"नहीं", लेखकने कहा, "मेरी नायिका सलतानकके पंजेमें फँस गयी है, उसे छुड़ाये बगैर मुझे नींद कहाँ आयेगी।"

"उसकी उम्र क्या है?"

"क़रीब बाईस।"

"तो चिराग़ बुझा दो और सो रहो। वह बालिग है, अपनी रक्षा आप कर सकती है। नाहक परेशान न होओ।"

बिस्मिल्लाह

युवती : "आपकी कहानीका अन्त बहुत सुन्दर है।"

लेखक : "आरम्भके विषयमें आपका क्या विचार है?"

युवती : "मैं अभी उसे पढ़ना शुरू करनेवाली हूँ।"

लिख डालूँ

बर्नार्ड शॉसे किसीने पूछा, "किसी विषयमें आप कुछ न जानते हों तो क्या करें?"

"तो उस विषयपर कोई किताब लिख डालें।"

नामकरण

"मैं अपने नये उपन्यासका नाम क्या रखूं ?"

"क्या उसमे कही 'ढोल' शब्द आया है ?"

"नही तो।"

"उसमे कही 'नगाडा' शब्द आया है क्या ?"

"ना।"

"तो उपन्यासका नाम रखो—'न ढोल न नगाडा"

प्रकाशन

एक प्रयत्नशील लेखक अपनी रचनाके प्रकाशनके विषयमे प्रकाशकसे मिलने आया।

प्रकाशक . "यह है तो सुन्दर कृति, परन्तु हम मशहूर नामोवाले लेखकोकी ही चीजे छापते है।"

लेखक "क्या ही अच्छी वात है ! मेरा नाम किशनचन्दर है।"

मजबूर लेखक

लेखक . "दस साल तक वरावर लिखनेके वाद कही मुझे पता लग सका कि दरअसल मै लेखक होने योग्य नही हूं।"

मित्र . "फिर क्या आपने लिखना छोड दिया ?"

लेखक : "अजी कहाँ, तवतक तो मैं लेखकके रूपमें बहुत प्रसिद्ध हो चुका था।"

गजल

आग़ा हश्र . "कोई गजल सुनाओ।"

तवाइफ: "चो हजूर गजल सुनिहो ?"

हश्र साहव : "वस रहने दो, सुन लिया।"

छोटी कहानी

लेखक . "मैं जो कुछ जानता हूँ, वह सब इस कहानीमें है ।"

सम्पादक · "तब तो यह बहुत ही छोटी कहानी होनी चाहिए ।"

भाड़ा

मकान मालिक . "तुम अपने कमरेका भाड़ा कब चुकानेवाले हो ?"

परेशान लेखक . "ज्यों ही प्रकाशकका चेक मिला जिसे वह मेरे उपन्यासको स्वीकार करनेकी सूरतमें भेजेगा, वह उपन्यास मैं अच्छा-सा विषय और माकूल 'इन्सपिरेशन' मिलते ही शुरू कर देना चाहता हूँ ।"

कविता

सम्पादक . "कृपया आप अपनी कविता कागजके एक तरफ ही लिखकर दिया करें ।"

कवि . "परन्तु अबतक तो आप दोनों ओर लिखी स्वीकारते रहे हैं ।"

सम्पादक : "वह तो निबाह लेते थे ।"

कवि : "तात्पर्य ?"

सम्पादक "यही कि हमारा बस चले तो आपको एक तरफ भी न लिखने दें ।"

ईश्वर

श्रीमती एडी नामक लेखिका अपनी कृतियोंको ईश्वर-प्रेरित मानती थी । एक बार उसने अपनी किसी किताबके कॉपीराइटके लिए अर्जी दी । उसमें उसने लेखकका नाम 'ईश्वर' दिया ।

उसकी अर्जी यह कहकर नामंजूर कर दी गयी कि ईश्वरको अभी अमेरिकन नागरिक नहीं बनाया गया ।

पारिश्रमिक

सम्पादकने किसी लेखकको लिखा, "कृपया कोई नया लेख भेजिए, अगर लेख अच्छा होगा तो पारिश्रमिक भेज दिया जायेगा।"

लेखकने जवाब लिखा, "कृपया आप पारिश्रमिक भेजिए। पारिश्रमिक अच्छा होगा तो लेख भेज दिया जायेगा।"

प्रीति

राजकुमार : "मुझे सख्त ताज्जुब है कि मेरे दरबारी आप सरीखे विद्वान्‌से नफरत करते है और मुझ सरीखे मूर्खसे प्यार करते है !"

दाते : "आपको इतना ताज्जुब न होगा जब आप यह हकीकत जान लेगे कि लोग अपने सरीखे लोगोंसे प्यार करते है !"

स्थूल-काया

सम्पादक : "अफसोस है कि हम आपकी कविताका इस्तेमाल न कर सकेगे।"

कवि : "क्यो, क्या नुक्स है उसमें ? क्या बहुत लम्बी है ?"

सम्पादक : "हाँ, बहुत लम्बी है, बहुत चौड़ी है और बहुत मोटी है।"

तब और अब

मशहूर लेखक : "दस बरस पहले आपने मेरी एक कहानी पच्चीस रुपयेको खरीदी थी न ?"

सम्पादक : 'हाँ, लेकिन हमने अभी उसे छापा नही है।"

मशहूर लेखक "अच्छा, तो उसे अब मुझे ढाई सौ रुपयेमें वापस कर दीजिए, अब मेरी कुछ प्रतिष्ठा है और उसे मैं बिगाड़ना नही चाहता।"

स्त्री

तॉलस्तॉयने गोर्कीसे कहा, "जब मेरा एक पैर कब्रमें होगा, जब मैं मरनेवाला होऊँगा, तब मैं औरतकी हकीकत बताऊँगा, और फिर जनाजेमें घुसकर कह दूँगा—अब तुमसे जो हो सो कर लो !"

कृति

"क्या आपकी 'साहस-विकास' नामक पुस्तक समाप्त हो गयी ?"

"हो तो गयी है, मगर मुझे उसे किसी प्रकाशक तक ले जानेका साहस नहीं होता ।"

रहम

"कल रात मेरे यहाँ चोर घुस आये ।"

"अच्छा !"

"उन्होंने मेरा सारा घर छान मारा । वहाँ था ही क्या ! आखिर वे मेरी टेबलपर दस रुपये रखकर चले गये !"

पर्याप्त-ज्ञान

प्रोफ़ेसर "तुम अठारहवी सदीके वैज्ञानिकोके बारेमें क्या जानते हो ?"

विद्यार्थी . "यही कि सब मर चुके है ।"

जमीन

शिक्षक · "पृथ्वीका आकार कैसा है ?"

जॉनी . "गोल ।"

शिक्षक "तुमने कैसे जाना कि पृथ्वी गोल है ?"

जॉनी . "अच्छा चौकोर सही । मै इस विषयमे बहस नही करना चाहता ।"

इतिहासवेत्ता

शिक्षक : "१६२७ मे क्या हुआ रे रामू ?"

रामू "शिवाजी महाराजका जन्म हुआ, सर ।"

शिक्षक . "अच्छा १६४८ मे क्या हुआ ?"

रामू (जरा सोचकर) : "शिवाजी महाराजको इक्कीसवाँ वर्ष लगा, सर ।"

शुमार

शिक्षक . "पानीपतके मैदानमें कितनी लड़ाइयाँ हुई थीं ?"

विद्यार्थी "जी तीन।"

शिक्षक "गिनाओ।"

विद्यार्थी "एक, दो, तीन।"

गनीमत

पिता (सरोष) "तो तू तीस लड़कोंके क्लासमें आखिरी रहा ?"

पुत्र · "अगर और बड़ा क्लास होता तो मामला बदतर हो गया होता।"

क्या करें

एक काहिल विद्यार्थी "अब क्या करें ?"—

उसके भाईबन्द "पैसा उछालें, अगर चित पड़े तो सिनेमा देखने चला जाये। अगर औंधा पड़े तो नाटक देखने चला जाये। अगर किनारेपर खड़ा रहे तो पढ़ने बैठे।"

कृषि-विशारद

कृषि-कॉलेजका ताजा ग्रेजुएट "तुम्हारे खेतीके तरीके बिलकुल 'आउट ऑफ डेट' (युगबाह्य) हैं, इस दरख्तसे पाँच सेर भी सेब मिल जायें तो मुझे ताज्जुब होगा।"

बूढ़ा किसान "मुझे भी ताज्जुब होगा, यह तो नासपातीका पेड़ है।"

दिक्-मूढ़

एक राजनीतिक वक्ता तकरीर करते हुए यह कह रहा था, "मैं न पूरब जानता हूँ न दक्खिन, न उत्तर न पश्चिम।"

एक श्रोता "तो आप घर जाइए और जुगराफिया सीखिए।"

मालिक-मकान

एक अंग्रेजी गाइड बम्बईके कुछ विद्यार्थियोको कैनिलवर्थका किला दिखा रहा था। वह बोला, "सैकडो सालोसे इस इमारतका एक भी पत्थर नही छुआ गया, किसी चीज़की मरम्मत नही की गयी !"

"क्या इत्तिफाक है !" एक विद्यार्थी बोला, "हमारी खोलीका और किलेका मालिक एक ही शख्स मालूम होता है !"

चट्टे-बट्टे

शिक्षक : "आदमीसे मिलता हुआ अगर कोई प्राणी है तो वह बन्दर है।"

विद्यार्थी : "और भी एक प्राणी है।"

शिक्षक : "कौन ?"

विद्यार्थी : "औरत।"

गधा

शिक्षक (गुस्सेमें) : "लडको, जानते हो मेरी छडीके सिरेकी ओर एक गधा बैठा है।"

एक (बे-ध्यान) लड़का (उत्सुकतासे) : "छडीके किस सिरेकी तरफ है, साहब ?"

मुश्किल यह आ पड़ी है कि ..

प्रोफेसर (परीक्षा-भवनमें) : "क्या सवाल मुश्किल है ?"

परीक्षार्थी : "सवाल तो आसान है, जवाब मुश्किल है।"

पाजामा

शिक्षक : "पाजामा एक वचन है या बहुवचन ?"

विद्यार्थी : "ऊपरसे एक वचन है, नीचेसे बहुवचन।"

हास्यास्पद

छात्रको लगातार हँसता देखकर प्रोफेसरने खीजकर कहा, "क्या तुम लोग मुझपर हँस रहे हो ?"

"जी नहीं।"

"तब इस कमरेमें हँसनेको और चीज ही क्या है ?"

सर्वनाम

शिक्षक : "रमेश, सर्वनामके दो उदाहरण तो दो।"

रमेश (घबड़ाकर) : "कौन ? मैं ?"

शिक्षक : "शाबाश ! ठीक है।"

चमड़ा

शिक्षक : "अच्छा अब गायके चमड़ेका कोई फायदा बताओ।"

विद्यार्थी : "वह गायको लपेटे रखता है।"

भूतकाल

गुरु : "जागना क्रियाका भूतकाल क्या है ?"

शिष्य : "सोना।"

गधा

"प्रोफ़ेसर साहब, अगर मैं आपको 'गधा' कह दूँ तो इसमें अपमान हो जायेगा ?"

"अवश्य।"

"और अगर गधेको 'प्रोफ़ेसर' कहूँ तो ?"

"तब न होगा।"

"ठीक है, प्रोफेसर साहब !"

गरमीका असर

शिक्षक . "गरमीका चीज़ोपर क्या असर होता है ?"

विद्यार्थी "गरमीसे चीजे वढ जाती है और ठढसे सिकुड जाती है।"

शिक्षक . "जैसे ?"

विद्यार्थी . "जैसे गरमीमे दिन वडा और जाडोमे छोटा हो जाता है।"

एक दिनकी देर

"तू कभी काम वक्तपर नही करता। तुझ सरीखा अनियमित लडका मैने नही देखा। तू कव जन्मा था ?"

"दूसरी अप्रैलको"

"वहाँ भी तूने एक दिनकी देर की !"

क्या बनेगा ?

मास्टर "विज्ञान, तू क्लासका सबमे निकम्मा लडका है। तू न लिख सकता है, न पढ सकता है, न तुझे हिसाव आता है, न भूगोल, न इतिहास। समझमे नही आता तू आगे चलकर क्या करेगा !"

विज्ञान · "मै मास्टर बनूंगा। लडकोसे लिखने, पढने, सवाल हल करने, वगैरहके काम कराया करूँगा। आप भी तो यही करते हैं !"

क्रिकिट

व्याकरण और निवन्धका इम्तहान था, शिक्षकने क्रिकिटपर निबन्ध लिखनेको कहा। एक छोटे लडकेके सिवा सब विद्यार्थी लिखनेमे व्यस्त थे। वक्त जब खत्म होनेको आया तो एकाएक उस लडकेमें जीवन आ गया। एक वाक्य लिखा और उत्तर पुस्तक दे दी—जुमला था,

"बरसातकी वजहसे खेल बन्द रहा।"

मर्दे-मैदां

शिक्षक : "फतहपुर सीकरीके मैदानमें बाबरका मुकाबला किसने किया था, अब्दुल कादिर !"

कादिर मियां (एकाएक जागकर) "साहब, मैंने नहीं किया, मैं तो कल छुट्टीपर था।"

डूबतेको पानी

परीक्षामें सफल होनेके बाद रमेश अपने प्राइवेट ट्यूटरकी तारीफ करते हुए बोला, "सर, क्या बताऊँ, आपके पाठ मेरे लिए ऐसे साबित हुए, जैसे डूबतेको पानी।"

रेखागणित

शिक्षक. "जब जार्ज वाशिंगटन तुम्हारी उम्रका था तब तक सर्वेअर बन गया था।"

विद्यार्थी. "और जब वह आपकी उम्र तक पहुँचा अमेरिकाका प्रेसिडेन्ट बन गया था।"

उच्चारण

"एक शब्द है जिसका तलफ्फुज हमेशा गलत किया जाता है।"

"कौन-सा ?"

"गलत।"

फुल बेंच

एक मास्टर साहब कुछ भेंगे थे। जब वे क्लासमें किसी लड़केकी तरफ मुखातिब होकर 'स्टैंड-अप' कहते तो तीन लड़के बेंचपर खड़े हो जाते थे।

दूरी

शिक्षक "बताओ नीलाम्बर, चन्द्रमा दूर है या चीन ?"

नीलाम्बर "चीन।"

शिक्षक : "चीनको तुम दूर क्यों समझते हो ?"

नीलाम्बर "क्योंकि चन्द्रमाको तो हम देख सकते हैं, मगर चीन कहाँ दिखाई देता है ?"

खुद बतायेगा

मास्टरने लड़केसे एक सवाल पूछा। सवाल पेचीदा था। उसकी समझमें नहीं आ रहा था। दूसरे लड़केने उसके कानमें चुपकेसे कहा, "मास्टर गधा है।"

मास्टर (दूसरे लड़केसे) : "हाँ-हाँ, तुम उसे क्यों बताते हो ? वह खुद ही समझकर बतायेगा।"

गणित

प्रोफ़ेसर : "अगर क्लासमें लड़की हो तो लड़कोंको गणित पढ़ा सकना गैर-मुमकिन है।"

श्रोता "लेकिन कोई लड़का ऐसा भी हो सकता है कि लड़कियोंकी मौजूदगीके बावजूद …।"

प्रोफ़ेसर "हो सकता है, पर ऐसे लड़केको पढ़ाना फ़िज़ूल होगा।"

विद्या-वारिधि

एक : "इस वक्त बारिश हो जाय तो बड़ा फायदा हो !"

दूसरा : "हाँ, इस बातको एक मिनिटकी बारिश एक सेकण्डमें वह काम करेगी जो बादकी एक बरसकी बारिश एक महीनेमें भी नहीं कर सकती।"

आसान काम

शिक्षक : "बढ़िया चित्रकार हाथके दो-तीन इशारोंमें ही हँसती शकलको रोती बना सकता है।"

लड़का : "इसमें कौन-सी बड़ी बात है। मेरे बाप तो एक हाथमें बना देते हैं।"

गर्व-खर्व

एक प्रोफ़ेसर : "मेरे हाथके नीचेसे हजार बारह सौ विद्यार्थी निकल चुके होंगे...।"

विनोबा : "हजार बारह सौ विद्यार्थी निकल गये यह तो ठीक है, पर कोई हाथ भी आया ?"

अर्जुन कौन था ?

"बापू जी, अर्जुन कौन था ?"

"अरे ! तो फिर तू स्कूलमें जाकर पढ़ता क्या है ? पैसे ही बिगाड़ता है ? इतना भी नहीं जानता ? तुझे अपने अज्ञानपर शर्म नहीं आती। ला यह रामायण, अभी तुझे बताऊँ कि अर्जुन कौन था।"

ग्रहण

शिक्षक : "ग्रहण कितने प्रकारके होते हैं ?"

विद्यार्थी : "अनेक प्रकारके—चन्द्रग्रहण, सूर्यग्रहण, पाणिग्रहण,...."

आफरीं

"अगर दीनने अपने लफ्ज वापस न लिये तो मैं कालिज छोड़ दूँगा।"

"क्या कहा था उसने तुमसे ?"

"यह कि : 'कालिज छोड़ दो'।"

अन्तर

शिक्षक . "कुमारी और श्रीमतीमे क्या अन्तर है ?"

विद्यार्थी "श्रीमान्‌का अन्तर है।"

प्रमाण-पत्र

शिक्षक . "विजय, तेरे सब सवाल गलत है, तुझे कुछ नही आता, जब मै तेरी उम्रका था तो तुझसे दो क्लास आगे था।"

विजय "आपको अच्छा मास्टर मिला होगा।"

तीसरा फल

एक किसानका लडका कॉलिजसे घर आया। सब नाश्ता करने बैठे। एक तश्तरीमें दो अमरूद रखे थे। नवयुवक विद्यार्थी अपने वालदैनको अपनी चतुराई दिखलानेके लिए बोला,

"मै साबित कर सकता हू कि ये दो नही तीन अमरूद है।"

"कैसे ?" पिताने पूछा।

लडका "इस तरह—देखो, यह 'एक', यह 'दो', पर एक और दो तीन होते है हो गये न तीन ?"

पिता "इनमे-से पहला मै खाऊँगा; दूसरा तेरी मां खायेगी, तीसरा तू खाना।'

मोस्ट इम्पॉर्टॅण्ट

प्रोफेसर (गम्भीर होकर) "प्रश्न-पत्र अब मुद्रकके पास है। परीक्षाका सिर्फ एक हफ्ता रह गया है। आप लोगोंको कोई सवाल पूछने है ?"

क्लासकी पिछली लाइनसे एक आवाज आयी, "मुद्रकका नाम क्या है ?"

दो कारण

एक दार्शनिक प्रोफेसरको खुद अपनेसे ही बातें करनेकी आदत थी। एक रोज उसके एक सहयोगीने मजाक उड़ानेकी गरज़से पूछा,

"आप अपनेसे बाते किया करते है। यह आप आदतन करते है या इसका कोई और कारण है?"

प्रोफ़ेसर "कारण है, एक नही दो! एक तो यह कि मैं हमेशा बुद्धिमान् आदमीकी ही बातें सुनना चाहता हूँ और दूसरा यह कि मै केवल बुद्धिमानोंसे ही बातें करना पसन्द करता हूँ।"

विचक्षणा

एक माँ अपनी लड़कीको किसी किण्डरगार्टन स्कूलमें भर्ती कराना चाहती थी, लेकिन लड़कीकी उम्र सिर्फ पाँच बरसकी थी, जब कि दाखिले के लिए उसे छह सालकी होना ज़रूरी था। माँ परीक्षकसे बोली,

"मेरे विचारसे उसमे छह वर्षकी लड़कीके सब लक्षण मौजूद है।"

परीक्षक . "अच्छा देखें।" फिर लड़कीसे . "बेटी, तुम्हारे मनमे आयें सो कुछ शब्द बोलो तो।"

पाँच वर्षकी बालिका बोली, "तर्क-सम्मत वाक्य बोलूँ या विशृङ्खलित शब्दावली?"

मासूम

एक सण्डे-स्कूलकी शिक्षिका परलोकपर प्रवचन कर रही थी। उसने स्वर्गके सुखो और नरकके दु:खोका सविस्तार चित्रण किया।

पूर्णाहुति करती हुई बोली, "अच्छा, हैलेन! तुम स्वर्ग जाना चाहोगी या नरक?"

बच्ची हैलेन, जो बड़े ध्यानसे सुन रही थी, विचार-मग्न होकर बोली, "मै तो दोनो जगह देखना चाहूँगी।"

भाग्यशाली

पण्डितजी "प्राचीन आर्य लोग किस विषयमें हमारी अपेक्षा अधिक भाग्यशाली थे ?"

विद्यार्थी "उन्हें सीखे बगैर संस्कृत आती थी ।"

जनरल डैबिलिटी

मास्टर "तेरा इतिहास कमजोर देखकर मैंने तुझे उसका एक पन्ना बीस दफा लिखकर लानेको कहा था, मगर तू पन्द्रह ही बार लिखकर लाया है !"

विद्यार्थी "क्या करूँ मास्टर साहब, मेरा गणित भी तो कमजोर है ।"

ग़ैरमुमकिन

सुबोधिनी (क्लासमें अपनी शिक्षिकासे) "बहनजी, आज मेरी सहेली कहती थी कि एक बच्चेको हथिनीके दूधपर रखा। वह उसके ऐसा माफिक आया कि उसका वजन पाँच सेर रोज बढ़ता गया !"

"बिल्कुल ग़ैरमुमकिन बात है ।"

"नहीं, वह कहती थी बिल्कुल सच्ची बात है ।"

"ऐसा हो ही नहीं सकता । कहीं किसी बच्चेका वजन पाँच सेर रोज़ बढ़ते सुना भी है ? किसका बच्चा था ?"

"हथिनीका ।"

कुत्तेपर निबन्ध

शिक्षक " 'हमारा कुत्ता', पर तुम्हारा निबन्ध बिल्कुल वैसा ही है जैसा तुम्हारे भाईका !"

विद्यार्थी "इसलिए कि हमारे घरमें एक ही कुत्ता है ।"

स्मरण-शक्ति

एक स्मरण-शक्ति-सवर्धिनी सस्थाने अपने एक स्नातकको पत्र लिखा,

"श्रीमन्, हमारी सस्थाका पूर्ण कोर्स ले चुकनेके उपलक्ष्यमे आपको हार्दिक अभिनन्दन। क्या हम आपसे अनुरोध कर सकते है कि आप कृपा करके हमारे कोर्सकी उपयोगिता, गुणकारिता और लाभदायकताका दिग्दर्शन कराते हुए हमे एक कीमती सम्मति प्रदान करे?

पुनश्च—आप यहाँसे जाते वक्त जो अपनी टोपी, छडी और जूतियाँ भूल गये थे उन्हें हम पार्सल पोस्ट-द्वारा आपकी सेवामे प्रेषित कर रहे है।"

हिसाब बराबर

शिक्षण "रमेश, तुम्हारे घटानेके सवालमे नौ पाईकी कमी है।"

रमेश (तीन पैसे देते हुए) : "लीजिए, अब तो ठीक है।"

तालीम

हबशी "आपने अपने कुत्तेको ऐसी तालीम कैसे दे दी। मै तो अपने कुत्तेको कुछ सिखा ही नही सकता।"

वहशी "आसान बात है। बस आपका ज्ञान कुत्तेसे ज्यादा होना चाहिए।"

हिमालय

"हिमालय न होता तो क्या होता?"

"हिमालय न होता तो तेनसिंह उसपर चढ नही सकता था।"

फल

शिक्षक "गरमीमे होनेवाला कौन-सा फल सबसे मीठा और खट्टा होता है?"

विद्यार्थी . "परीक्षा-फल!"

लेटलतीफ

शिक्षक : "तुम इतनी देरसे क्यों आते हो ?"

लतीफ : "घरसे चलते वक्त देर हो जाती है ।"

शिक्षक : "जल्दी क्यों नही रवाना होते ?"

लतीफ : "जल्दी रवाना होना चाहता हूँ मगर उसके लिए भी देर हो जाती है ।"

महायात्री

शिक्षक : "तुम जानते हो कि ऊँट बिना पिये आठ रोज चलता है ?"

विद्यार्थी : "पी ले तो न मालूम कितना चले ।"

छुट्टी

"छुट्टी किस रोज होनी चाहिए ?"

"जिस रोज पाठ याद न हो ।"

ऐसे कही !

शिक्षक : "यह एक पुरानी कहावत है कि बेवकूफ ऐसे सवाल कर सकता है जिनका अक्लमन्द जवाब न दे सके ।"

विद्यार्थी : "कोई ताज्जुब नही कि मैं किसी सवालका जवाब न दे सका ।"

हिन्दी-ज्ञानी

"मैंने हिन्दीके तीन सबक पढ़े है ।"

"तो क्या तुम किसी हिन्दी-भाषीसे बातचीत कर सकते हो ?"

"नही तो, लेकिन जिस-किसीने भी हिन्दीके ये तीन सबक पढ़े हो उसके साथ मैं हिन्दीमें बातचीत कर सकता हूँ ।"

अटपटी अँग्रेजी

स्कूलमे मास्टरने सिखाया, "माई हेड माने मेरा सिर।"

लडका घर पहुँचकर सवक याद करने लगा, "माई हेड माने मास्टर-का सिर"—यह उसके वापने सुन लिया। उसने गलती ठीक करायी, "माई हेड माने 'मास्टरका सिर' नही 'मेरा सिर'।"

अगले दिन स्कूलमे मास्टरने पूछा, "माई हेड माने ?"

लडका "स्कूलमे मास्टरका सिर, घरपर मेरे वापका मिर।"

अनुकूलता

शिक्षक : "विलियम, क्या तुम वता सकते हो कि शरीर किस तरह अपनेको वदलते हुए हालातके माफिक वना लेता है ?"

विली "जी हाँ, मेरी चचीका हर साल ४५ पौण्ड वजन वढता है, मगर उसकी चमडी चटखती नही।"

टैक्स

अर्थशास्त्रका प्रोफ़ेसर "परोक्ष टैक्स (Indirect taxation) का कोई उदाहरण दो।"

नया विद्यार्थी "कुत्तेका टैक्स, साहव।"

प्रोफ़ेसर "वह कैसे ?"

विद्यार्थी : "उसे कुत्तेको नही अदा करना पडता।"

गलतियाँ पिताजीकी

शिक्षक "क्यो गिरीश ! यह निवन्ध जो तुम घरमे लिखकर लाये हो, तुमने ही लिखा है ?"

गिरीश · "जी मैने ही लिखा है। सिर्फ इसकी गल्तियाँ मेरे पिताजीकी है।"

निर्यात

परीक्षक "किसी भी सालमे अमेरिकासे निर्यात किये गये की मात्रा बताइए।"

विद्यार्थी : "१५९२ मे—बिलकुल नही।"

बड़ी कुरबानी

"मण्टी लगे चम-चम विद्या आवे घम-घम" का ज़माना था।

एक दफा कुछ लडके स्कूल जा रहे थे। रास्तेमें देखा कि एक कसाई एक बकरेको खीचे लिये जा रहा है। बकरेको जानेकी इच्छा नही मालूम होती थी, रोता था, चिल्लाता था।

लडके : "इसे कहां ले जा रहे हो ?"

कसाई "कुरबानीके लिए।"

लड़के "हम तो समझे कि इसे स्कूल ले जा रहे हो। कुरबानीके लिए जानेमे इसपर ऐसी क्या आफत पड रही है जो इतना दु खी हो रहा है।"

डेली ब्रेड

ईसाई शिक्षक . "बच्चो, प्रार्थनामें तुम 'रोजकी रोटी' ही क्यो मांगते हो, हफ्ते-भरके लिए क्यो नही ?"

लड़का . "क्योकि हर रोज ताज़ा मिल जाती है।"

सर्वस्व

शिक्षक "चुन्नू, अगर तुम्हारे बापको दो रुपये रोज मिलें तो चार दिन बाद उनके पास क्या होगा ?"

चुन्नू · "एक बँगला, एक मोटर, एक रेडियो, एक टेलिफोन, बहुत-सी मिठाई, कपडे, खिलौने· · ·।"

यू नो

शिक्षक "बोलो विनोद, 'यू नो' माने क्या ?"

विनोद "आप जानो, साहब ।"

सयोग

मास्टर "सयोगका कोई अच्छा उदाहरण बताओ ।"

एक लड़का "मेरी माँ और बापका विवाह एक ही दिन हुआ था ।"

तस्वीर

शिक्षक "मैदानमे घास चरती हुई गायकी तस्वीर बनाकर लाये, रुस्तम ?"

रुस्तमने एक कोरा कागज़ शिक्षकके हाथमे थमा दिया ।

शिक्षक "यह तो कोरा कागज़ है ।"

रुस्तम . "एक मैदानकी घास चट कर जानेके बाद गाय और घास चरने दूसरे मैदानमें गयी है ।"

शिक्षण

पिता . "आज तुमने स्कूलमें क्या सीखा ?"

छोटा लडका . "आज मैंने स्कूलमे 'जी हाँ' 'जी नही', सीखा ।"

पिता (खुश होकर) : "यह सीखा तुमने ?"

लडका · "हाँ जी ।"

इन्सपेक्टर

एक इन्सपेक्टरने करीब चार घण्टे तक स्कूलका मुआइना किया और खुश होकर बोला, "कोई लडका मुझसे कुछ पूछना चाहता है ?"

एक लडकेने उठकर पूछा, "आप स्कूलसे कब जायेंगे ?"

डबल हाफ

बुकसेलर : "यह वह किताब है जो तुम्हारा आधा काम कर देगी।"

विद्यार्थी : "वाह वा ! मुझे इसकी दो प्रतियाँ दे दो।"

शिक्षण

जार्ज बर्नार्ड शॉके एक परिचित युवकने उसे बताया कि वह लेखक बनना चाहता है।

"लेकिन कुछ लिखना शुरू करनेसे पहले मैं दो साल तक भ्रमण करना चाहता हूँ।"

"अच्छा है। फिर क्या करोगे ?"

"तब चार साल तक यूनिवर्सिटीमें रहूँगा।"

"अरे ! क्या यों अपने शिक्षणमें बाधा डालोगे ?" शॉने हैरतमें आकर कहा।

दीर्घायुष्य

एक आदमी अपना १०५ वाँ जन्मदिन मना रहा था। अखबारवालों ने उसके दीर्घ-जीवनका रहस्य पूछा, बूढा बोला, "तुम्हें पैड्रोके कत्लका तो किस्सा याद होगा। मेरे दीर्घ-जीवनका रहस्य यही है कि पुलिस उसके कातिलका पता न लगा सकी।"

शुक्र

शिक्षक : "तो तुम शुक्रके दिन जन्मे हो ?"

विद्यार्थी : "जी"

शिक्षक : "तो तुम्हारे खान्दानको शुक्रगुजार होना चाहिए कि…"

विद्यार्थी : "जी, वे कहते थे—खुदाका शुक्र है कि तुम्हीं न हुए।"

क्रिया-कर्म

परीक्षक . "डूबे हुए आदमीको बाहर निकालनेपर पहले क्या करना चाहिए ?"

विद्यार्थी "पर वह आदमी है किस जातिका ?"

परीक्षक : "इसमें जातिका क्या सवाल ?"

विद्यार्थी . "वाह ! ऐसा कैसे ? हिन्दू, मुसलमान, ईसाईकी व्यवस्था अलग-अलग है ।"

सबक

एक यहूदीका करीब पाँच वर्षका लडका एक ऊँची जगहपर चढकर कहने लगा, "पिताजी, मैं कूद पड़ूँ ? आप झेल लेंगे ?"

"हाँ बेटा, कूद पडो मैं झेल लूँगा ।"

"कूद पड़ूँ ?"

"हाँ, कूद पडो ।"

लडका कूद पडा । पर उसके पिताजी एकदम हटकर खड़े हो गये । लड़केके पैरकी हड्डी टूट गयी ।

एक पडोसी यह सब देख रहा था । उसने उसके बापको कुछ सीधी-टेढी सुनायीं। वह बोला, "मैं अपने लडकेको फिलफौर यह सबक देना चाहता था कि दुनियामें अपने बापका भी विश्वास न करो ।"

सही तारीख़

परीक्षा-हॉलमें जाते समय एक विद्यार्थीने अपने अध्यापकसे पूछा, "आज क्या तारीख़ है, सर ?"

"तारीखकी फिकर मत करो । इम्तहानकी फिकर करो ।"

"सर, मैं अपनी परीक्षा-कॉपीमें कमसे-कम एक बात तो सही लिखना ही चाहता हूँ ।"

देरसे आनेका सबब

मास्टर "नटवर, तू आज स्कूल देरसे क्यों आया ?"

नटवर . "साहब, मैं गिर गया था ।"

मास्टर "कहांसे ?"

नटवर "चारपाईसे ।"

शयन

शिक्षक "मदन, तू आज इतनी देर करके कैसे आया ?"

मदन "साहब, आज मैं देर तक सोता रहा ।"

शिक्षक . "अरे ! क्या तू घरपर भी सोता है ?"

नैपोलियन

"नैपोलियन जर्मन होता तो कितना अच्छा होता !"

"क्यों ? उससे क्या होता ?"

"क्योंकि मैंने परीक्षाके उत्तर-पत्रमें ऐसा लिखा है ।"

शॉट !

एक लड़का कांपता हुआ अपने सहपाठीके पास आकर बोला, "ड्रॉइंग मास्टरके पीछे एक सांड बुरी तरह पड़ा है । बेचारे जान लेकर भाग रहे है । चलो जल्दी !"

सहपाठी फौरन् साथ हो लिया ।

पहला "अरे ! यों ही चल रहे हो ! कैमरा तो ले लो, बड़ा बढ़िया शॉट है !"

अभेद

शिक्षक : "कुछ बड़े और कुछ छोटे पैगम्बरोंके नाम बताओ ।"

विद्यार्थी . "मैं उनमें छोटे-बड़ेका फिजूल भेद नहीं करता ।"

प्रतिष्ठा

शिष्य : "गुरुदेव, आप तो कहते हैं कि जो प्रतिष्ठासे दूर भागता है, प्रतिष्ठा उसके पीछे दौडती है। मैं पिछले २० वर्षोंसे प्रतिष्ठासे दूर ही भागना चाहता रहा हूँ। पर प्रतिष्ठा तो मेरे पीछे कभी नही दौडी !"

गुरु "ठीक है। मगर शायद तुम्हारी नजर सदा इसीपर रहती होगी कि देखें, प्रतिष्ठा पीछे आ रही है या नही !"

महाभारत किसने लिखा ?

मास्टर अपनी क्लासमे पढा रहा था। मौजीलाल पढाईकी तरफ ध्यान न देकर अपनी कॉपीपर गधेकी तस्वीर बना रहा था।

मास्टर "मौजीलाल, बता 'महाभारत किसने लिखा ?' "

मौजीलाल "मास्टर साहब, मुझे नही मालूम। मैंने नही लिखा। क्लासके किसी और लडकेने लिखा होगा !"

व्याख्या

स्कूल-इन्सपेक्टरने पाँच वर्षकी तरलासे पूछा, "राजनीतिज्ञ किसे कहते है ?"

तरला "वह आदमी जो लैक्चर देता फिरता है।"

इन्सपेक्टर "काफी ठीक है, पर बिलकुल ठीक नही। लैक्चर तो मै भी देता फिरता हूँ पर मैं राजनीतिज्ञ नही हूँ।"

तरला (हँसते-मुसकराते हुए). "राजनीतिज्ञ वह है जो अच्छे लैक्चर देता है "

भाईचारा

शिक्षक . "अगर मैंने किसी आदमीको किसी गधेको पीटते देखा और उसे ऐसा करनेसे रोक दिया तो मैंने कौन-सा गुण दर्शाया ?"

विद्यार्थी : "भ्रातृ-प्रेम।"

खामोशी

शिक्षक : "खामोशी माने ?"

विद्यार्थी "वह चीज जिसे सुनना चाहे तो सुन नही सकते।"

डरके मानी

गुरु "लडको, नैपोलियन बोनापार्ट इतना बहादुर और बलवान था कि वह जानता ही न था कि डरके मानी क्या होते है।"

एक विद्यार्थी "तो वह बडा बेवकूफ था।"

गुरु "क्यो ?"

विद्यार्थी "अगर डरके मानी उसे नही मालूम थे तो किसी कोशमे देख क्यो नही लिये ?"

कीडेकी खूराक

कैशियर "मेरे ख्यालसे आप कीटाणुओसे तो डरती नही। आपको तनख्वाह जरा जीर्ण-शीर्ण नोटोमे दे रहा हूँ।"

शिक्षिका "चिन्ता न कीजिए। मेरी तनख्वाहपर कोई कीड़ा जिन्दा नही रह सकता।"

हाफ़िज़ा

शिक्षक "जितेन्द्र, मुझे तुम्हारी हालतपर दुख होता है। जब मै तुम्हारी उम्रका था तो काग्रेसके तमाम प्रेसीडेण्टोके नाम फरफर सुना देता था।"

जितेन्द्र : "सुना देते होगे, मगर तबतक तीन-चार ही हुए होगे।"

सहशिक्षणकी शुरुआत

"सहशिक्षणकी शुरुआत कब और कहाँसे हुई ?"

"ईडनके बागमे आदम और हव्वासे।"

डाकमे गुम !

होस्टलमे रहनेवाले कॉलेजके एक खर्चीले विद्यार्थीने बडी आजिज़ी, दिलगीरी और शर्मिन्दगी दर्शाते हुए कुछ और रुपये भेजनेके लिए अपने पिताको पत्र लिखा। 'पुनश्च'में लिखा, "यह खत लिखनेको तो लिख गया, पर आपकी कठिनाईको बढाते हुए मुझे इतना दु ख हुआ कि मैंने यह खत डाकमे न डालनेका दृढ निश्चय कर लिया, पर यह विचार मुझे खतको लैटर-बक्समे डालनेके बाद आया। अब तो मेरी अन्तःकरणपूर्वक ईश्वरमे यही प्रार्थना है कि यह खत डाकमें गुम हो जाये और आपको न मिले तो अच्छा।"

खतका जवाब आया "ईश्वरने तुम्हारी प्रार्थना सुन ली। तुम्हारा खत डाकमें गुम हो गया और मुझे नही मिला। अब दु ख और शर्मसे लाल होकर मुँह लटकाकर बैठे रहनेके बजाय पढनेमे मन लगाना।"

ये डिगरियाँ

यूरोपमे कुछ लोगोंने उपाधियाँ देनेके लिए एक सस्था खोल रखी थी। नियत फीस पाकर हर एकको डिगरी दे देते थे।

एक बार एक मामूली आदमीको डिगरी मिली देखकर कोई मनचला अपने घोडेको लेकर वहाँ पहुँचा और बोला, "साहब, अपनी फीस लीजिए और मेरे घोडेको भी डिगरी प्रदान कीजिए।"

सस्थावाला बोला, "खेद है कि हम घोडेको डिगरी नही दे सकते। फिलहाल हम गधोंको ही ये सम्मान दे रहे है।"

अजीब चीज

शिक्षक "वह कौन-सी अजीब चीज है जो आजसे सौ वर्ष पहले दुनियामें नही थी, मगर आज है?"

विद्यार्थी . "साहब, आप। सौ वर्ष पहले आप दुनियामे नही थे, पर आज है।"

नेवी

यह देखकर कि जहाज कैसे साफ-सुथरे रखे जाते हैं मैं नौसेनामें भरती हो गया। लेकिन यह मुझे भरती हो जानेके बाद मालूम हो सका कि उन्हें ऐसा साफ-सुथरा कौन रखता है।

नेक-बद

मालिक "तुम्हें पिछली जगह क्यों छोड़नी पड़ी ?"

उम्मीदवार "नेकचलनीकी वजहसे।"

मालिक "कोई नेकचलनीकी वजहसे भी निकाला जाता है ?"

उम्मीदवार . "जी, सजा तो मुझे पाँच बरसकी हुई थी, मगर जेलमें नेकचलनीकी वजहसे नौ महीने पहले छोड़ दिया गया।"

तरक्की

क्लर्क "मैं पाँच सालसे आपके यहाँ नौकरी कर रहा हूँ मगर अभी तक मुझे यही तनख्वाह मिल रही है।"

मैनेजर "हाँ मुझे मालूम है। मगर क्या करूँ, मैं अपने दिलको सख्त नहीं बना पाता, क्योंकि हरबार जब मैं तुम्हें निकालनेका इरादा करता हूँ, मुझे तुम्हारे बाल-बच्चोंका खयाल हो आता है।"

रज

"क्यो रे रामा, इस कुरसीपर इतनी धूल क्यो है ?"

"मै क्या करूँ साहब, सुवहसे इसपर कोई बैठा ही नही ।"

नकल

क्लर्क "साहब, दफ्तरमे पुराने निकम्मे कागजातका अम्बार लग गया है । आप इजाजत दें तो उन्हे जला डाला जाये ।"

अफसर · "जलानेमे कोई ऐतराज नही है, मगर शायद भविष्यमे जरूरत पड जाये इसलिए उनकी नकलें करा लो ।"

पूर्व-रग

दफ्तरका मालिक "मिस जोन्स, तुम सचमुच बड़ी खूबसूरत लड़की हो ।"

टाइपिस्ट गर्ल (लजाती हुई) "सचमुच ?"

मालिक . "तुम्हारी पोशाक बडी मजीली होती है, आवाज निहायत रसीली है, लट घुँघराली और चाल मतवाली है ।"

गर्ल (लज्जामे गडती हुई) "इतनी तारीफ न कीजिए ।"

मालिक "हाँ यह तो ठीक है । पर हिज्जे और विरामोंकी चर्चा करनेसे पहले मै तुम्हे प्रसन्नावस्थामे लाना चाहता हूँ ।"

ठीक !

मिस्टर चपलूकी नौकरी वैकमे लग गयी । कैशियरने उनकी तरफ एक-एक रुपयेके नोटोंका पैकेट उछालकर कहा, "चेक कर देखो कि सौ ही है न ।" चपलू मियाँ जब '५६', '५७', '५८' पर पहुँचे तो अधीर हो उठे और पैकेटको दराजमें धरते हुए बोले, "जब यहाँतक ठीक है तो आगे तक ठीक ही होंगे ।"

जिगरी दोस्त

चपरासी "साहब, टेलिफ़ोनपर आपका कोई जिगरी दोस्त आपको पूछ रहा है।"

साहब "जिगरी दोस्त ?"

चपरासी "हाँ सरकार।"

साहब . "तुमने कैसे पहचाना कि हमारा जिगरी दोस्त है ?"

चपरासी "हुजूर बोलता है कि भाई, देख तो जरा कि दफ्तरमें वो बेवकूफ आया है या नहीं ?"

हाय नाकामी !

मैनेजरने उम्मीदवारकी अर्जीपर नजर डाली और निराशा-सूचक सिर हिलाते हुए कहा,

"सोरी ! हमें अकेला आदमी चाहिए इस कामके लिए।"

"और जब मैं कल यहाँ आया था तो आपने कहा था शादीशुदा आदमी चाहिए।"

"सोरी ! गलतीसे कहा होगा।"

"गलतीसे ! मैंने कल सीधे यहाँसे जाकर शादी की !"

नौकरी

"मैंने अभी सपनेमें देखा कि मुझे नौकरी मिल गयी !"

"इसीलिए थके-माँदे नजर आ रहे हो।"

नींद

मालिक : "तुम आज सुबह देरसे क्यों आये ?"

क्लर्क . "साहब, मैं देरसे उठा।"

मालिक . "क्या तुम घरपर भी सोते हो ?"

दासता

मालकिन : "देखो, तुम्हें मकान साफ करना होगा, लॉनकी घास काटनी होगी, फूलोंके पौधे लगाने होंगे, सामान खरीदकर लाना होगा, कपड़े इस्त्री करने होंगे, बच्चे सँभालने होंगे, ... ।"

उम्मीदवार : "देवीजी, यह एक दिनका काम है या पञ्चवर्षीय योजना है ?"

तुम कौन हो ?

एक रोज एक नवाव साहव अपनी पशुशालाके मुआइनेके लिए गये। हाथी, घोडे वगैरह जानवरोंके विभागोंके कारिन्दोंने कोनिश बजायी और अपना परिचय दिया। अन्तमें वे ऊँट-विभागमें पहुँचे। वहाँका मुंशी नया आदमी था। नवावने पूछा, 'तुम कौन हो ?' विचारा नरवस होकर बोला, "हुजूर मैं मुशीख़ानेका ऊँट हूँ।" नवाव साहव हँस पडे।

परीक्षा

"सेठजी, लो यह रुपया, मुझे दुकान झाड़ते हुए मिला है।"

"वाह, लड़का है तो ईमानदार! मैंने तेरी परीक्षा लेनेके लिए ही रखा था।"

"मेरा भी यही खयाल था।"

बरखास्त

"तो तुम्हें नौकरीसे जवाब मिल गया है ?"

"हाँ"

"क्यों"

"मेल नहीं बैठा।"

"तुममें और मालिकमें ?"

"नहीं, कैशबुकमें और कैशमें !"

सर्विस

इण्टरव्यूके दौरानमें मैनेजरने प्रार्थीसे पूछा, "पिछली जगह तुमने कितने वर्ष काम किया ?"

"पचास साल।"

"हूँ। और तुम्हारी उम्र कितनी है ?"

"पैंतीस साल।"

"लेकिन पैंतीस सालके होकर तुम पचास साल तक काम कैसे कर सकते हो ?"

"ओवर टाइम !"

नो वैकेंसी

अफसर "कोई जगह खाली नहीं, नौकरीके लिए इतनी अर्जियाँ आती हैं कि सँभाले नहीं सँभलतीं।"

उम्मेदवार "साहब, तो मुझे उनका रिकार्ड रखनेका ही काम दे दीजिए।"

कामचोरी

मालिक "तुम इस साल चार बार तो दादाके मरनेकी छुट्टी ले चुके हो, अब फिर काहेकी छुट्टी चाहिए !"

नौकर. " आज मेरी दादी फिर विवाह कर रही है।"

आलसी

मालिक "तुम एक ही बोरा उठा लिये हो जब कि दूसरे मजदूर दो ले चल रहे हैं ?"

मजदूर "क्योंकि वे एकसे ज्यादा जगह दो चक्कर करनेमें आलस करते हैं।"

आजादी

"इस नये काममे तो आपको काफी आजादी है न ?"

"कहना तो यही चाहिए ! सुबह सात बजेसे जितना पहले चाहूँ पहुँच सकता हूँ और रातको नौ बजे बाद जब चाहूँ छूट सकता हूँ ।"

तरक्की

कोमलचन्द : "साहब, मेरी पत्नीने मुझसे कहा था कि मैं तरक्कीके लिए आपसे दरख्वास्त करूँ ।"

प्रधान : "ऐसा ? तो, मैं अपनी पत्नीसे पूछूँगा कि तरक्की दूँ या नहीं ।"

काम ?

साथी : "इतवारको तुम्हें काम है क्या मिस ग्लोरिया ?"

टाइपिस्ट गर्ल : "नहीं, काम तो कतई नहीं है ।"

साथी : "तो सोमवारको जरा जल्दी दफ्तर आना ।"

द्रुत-विलम्बित

साहब : "क्यों, तुम आज देरसे क्यों आये ?"

कारकुन : "मैं आज जीनेसे गिर गया था ।"

साहब : "तब तो तुम्हें और भी जल्दी आ पहुँचना चाहिए था ।"

नया सिपाही

ऑफिसके बाहर एक नोटिस लगा था, "सिपाही चाहिए ।"

एक छोकरा उस नोटिसको लेकर मैनेजरसे मिलने पहुँचा । मैनेजरने पूछा, "यह नोटिस साथ क्यों लाये हो ?"

"अब इसकी क्या जरूरत है आपको ? मैं आजसे आपका नया सिपाही हो तो गया ।"

छुट्टी

नया कर्मचारी (मैनेजरसे) "आप अपने क्लर्कोंको दो हफ्तेकी छुट्टी देते हैं न ?"

"एक महीनेकी।"

"एक महीनेकी। यह तो और भी अच्छा है।"

"१५ दिनकी छुट्टी तो उन्हे मिलती ही है। १५ दिनकी तब मिल जाती है, जब मै १५ दिनकी छुट्टी लेता हूं।"

बैंगन

नवाब "वजीरे आजम, बैंगनका शाक बड़ा लजीज होता है।"

वजीर · "जी हुजूर बजा फर्माया। बैंगन तो शाकोंका राजा है, तभी तो इसके सरपर मुकुट रखा है।"

नवाब · "मगर बैगनका शाक इसलिए खराब है कि बादी करता है।"

वजीर "बिला शक खराब है, खुदावन्द। तभी तो इसका 'बेगुन' नाम पड़ा है।"

नवाब (हँसते हुए) . "मगर अभी तो आप उसकी तारीफ कर रहे थे, अभी बुराई करने लगे।"

वजीर "आलमपनाह, मै आपका गुलाम हूँ, बैगनका नहीं।"

मायाचार

एक बेकारको सर्कसकी नौकरी दी जाने लगी,

मालिक बोला · "तुम्हें बस यह करना है कि शेरके पिंजरेमें घुसकर उसे गोश्तका टुकड़ा दो और चले आओ। जरूरत इतना ही है कि तुम शेरको यह विश्वास दिला दो कि तुम उससे डरते नही हो।"

"मुझे यह नौकरी नही करनी", आदमी बोला, "मै इतना धोखेबाज नही हो सकता।"

छि.

आयरलैण्डके एक किसानने अपने पुराने नौकरसे कहा कि आइन्दा वह हर अण्डेपर रखे जानेकी तारीख और मुर्गीका नाम लिखा करे।

नौकरने चन्द रोज बाद ही इस्तीफा दे दिया।

"क्यों ? नौकरी क्यों छोडकर जा रहे हो ?"

"हद हो गयी ! मैं हर तरहका काम कर सकता हूँ, पर मुर्गियोंका सेक्रेटरी मुझसे नहीं बना जाता !"

कर्म-कौशल

एक दफ्तरके मैनेजरने एक उम्मीदवार लड़कीसे पूछा, "आपकी विशिष्ट प्रतिभा क्या है ?"

लड़की : "मैंने पहेलियोंमें कई बार इनाम पाये हैं।"

मैनेजर "यह तो अच्छी बात है, मगर हमें तो ऐसा व्यक्ति चाहिए जो दफ्तरके वक्तमें कर्म-कौशल दिखला सके।"

लड़की "वह सब पहेलियाँ मैंने दफ्तरके वक्तमें ही तो हल की थी।"

रैडी रैमैडी

मालिक : "तनख्वाह तुम्हारी आठ रुपये है, और नुकसान तुमने पन्द्रह रुपयेका कर डाला ! अब बताओ क्या किया जाये ?"

नौकर : "आप मेरी तनख्वाह बढ़ा दीजिए !"

गधा

मालिक (नौकरसे) "गधा ! दिन-भर कहाँ रहा है ?"

नौकर : "धोबीके घरमें।"

मालिक (गुस्सेमें) . "गधा बोलता है !"

नौकर · "चींपो ! चींपो !"

भुलक्कड़

मालिक "अब तो वृद्ध क्लॉट्मनको पेन्शन देनी चाहिए। उसकी याददाश्त बिलकुल खत्म हो गयी है।"

मैनेजर : "एक महीना हुआ उसे पेन्शन दे दी गयी है।"

मालिक "पर वह तो दफ्तरमें काम कर रहा है।"

मैनेजर : "भूलसे आ गया होगा।"

कट्टर

माँ "तुम्हारा नया बॉस कैसा है, बिटिया ?"

स्टैनोग्राफर बिटिया : "बुरा तो नहीं है, सिर्फ जरा कट्टर है।"

"कट्टर है! क्या मतलब ?"

"वह मानता है कि लफ्ज़ोंके हिज्जे बस एक ही तरहसे किये जा सकते हैं।"

सर्वव्यापक

आगन्तुक "क्या मालिक अन्दर हैं ?"

नया चपरासी "आप विक्रेता हैं, पैसा उगाहनेवाले हैं या कोई मित्र हैं ?"

आगन्तुक : "तीनों हूँ।"

चपरासी "मालिक एक चर्चामें हैं। वे बाहर गाँव गये हुए हैं। अन्दर तशरीफ लाइए, उनसे मिल लीजिए।"

तलाशे-मुसलसल

"तुम्हारे सेठ किसी नौजवानकी तलाशमें थे।"

"पर पिछले हफ्ते उन्होंने एक नौजवानकी नियुक्ति कर तो दी थी ?"

"हाँ, उसीकी तलाश कर रहे हैं।"

तोंद

एक जमींदार अपने नौकरसे पैरचप्पी करा रहे थे। पैर दबाते-दबाते नौकरको खयाल आया कि जमींदार साहबका पेट इतना बड़ा क्यों है। पूछने लगा,

"हुजूर, इस पेटमें ऐसा क्या भरा है?"

"गन्दगी।"

"हुजूर, इसमें आपकी ही गन्दगी है या सारे गाँवकी?"

आखिरी वार

एक दुकानके कारिन्देकी किसी बड़े ग्राहकसे कहा-सुनी हो गयी। दूकानदारने कारिन्देको मजबूर किया कि वह ग्राहकसे माफी माँगे। कारिन्देने मंजूर कर लिया और ग्राहकको फोन किया,

"क्या डूलिटिल साहब हैं?"

"बोल रहा हूँ।"

"मैं सुभाष भण्डारका मैनेजर हूँ।"

"तो!"

"आज सुबह मैंने आपसे कह दिया था, "जाओ जहन्नुममें!""

"हूँ।"

"अब वहाँ मत जाना!"

तमामशुद

"तूने अँगरेजी लिखना पढ़ लिया न?"

"न"

"कब लगायेगा?"

"हमारी स्कूल खतम हो गयी, खबर है तुमको?"

"खबर है। पर स्कूलके साथ साथ भी खतम हो गयी है मेरी।"

बेदाग़

एक आदमीने किसी फर्ममें खजानचीकी जगहके लिए अर्जी दी और उसमें यह भी लिख दिया कि अमुक क्लर्कसे मेरे विषयमें विशेष जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

मैनेजरने उस क्लर्कसे पूछा, "क्या यह आदमी ईमानदार है ?"

"ज़रूर ईमानदार है ! चोरीके इल्ज़ाममें ग्यारह बार गिरफ्तार हुआ है, मगर हर बार बरी कर दिया गया है।"

सीटी

फेरीवाला : "मेम साहिबा, आज कुछ लेंगी—चाकू, छुरी, कलम, पेन्सिल, चमची, तश्तरी, हेअर-पिन, पेपरवेट, आइना, डोरा...।"

मेम : "अगर तुम फौरन् न चले गये तो मैं पुलिसको बुलाती हूँ।"

फेरीवाला : "वाह! तो लीजिए मेम साहिबा सीटियाँ, छह-छह पैसे की है।"

दाल कम है

"आपको दालमें नमक ज्यादा नहीं लग रहा?"

"नहीं, नमक तो ठीक है पर नमकके हिसाबसे दाल कम है।"

मिठाई

हलवाईने साइनबोर्ड लगाया :

"तीन-सौ बरस पुरानी मिठाईकी दूकान।"

सामनेवाले हलवाईने यह :

"रोज-ब-रोज की ताजी मिठाईकी दूकान।"

पतेकी कही

दवा बेचनेवाला (अपने चारों तरफ आदमियोंका झुण्ड इकट्ठा करके) : "भाइयो, मैं इन गोलियोंको बीस बरससे बराबर बेच रहा हूँ, और आज तक किसीने भी इनकी शिकायत नहीं की। आखिर क्यों?"

एक आवाज : "क्योंकि मुर्दे शिकायत करने नहीं आते।"

व्यापारमें सफलताकी कुंजियाँ

'लन्दन, डी एम-मैन'का लेखक हिसाब व्यापारमें असफल रहा था। फिर वह लेखन-कार्यमें लग गया और 'व्यापारमें सफलताकी कुंजियाँ' नामक पुस्तकमाला निकालनी शुरू की। इससे उसने खूब कमाया!

वजाज

एक वजाज सपनेमे तेरह आने गज़ मारकीन वेच रहा था। ग्राहकने गज-भर मारकीन मांगी। वजाजने झटसे अपनी ओढनेकी चादर दो हाथ नापकर फाड डाली।

उसकी स्त्री चिल्लायी "हे हे! यह क्या कर रहे हो?"

वज़ाज़ बोला. "मैने तुमसे बीस दफे कह दिया है कि दूकानके काममे दखल मत दिया करो!"

वडा अजाव

एक शख्स एक सिगरेट खरीदकर चला गया। पांच मिनिट बाद ही वह दूकानपर भडभडाता हुआ वापस आया। और चिल्लाकर बोला,

"यह सिगरेट तो महा वाहियात है!"

दूकानदार. "आपकी शिकायत वेजा नही है, लेकिन आपके मत्थे तो एक ही सिगरेट पडी है,यहां तो इस वलाके सैकड़ो डब्बे भरे पडे हैं।"

बीमा एजेण्ट

सेठ "नौजवान, तुम्हे अपनेको सौभाग्यशाली समझना चाहिए। तुम्हे मालूम है आज मैने बीमाके सात आदमियोंसे मिलनेसे इनकार कर दिया?"

एजेण्ट "जी, मालूम है। वह सातों मै ही हूं।"

सँभालकर

एक स्कॉचने एक कफ़न खरीदा।

दूकानदार. "कहिए लपेटकर बांध दूं इसे?"

स्कॉच "अजी नहीं शुक्रिया, कागज़ और डोरीको इसके अन्दर रख दीजिए।"

पूँजी और अनुभव

"जब मैंने धन्धा शुरू किया तो मेरे पास अनुभव था और मेरे साझीदारके पास पूँजी।"

"तब तो पूँजी और अनुभवके मेलसे आपका रोजगार खूब चमका होगा?"

"और क्या! आखीरमें मेरे पास पूँजी और उनके पास अनुभव हो गया।"

साइनबोर्ड

एक दूकानदार साइनबोर्ड था—

"जब आप यहाँ आ सकते हैं तो और कहीं धोखा खाने क्यों जाते हैं?"

काल-अभेद

ग्राहक : "कचौरियाँ तो बासी हैं।"

होटलवाला : "तो क्या हुआ? कल कोई खराब दिन था क्या?"

खरीदो-बेचो

"आपको १०३ बुखार है, सेठजी।"

"जब १०५ हो जायेगा, बेच दूँगा।"

घोड़ा

"यह लीजिए, आपके लायक घोड़ा यह है। इसमें पाँच गुण हैं। स्वस्थ, बलिष्ठ, सर्वांगसुन्दर। दस मील तक बिना रुके जाता है।"

"मेरे लायक नहीं, मैं तो यहाँसे सिर्फ आठ मीलपर रहता हूँ। इसे लिया तो दो मील पैदल वापिस चलना पड़ा करेगा।"

हकका भुगतान

एक मारवाडी कम्पनीका आदमी रूईकी खरीदके लिए शहर गया हुआ था। वहाँ तूफानकी वजह उसे रुक जाना पड़ा। उसने तार किया, "शहरमे सख्त तूफान और गड़बड़ है। कुछ दिनो कोई काम नही हो सकता।"

"तो फिर गुजरे हुए कलसे अपनी हककी छुट्टियोपर रहो।" जवाब मिला।

लखपती

एक लखपती मरकर स्वर्गका दरवाजा खटखटाने लगा,

देव : "कौन हो तुम ?"

लखपती (सगर्व) "मै लखपती हूं।"

देव : "क्या चाहते हो ?"

लखपती "अन्दर आना।"

देव प्रवेशाधिकार पानेके लिए तुमने क्या किया है ?"

लखपती · "मैंने एक भूखी बुढिया भिखारिनको दो पैसे दिये। एक मोटरके नीचे कुचले हुए दुखी दरिद्र विद्यार्थीको एक पैसा दिया ?"

देव "और कुछ किया ?"

लखपती "और तो कुछ याद नही आता।"

देव (दूसरे देवने) : "भई, क्या करें इसका ?"

दूसरा : "इसके तीन पैसे लौटाकर इसे जहन्नुम भेज दो।"

खरीद-फरोख्त

एक · "मेरा इरादा है कि दुनियाकी तमाम सोने, चांदी, हीरे, पन्नोंकी खाने खरीद लूं।"

दूसरा . "मगर मेरा इरादा अभी उन्हे बेचनेका नही है।"

ताज़ा

"क्या यह दूध ताज़ा है ?"

"ताज़ा ? अमा, तीन घण्टे पहले तो यह घास था।"

दूध

एक दूधवालेकी दूकानपर पटिया लगा हुआ था,

बिलकुल असली दूध	१२ आने सेर
असली दूध	८ आने सेर
दूध	५ आने सेर

प्रियं ब्रूयात्

एक जूता-फरोश एक क्लर्क रखना चाहता था। एक उम्मेदवारसे बोला, "मान लो तुम किसी लेडीको जूते पहिना रहे हो। और वह तुमसे कहे, 'क्या तुम्हें मेरा एक पैर दूसरेसे बड़ा नहीं लगता ?' तो तुम क्या कहोगे ?"

"मैं कहूँगा, 'बड़ा नहीं, मैडम, एक दूसरेसे छोटा है।' "

"जाओ तुम्हारी नियुक्ति की गयी।"

बूमरेंग (Boomerang)

एक रेडीमेड कपड़ोंके दूकानदारके पास सात-सात रुपयेकी छह कमीजें थीं जो बिक नहीं रही थीं। उसने अपनी मुश्किल अपने एक दोस्तको बतायी। दोस्त बोला, "इसकी आसान तदबीर है—नौ-नौ रुपयेके हिसाबसे पाँच कमीजोंके बिलके साथ छहों कमीजें एजेन्टोंके यहाँ भेज दो। वह तुम्हारी गलती समझकर फौरन् देगा।"

बनियेने ऐसा ही किया। लेकिन एजेन्टोंने पाँच कमीजें और उनका बिल यह कहकर वापस करा दिया कि उसे उनकी ज़रूरत नहीं है।

गुजारा

"मेरा यह कोट अद्भुत है।"

"मुझे तो मामूली लगता है।"

"तू समझा नही। देख इसकी रूई भडोचकी है, वह मानचेस्टरमे कती, बुनायी अहमदावादमे हुई, कपडा कानपुरसे खरीदा गया और कोट सिलवाया गया बम्बईमे।"

"पर इसमे नयी बात क्या है ?"

"क्यो नही ? जिसके मैने अभी तक पैसे भी नही चुकाये उसपर कितने लोगोको रोजी मिली है।"

वापस

जूतेकी किसी दूकानके मुलाज़िमने एक ग्राहकको जूतोकी जोडी दिखलायी। उसे पसन्द आ गयी, खरीद ली, मगर ग्राहकके पास पैसे कुछ कम थे। मुलाज़िम बोला, 'कोई बात नही पैसे कल दे जाना।' जब ग्राहक चला गया तब मालिकको मालूम हुआ। उसने नौकरसे पूछा, "यह तुमने क्या किया ! अब वह क्यूँ आने लगा ?"

नौकर. "आयेगा कैसे नही ? मैने एक ही पैरके दो जूते बांध दिये है।"

विशेपाधिकारी

एक रेशमकी दूकानके आगे बडी लम्बी क्यू लगी हुई थी।

एक ठिगना बनिया आगे बढनेकी कोशिश कर रहा था, मगर एक हृष्ट घाटी (घरेलू मराठा नौकर) ने उसे धकेलकर पीछे कर दिया।

उसने फिर कोशिश की, मगर फिर नाकामयाब। बीस बार वह यूँ ही पीछे धकिया दिया गया। इसपर वह इत्मीनानसे बोला, "नहीं जाने देते तो मत जाने दो। मेरा क्या बिगडना है। मै दूकान ही नही खोलूँगा।"

मुस्तकिल-मिजाजी

मालिक-मकान (फेरीवालेसे चिढकर) "अगर तुम दरवाजेसे तीस सेकण्डके अन्दर नही चले गये तो मैं ..."

फेरीवाला (प्रसन्न-वदन रहकर) "अब आप ही फरमाइए कि आधी मिनिटमे मैं आपको क्या दूँ ?"

हमवजन

दूकानदार "कल तुम्हारा मक्खन वजनमे कम निकला ।"

ग्वालिन "अच्छा ! तो इसकी वजह यह हुई कि कल बच्चेने सेर कही रख दिया था इसलिए मैंने तुम्हारी दी हुई एक सेर शक्करको बाटकी तरह इस्तेमाल किया था ।"

दृष्टिभ्रम

ग्राहक "मालूम होता है अब चीजें पहलेसे बहुत कम परोसी जाती है ।"

होटलवाला . "महाशय, यह तो केवल दृष्टिभ्रम है । बात यह है कि हमारा होटल अब बडा हो गया है । इसलिए चीजें छोटी नजर आती है ।"

सैकिण्ड

उम्मेदवार : "मै दुनियाका सबसे अच्छा सेल्समैन हूँ ।"

मैनेजर · "अगर ऐसा मानते हो तो इन सिगरेटोंके ये बीस बक्स बेच डालनेकी कोशिश करो ।"

उम्मेदवार : "मुझे अपने कथनमें एक संशोधन करना है । मै केवल दूसरा सर्वोत्तम सेल्समैन हूँ । पहला तो वह है जिसने इन सिगरेटोंको तुम्हें बेच दिया ।"

जटिल प्रश्न

सैलसमैन "यह ऐसा कघा है कि इसे आप दुल्लर कर सकते है; इसे हथौडेसे पीट सकते है, इसे मरोड सकते है, इससे हाथी···"

श्रोता . "मिस्टर, यह तो वताओ कि इससे तुम अपने वाल भी काढ सकते हो या नही !"

चावल भी है !

एक सज्जन रेशनके जमानेमे वम्वईके किसी होटलमे राइस-प्लेट खा रहे थे, कि ककरी दांतोके बीच आकर 'कट'से वोली, इत्तिफाकसे मैनेजर पास ही खडा था। पूछने लगा, "क्यो साहव, क्या ककडियां है ?"

"सव ककडियाँ नही है, चावल भी है," साहव वोले।

कल उधार

लड़का (दूकानदारसे) "यह पैन मुझे दे दीजिए।"

दूकानदार ('आज नकद कल उधार' वाले वोर्डकी ओर सकेत करके) . 'पहले इसे पढ लो।'

लडका (हँसते हुए) "कोई वात नही, मै कल आकर उधार ले जाऊँगा।"

सक्षिप्त

"पांच मिनिट ले सकता हूँ आपके ?"

"जरूर, मगर सक्षेपमे ही वोलें, दूसरोके लिए मेरे पास वहुत ही कम शब्द है।"

"जी हां, इसीलिए तो मै आया। मेरे पास वडा सुन्दर 'शब्दकोष' है। जरूर खरीदें, आपके वडे कामका है।"

शुद्ध

कॉलेजियन : "क्या यह गोघृत शुद्ध है ?"

दूकानदार : "ऐसा शुद्ध जैसी तुम्हारे सपनोंकी रानी !"

कॉलेजियन (विचारमग्न होकर) : "डालडा ही दो।"

जन्म-स्थान

अमेरिकाके एक हज्जामने लोगोंको आकर्षित करनेके लिए, हॉलीवुडकी एक अभिनेत्रीके नामपर साइनबोर्ड लगाया,

"एलिजाबेथ टैरीका जन्म-स्थान यह है।" सामनेवाले दूसरे हज्जामने मुकाबलेमें साइन बोर्ड लगाया,

"एलिजाबेथ टैरीका मूल जन्म-स्थान यह है।"

बाईसे-परेशानी

छोटे साझीदारने बड़ेसे शिकायत की : "मुझे अपनी टाइपिस्ट बदलनी पड़ेगी।"

"क्यों ?"

"वह मेरे डिक्टेशनमें कदम-कदमपर रुककर मामूलीसे-मामूली लफ्जोंके हिज्जे पूछती है। हर बार 'मुझे नहीं मालूम', कहनेमें मुझे तो बड़ी अकुलाहट होती है।"

विषम अनुपात

किसान : "अब तो अनाज सस्ता हो गया है, तुम्हें हजामतके पैसे आधे कर देने चाहिए।"

हज्जाम : "ना रे ! और ज्यादा लेने चाहिए।"

"अनाजका भाव जब सस्ता हो जाता है तो किसान लोग ऐसे लम्बे चेहरे बनाते हैं कि मुझे दुगना मैदान साफ करना पड़ता है !"

क्लीअरेंस सेल !

मैनेजर "तो तुम्हारे कहनेका तात्पर्य यह है कि तुमने वे सब साड़ियाँ बेच डाली जिन्हे हम रद कर देनेवाले थे !"

नया सेल्समैन "हाँ, मैने अखबारमे एक छोटा-सा विज्ञापन दे दिया कि 'अब हमारे पास कुछ ऐसी साड़ियाँ बची है जिन्हे साधारण महिला नही खरीद सकती।' नतीजा यह हुआ कि दोपहर तक सब साफ हो गयी !"

भण्डाफोड़

कैमिस्ट (अपनी चर्बीली औरतसे) "नवनीता, अभी जरा देर दूकानमे नही आना, मै चर्बी कम करनेकी छह बोतले बेचनेकी कोशिश कर रहा हूँ।"

इश्तहारबाजी

इग्लैण्डमें पहले फाँसी सरेआम दी जाती थी। और फाँसी देनेसे पहले सजायाफ्ताको भीडके सामने बोलने दिया जाता था।

एक बार कोई विशिष्ट आदमी शीघ्र ही फाँसी दिये जानेवाले एक आदमीसे मिलने आया। उसने जेलरको रिशवत देकर रजामन्द कर लिया कि वह उसे अपराधीसे एकान्तमें मिल लेने दे। उनकी बातचीतका आखिरी जुमला सुन पड़ा, "याद रखना हाँ, मेरे वारिसोके लिए सौ पौण्ड !"

फाँसी दिये जानेसे पहले शैरिफने पूछा कि क्या वह लोगोंसे कुछ कहना चाहता है। अपराधीने कहा, "हाँ।" और तख्तेपर चढकर बोलने लगा,

"लोगो ! जानेसे पहले मैं तुमसे एक बात कह जाना चाहता हूँ। उसे याद रखना। और वह यह है कि 'टावर ब्राण्ड' साबुन दुनियामें सबसे अच्छा है।"

ऊनी कोट

ग्राहक "क्या यह कोट बिलकुल ऊनी है ?"

दूकानदार "मैं आपसे झूठ नहीं बोलूँगा । सर्वथा ऊनी नहीं है, इसके बटन प्लास्टिकके हैं ।"

ताजा

ग्राहक . "क्या ये सन्तरे ताजे हैं ?"

दूकानदार · "पिछले हफ्ते मैंने आपको जो सन्तरे दिये थे क्या वे ताजे थे ?"

ग्राहक · "हाँ ।"

दूकानदार : "तो ये भी उसी ढेरके हैं ।"

जूतोंकी धूल

एक किसान खेतमें पानी देकर आया और एक होटलमें घुसकर इधर-उधर घूमने लगा । पैरोंसे झड़ती हुई मिट्टीसे होटलका फर्श खराब होते देख मालिक बोला,

"जब आप यहाँ अन्दर आया करें तो मेहरबानी करके अपने जूतोंकी धूल झाड़कर आया करें ।"

किसान (ताज्जुबसे) . 'किन जूतोंकी धूल ?"

चाय या काफ़ी

ग्राहक . "यह चाय है या काफ़ी ? पेट्रोल जैसी लगती है ।'

होटलवाला : "अगर यह पीनेमें पेट्रोल जैसी लगती है तो यकीन मानिएगा यह काफी है, क्योंकि हमारी चायका स्वाद पानीकी भाँति होता है ।"

समान सुर

मैनेजर : "मिस्टर रुस्तम, अब ग्राहकको शिकायत क्या है ?"

क्लर्क : शिकायत तो कुछ नही है, साहब। ये ऐसे दो जूते चाहते है जो समान सुरमें बोलें।"

असिस्टेण्ट

एक आदमीने अपने घरकी चोरोसे रक्षा करनेके लिए, एक बडा कुत्ता खरीदा। पर, जब एक दिन उसके घरमे चोर आये, तो वह कुत्ता सो रहा था। चोर काफी सामान चोरी करके ले गये। वह आदमी दूसरे दिन उस दूकानपर पहुँचा, जहांसे उसने कुत्ता खरीदा था। दूकानके मालिकसे उसने कहा, "देखा आपने अपने कुत्तेका कमाल !"

दूकानदारने कुछ सोचकर कहा, "असलमे, अब आपको एक ऐसे छोटे कुत्तेकी जरूरत है, जो समयपर उस बडे कुत्तेको जगा सके।"

मिल्क-सॉल्यूसन

स्वास्थ्य विभागका एक इन्सपेक्टर किसी दूधकी दूकानपर मुआइनेके लिए आया। उसने दूधके डब्बोमें-से एकका ढक्कन खुलवाया।

बोला, "यह तो बिल्कुल पानी है ! दूध कहां ?"

दूकानदार : "अरे ! अरे ! माफ कीजिएगा, मेरी पत्नी इसमे दूध डालना भूल गयी होगी।"

चाय और काफी

होटलवाला "आपने चाय ली या काफी साहब ?"

ग्राहक . "मालूम नहीं पड सका। लेकिन वह लेड़ी जैसी लगती थी।"

होटलवाला ' "तब तो वह चाय होगी, हमारी काफी सरेसके मानिन्द लगती है।"

तबदीली

ग्राहक : "क्या तुम फ्रान्सीसी सेण्डविचकी जगह अमरीकी सेण्डविच ला सकते हो ?"

वेटरने कुकसे कहा : "भई, इस फ्रेन्चको जरा अमरीकी बना देना।"

थेंक यू

दूकानदार : "धेलेका खानेका सोडा आधी रातको खरीदने आयी है चुड़ैल! एक गिलास गरम पानी पीकर कब्ज नहीं मिटा सकती थी? सारी नींद खराब कर डाली!"

बुढ़िया : "अच्छी तरकीब बता दी बेटा! राम तेरा भला करे। अब मैं तुझे क्यों तकलीफ दूँ? जाती हूँ, जीता रह।"

इलाजका इलाज

ग्राहक : "मैं आपके यहाँसे कपड़ोंसे चायके दाग छुड़ानेका सोल्यूशन ले गया था न?"

दूकानदार : "हाँ हाँ! और दूँ क्या एक शीशी?"

ग्राहक : "नहीं, उस सोल्यूशनसे कपड़ोंपर जो दाग पड़ गये हैं उनके छुड़ानेका सोल्यूशन चाहिए।"

भीमकाय

३०० पौण्डसे अधिक वजनवाला एक पहलवान तैयार कपड़ोंकी एक दुकानके आगे खड़ा तैयार कमीजों, पैण्टों, पाजामों आदिको देख रहा था। इतनेमें दुकान-मालिकने बाहर आकर कहा, "साहब, नया स्टॉक आया है, आपको बहुत-सी चीजें पसन्द आयेंगी।"

"अरे साहब कहाँ? मैं तो बस देखभर रहा था। तैयार कपड़ोंमें तो बस रूमाल ही मुझे 'फिट' आता है।"

भोजन

"छोकरा, मैं यह खाना नही खा सकता, मैनेजरको तो बुलाकर लाओ।"

'बुलानेसे कोई फायदा नही साहब, वह भी नही खायेंगे।'

भेलसेल

दूकानदार "यह कोइला कोइला है।"

ग्राहक : "यह जानकर खुशी हुई। पिछले बार तो आधा कोइला आधा पत्थर निकला।"

अक्ल बड़ी कि···?

एक दूकानदारकी ग्राहकी घटती जा रही थी। आखिरी उपायके तौर-पर उसने एक तोतेको इस तरह पढ़ाकर टाँगा कि चाहे जैसी स्त्री आवे मगर वह बोले, "आहा! क्या सौन्दर्य है!"

आज उस दूकानदारकी तीन दूकानें धड़ाधड़ चल रही है।

कुत्तेका पट्टा

ग्राहक . "मुझे कुत्तेके लिए एक अच्छा पट्टा चाहिए।"

दूकानदार · "लीजिए, कुत्ता कहाँ है, नाप कर देदूँ ?"

ग्राहक . "मै ही देख लेता हूँ।"

दूकानदार : "तो कुत्तेके लिए दूसरा पट्टा दूँ।"

एजेण्ट

"कहो, भाई, आज कोई आर्डर-वार्डर मिले ?"

"एक जगहसे मुझे दो ऑर्डर मिले—एक तो यह कि 'बेगस्ते बाहर निकल जाओ।' और दूसरा यह कि, फिर 'कभी यहाँ कदम न रखना'।"

लूटने ही बैठा है !

दो चोर एक कपडेकी दूकानमें चोरी करने गये। कपडोंपर कीमतकी चिटें देखकर एक बोल उठा, 'ले, यह कापडिया भी अब लूटने ही बैठा है !'

दूनी बिक्री

एक हलवाई चार आने गिलास दूध बेचता था। एक ग्राहकने एक गिलास तैयार करनेको कहा। उसे एक और गिलास पीना पडा। पीकर, हलवाईसे पूछा, "आप रोज कितने गिलास दूध बेच लेते है ?"

"पचास गिलास", हलवाई गर्वसे बोला।

"मैंने एक तदबीर सोची है जिससे आप सौ गिलास रोज बेच सकते है।"

आश्चर्यचकित होकर हलवाईने पूछा,

"कैसे ?"

"आसान बात है। गिलासोंको भरकर दिया कीजिए।"

धुआँधार धन्धा

"आज-कल मेरा धन्धा खूब धुआँधार चल रहा है। एक ही दिनमें मुझे दस हजारका ऑर्डर मिला !"

"ऐसी मन्दीके जमानेमें ! मुझे यकीन नहीं आता।"

"लेकिन अगर मैं तुझे ऑर्डर कैन्सिल करनेवाला खत दिखलाऊँ तो ?"

राय

होटलवाला : "हमारे होटलके विषयमें ये चन्द रायें है जिन्हें आप अपने साथ ले जा सकते है।"

मेहमान : "शुक्रिया, लेकिन आपके होटलके बारेमें मेरी निजी राय है।"

तालीम

लड़का (सिसकते) "पिताजी, ग्राहक पूछता है कि उन न सिकुड़नेवाली उनकी कमीज कुछ सिकुड़ेगी या नहीं।"

पिताजी · "क्या वह उसके फिट आती है ?"

लड़का "नहीं, ढीली है।"

पिताजी · "तो वह सिकुड़ेगी ?"

ठण्डा-गरम

"क्या इस होटलमे ठण्डा और गरम पानी मिलता है ?"

"हां हां, गरमीमे गरम और जाडोमे ठण्डा।"

वहता पानी

महमान (चिढकर). "देखिए, मेरे शयनागारको छतमे वारिशका पानी धड़ाधड आ रहा है।"

होटलवाला "बिल्कुल हमारी परिचय-पत्रिकाके अनुसार, महाशय। हर कमरेमे वहता पानी।"

यात्रा

०

इन्तजार

गाडियोंके लेट आनेका जमाना था।

टिकिट कलक्टर : "आप नहीं जा सकते इस गाडीमें।"

मुसाफिर : "क्यूँ ?"

टिकिट कलक्टर : "क्यूँ कि यह कलकी गाडी है। आपकी टिकिट आजकी गाडीकी है, जो कि कल सुबहसे पहले नहीं आयेगी।"

खोटी चवन्नी

एक औरत ट्रामपर चढ गयी। जब कण्डक्टर आया तो उसने एक चवन्नी दी।

कण्डक्टर : "माफ कीजिए, यह चवन्नी तो खोटी है।"

स्त्री चवन्नीको गौरसे देखकर बोली,

"बिलकुल वाहियात बात है, इसमें सन् १८०० पढ़ा हुआ है। अगर खोटी होती तो अब तक चलती कैसे ?"

कसूरवार

चैकर : "आपकी टिकिट बम्बईकी है मगर यह गाडी तो कलकत्ता जा रही है!"

मुसाफिर : "अब यह तो आप ड्राइवरसे कहिए!"

कट गये !

एक बसमें एक वृद्धा बैठी हुई थी। पास ही की सीटपर एक हजरत सिगरेट पीने लगे। धूआँ जो स्त्रीकी आँखोंमें गया तो वह सिहर कर रह गयी, मगर कुछ न बोली। इधर ये कशपर-कश खींचने लगे। स्त्रीने मृदुतापूर्वक 'सिगरेट पीना मना है' के साइनबोर्डकी ओर इशारा किया। मगर ये न माने। स्त्रीके होठोंपर दृढ निश्चयकी रेखा खींच गयी। उसने अपनी पर्समें हाथ डाला, और जब वे महाशय खिड़कीके बाहर देख रहे थे। स्त्रीने अपनी कैंची निकालकर उनकी सिगरेटके जलते सिरेको काट दिया। पियक्कड़ महोदयके काटो तो खून नहीं, खींचो तो धुआँ नहीं!

सुरक्षा

एक किसी कदर-खब्ती आदमी दो-मंजिला बसपर सवार होकर ड्राइवरके पास जा बैठा और उसके साथ लगातार बातें करने लगा। ड्राइवरने दानिशमन्दीसे काम लेते हुए कह दिया कि ऊपरके डेकपर ताजा हवाका मजा लें। वह खुशी ऊपर चला गया। मगर चन्द मिनिटमें ही वापस आ गया।

"क्यों क्या हुआ? ड्राइवरने पूछा, "ऊपर अच्छा नहीं लगा आपको?"

"हाँ, हाँ बहुत अच्छा लगा। अच्छी हवा है, खुशनुमा दृश्य है। मगर सुरक्षा नहीं है—कोई ड्राइवर नहीं!"

आलमे-मस्ती

दो आदमी दावत खाकर घर मोटरपर वापस आ रहे थे। तेज मोटरमें ठण्डी हवाके झोंकोंका दोनों मजेसे आनन्द लूट रहे थे। इतनेमें मोटर एक खम्भेसे धम्मसे टकरा गयी। एक चौंक पड़ा और बौखलाकर बोला, 'भाई जरा सँभालके।"

दूसरा: "अरे! मैं तो समझता था कि तुम चला रहे हो!"

पहला या दूसरा !

आते हुए मुसाफिरोंकी सहूलियतके लिए जहाजका एक कर्मचारी रास्तेमें खड़ा हिदायत दे रहा था,

"फर्स्ट क्लास दाहिनी तरफ ! सैकिण्ड क्लास बाँयी तरफ !"

इतनेमें एक नवयुवती एक बच्चेको गोदमें लिये हुए पाससे गुजरी। उसे किसी कदर हिचकिचाते देख कर्मचारी उसके पास आकर बोला, "फर्स्ट या सैकिण्ड ?"

लजाती हुई लड़की बोली, "मेरा नहीं है,यह तो मेरी बहनका है !"

नौका-विहार

"देखूँ तो सही तुम नावके बारेमें कितना जानते हो। एकाएक तूफान आ जाये तो तुम क्या करो ?"

"लङ्गर डाल दूँगा।"

"इसके बाद एक और तूफान आ जाये तो क्या करोगे ?"

"एक और लङ्गर डाल दूँगा।"

"ठहरो आपके पास ये लङ्गर कहाँसे चले आ रहे हैं ?"

"वहींसे जहाँसे आपके तूफान चले आ रहे हैं।"

चाँटा

दिल्लीकी एक बसमें दो आदमियोंमें कुछ कहा-सुनी हो गयी। एक बोला, "ऐसा चाँटा मारूँगा, कश्मीरी गेट जा पड़ोगे !"

दूसरा "भई ज़रा हलका मारना मुझे चाँदनी चौक ही जाना है !"

रफ्तार

"क्या मैं मोटर बहुत तेज चला रही थी ?"

"जी नहीं, आप बहुत नीची उड़ रही थीं।"

पाइलट

हवाई जहाज जब काफी ऊँचाईपर पहुँचा तो उसका उड़ाका एकाएक ठहाके मार-मार कर हँसने लगा।

एक मुसाफिरने पूछा, "क्या मजाक है, भई?"

"मैं यह सोच-सोचकर हँस रहा हूँ कि जब पागलखानेवालोंको मालूम होगा कि मैं निकल भागा तो वे क्या कहेंगे!"

मंगल-यात्रा

एक अमेरिकनने मंगल-ग्रह जानेवाले पहले रॉकेटमें जगह रिजर्व करायी और एक ब्रिटिश कम्पनीमें जिन्दगीका बीमा कराना चाहा। कम्पनीने उसका प्रस्ताव मंजूर कर लिया। प्रीमियम ड्योढ़ा रखा गया और पॉलिसी में एक क्लॉज जोड़ा गया,

"लौट कर न आना मर जानेका सबूत न होगा।"

गुप-चुप

एक जहाँमपनाहीम लाला साहब सामनेसे आते हुए ताँगेको रुकवाकर बोले,

"अरे स्टेशन चलेगा? क्या लेगा?"

ताँगेवाला: "लालाजी, जरा पीछेकी तरफ आकर बात करिए। घोड़ी देख लेगी तो बैठने न देगी।"

शराब-बन्दी

"गाड़ी क्यों रुक गयी?"

"अल्कोहोल खतम हो गया है।"

"क्या यह गाड़ी अल्कोहोलसे चलती है?"

"नहीं, मगर ड्राइवर चलता है।"

टाइम !

तेजीसे साइकिलपर जाते हुए एक सज्जनसे एक राहगीरने घबराहटसे पूछा, "बाबूजी, आपकी घड़ीमें क्या बजा है ?"

बिना घड़ी देखे हुए ही बाबूजी बोले, "पौने नौ ।"

ठण्डके मारे !

उत्तरी ध्रुवका यात्री : "जहाँ हम थे वहाँ ऐसी ठण्ड थी कि हमारी मोमबत्तीकी लौ जम गयी और हम उसे बुझा न सके ।"

हरीफ़ : "यह तो कुछ नहीं है । जहाँ हम थे वहाँ लफ्ज हमारे मुँहसे बर्फके टुकड़े बन-बनकर निकलते थे । और यह जाननेके लिए कि हम क्या बातें कर रहे हैं हमें उन्हें भूनना पड़ता था ।"

एटम

"वैज्ञानिक धन्य हैं, उन्होंने आखिर अणुके टुकड़े कर ही दिये !"

"इसमें धन्यकी क्या बात है ? वैज्ञानिकोंने तो इतने वर्ष लगा दिये । अगर अणुपर यह लेबल लगाकर कि 'सावधानीसे उठाओ, टूटनेका डर है', उसे रेलवे पार्सलसे भेजा जाता तो दसियों बरस पहले उसके टुकड़े हो गये होते ।"

भागो !

हेमिंग्वेसे उनकी साहसपूर्ण अफरीका-यात्रापर लोग सवालपर-सवाल पूछते चले जा रहे थे । एकने पूछा, "क्या यह सच है कि अगर हमारे पास टॉर्च हो तो जंगली जानवर नुकसान नहीं पहुँचा सकते ?"

"यह तो इसपर निर्भर है कि तुम उसे लेकर कितना तेज भाग सकते हो !" हेमिंग्वेने जवाब दिया ।

लेट !

"आज तो गाड़ी बिल्कुल वक्तपर आ गयी !"

"ठीक वक्तपर ? यह तो कलकी गाड़ी है !"

चिड़िया

एक नवयुवती पहली बार हवाई जहाजमें उड़नेवाली थी। उसने किसी कदर सशंक होकर उड़ाकेसे पूछा, "तुम हमें सुरक्षित नीचे तो ले आओगे न ?"

पाइलट : "जरूर ले आऊँगा मिस साहिबा, इत्मीनान रखें, आजतक तो मैंने किसीको ऊपर छोड़ा नहीं ।"

गज-गामिनी

एक अमेरिकन किसी भारतीयको अपने देशकी विशालताका आइडिया दे रहा था, बोला, "आप सुबह टैक्सास राज्यकी रेलमें सवार हो जाइए, २५ घण्टे बाद आप अपनेको टैक्सास राज्यमें वापिस पायेंगे !"

भारतीय बोला "ऐसी रेलगाड़ियाँ हमारे यहाँ भी हैं, २५ घण्टे बाद वहींकी वहीं ।"

चमक

एक महिला हवाई जहाजमें पहली बार सफर कर रही थी ।

"जहाज रुकवाना जरा !" वह एकाएक एयर होस्टेससे बोली ।

"क्यों, क्या हुआ ?"

"मुझे नीचे उतरना पड़ेगा ।"

"क्यों ?"

"शायद मेरा हीरेका बटन गिर गया है, नीचे वह चमक रहा है ।"

"आप अपनी जगहपर इत्मीनानसे बैठी रहिए। वह तो [illegible] है।"

सावधानी

ज्योतिषी "एक सुन्दर युवती आपके रास्तेमें बार-बार आयेगी, पर उससे आप सावधान रहना।"

इञ्जिन ड्राइवर "मुझे सावधान रहनेकी क्या जरूरत है? सावधान तो उसे रहना चाहिए।"

"कोई मंजिल हो मगर गुजरा चला जाता हूँ मैं"

"क्षमा कीजिएगा, क्या यह गाड़ी माटुंगापर खड़ी होगी?"

"हाँ, मुझे देखते रहिए और मैं जहाँ उतरूँ उससे एक स्टेशन पहले उतर जाइए।"

"धन्यवाद!"

मिसेज कैमिल

एक ऊँटनी रेलसे कट गयी। रेलवे कर्मचारी हिन्दुस्तानी था, ज्यादा अँग्रेजी नहीं जानता था। उसने हेड ऑफिसको तार किया—'मिसेज कैमिल कट गयी है।' तार पानेवाला अफसर अँग्रेज था। उसने यह समझकर कि कोई अँग्रेज महिला कट गयी है, स्वयं घटना-स्थलपर आया। आकर 'मिसेज कैमिल'को देखा, तो सख्त परेशान हुआ।

शुभ-लाभ

एक बोहरा अपने पीछे खड़ी हुई आतुर जनताका ख्याल किये बगैर एक टिकिट-खिड़कीपर सावधानीसे बार-बार पैसे गिन रहा था। टिकिटबाबू यह नजारा देख-देखकर कुढ़ता जा रहा था। बोला, "आपको इत्मीनान हुआ या नहीं कि पैसे ठीक हैं?"

आवेशमें भरे हुए बोहरेजी बोले,

"हाँ, बस सिर्फ ठीक ही निकले।"

यह तो कोई रेलवेका आदमी है !

एक सिख महाशय रेलमें सैकण्ड क्लासमें सफर कर रहे थे । गुसलखाना गये तो दरवाजा खोलते ही सामनेके आईनेमें उनका प्रतिबिम्ब पड़ा । उन्होंने यह समझकर कि अन्दर कोई और सिख मुसाफ़िर है कहा, "माफ कीजिए" और फौरन् दरवाजा बन्द कर दिया ।

अब वे बाहर बैठकर उन 'सरदारजी'के निकलनेका इन्तजार करने लगे । बहुत देर हो गयी मगर किसीको न निकलते देख तंग आकर गार्डसे शिकायत करने गये कि 'कोई गुसलखानेमें घुस गया है, निकलता ही नहीं है ।' गार्ड आया । वह भी 'सरदारजी' था । उसने आकर गुसलखानेका दरवाजा जो खोला तो देखकर बोला, "यह तो कोई रेलवेका आदमी है ।"

उत्तर दिशामें

ही : "प्रिये, जरा मोटरमें सैर करने चलें तो कैसा ?"

शी : "क्या तुम उत्तरकी ओर जा रहे हो ?"

ही : "हां, उत्तर दिशामें ही ।"

शी : "एस्किमो लोगोंसे मेरा नमस्कार कहना ।"

बिजली

"आपकी बीबी तो बिजलीकी रफ्तारसे मोटर चलाती है ।"

"जी, हमेशा दरख्तोंपर टूटती हुई ।"

बैजनाथकी टिकिट

मुसाफिर : "एक हरदुआगंजकी टिकिट दीजिए, एक बैजनाथकी भी ।"

बुकिंग क्लर्क : "हरदुआगंजकी तो यह लो, मगर यह बैजनाथ कहाँ है, मिलता ही नहीं ।"

मुसाफ़िर : "यह बैठा खड़ा है प्लेटफार्मपर !"

समझदार

मुसाफिर : "कुली ! कुली ! मेरा असबाब कहाँ है ?"

कुली : "आपके असबावको आपसे ज्यादा अक्ल है। आप गलत गाडीमें बैठे हैं !"

ड्राइविंग

एक साहब मैदानमे खडे होकर, दूरसे हिदायतें दे-देकर, अपनी बीबीको मोटर चलाना सिखा रहे थे। चालक और चालित दोनोकी क़ाबिले-दीद हालत थी !

मैं : "क्या आप मोटरमे बैठकर उन्हे ड्राइविंग नहीं सिखा सकते ?"

वो : "सिखा तो सकता हूँ, मगर मोटरका तो बीमा है, मेरी जिन्दगी का नही है।"

आवाजसे तेज़

अपने प्रेमीके साथ सफर करती हुई युवती हवाई जहाजके पाइलटसे बोली, "अब आवाजसे तेज़ न चलाना। हम बातचीत करना चाहते हैं।"

आदर्श महायात्रा

तीन बूढे आदमी इस दुनियाको छोडनेके आदर्श तरीकेपर बहस कर रहे थे।

७५ वर्षका : "मैं तो जल्दी जाना पसन्द करता हूँ। मेरी मोटर तेज़ दौड़ रही हो और अकस्मात् खतम हो जाऊँ।"

८५ वर्षका : "द्रुत मृत्युके विचारसे मैं भी सहमत हूँ। लेकिन मुझे हवाई जहाज़ अकस्मात् अधिक पसन्द है।"

९५ वर्षका : "मेरा उपाय बहतर है। मैं तो चाहता हूँ कि कोई ईर्ष्यालु पति मुझे गोली मार दे।"

चुप्पा

एक महाशय चुप्पा प्रकृतिके थे, वहुत कम वोलते थे। एक वार वे रेलमे सफर कर रहे थे। उनके डब्बेमे एक सज्जन और थे। उनको यूँ चुप देखकर छेडनेके इरादेसे बोले, "भाई साहव, आपकी टाई हवामे उड रही है।" इसपर चुप्पाजी चिढकर बोले, "मेरी टाई हवामे उड रही है इससे आपको मतलव ? आपका कोट आपकी सिगरेटसे जलता रहा, मैं तो कुछ वोला ही नही।"

रेलगाड़ी

एक देहातीको ज़िन्दगीमे पहली वार रेलगाडीसे सफर करनेका मौका मिला। स्टेशन गया। टिकिट ले ली। गाडीके आनेमे कुछ देर थी। उसने उत्सुकतावश किसीसे पूछा, "क्यो जी, रेलगाड़ी कैसी होती है ?" जवाव मिला, "काली होती है और उसके मुँहसे धुआँ निकलता है।"

देहातीने देखा कि एक काले रगका साहव सिगरेटके धुएँके फफ छोडता हुआ प्लैटफार्मपर टहल रहा है। उसने सोचा कि हो-न-हो यही रेलगाडी है ! वह उछलकर उसकी पीठपर चढ वैठा। साहव लगा वेतरह विगडने, गामडिया वोला, 'जानता नही है, टिकिट लेकर सवार हो रहा हूँ !'

ओ ताँगेवाले !

"ओ ताँगेवाले ! स्टेशन जा रहा है क्या ?"

"जी सरकार !"

"अच्छा जाओ, चले जाओ।"

वताइए

"गाडियाँ लड जानेपर अकसर आगेके डब्बे ही चकनाचूर होते है।"

"तो ये आगेके डब्बे लगाये ही क्यो जाते है ?"

उम्र-चैकर

एक बड़ी बी अपनी १५–१६ सालकी लड़कीके साथ रेलमें सफर कर रही थी। आधा ही टिकिट ले रखा था। टिकिट-चैकरने देखा तो कहा, "इस लड़कीका पूरा टिकिट लगेगा, भाई !"

बड़ी बी चमककर बोली, "क्यों पूरा टिकिट लगेगा ? यह बारह साल की भी नहीं है अभी !"

टिकिट-चैकर शरीफ आदमी था। मुलायमियतसे बोला, "भाई ! टिकिटके बाकी पैसे निकाल। यह लड़की बारह सालसे ज्यादा उमरकी है।"

बड़ी बीके गुस्सेका क्या कहना ! हाथ नचाकर बोली, "तुझे कैसे मालूम, यह बारह सालसे ऊपरकी है ? इसकी माँ मैं हूँ या तू ?"

तुम्हें तो गाड़ी मिल जायेगी

दो जनोंको दस बजेकी गाड़ीमें जाना था। पर वे बाजारमें सौदा खरीदनेमें ऐसे मसरूफ हुए कि जानेकी बात भूल गये। एककी नजर घड़ी पर पड़ी और याद आ गया कि आज तो दस बजेकी गाड़ीसे जाना था। देखा कि सवा दस बज गये हैं। उसने साथीसे कहा, साथीने अपनी घड़ीमें देखते हुए कहा, "मेरी घड़ीमें तो पौने दस बजे हैं। पहलेने घबराकर कहा, "तुम जल्दी स्टेशनपर पहुँच जाओ, तुम्हें तो गाड़ी मिल जायेगी।"

लीजिए !

मुसाफिर : "आपने पैसे गिननेमें जरा भूल की है।"

बुकिंग क्लर्क (खीजकर) : "पैसे लेते वक्त ही आपको गिन लेने चाहिए थे।"

मुसाफिर : "गिनकर ही आया हूँ। आपको भी ठीक गिनकर देने चाहिए। एक रुपया आपने ज्यादा दे दिया है।"

गाय

एक रेलगाडी जगलमे एकाएक रुक गयी । पूछनेपर मालूम हुआ कि रास्तेमे कोई गाय आ गयी थी ।

एक घण्टे बाद गाडी फिर रुक गयी । वजह बतायी गयी कि वही गाय फिर पटरियोपर आ गयी थी ।

गालियॉ तो वह देगा जिसे पीछे उतार आया हूँ

रेलका रातका सफर था । एक मुसाफिरने रेलके गार्डसे दरख्वास्त की कि उसे पालघर स्टेशनपर उतार दे । पालघर स्टेशनपर गार्ड साहबने डब्बेके पास आकर बुलन्द आवाजसे कहा, 'उतरो भई ! तुम्हारा स्टेशन आ गया । बेचारा एक सोता हुआ आदमी मुसाफिर भडभडाकर उतर पडा । और गार्ड साहबने मुतमइन होकर गाडी स्टार्ट कर दी ।

जब उतरना चाहनेवाले मुसाफिरकी आँख खुली तो उसने देखा कि पालघर कभीका निकल गया और गार्डने उसे उतारा नही । वह गार्डको बुरा-भला कहने लगा । एकने गार्डको खबर दी कि एक मुसाफिर उन्हे बडी गालियाँ दे रहा है । गार्ड साहब बोले, यह बेचारा क्या गालियाँ देगा ! गालियाँ तो वह दे रहा होगा जिसे पीछे उतार आया हूँ ।"

माल और मालिक

•

हिसाब बराबर

सखी : "अगर मैं दस रुपये उधार चाहूँ तो दोगे ?"

सखा : "हाँ, हाँ, क्यों ?"

सखी "अच्छी बात है, तो,दस देना,मगर अभी तो मुझे पाँच दो।"

सखा : "अच्छा, मगर क्यों ?"

सखी : "तब तुम्हें मुझे पाँच रुपये देने रह जायेंगे, और मुझे तुम्हें पाँच। और इस तरह हिसाब साफ हो जायेगा।"

दो-चार कारण

मालिक : "तुम्हारी तनख्वाह क्यों बढ़ायी जाये इसके दो-चार कारण होंगे ?"

मुनीम . "हम दो और चार बालक।"

फिलफौर

मकानमालिक (फोनमें) . "हम अपने मकानका बीमा कराना चाहते हैं।"

मैनेजर : "ओ.के.! लेकिन पहले हम आपका मकान देखना चाहेंगे।"

मकानमालिक "तो जल्दी आओ, मकानमें आग लग रही है।"

जुर्माना देनेवाला कोई और होगा

एक तालावपर नहाने-धोनेकी मनाही थी। वरना जुर्माना। एक कजूस पानी भरने गया। लेकिन पैर फिसलनेसे पानीमे गिर पडा। लगा हाथ-पैर मारने। किनारेपर खडा हुआ एक आदमी बोला,

"आपने यह पाटिया बाँचा नही मालूम होता। अब आपको सौ रुपये जुर्मानेके अदा करने होगे।"

बोला, "जुर्माना देनेवाला कोई और होगा, मै नही।"

यह कहकर उसने किनारेपर आनेकी कोशिश छोड दी,और डूब मरा।

पैट्रोल खत्म

ड्राइवर . पैट्रोल खत्म हो गयी लालाजी ! अब गाडी आगे नही जायेगी।"

लालाजी : "तो पीछे लौटाकर घर ले चलो।"

हॉर्न क्यों नही बजाया ?

सरदारजी (ड्राइवरसे) "गाडी क्यो उछली ड्राइवर साब ?"

ड्राइवर . "आगे पत्थरका टुकड़ा आ गया था।"

सरदारजी "तो फिर हॉर्न क्यो नही वजाया ?"

टपाटपी

सेठ (गुस्सेमे) "इस गद्दीके सेठ तुम हो या मै ? जवाव दो !"

मुनीम "मै सेठ कहाँ हूँ, साहव ?"

सेठ "सेठ नही हो तो फिर वेवकूफकी तरह क्यो वकते हो ?"

दो-तिहाई

सर्वेश्वर : "आपके दफ्तरमे कितने आदमी काम करते है ?"

प्रोप्राइटर (हिचकिचाकर) · "करीव दो-तिहाई।"

भेड़िया

एक अति दुबले-पतले लालाकी पत्नी महा मोटी थी। एक दिन शाम को एक भेड़िया उनके आँगनमें घुस आया। लाला डरके मारे एक सन्दूक में घुस गया। पत्नी बोली, "मुझे भी छिपा लो जरा।"

लाला : "भेड़िया कोई पालकी लेकर आया है कि तुझे ले जावेगा? तीन भेड़िये मिलकर भी तुझे एक इञ्च नहीं हिला सकते!"

साहूकार

किसी कर्जदारको उसका साहूकार सामनेसे घोड़ेपर सवार आता दिखायी दिया। कर्जदारकी जान सूखने लगी। छिपनेकी कोई जगह थी न वक्त। आखिर उसका साहूकारसे मुकाबला हो गया।

क़र्ज़दार : "आज तो आप खूब जँच रहे हैं! घोड़ा भी क्या लाजवाब है!!"

साहूकार : "घोड़ा आपको पसन्द आया?"

कर्ज़दार : "वाह! क्यूँ नहीं? कैसा खूबसूरत है! दौड़ता भी खूब होगा?"

साहूकार : "हाँ! हाँ! देखिए, अभी इसकी चाल दिखाता हूँ।"

चाबुक पड़ते ही घोड़ा हवासे बातें करने लगा और चन्द लमहोंमें नज़रोंसे ओझल हो गया और इधर मौका पाकर क़र्ज़दार रफूचक्कर हो गया!

रफ़े-दफ़े

मालिक : "मेरी दराजमेंसे दस रुपये कहाँ गायब हो गये, मनोहर? इस दराजकी चाबी सिर्फ मेरे और तुम्हारे पास ही तो रहती है।"

मनोहर : "तो लाइए हम दोनों पाँच-पाँच रुपये डालकर मामला खतम करें।"

दिवाला

वनिया मर रहा था।

"वेटा रतनी, तू कहाँ है ?"

"तुम्हारे पास ही हूँ, वापूजी"

"और तेरी माँ ?"

"यह बैठी है, तुम्हारी वायी तरफ।"

"और मेरा चाँदीचन्द ?"

"आपके पैर दवा रहा है।"

"और लक्खू ?"

"दूकानसे वुलाने आदमी गया है। लो वह भी आ गया।"

"दमडीलाल ?"

"यह रहा दायी ओर।"

"उधारमल"

"सिर दवा रहा है।"

"सव आ गये ?" वनियेने वेचैनीसे पूछा,

"हाँ जी।"

"तो दूकान कौन सँभाल रहा है ? इस तरह तो तुम लोग मेरा दिवाला ही निकाल दोगे।"

क्या करोगे ?

"यदि तुम्हारा विवाह किसी धनी विधवासे हो जाये, तो तुम क्या करोगे ?"

"एकदम कुछ नही।"

आवजो

"लोग कहते है कि पैसा वोलता है।"

"मुझसे तो वह हमेशा 'खुदाहाफिज़' ही वोलता रहा।"

रुपया कब निकाल सकते है ?

एक आदमी वैकमें रुपये जमा करने आया, और पूछने लगा, "आज रुपये जमा करे तो निकाल कब सकते है ?"

क्लर्क : "आज जमा करें तो कल ही निकाल सकते हैं, हमे सिर्फ पन्द्रह दिन पहले खबर दीजिए कि आप रुपये निकालना चाहते है ।"

गमनागमन

"मै गया जा रहा हूँ। जबतक लौटूँ तबतकके लिए बीस रुपये देना।"

"कबतक लौटेगे ?"

"जा ही कौन रहा है !"

दौलतसे नुकसान

एक रिपोर्टरने दुनियाके सबसे दौलतमन्द व्यक्ति मि० हेनरी फोर्डसे पूछा, "मि० फोर्ड, क्या आप बता सकते है कि ज्यादा दौलत मिलनेसे क्या नुकसान होता है ?"

फ्रोर्ड : "मेरा तो एक ही नुकसान हुआ है और वह यह कि श्रीमतीजोने खाना पकाना बन्द कर दिया है !"

परिवर्तन

पुराना दोस्त : "मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि अतुल सम्पत्ति पाकर भी तुम्हारे अन्दर परिवर्तन नही हुआ।"

दौलतमन्द : "हुआ है एक परिवर्तन मुझमें। पहले जब कि मै 'बदतहजीब' था अब 'विचित्र' हो गया हूँ, और पहले जब कि 'जंगली' था अब 'खुशगवार हाज़िरजवाब' बन गया हूँ।"

कैश या नोट

अफवाहोसे घबराकर एक व्यापारी बैकमे जमा रकम निकालने चैक लेकर बैक गया। बैकके कैशियरने पूछा, "क्या दूँ, कैश या नोट ?"

व्यापारी . अगर आपके पास कैश है तो मुझे कुछ नही चाहिए। अगर कुछ न हो तो मेरे सब रुपये दीजिए।"

स्वर्णलता

प्रेमिका : "मेरे जन्मके समय मेरे पिताने मेरे हर जन्मोत्सवपर दस रुपये देनेका वचन दिया था। आज इस तरह मेरे पास १९० रुपये जमा हो गये है।"

उम्मीदवार प्रेमी . "बाकीका रुपया वे कब दे देगे ?"

दूसरी

बीमावाला "हम आपको कोई रकम नही देंगे,लेकिन आपको दूसरी कार दे देगे।"

कारवाला . "खैर, इस मामलेमे तो यह ठीक है। लेकिन अगर आपकी कारगुजारीका यही करीना है तो मै अपनी बीबीकी पालिसी रद्द करता हूँ।"

वारिस

"आज तो एक ज्योतिषीने मुझे बताया कि बडा होनेपर मुझे बहुत धन मिलेगा।"

"उस धनका तुम क्या करोगे ?"

"मेरे बेटे खायेगे ?"

"तुम्हारे बेटे न हुए तो ?"

"मेरे नाती-पोते खायेंगे।"

क़र्ज़

एक आदमी (कर्ज़ लेनेकी नीयतसे एक महाजनसे) : "मेरे दोस्त तो बहुतेरे हैं, मगर मैं दोस्तोंसे कुछ माँगना पसन्द नहीं करता।"

महाजन : "फिर क्या ! हाथ मिलाइए। आजसे हम और आप भी दोस्त हुए।"

स्कीम

"अगर कोई मेरी स्कीममें तीस हज़ार रुपये लगानेवाला मिल जाये तो मैं कुछ धन कमा लूँ।"

"कितना धन कमा लोगे ?"

"क्यों, तीस हज़ार रुपये।"

किसका सुख ?

एक बीमा कम्पनीका इश्तहार था, 'हर आदमीको काफी कमाना चाहिए और उससे भी अच्छा तो यह है कि काफ़ी बचावे, ताकि उसकी पत्नी सुखमें रह सके · ·'

पत्नी कि विधवा ?

मध्यम मार्ग

"देखो, तुमने इस बिलके पैसे अभी तक नहीं चुकाये। चलो बीचमें मामला तय हो जाये—तुम्हारे ऋणका आधा भाग मैं भूल जानेको तैयार हूँ।"

"मंजूर ! बाकी आधेको मैं भूल जानेको तैयार हूँ।"

मूर्ख !

ग़रीब आदमी (जागकर, चोरोंसे) : "आप लोग कितने मूर्ख हैं ! यहाँ रातमें कुछ पानेकी आशा करते हैं, जब कि मैं यहाँ दिनमें भी कुछ नहीं पाता !"

भोली-भाली शक्लवाला

"वैकमे पैसे जमा न रहनेपर भी चैक भुनाते रहनेके जुर्ममें सोहन गिरफ्तार कर लिया गया।"

"वह ऐसा तो आदमी नही दिखता।"

"तभी तो वह ऐसा कर सका।"

निष्काम

सज्जन "तुम पडे-पडे क्या करते हो ? कुछ काम क्यो नही करते ?"

मस्तराम : "क्यो ?"

सज्जन . "ताकि तुम्हारे पास कुछ पैसा हो जाये और तुम उसे वैकमें जमा कर सको।"

मस्तराम "क्यो ?"

सज्जन "ताकि तुम रिटायर हो सको और फिर कुछ काम न करना पडे।"

मस्तराम . "लेकिन काम तो मैं अब भी नही करता।"

बड़े सयाने

एक फकीरको एक दिन कुछ नही मिला। दुआ करने लगा, "या अल्लाह, अगर मुझे चवन्नी मिल जाये तो दो आने तेरे।" आगे चलकर उसे एक दुअन्नी मिली। उठाकर बोला,

"अल्लाह मियाँ ! हो बड़े सयाने ! दो आने पहले ही काट लिये।"

एक बात

"मुझे सख्त अफसोस है कि मैं इस महीने अदायगी नही कर सकता।"

"यही तो तुमने गत-मास कहा था।"

"देख लीजिए, मैं अपने वचनपर क़ायम रहता हूँ।"

सब आनन्दमें

"धन्यवाद, महाशय क्या आप मुझे पाँच रुपये उधार दे सकते है ?"

"मुझे अफसोस है कि इस वक्त यहाँ मेरे पास एक पैसा भी नही है।"

"और घरपर ?"

"सब आनन्दमें है ।"

दौलत

"आप इतने दौलतमन्द कैसे हो गये ?"

"इसकी लम्बी कहानी है। जबतक सुनाऊँ तबतकके लिए लैम्प बुझाये देता हूँ।"

"अब सुनानेकी जरूरत नही, मैं समझ गया ।"

धनका बिछोह

जाते वक्त चचाने भतीजेको दो रुपये देते हुए कहा, "लो सँभालकर रखना। देखो, मूर्ख और उसके धनका विछोह बडी जल्दी होता है !"

"हाँ, मगर मैं तो आपको धन्यवाद ही दूँगा ।"

फिजूल खर्च

"गणपतराव अपने पैसे कहाँ उडाता है, कौन जाने !"

"ऐसा ?"

"हाँ, कल भी उसके पास पैसे नही थे, आज भी नहीं थे !"

"तो ? क्या वह तुमसे पैसे उधार माँगता था ?"

"नही तो! मैंने ही उससे उधार माँगे थे !"

बैंक-बैलेन्स

"तुम्हारा बैंकमें कुछ है ?"

"हाँ, सिर्फ विश्वास !"

उधार

एक आदमीने किसी बनियेसे पाँच रुपये उधार माँगे।

बनिया: "मै तो तुम्हे पहचानता भी नही, रुपये कैसे उधार दे दूँ ?"

श्रादमी : "इसीलिए तो मै आपके पास आया हूँ। जो मुझे जानता है वह तो पाँच पैसे भी उधार नही देगा, लालाजी!"

सेवा

उपदेशक "मै सबके लिए प्रार्थना करता हूँ।"

वकील "मैं सबकी वकालत करता हूँ।"

डॉक्टर : "मैं सबका इलाज करता हूँ।"

सामान्य नागरिक "सबके लिए पैसा मैं अदा करता हूँ।"

नफा या नुकसान

एक सुन्दर लड़की किसी पब्लिक सर्विसकी परीक्षामें बैठ रही थी। उससे सवाल पूछा गया,

"अगर कोई आदमी किसी चीज़को १२ रुपये ३ आनेमें खरीदता है और ९ रुपये ६ आनेमें बेच देता है तो उसे क्या नफा या नुकसान होता है ?"

नवयुवती विचारमग्न हो गयी, और बोली,

"आनोमे उसे नफा होता है मगर रुपयोंमें नुकसान।"

टोटल

"अगर तुम्हें शुक्रवारको चार पैसे दिये जायें और शनिवारको एक, तो तुम्हारे पास कितने पैसे हो जायेंगे ?"

"सात।"

"तुम पागल तो नही हो गये ? चार और एक पाँच होते है ?"

"लेकिन दो मेरे पास पहले ही से है।"

पूँजी और श्रम

"पूँजी और श्रम क्या है ?"

"मान लो मैंने तुम्हे दो रुपये उधार दिये, तो यह पूँजी है। जब मैं उन्हें वसूल करनेकी कोशिश करता हूँ तो यह श्रम है।"

क़र्ज

"मेरे ख़यालसे किसीसे कर्ज लेना बरबादीका कारण है ?"

"जी नही, कर्ज लेना नही, कर्ज चुकाना बरबादीका कारण है।"

सन्तोप

"पर आप तो कहते थे कि सन्तोप न हो तो पैसे वापस।"

"पर हमे आपके पैसोसे सन्तोप हुआ है", दूकानदारने कहा।

कीमत

एक दार्शनिक किसी नदीके किनारे टहल रहा था। उसने देखा कि एक ग़रीब आदमीने अपनी जिन्दगीको ख़तरेमे डालकर एक धनिक सेठको डूबनेसे बचा लिया। इसके लिए सेठ उसे एक चवन्नी देने लगा। लोग उसकी नाकद्रदानीपर भड़कने लगे और सेठको फिरसे पानीमें फेंक देनेके लिए आमादा हो गये।

दार्शनिक बोला, "भाई, वह अपनी जानकी कीमत जानता है।"

दौलत और मेहनत

"पूँजी क्या है ?"

"जो दौलत दूसरेके पास है।"

"और श्रम ?"

"उसमे-से कुछ पा जानेकी कोशिश।"

भाडा

मालिक-मकान "कई महीने हो गये हैं, आप भाडा भर दीजिए।"

किरायेदार "मै अपना भी भाडा नही दे पाता हूँ, आपका कैसे भर दूँ?"

चैक

"तुम्हें मेरा चैक मिला या नही?"

"हाँ हाँ ! एक बार तुम्हारी तरफसे, एक बार तुम्हारे बैंककी तरफसे !"

धन-लग्न

"जब मै शशिके साथ प्रेममे पडा तो मैने उससे कहा कि मेरे काकाके पास बहुत धन-सम्पत्ति है।"

"तब तो उसने शादी कर ली होगी।"

"हाँ मेरे काकाके साथ।"

बशौक तमाम

"क्या आप मुझे पाँच"

"नही"

"मिनिट दे सकते है?"

"कोई मुजाइका नही, इरशाद फरमाइए।"

रंगशाला

●

अन्तिम दृश्य

डायरेक्टर : "देखो, इस पहाड़ीसे तुम्हें नीचे कूदना है।"

ऐक्टर : "ठीक, लेकिन अगर चोट लग गयी या मर गया तो ?"

डायरेक्टर . "कोई मुज़ाइका नहीं। यह पिक्चरका आख़िरी सीन है।"

जैसेका-तैसा

स्कूलके एक नाटकमें किसी विद्यार्थीको मूर्खका पार्ट करना था। उसने अपने एक दोस्तसे सलाह ली, "मुझे मूर्ख दिखनेके लिए क्या करना चाहिए ?"

दोस्त : "कुछ नहीं, जैसा है वैसा ही दिखना।"

साइनपोस्ट

एक सिनेमाप्रेक्षक महोदय अन्तरालके बाद अँधेरेमें अपनी सीटकी तरफ़ आ रहे थे।

"मैंने बाहर जाते वक़्त आपके पैरपर पैर रख दिया था न ?"

पासका प्रेक्षक जिनका पैर अभी तक दुख रहा था, बोला,

"हाँ हाँ"

पहला . "तब तो यही मेरी लाइन है !"

प्लॉट

"आपको अपने दूसरे उपन्यासका प्लॉट कहाँसे मिला ?"

"अपने पहले उपन्यासके फिल्मी संस्करणसे ।"

सहमत

पत्नी (उत्फुल्ल) : "फिल्म बिलकुल किताबके मानिन्द ही लगी न आपको ?"

पति : "हाँ, मुझे उन्ही जगहोपर ऊँघ आयी ।"

अकाल-मृत्यु

मैनेजर "आजकी रातके बाद मै तुम्हे तीसरे एक्टके बजाय पहले एक्टमें ही मरवा दूँगा ।"

खल-नायक . "ऐसा क्यो करते है ?"

मैनेजर : "क्योकि मै यह खतरा नही लेना चाहता कि दर्शक यह काम करे ।"

चूक

एक गाँवमें एक ऐसा शख्स तमाशा दिखाने आया जिसे छुरियाँ फेंकनेमे कमाल हासिल था । उसने लकडीका एक बडा तख्ता खड़ा किया और उससे सटाकर एक नवयुवतीको खडा किया । कुछ फासलेपर खडे होकर उसने जल्दी-जल्दी छुरियाँ फेकनी शुरू की । वे लडकीके बिलकुल नजदीक तख्तेमें घुस जाती थी । कभी-कभी तो लड़की बाल-बाल बच जाती थी । लडकी चमचमाती छुरियोंसे घिरी शान्त खड़ी थी ।

एक देहातीका जी यह देखकर घुट रहा था । एक और छुरीको भी इसी तरह लड़कीके न लगते देखकर अकुलाकर अपने साथीसे बोला,

"चल यार, इसमे क्या रखा है, कम्बख्त फिर चूक गया !"

अभिनय

दो मित्र नाटक देखने गये। नायकका पार्ट देखकर पहला बोला, "क्या लाजवाब काम करता है! नायिकाके प्रति क्या अद्भुत रीतिसे प्रेम प्रदर्शित करता है!"

दूसरा "पर ये दोनो तो पति-पत्नी है, इनकी शादी हुए बरसों हो गये!"

पहला : "तब तो गजबका अभिनय करता है!"

कॉमेडियन

एक घबराया हुआ नाटे कदका आदमी एक स्टोरमें आया और बोला, "मुझे आपकी तमाम सड़ी तरकारियां, गले टमाटर और रद्दी अण्डे चाहिए।"

स्टोर कीपर (खुश होकर). "मालूम होता है आप आज उस नये कॉमेडियनका तमाशा देखने थ्येटर जा रहे है!"

आदमी (घबराहटसे इधर-उधर देखते हुए). "धीमे बोलिए, वह नया कॉमेडियन मै ही हूँ।"

अनुभवी अभिनेता

एक सनकी आदमी किसी नाटक कम्पनीके मैनेजरसे कोई पार्ट देनेका निरन्तर अनुरोध करता रहता था। लेकिन मैनेजरको उसके अभिनय-अनुभवपर शक था, इसलिए पूछने लगा,

"तुम कहते हो तुमने शेक्सपीयरके सुखान्त नाटकोंमे काम किया है। अच्छा बताओ तो सही किन-किनमें किया है?"

नरम होकर भावी अभिनेताने जवाब दिया, "मुझे 'जस्ट एज यू लो' और 'नथिंग मच डूइंग' में छोटे-छोटे पार्ट मिले थे!"

तड़प

हॉलीवुडके एक फिल्म-प्रोड्यूसर साहब कहानी-लेखकसे बोले, "मुझे एक ऐसी कहानी लिखकर दीजिए जो एटम और हाइड्रोजन बमोंके धुआँधार युद्धसे शुरू हो और फिर रफ्ता-रफ्ता 'क्लाईमैक्स'पर पहुँचे।"

फिल्म-जाल

नेहरूकी रूस-यात्रावाली फिल्म देखकर एक सरदारजी बड़े उदास हुए। खेद प्रकट करते हुए अपने साथीसे बोले,

"इस दुनियाकी गन्दगीसे कोई पाक नहीं रह सकता! भले आदमियोंमें ले-देके एक नेहरू बचा था सो वह भी फिल्म-ऐक्टर बन गया!!"

डैथ सीन

किसी नाटकमें हीरोके मरनेका सीन दिखाया जा रहा था कि पर्दा एकाएक गिरा दिया गया। दर्शकोंमें शोर मच गया। तभी, नाटक कम्पनीका मैनेजर स्टेजपर आकर बोला, "माफ कीजिएगा, इस सीनमें मरनेवाला ऐक्टर अचानक बेहोश हो गया है। ज्यों ही वह होशमें आयेगा, वह फिर मरना शुरू कर देगा।"

गजजर

एक अभिनेताके बाल बड़े सुन्दर थे, इसलिए उसके प्रशंसक उसके बालोंकी माँग करते रहते थे। अभिनेता भी ऐसी प्रत्येक माँगकी उत्तरमें अपने दो-चार बाल भेज देता था। एक दिन उसके एक मित्रने कहा, "यदि इस प्रकार अपने प्रशंसकोंको अनुगृहीत करते रहे, तो एक दिन ऐसा आयेगा, जब तुम बिलकुल गंजे हो जाओगे।"

"मैं क्यों गंजा हूँगा, गंजा होगा, मेरा कुत्ता!"

तलाक

आख़िर ऐक्ट्रेसने उससे शादी कर ली। मगर दो घण्टेके अन्दर ही वह अपने वकीलसे तलाककी चर्चा करने लगी। हॉलीवुडके लिए यह एक रिकार्ड था। वकीलने पूछा, "ऐसी क्या बात हुई कि आपको इतनी जल्दी तलाक देना पड गया ?"

दुलहिन सुबकते हुए बोली,"गिरजाघरके रजिस्टरमें उसने अपना नाम मुझसे बडे अक्षरोंमें लिखा।"

ब्रह्मास्मि

एक फिल्म-डायरेक्टर एक पागल पात्रकी तलाशमें पागलखाने गया। वहाँ उसने एक पागलसे पूछा, "आपका शुभ-नाम ?"

पागल : "अब्राहम लिंकन।"

डायरेक्टर यूँ ही देखता-भालता आगे वढता गया। लौटकर उसने फिर उसी पागलसे पूछा, "आपका नाम ?"

"जॉर्ज वाशिंगटन।"

"मगर आपने ज़रा ही देर पहले तो अपना नाम अब्राहम लिंकन वताया था !"

"वह तो मेरी पहली वीवीका लडका है।"

आदर्श रमणी

हॉलीवुडकी एक तारिका हमेशा कर्जदार रहनेवाले अपने गार्डको झिडक रही थी, "मुझे देखो, हर तरह खुशहाल हूँ। मेरा आदर्श क्यों नहीं सामने रखते ?"

"तुम नहीं समझतीं वहन ! जिस प्रसाधनसे तुम दौलतमन्द होती जा रही हो वही मुझे कंगाल बनाये रखता है।"

रियाज चाहिए

पहली नटी (शेखीसे) "कल तमाशेमे मेरे गानेपर इतनी तालियाँ पिटी कि मुझे हर गाना तीन-तीन दफे गाना पडा।"

दूसरी नटी (जलकर) : "हाँ दर्शकोने ताड लिया था कि तुम्हे अभी मश्ककी ज़रूरत है।"

मरनेका सीन

मृत्यु-शय्याका सीन था, लेकिन डायरेक्टरको हीरोके ऐक्टिंगसे सन्तोष नही हो रहा था।

वह चिल्लाकर बोला, "आओ भी ! भाई ज़रा अपने मरनेमे जिन्दगी डालो !"

अल्प-मत

बर्नार्ड शॉका एक नाटक खेला जा रहा था। शॉ भी दर्शकोमे थे। पास बैठे हुए सज्जनने एक जगह नापसन्दगी दरशायी। शॉ बोले, "भाई, मुझे भी अच्छा नही लगता, पर तमाम दर्शकोके सामने हम दोनोकी क्या गिनती है ?"

पतिसे मुलाक़ात

फिल्म ऐक्ट्रेस : "लाइए अपने पतिसे आपका परिचय कराऊँ।"

डायरेक्टर · "अवश्य अवश्य ! मुझे आपके हर पतिसे मिलकर खुशी होती है।"

कमसिन

डायरेक्टर "आपकी उम्र ?"

अधेड़ एक्ट्रेस . "२६ वर्ष।"

डायरेक्टर : "किस तरफसे ! जीवनके आरम्भसे या अन्तसे ?"

शादियोका रिकार्ड

"तुमने उस फिल्म ऐक्ट्रेसका किस्सा सुना ?"

"नही तो, क्या बात थी ?"

"उसके सेक्रेटरीने उसकी शादियोका हिसाब बराबर नही रखा। नतीजा यह हुआ कि शादियोंसे तलाकोंकी सख्या दो ज्यादा निकल रही है।"

आइडियाज़

"आपके खयालसे ये सिनेमावाले विचार कहांसे ग्रहण करते है ?"

"इनकी कृतियोसे मालूम पड़ता है कि एक दूसरेसे ग्रहण करते हैं।"

अब आप

सिनेमा अभिनेत्री . "अब आपके बारेमें कुछ बातें करें। आपका मेरी पिक्चरके बारेमें क्या खयाल है ?"

धर्म-परिवर्तन

दो अभिनेता किसी आत्मोद्धत व्यवस्थापकका जिक्र कर रहे थे। एक अभिनेता दूसरेसे बोला, "मैंने सुना है वह अपना विश्वास बदल रहा है।"

दूसरा · "क्या तुम्हारा मतलब यह है कि अब वह अपनेको खुदा नही मानता ?"

सुखद अन्त

"क्या उस नये नाटकका अन्त सुखद था ?"

"हां सब सुखी थे कि उसका अन्त आ गया।"

होता है

डायरेक्टर . "गैरशादी शुदा ?"

अभिनेत्री : "दो बार।"

किञ्चित् कम

"आपके नये नाटकमे उपस्थिति कैसी रही ?"

"बात यह हुई कि पहली रातको तो कोई नही आया। लेकिन अगले दिन मैटिनी-शोमे उपस्थिति किञ्चित् कम हो गयी।"

नटीकी सन्तान

एक दिन अमेरिकन फिल्म-निर्माता मिस्टर सेमुएल गोल्डविनने एक एक्ट्रेससे पूछा, "तुम्हारे कोई सन्तान है क्या ?"

एक्ट्रेस "हाँ, मेरे दूसरे पतिकी तीसरी पत्नीसे एक पुत्र और मेरे पहले पतिकी दूसरी पत्नीसे दो पुत्रियाँ है।"

मुजरिम

"जब मै रगमञ्चपर होता हूँ अपने पार्टमे बिलकुल ग़र्क हो जाता हूँ। तमाम श्रोता गायब हो जाते है।"

"मै उन्हे दोषी नही ठहराता।"

कबहू कबहू

डायरेक्टर : "क्या आप अविवाहित ही रहती है ?"

अभिनेत्री : "कभी-कभी।"

कलकल

बहुत-कुछ विज्ञापन करनेपर भी नाटक देखने सिर्फ़ दो जन आये। मैनेजर उनके पैसे लौटाकर नाटक-गृहके दीप बुझाने आये तो रंगभूमिसे यो बोले,

"किन्ही विशेष कारणोसे आजका खेल रद्द किया गया है। कल ऐसा नही होगा। आज जो खेल दिखाया गया वही कल दिखाया जायेगा।"

इस रिज़्कसे मौत अच्छी

स्टेज मैनेजर "यह क्या बदतमीजी की तुमने ? आखिर सूझा क्या था कि मरनेके सीनमें हँसने लगे ?"

एक्टर : जो तनख्वाह मैं पाता हूँ उस तनख्वाहसे मौतका हँसकर ही आलिंगन किया जा सकता है, रोकर नहीं ।"

समाधि-लेख

अभिनेत्री : "अपनी समाधिपर मैं क्या लेख लिखवाऊँ ?"

मसखरा दोस्त : "आखिर यह अकेली सो रही है ।"

नया बाप

सिनेमा-स्टार (अपने ताजातरीन खाविन्दका परिचय अपनी दाराोजा को देते हुए) : "देखो डार्लिंग, यह तुम्हारे नये डैडी है ।"

बालिका : "क्या आप कृपया मेरी विज़िटर्स बुकमें कुछ लिखेंगे ?"

तालियाँ

"जब आप मञ्चसे जा रहे थे, उस वक्त दर्शकोंने बड़ी जोरदार हर्षध्वनि की ।"

"वह तो इसलिए की थी कि मैं फिर वापस नहीं आनेवाला था ।"

फुलपार्ट

एक एक्टर लिंकनका पार्ट खेलते-खेलते अपनेको लिंकन ही समझने लगा ! वह उसीकी तरह चलता, बोलता और उसीके-से कपड़े पहनता ।

एक दिन वह लिंकनकी पोशाकमें ब्राडवेके पाससे गुजरा चला आ रहा था । किसीने उसकी तरफ इशारा करके कहा, "यह जबतक गोली खाये बगैर सन्तुष्ट नहीं होगा !"

ऑडीएन्स

दोस्त "क्यो आज नाटक कैसा रहा ?"

डायरेक्टर . "खेल तो पुरबहार था । ऑडीएन्स फेल गया ।"

फ़िल्म

"मैंने तुमसे कहा था न कि इस फिल्मके करुण दृश्योको देखकर सब रोने लगते है ।"

"मैं तो इसलिए रो रहा हूँ कि पैसे पानीमे गये ।"

व्यसन

•

मंज़िल-दर-मंज़िल

"ज़रा एक सिगरेट देना।"

"मैंने तो सोचा था कि तूने पीना छोड़ दिया।"

"मैं त्यागकी पहली मंज़िलपर हूँ, अर्थात् खरीदना छोड़ दिया है।"

चेन-स्मोकर

"तुम चेन-स्मोकर हो ! इस तरह तो तुम बेशुमार सिगरेटें फूँक डालते होगे ?"

"हाँ ! लेकिन तुम्हें यह नहीं मालूम कि मैं इस तरह कितनी दियासलाइयाँ बचाता हूँ।"

चाय

सत्येन्द्र : "चाय धीमा ज़हर है !"

ज्योतीन्द्र : "तो यहाँ किसे मरनेकी जल्दी है ?"

जीत-ही-जीत

ही : "मैं जूएमें एक रात जीतता हूँ, एक रात हारता हूँ।"

शी : "तो तुम एक रात छोड़कर क्यों नहीं खेला करते ?"

क़िस्मत

दो अंग्रेज़ एक सडकके किनारे किसी कुत्तेको सिगरेटके फफ छोड़ते हुए देख रहे थे।

एक बोला · "कमाल है ! है न ?"

दूसरा : "कमाल तो है ही ! यह कुत्ता सिगरेट फूंक रहा है और मुझे दो हफ्तेसे एक पैकिट भी नहीं मिला।"

ग्यारह

"मुझे ११ नवम्बर हमेशा मुबारक रहा है। ११वें महीनेकी ११वी तारीखको ११ वजे हमारी शादी हुई। हमारे मकानका नम्बर भी ११ है एक रोज़ मुझे ११ वजकर ११ मिनिट ११ सैकिण्डपर किसीने बताया कि आज वडी रेस होनेवाली है। मैने सोचा कि मेरे लिए ११ के नम्बरमे जरूर चमत्कार छिपे हुए है, मै गया और ११वे नम्बरकी रेसके ११वें घोडेपर ११ हज़ार रुपये लगा दिये।"

"और घोडा जीत गया ?"

"यही तो रोना है !—कम्बख्त ११वे नम्बरपर आया !"

मार डाला !

साकी · "इस गिलासको सँभालकर लीजिए।"

रिन्द . "क्यो ? क्या ज़्यादा भर दिया है ?"

साक़ी "नही, ज़रा छलक गया है।"

आबे-जमजम

"तुम्हारी ज़बान इतनी काली !"

"मेरी ह्विस्कीकी बोतल उस सडकपर गिर गयी जिसपर हाल ही कोलतार बिछाया गया था।"

पिये हुए

मजिस्ट्रेट "अरे, तुम मेरे सामने फिर मौजूद हो ! कौन लाया तुम्हें यहाँ ?"

मुलजिम "जी, ये दोनो सिपाही।"

मजिस्ट्रेट . "हूँ फिर पी होगी।"

मुलजिम . "बिलकुल सच सरकार दोनो ही पिये हुए थे।"

कह नही सका

मुलजिम "साहब, मै पिये हुए नही था। और यह बात मैंने अफसर से कहनी चाही।"

जज . "और उसने सुनना नही चाहा ?"

मुलजिम : "जी, वह तो सुनते थे, मगर मैं कह नही सका।"

'मुँहसे नही छूटती है यह काफिर लगी हुई'

डॉक्टर "आपको शराब छोडनी होगी। वरना आँखोसे हाथ धोना होगा।"

रिन्दूमियाँ (सोच-साचकर) "जी, डॉक्टर साहब अब तो मैं बूढा हो गया हूँ, मैंने सब-कुछ देख लिया है।"

हज्जाम

एक पुजारीजी किसी नौसिखिए नाईसे हजामत बनवा रहे थे। बनाते-बनाते नाईका हाथ जरा बहक गया और पुजारी महराजका गाल जरा कट गया।

पुजारी "देखो जी, यह भग पीनेका नतीजा है।"

नाई . "हाँ सरकार ! यह खालको बहुत मुलायम कर देती है।"

प्रगति

डॉक्टर · "तुम्हारी यह शराब पीनेकी लत किस तरह बढी ?"

मरीज़ : "इस तरह—कि पहले मै पानीमे ह्विस्की पीता था; फिर ह्विस्कीमे पानी पीने लगा; फिर बिना पानी ह्विस्की पीने लगा और अब मै पानीकी तरह ह्विस्की पीता हूँ।"

परहेज़गार

"दोस्त मॉरीसन ! एक गिलास बीयर आये तो कैसा ?"

"नही भाई, शुक्रिया ! एक तो मुझे डॉक्टरने पीनेको मना किया है, दोयम यह शराबबन्दीका ज़माना है, तीसरे मेरे लिए मदिरापानका त्याग है, चौथे मै अभी चार्लीके साथ एक गिलास पीकर आ रहा हूँ।"

अव्वल नम्बर

"आज तो क्लबमे पीनेकी होड थी।"

"अच्छा ! दोयम कौन रहा ?"

यह सुगन्ध कैसी ?

एक नाटक-क्लबके आदी महोदय प्रात काल ४ बजे लडखडाते हुए अपने घर तशरीफ लाये है। पूछने लगे, "भई, यह खुशबू कैसी फैल रही है ?"

दरबान "हुजूर यह ताजी हवा है।"

मयनोशी

"क्या आप शराब पीते है ?"

"यह आप जानकारीके लिए पूछ रहे है या निमन्त्रण देनेके लिए ?"

कुछ नही

श्रीमती मर्फी . "प्रियतम, क्या ढूँढ रहे हो ?"

श्रीयुत् मर्फी ' कुछ नही, कुच्छ न हो।"

श्रीमती मर्फी "ओह ! तब तो वह तुम्हे उस खाली बोतलमे मिलेगा जिसमे पहले शराब थी ।"

खून हो, खूने-तमन्ना न हो !

एक स्कॉचको दुर्मिल शराबकी एक बोतल भेंट मिली। वह उसे लिये लपकता हुआ घर आ रहा था। खुशीमे इस कदर सरशार कि आती हुई मोटरसे बचकर न निकल सका। लियड गया। उठकर लँगडाता हुआ सडक पार कर रहा था कि उसे कुछ पतली गरम चीज टाँगसे बहती मालूम हुई।

"ओह लॉर्ड", वह दुआ करने लगा।

"यह खून हो।"

खाली बार

शराबके खिलाफ एक सुधारक बोल रहा था, "शराब देशका कलक है। शराब पीकर आप अपनी बीबीसे झगडते है, पडोसियोसे लडते है, इसके कारण आप अपने मालिक-मकानपर गोली चलाते है, और इसी कारण निशाना चूक जाते है।"

रूह-अफजा

शराबी . "हुजूर, मेरा इरादा नही था कि एक बारमे सारी बोतल पी जाऊँ।"

जज "तो फिर पी क्यो गये तुम ?"

शराबी "बात यह हुई साहब, कि मुझसे डाट खो गयी।"

जहर

एक शराबी पत्नीसे छिपाकर शराब पीता था। बोतलपर 'ज़हर'का लेबल लगा रखा था। एक रोज पत्नीको मालूम पड गया। अगले दिन उसने पतिके सामने बोतल उठाकर पीना शुरू कर दिया।

"अरे अरे! यह तो ज़हर है!!"

"मेरा पति अगर ज़हर पीता हो तो मुझे भी जीकर क्या करना है?"

सार्सापारिला

तीन कछुए, दो बडे और एक छोटा, किसी मदिरालयमे सार्सापारिला के एक गिलाससे अपनी तृषा-तृप्ति करने गये। जब वह पीने लगे तो बडे कछुएमे-से एक बोला, "बारिस हो रही मालूम होती है।" गरमागरम बहसके बाद यह तै हुआ कि छोटा कछुआ उनकी छतरी लेने घर जाये। छोटा कछुआ घुर्राया, "मेरे जानेपर तुम मेरी सार्सापारिला पी जाओगे।" उसे इतमीनान दिलाया गया कि नही पीयेंगे, उसके हिस्सेकी ज्योंकी-त्यों रखी रहेगी। तब कही छोटे मियाँ छतरी लेने चले।

तीन हफ्ते हो गये। अन्तमें बडोमे-से एक बोला, "उन हज़रतके हिस्सेकी पी क्यों न डाली जाये?"

दूसरा: "यही मैं भी सोचता रहा हूँ। लाओ पी लें।" नीचे मदिरालयके सिरेके दरवाजेके पासमे एक तेज आवाज आयी। "अगर पीओगे तो मैं छतरी लेने नही जाऊँगा।"

आजीवन त्याग

"डॉक्टर मुझसे जिन्दगी-भरके लिए शराब पीना छोड देनेके लिए कहता था।"

'बडा कठिन त्याग है। लेकिन क्या मुश्किल है, खुशीसे यह व्रत पालो, ज्यादा दिन थोडे ही जीना है।"

ऊर्ध्व-गमन

मेजर "इतना ज्यादा क्यो पीते हो ? तुम्हे खबर है कि अगर तुम्हारा रिकार्ड अच्छा रहा होता, तो अबतक तुम कारपोरल या सार्जण्ट हो गये होते।"

जवान "माफ फरमाइएगा हुजूर, मगर बात यह है कि जब चन्द कतरे मेरे अन्दर पहुँच जाते है तो मै अपनेको कर्नल समझने लगता हूँ।"

जहर

एक मैम साहिबाको धूम्रपानसे सख्त चिढ थी। एक बार रेलगाडीमे उनके पास बैठा हुआ एक मुसाफिर सिगरेट पी रहा था। रोष प्रकट करती हुई मैडम बोली,

"अगर तुम मेरे पति होते, तो मैं तुम्हें ज़हर दे देती।"

मुसाफिर : "और मैम साहिबा, आप मेरी पत्नी होती तो मैं उसे पी जाता।"

("मुहब्बतमे मरकरके जीना पडेगा। कोई ज़हर देगा तो पीना पडेगा।")

जान बचा दी

एक वक्ता शराबकी बुराइयाँ बता रहे थे। उन्होने एक नज़ीर दी कि किस तरह एक शराबी बरसो शराब पीते-पीते शराबकी भापसे इस कदर भर गया कि एक रात मोमबत्तीको फूँकसे बुझाने लगा तो उसकी साँसमे आग लग गयी और वह जल मरा।

श्रोताओमे-से एक बोला, "मै आपका शुक्रिया अदा करता हूँ, आपने मेरी जान बचा दी !"

वक्ता "कैसे ?"

श्रोता . "मै अब मोमबत्तियोसे कोई सरोकार नही रखूँगा, सिर्फ बिजली जलाऊँगा।"

क्या ठिकाना ?

दो शरावी किसी शरावखानेसे निकलकर जगलमे कही दूर भटक गये। चलते-चलते रात हो गयी। उनमे-से एक अँधेरेमे किसी पत्थरसे टकरा गया, और वोला, मालूम होता है हम कब्रिस्तानमे आ गये।" दूसरेने दियासलाई जलायी और पढा, "माइल्स सोलह, लन्दन।"

पहला शरावी रोकर कहने लगा, "यार देख यह वेचारा माइल्स, जो लन्दनका रहनेवाला था कुल सोलह सालकी नौजवानीमे मर गया! मौतका क्या ठिकाना!"

त्याग

"आपने सिगरेट पीना छोड दिया ?"

"वहुत वार।"

अमल

शरावके खिलाफ किसीने वडी पुरज़ोर किताव लिखी। उसे पढकर लाखोने शराव पीना छोड दिया। सारे शहरमे शायद ही कोई पीनेवाला वचा हो। एक रोज़ एक पीये हुआ आदमी वडी दुर्दशामे एक गटरसे निकाला गया। उपचारसे वह होशमे आया। लोगोने उसे प्रेमसे समझाया कि भाई ... लेखककी वह शराव-विरोधी किताव पढ लो तो फिर तुम कभी न पीओगे। आदमी वोला कि "उस कितावका लिखनेवाला मै ही हूँ।"

घुड़दौड़

जीतनेवाले जॉकीके सामने माइक रख दिया गया और उससे अनुरोध किया गया कि राष्ट्रको कोई सन्देश दे। वेचारा हडवडाकर वोला, "मै दूसरे जॉकियोका वडा आभारी हूँ जिनके सहयोगके विना यह विजय सम्भव नही थी।"

शराबखाना

एक नौजवानको शराबखानेसे निकलते देख एक महिला बोली, "तुम्हें इस जगहसे निकलते देख मुझे दु:ख होता है !"

"तो क्या मैं हमेशा अन्दर ही रहता ?"

मद्यनिषेध

वक्ता महोदयने मद्यनिषेधपर भाषण दिया। अन्तमें पूछा, "अच्छा मान लीजिए, मैं एक बालटी पानी और एक बालटी शराब मँगाकर यहाँ रख दूँ और एक गधेको बुलवाऊँ तो वह किस बालटीमें मुँह डालेगा ?"

श्रोता . "पानीकी बालटीमें।"

वक्ता "आखिर क्यों ?"

श्रोता : "वह गधा जो ठहरा !"

जागरण

पहला : "मुझे अनिद्रा रोग है।"

दूसरा . "तुम इसका क्या उपाय करते हो ?"

पहला : "आध-आध घण्टेपर ह्विस्कीका एक गिलास पीता हूँ।"

दूसरा : "इससे कुछ फायदा होता है ?"

पहला "नहीं, पर इसमें जागना सफल हो जाता है।"

असमर्थ

एक साहब अपने नये दामादकी शिकायत करते हुए कह रहे थे, "वह पी नहीं सकता, न वह ताश खेल सकता है।"

एक मित्र . "दामाद हो तो ऐसा हो।"

महाशय "नहीं, वह ताश नहीं खेल सकता फिर भी खेलता है, वह पी नहीं सकता फिर भी पीता है।"

शराब

"यह कैसी भड-भडाहट हुई ?"

"भाई साइमन एक ह्विस्की लिये जीनेसे लुढक पडे ।"

"शराव गिरायी तो नही उसने ?"

"नही, उन्होने अपने मुँहको वन्द रखा ।"

काश !

"काश ! कि मै सिगरेट पी सकता ।"

"पर तुम हमेशा पीते तो रहते हो ?"

"मालूम है । पर काश ! कि मै खरीद कर पी सकता ।"

दृढ निश्चय

स्त्री "मेरे पति महाराजको वचपनसे धूम्रपानका तीव्र व्यसन था । मगर अव छूते तक नही ।"

सहेली . "ज़िन्दगी-भरकी लतको छोडना वहुत मुश्किल है । इसके लिए दृढ निश्चय चाहिए ।"

स्त्री . "वह मेरे पास है तभी तो वह लत छूट सकी ।"

मूर्ख
●

फ़ौरी फ़ैसला

"भला यह भी कोई बात है ? बातचीत करनेके ५ मिनिट बाद ही वह मुझे मूर्ख कहकर पुकारने लगा !"

"पांच मिनिट भी कैसे लग गये ?"

जानकार

तीन मूर्ख एक तालावके किनारे बैठे गप्पे लगा रहे थे ।

एक "भाई, यह सब तो ठीक; पर मान लो कि तालावमें आग लग जाये तो ये मछलियां कहां जायेगी ?"

दूसरा : "और कहां जायेंगी,पेडपर चढ जायेंगी । तुझे इतना भी नही मालूम ?"

तीसरा " तू भी मूरखका मूरख ही रहा ! मछलियां कोई भैंसे है कि आग लगनेपर पेडपर चढ जाये !"

निश्चित

"अगर कोई आदमी किसी विषयमे निश्चित मत रखता हो तो वह मूढ होता है ।"

"क्या आपका यह निश्चित मत है ?"

"बिलकुल !"

हौसला

एक देहाती दिल्ली जा पहुँचा। वहाँ एक नाईसे बोला, "हजामतका क्या लेता है रे ?"

नाई . "जैसी हजामत। इकन्नीसे अठन्नी तक।"

देहाती · "अच्छा बना एक आनेवाली।" नाईने उस्तरेसे उसका सिर घोटकर रख दिया।

देहाती "अच्छा अब दो आनेवाली बना।"

नाई . "लो बन गयी। लाओ पैसे।

नाई : " ! "

देहाती (खीसा बजाकर बोला) . "अबे घबराता क्यो है, अभी तो आठ आनेवाली तक बनवाऊँगा।"

पोस्टेज

डाक बाबू "इस लिफाफेका वज़न एक तोलेसे ज्यादा है। इसपर एक आनाकी टिकिट और लगाओ।"

देहाती "साहब, टिकिट लगानेसे तो वजन और बढ जायेगा।"

सुधार

"मैने यहाँ गॉव छोडा तबसे इसमे कोई सुधार-बुधार हुआ है ?"

"कह नही सकता। पिछले छह महीनेसे मैं बाहर गया हुआ था।"

"और कोई सुधार ?"

टू कप टी

चायकी दूकानपर एक साहबने आकर इस दूकानदारके नये देहाती नौकरसे कहा, "टू कप टी (Two cup tea)".

नौकर झल्लाकर बोला, "तू कपटी, तेरा बाप कपटी।"

अकारण कष्ट

देहाती : "राम राम ! कहाँ चले दादा ?"

डाकिया "सामनेके गाँवमे यह अखबार देने जा रहा हूँ ।"

देहाती . "इसके लिए इतनी तकलीफ क्यो करते हो ? डाकसे भेज दो न !"

प्रतिविम्ब

एक देहातीको दर्पण मिल गया । मुँह देखा तो उसमे उसे अपने मृत-पिताकी-सी झाँकी नजर आयी ।

बोला, "यह तो अजीव जादू है ! इसे छिपाकर रखूँगा ।" घर जाकर वह उसे जगह-ब-जगह तरह-तरहसे छिपानेके जतन करने लगा । उसकी पत्नीको वडा कुतूहल हुआ । एक दिन उसने उसे ढूँढ निकाला । देखा । बोली, "अच्छा तो यह चुडैल है जिसके वह पीछे पडा हुआ है !"

आवोहवा

एक अजनवीने एक गाँवमें आकर वहाँके किसी निवासीसे पूछा,

"यहाँकी आवोहवा कैसी है ?"

"निहायत तन्दुरुस्ती-बख्श ! जव मैं यहाँ आया था तव मैं कमरेमें चल-फिर तक नही सकता था, चारपाईसे भी मुझे कोई उठाता तो उठता ''''''।"

"तव तो वडे कमालकी जगह है ! तुम यहाँ हो कवसे ?"

"मैं तो यहाँ ही पैदा हुआ हूँ ।"

सवसे पहले

"अगर कोई तुझे एक हजार रुपया दे दे तो तू सवसे पहले क्या करे ?"

"उन्हें गिन लूँ ।"

शिकायत

"गाँवका जीवन भी कैसा सुखकर है ! खुली हवा, शान्त वातावरण, अच्छा घी-दूध, सस्ती शाक-भाजी " । जवतक मैं वहाँ रहा डॉक्टरका एक भी विल नही चुकाया ।"

"डॉक्टर भी यही शिकायत करता था ।"

दहकानी

एक गँवार आदमी इत्तिफाकसे किसी रसायनशालामे पहुँच गया । प्रयोग करते हुए कुछ वैज्ञानिकोसे पूछने लगा,

"यह आप क्या कर रहे है ?"

"हम ऐसी चीज़ वनानेकी कोशिश कर रहे हैं जिसमे हर चीज घुल जाये ।"

देहाती वोला, "अगर वह चीज आपने वना भी डाली तो आप उसे रखेगे किस वरतनमें ?"

हलका-भारी

सेठ . "तुम पत्थर कितना वडा उठा सकते हो ?"

देहाती . "एक मनका ।"

सेठ "और कपास कितनी उठा सकते हो ?"

देहाती . "कपास तो साव, मै दस मन भी उठा ले जा सकता हूँ ।"

विपरीत गति

छात्र . "सर, आपने उलटा हैट पहन रखा है । पीछेका हिस्सा आगे लगा हुआ है !"

प्रोफेसर . "तुम पागल हो । तुम्हे क्या मालूम कि मै किस दिशामे जानेवाला हूँ ।"

अकारण कष्ट

देहाती . "राम राम ! कहाँ चले दादा ?"

डाकिया "सामनेके गाँवमें यह अखबार देने जा रहा हूँ ।"

देहाती : "इसके लिए इतनी तकलीफ क्यों करते हो ? डाकसे भेज दो न !"

प्रतिविम्व

एक देहातीको दर्पण मिल गया । मुँह देखा तो उसमें उसे अपने मृत-पिताकी-सी झाँकी नज़र आयी ।

वोला, "यह तो अजीव जादू है ! इसे छिपाकर रखूँगा ।" घर जाकर वह उसे जगह-ब-जगह तरह-तरहसे छिपानेके जतन करने लगा । उसकी पत्नीको वडा कुतूहल हुआ । एक दिन उसने उसे ढूँढ निकाला । देखा । वोली, "अच्छा तो यह चुडैल है जिसके वह पीछे पडा हुआ है !"

आवोहवा

एक अजनवीने एक गाँवमे आकर वहाँके किसी निवासीसे पूछा,

"यहाँकी आवोहवा कैसी है ?"

"निहायत तन्दुरुस्ती-वख्श ! जव मैं यहाँ आया था तव मैं कमरेमें चल-फिर तक नही सकता था, चारपाईसे भी मुझे कोई उठाता तो उठता ......।"

"तव तो वडे कमालकी जगह है ! तुम यहाँ हो कवसे ?"

"मैं तो यहाँ ही पैदा हुआ हूँ ।"

सवसे पहले

"अगर कोई तुझे एक हजार रुपया दे दे तो तू सवसे पहले क्या करे ?"

"उन्हें गिन लूँ ।"

शिकायत

"गाँवका जीवन भी कैसा सुखकर है ! खुली हवा, शान्त वातावरण, अच्छा घी-दूध, सस्ती शाक-भाजी ··· । जबतक मैं वहाँ रहा डॉक्टरका एक भी बिल नही चुकाया ।"

"डॉक्टर भी यही शिकायत करता था ।"

दहकानी

एक गँवार आदमी इत्तिफाकसे किसी रसायनशालामे पहुँच गया। प्रयोग करते हुए कुछ वैज्ञानिकोसे पूछने लगा,

"यह आप क्या कर रहे है ?"

"हम ऐसी चीज़ बनानेकी कोशिश कर रहे है जिसमे हर चीज घुल जाये ।"

देहाती बोला, "अगर वह चीज आपने बना भी डाली तो आप उसे रखेगे किस बरतनमे ?"

हलका-भारी

सेठ "तुम पत्थर कितना बडा उठा सकते हो ?"

देहाती "एक मनका ।"

सेठ . "और कपास कितनी उठा सकते हो ?"

देहाती "कपास तो साब, मैं दस मन भी उठा ले जा सकता हूँ ।"

विपरीत गति

छात्र "सर, आपने उलटा हैट पहन रखा है । पीछेका हिस्सा आगे लगा हुआ है ।"

प्रोफेसर . "तुम पागल हो । तुम्हें क्या मालूम कि मै किस दिशामे जानेवाला हूँ ।"

देहाती

दो शहरी लड रहे थे।

पहला : "नालायक, दुष्ट, धूर्त, पाजी, बदमाश, हरामी···· ··।"

दूसरा खामोश सुनता रहा।

पहला : "··· गँवार, देहाती !"

दूसरेको देहाती कहा जाना नाकाबिले-बरदाश्त हुआ, "गालियाँ दी तो दी खैर कोई बात नही, मगर साला 'देहाती' कहता है !" यह कहते हुए वह उसपर पिल पडा और उसे पछाड दिया।

तीन तीर

किसीने अंग्रेज़ोंके सिर्फ तीन लफ्ज सीख रखे थे। जिन्हें वह मौके-बे-मौके नम्बरवार इस्तेमाल करता था—

"तुमने चोरी की है ?"

"यस"

"माल लौटा दोगे ?"

"नो"

"तब तो तुम्हें कैदकी सजा मिलेगी।"

"वैरी गुड !"

ब्रेक

एक गँवारको मोटरपर चढनेका शौक पैदा हुआ। उसने एक मोटर चलानेवालेसे दोस्ती कर ली। एक दिन मोटरपर चढना मिला। उसकी तेज़ चालसे वह बहुत खुश हो रहा था। एकाएक मोटर सड़कपरसे बहक कर एक पेडसे भिड़कर रुक गयी।

गँवार : "भई, है तो बड़ी तेज गाडी, मगर जहाँ पेड़ नही होता वहाँ भला कैसे रोकते होंगे ?"

आराम-काम

एक किसानने एक चित्रकारको अपना कैनवास लिये बैठे देखकर पूछा, "क्या आराम कर रहे हो ?"

"नही, काम कर रहा हूँ ।"

शामको किसानने अपने खेतसे लौटते वक्त देखा कि चित्रकार अपने बगीचेमे काम कर रहा था । किसानने रायज़नी की, "काम तो तुम अब कर रहे हो !"

"नही, मै अपने कामसे विश्रान्ति ले रहा हूँ ।"

कम वक़्त

एक सरदार जी, बसमे जगह खाली होते हुए भी खडे-खडे सफर कर रहे थे ।

कण्डक्टर . "बैठिए सरदारजी''' ' ।"

सरदारजी . "मुझे बैठनेका वक्त नही, फौरन् स्टेशन पहुँचना है !"

स्वधर्म-निर्णय

एक मूर्ख एक भैसके घुमावदार सुन्दर सीगोको देख-देखकर सोचा करता कि अगर मै इनमे अपनी टाँगें डाल दूँ तो क्या हो ! आखिर एक रोज़ उसने फैसला कर ही डाला और अपने पैर भैसके सीगोमे डाल दिये । इसपर भैस फुनफुनाती हुई चौकडी भरती हुई भागने लगी । आदमीकी हालत देखने लायक थी । आखिर भैस बडी मुश्किलसे रोकी गयी । लोगो ने मूर्खसे पूछा,

"तुम्हे ऐसी बेवकूफी करनेसे पहले कुछ तो सोचना चाहिए था !"

"आप ऐसा कैसे कहते है कि सोचा नही, छह महीने तक सोचते रहने के बाद मैने यह काम किया है," मूर्ख बोला ।

नमूना

एक देहाती पहली वार वम्बई आया । किसी होटलमें दूध पीने गया । वेटरने हस्व-मामूल जव एक प्यालीमें आध पाव दूध लाकर रख दिया तो गँवार वौखलाया,

"नमूना किसने मँगाया था ? नमूनेका क्या होगा ? दूध लाओ !"

पण्डित और किसान

पण्डित "भई, सफर लम्बा है । वक्त काटनेके लिए आओ हम एक दूसरेकी पहेलियाँ बूझें, जो जवाव न दे सके वह पाँच रुपये दे ।"

पण्डित "अच्छा, मजूर ।"

किसान . "वताओ वह कौन-सा जानवर है जो एक पैरसे पानीमें तैरता है, दो पैरोंसे ज़मीनपर दौड़ता है और तीन पैरोंसे आसमानमें उड़ता है ।"

पण्डितजी चकराये,"आखिर हार मानकर बोले, ये लो पांच रुपये ।"

लेकिन किसानने उन पांच रुपयोंमें-से दो रुपये पण्डितजीको लौटाते हुए कहा, "ये दो रुपये तुम लो, क्योंकि मैं खुद भी उस जानवरको नहीं जानता ।"

अदया

एक मूर्ख घोड़ेपर सवार था, और घासका गट्ठा अपने सिरपर रखे हुए था, किसीने कहा, "घास भी घोड़ेकी पीठपर रख लो ।"

मूर्ख बोला : "वाह जी वाह, इस तरहसे भला घोड़ेपर बोझा ज्यादा न हो जायेगा । यह मेरा निजी घोड़ा है, किरायेका नहीं लाया हूं ।"

धोखा

"आप अजीव मोजे पहने थे, सरदारजी !—एक लाल एक हरा !"

"हाँ दूकानदारने बड़ा धोखा दिया—ऐसी ही एक जोड़ी घरपर पड़ी हुई है", सरदारजी बोले ।

सोडावाटर

दो देहाती पहली वार रेलमें सफर कर रहे थे। उन्होने सोडावाटरके वारेमे सुना तो था, मगर पीया कभी नही था। उन्होने वेण्डरसे एक-एक वोतल ली।

उनमे-से एकने वोतलको मुँहसे लगाकर लम्बे-लम्बे घूँट भरने शुरू कर दिये और उसी वक्त गाड़ी एक सुरगमे दाखिल हुई।

"क्यो कैसा लगा ?" साथीने पूछा।

"छूना मत इस वाहियात चीज़को ! इसने तो मुझे अन्धा कर दिया था।!"

पटेलकी सलाह

एक देहाती पटेल पहली ही वार रेलमे सफर कर रहा था। गाडीमे टिकिट-चैकर आया और नम्रतासे वोला, "काका, जरा अपनी टिकिट देना।"

काका : "भई, अभी गाडी छूटनेमें देर है। वह सामने जो खिडकी दिखती है वहाँ टिकिट मिलती है। इस वक्त तो जरा भी भीड नही है, जाकर ले न आओ। मैं अपनी टिकिट क्यों दूँ ?"

❦

चश्मदीद

वकील . "देखो, जो तुमने आँखोसे देखा हो वही कहना।"

गवाह "बहुत अच्छा सरकार।"

वकील . "तुम्हारा नाम क्या है ?" गवाह चुप।

वकील . "अपना नाम क्यो नही बतलाते ?"

गवाह : "उसे मैंने कानोसे सुना है, आँखोसे नही देखा।"

ईश्वरकी गलती

रेलके एक डिब्बेमे दो मोटे आदमी सारी बेंचको घेरे बैठे थे। खडा हुआ एक मुसाफिर बोला,

"मैं कहता हूँ मिस्टर! रेलवेका कानून है कि एक बेचपर तीन आदमी बैठे। १५ इचसे ज्यादा जगह रोकनेका किसीको अधिकार नही है। आप दोनो चार फीट जगह घेरे बैठे है। आपको समझना चाहिए यह रेलवे कानूनकी खिलाफवर्जी है।"

जेबसे सिगार निकालकर सुलगाते हुए इतमीनानसे उनमे-से एक बोला,

"बिरादर, रेलवेने बेंचके बारेमें कानून बनाया यह ठीक है, लेकिन हमारे शरीर रेलवेके कानूनके मुताबिक नही गढे गये। इसमे तो ईश्वरकी गलती हुई है। आप उससे फरियाद करके जवाब लाइए, तब आगेकी तजवीज करेंगे।"

प्रतीति

एक आदमीपर किसी किसानके खेतमे कुछ कबूतर मारनेका आरोप लगाया गया। आदमीके वकीलने किसानको जिरहके दौरानमे डरानेकी कोशिश की। बोला, "क्या तुम कसम खाकर कह सकते हो कि इस आदमी ने तुम्हारे कबूतर मारे ?"

किसान "मैने यह नही कहा कि इस आदमीने मारे मैने तो यह कहा है कि मुझे शक होता है कि इसीने मारे है।"

वकील "अहह! अब आ रहे है आप ठिकानेपर! अच्छा तुम्हे इस पर शक कैसे हुआ ?"

किसान "इस तरह, अव्वल तो मैने इसे बन्दूक लिये अपने खेतपर पकडा। दोयम, मैने बन्दूककी आवाज़ सुनी और कुछ कबूतरोको गिरते देखा। सोयम, मैने अपने चार कबूतर इसकी जेबमे देखे, मै नही सोचता कि वे उडकर उसकी जेबमे घुसे होगे और वहाँ उन्होने आत्महत्या की होगी।"

कहा-सुनी

मजिस्ट्रेट "गवाह कहता है कि तुममें और तुम्हारी पत्नीमें कुछ कहा-सुनी हुई।"

मुद्दाअलैह: "जी हुजूर, मगर कहा उसने, सुनी मैने।"

बडा आदमी

आगन्तुक . "वकील साहब! आप मुझे नही जानते मेरे पिता ऑनरेरी मजिस्ट्रेट है—"

व्यस्त वकील : "कुर्सी ले लीजिए।"

आगन्तुक . "और मेरे ससुर लोकलबोर्डके प्रेसीडेण्ट—"

वकील : "दो कुर्सी ले लीजिए।"

अनुभव

एक महिला मोटरकी चपेटमे आ गयी, अदालतमे बचाव पक्षके वकील ने कहा,

"ड्राइवरका कसूर नही हो सकता,क्योकि वह १५ वर्षसे मोटर चलाते आ रहे है।"

इसपर वादी पक्षका वकील वोला,

"तव तो महिलाकी गलती भी हरगिज नही हो सकती, क्योकि वह ४० वर्षसे सडकपर पैदल चलती आ रही है।"

अण्डरओथ

वकील . "तुम वडे होशियार आदमी मालूम पडते हो!"

गवाह : "आपकी तारीफमे भी मै यही कहता, मगर क्या करूँ शपथ ग्रहण किये हुए हूँ।"

नया चोर

देहाती : "हुजूर ये वतखें मेरी ही है जो कि चोरी चली गयी थी।"

जज . "पर तुम दावेके साथ कैसे कह सकते हो कि ये तुम्हारी ही है ? मेरे यहाँ भी ऐसी वतखे है।"

देहाती "हो सकती है। मेरे यहाँसे सिर्फ ये ही वतखें थोडे ही चोरी गयी हैं।"

पसीनेकी रोटी

मित्र : "सुना है कि आपके लडकेको चोरीके इलज़ाममें जेल हो गयी !"

पिता (सगर्व) · "हाँ ! आखिर वह पसीनेकी रोटी खाने लगा।"

हस्व-जरूरत

जज : "तू घरमे कबतक रहा ?"

चोर . "बाहर आने तक ।"

वाहिद सबब

एक मुकदमेमे एक गवाहने अनेक दलीलोंसे यह साबित किया कि अमुक होटल बदमाशीका केन्द्र है । मगर वकीलको इसपर भी सन्तोष नही हुआ और उसने पूछा, "तुमने करीब पन्द्रह कारण तो दिये, लेकिन अब सिर्फ एक अन्तिम वजह ऐसी बतलाओ जिससे तुम्हें लगा कि यह होटल बदमाशोका अड्डा है ।"

गवाह : "एक बार आपको मैंने वहाँ बैठे हुए देखा था ।"

आदत

जज (मुद्दाअलैहसे) "तो तुम्हारे कहनेका यह मतलब है कि तुमने अपनी बीबीको दूसरी मजिलकी खिडकीसे भूलसे धकेल फेंका ?"

मुद्दाअलैह (लजाते हुए) : "जी हुजूर, हम पहले ग्राउण्ड फ्लोरपर रहते थे, और यह मैं बिलकुल भूल गया कि हम अब दूसरी मजिलपर रहने लगे है ।"

सूरत-सीरत

जज : "आप हर मुकदमेमें हमारी ज्यूरीके मेम्बर क्यों नही बनते ?"

सज्जन : "क्या फायदा ? इस आदमीकी शकल ही बता रही है कि यही मुजरिम है ।"

जज . "श · ·श ·· श ···! यह मुद्दाअलैह थोडे ही है, यह तो सरकारी वकील है ।"

झेलिए वकील साहब !

वकीलोंकी एक टोलीने एक आयरलेण्ड-निवासीको एक मैखानेमे पीने के लिए बुला लिया।

एक वकीलने उससे पूछा, "तुम्हारा धन्धा क्या है ?"

आयरिश : "घोडोका व्यापार, वही जो मेरे पिताका था, ईश्वर उनकी आत्माको शान्ति बख्शे।"

"अरे अरे, आपके बाप मर गये है ?"

"जी हाँ, स्वर्गवासी हो गये है।"

वकीलने मक्कारीसे पूछा, "क्या यहाँकी तरह वहाँ भी लोगोको धोखा देते है ?"

"मेरा खयाल है उनने वहाँ एक शख्सको धोखा दिया था।"

"तो फिर चालान किया गया उनका ?"

"नही," आयरिश शान्तिपूर्वक बोला, "क्योकि जिसे धोखा दिया गया था उसने सारा स्वर्ग देख डाला, लेकिन उसे कोई वकील न मिला।"

मुश्किल कुशायी

"किन शब्दोमे मै आपकी तारीफ करूँ ?"

मुवक्किलने अपने मुकदमेकी जीतपर वकीलसे कहा।

"महाशय, शब्द-शास्त्रियोने 'रुपया' शब्द बनाकर आपकी मुश्किल हल कर दी है।"

मशवरा

"आप किसी वकीलके पास क्यो नही जाते ?"

"मेरे भाईने कहा कि यह बात तो कोई भी बेवकूफ बतला देगा, इसलिए मैने सोचा, चलो आपही से पूछ लूँ।"

तलाक़

एक आंग्ल महिला अपने वकीलको तलाक लेनेके कारण समझा रही थी,

"और आखिरी चीज उसने यह की है कि २५ हज़ार पौण्डका अपना बीमा कराया है।"

वकील . "लेकिन, मैडम, बीमा तो तुम्हारी सरक्षाके लिए है।"

मैडम "ह ह ! अरे तुम उस आदमीको नही जानते। उसने बीमा मरनेके इरादेसे नही मुझे चिढानेके लिए करवाया है !"

तुर्की-बतुर्की

जज . "तुम क्या काम करते हो ?"

मुजरिम : "कुछ-न-कुछ ।"

जज "कहाँ काम करते हो ?"

मुजरिम "कही-न-कही।"

जजने उसे हवालातमें डाल दिये जानेका हुक्म दिया। सुनकर मुजरिम बिलबिलाया।

"मै यहाँसे कब छूटूँगा ?"

"कभी-न-कभी", जजने जवाब दिया।

आरोप

वकीलोंकी नामावलीमे किसी वकीलके नामके आगे किसी मसखरेने लिख दिया,

"इनमे बुद्धि होनेका आरोप है।"

उसने पढा तो लिख दिया, "मुकदमा चलाकर उन्हें निर्दोष छोड दिया गया है।"

स्थायी-ग्राहक

एक मुलजिम जब अदालतमें हाजिर किया गया तो मजिस्ट्रेटको उसकी सूरत कुछ पहचानी हुई मालूम हुई। इसलिए उन्होंने मुलजिमसे पूछा, "इसके पहले तुम कितनी दफे सजा पा चुके हो ?"

मुलजिम : "हुजूर, पाँच दफे।"

मजिस्ट्रेट : "पाँच दफे ! तब तो इस बार तुम्हें सबसे बडी सजा मिलनी चाहिए।"

मुलजिम . "यह क्या ! हुजूर, स्थायी ग्राहकोंके साथ सब जगह रियायत की जाती है।"

इन्हीं पैरोंसे

अराजकता फैलानेके जुर्ममे चन्द शख्सोको शहरसे दस मील पैदल बाहर ले जाकर शूट कर दिये जानेकी सजा दी गयी।

एक मुजरिमने बड़बडाकर कहा,

"यह क्या बदतमीजी है ! जब गोलीसे ही मारना है तो खामखां इतनी दूर पैदल घसीटनेकी तकलीफ क्यो दी जा रही है ?"

नजदीकके सिपाहीने कहा, "तकलीफ आपके लिए क्या है ? हमें तो इन्ही पैरो वापस भी आना है।"

कानून

तलाकके मामलेमें उलझी हुई एक स्त्री अपनी सहेलीसे बोली, "इन वकीलोकी नीरस मुलाकातोसे तो मैं घबरा उठी हूं।"

"मुझसे इन कम्बख्तोका जिक्र न करो ! मिलकियतके मुकदमेमें मुझे इतनी परेशानी उठानी पडी कि कभी-कभी तो मैं सोचने लगती हूं कि मेरा खाविंद न मरता तो अच्छा था।"

अनुमान प्रमाण

प्रोसीक्यूटर : "अब आप अदालतको यह बताइए कि यह कार आपके कब्जेमे क्यूँकर आयी।"

मुद्दाअलैह : "यह कबरिस्तानके बाहर खडी हुई थी, मैने समझा इसका मालिक मर गया है।"

वकीलकी रोटी

मुवक्किल . "आपका दफ्तर तो भट्टीकी तरह गरम है!"

वकील . "क्यो न हो? मै अपनी रोटी यही पकाता हूँ न!"

शान्तिप्रिय

जज : "तुम कहते हो कि तुम शान्तिप्रिय जीव हो?"

मुजरिम : "जी हुजूर, जरूर हूँ।"

जज . "और तुमने उस सिपाहीके सिरपर ईंट गिरा दी?"

मुजरिम . "सच बात है। और ईंट गिरानेके बाद, सरकार, उनकी-सी शान्त छवि मैने कही नही देखी।"

जेल-गमन

वकील (एक गवाहसे) : "क्या तुम कभी जेल गये हो?"

गवाह "हाँ, एक बार।"

वकील (जजसे) · "अब आप ही देखिए कि जेल पाये हुए गवाहकी बातपर कैसे विश्वास किया जा सकता है।"

जज (गवाहसे) : "तुम किसलिए जेल गये थे?"

गवाह . "मेरा काम पुताई करना है। मैं जेलमें एक कोठरी पोतने गया था। उस कोठरीमें एक वकील कैद था जिसने अपने मुवक्किलोको धोखा दिया था।"

निकालो बाहर !

कचहरीमें बढते हुए शोरको सुनकर मजिस्ट्रेट बोला, "अब कोई ज़रा भी आवाज़ करेगा तो उसे निकाल बाहर किया जायेगा।"

"हो, हो ", कचहरीके कटहरेमे खडा हुआ मुलज़िम बोल उठा।

सूमकी धूम !

एक कजूस व्यक्ति मरते समय, अपने वकीलको अपना वसीयतनामा लिखवा रहा था। अन्तमे उसने कहा, "और मै अपने उन सब नौकरोको, जिन्हें मेरे साथ काम करते हुए, पाँच सालसे अधिक हो गये है, दो-दो हज़ार रुपये देता हूँ।"

वकीलने कहा, "आप सचमुच बडे दयानिधान है।"

"वैसे, असलियत तो यह है वकील साहब, कि मेरे किसी भी नौकर को मेरे यहाँ नौकरी करते हुए एक सालसे अधिक नही हुआ है।"

"पर अखबारोंमे जब यह वसीयतनामा छपेगा, तो मेरे नामकी धूम मच जायेगी।"

कण्ट्रैक्ट

मुवक्किल . "मेरा उसका ज़बानी कण्ट्रैक्ट था।"

वकील "लेकिन ज़बानी कण्ट्रैक्टका मूल्य तो उस कागजके बराबर भी नही है, जिसपर वह लिखा गया है।"

इनसाफ

मुजरिम (अपने वकीलसे) . "क्या आपको लगता है कि मुझे सच्चा न्याय मिल सकेगा ?"

वकील : "सच्चा तो नही मिल पायेगा, क्योकि जूरीके दो जज फाँसी की सज़ाके खिलाफ है।"

वकील और प्रामाणिक !

दो आदमी एक कवरिस्तानसे होकर जा रहे थे। उनकी नज़र कब्रके एक अपताफपर पडी। लिखा था,

"यहाँ एक कुशल वकील और प्रामाणिक आदमी सोता है।"

"अरे! यहाँ कब्रोके लिए जगहकी इतनी तंगी है कि एक कब्रमें दो आदमी दफनाये हैं!" एक वोला।

गवाह

"मेरे पास यह वात सावित करनेके लिए गवाह है।"

"मेरे पास उस वक्त कोई गवाह नही था यह सावित करनेके लिए गवाह है।"

रहने दीजिए आपकी दुआएँ

जज : "तुम्हे फांसीकी सजा दी जाती है। ईश्वर तुम्हारी आत्माको शान्ति दे।"

मुजरिम : "रहने दीजिए आपकी दुआएँ! आपने जिसके लिए दुआ की होगी वह ज्यादा दिन न जिया होगा।"

ऐडीशनल

एक ऐडीशनल जजके इजलासमे एक मुकदमेकी मुनवाई हो रही थी। ऐडीशनल जजने मुद्दाअलैहसे पूछा,

"तुम्हारे पास कितने वैल है ?"

"हुजूर तीन।"

"तीन ? तीन वैलोंसे क्या करते हो ?"

"दोसे हल जोता जाता है।"

"और तीसरा ?"

"तीसरा ऐडीशनल है!"

गठकटे

वकील : "१६ तारीखके तीसरे पहर तुम कहाँ थे ?"

मुद्दाअलैह , "अपने दो मित्रोंके साथ था ।"

वकील . "शायद चोर होंगे ?"

मुद्दाअलैह "जी हाँ दोनों वकील हैं ।"

टैक्स

जज : "पत्नीको पीटनेके लिए तुमपर दस रुपये दस आना जुर्माना ।"

मुजरिम "दस रुपये तो मैं समझा, मगर हुजूर ये दस आने काहे के हैं ?"

जज "ये मनोरंजन-टैक्स के हैं ।"

वसीयत

एक वकीलने वसीयत की कि उसकी तमाम जायदाद बेवकूफोंमें बाँट दी जाये ।

किसीने इस अजीब वसीयतका कारण पूछा, तो बोले, "मुझे उन्हींसे यह दौलत मिली थी इसलिए उन्हींमें बाँटे भी जा रहा हूँ ।"

लुटेरा

एक वकील . "बचपनमें मेरी इच्छा लुटेरा बननेकी थी ।"

श्रोता : "आप बडी तकदीरवाले हैं वकील साहब ! जिस तरह आपकी इच्छा पूरी हुई है वैसे किसी-किसीकी ही होती है ?"

द्विविधा

मजिस्ट्रेट (गवाहसे) "लडाईमें तुमने प्रतिवादीकी मदद क्यों नहीं की ?"

गवाह : "मैं जान नहीं सका कि प्रतिवादी कौन बनेगा ?"

आपके रिश्तेदार

मुजरिम : "मुझे बडी सख्त सजा दी गयी, हुजूर।"

मुन्सिफ : "तो काजीके पास जाओ।"

मुजरिम "वह भी तो आपका चचा है।"

मुन्सिफ़ : "तो वज़ीरके पास जाओ।"

मुजरिम "वह तो आपका ताऊ है।"

मुन्सिफ "तो सुलतानके पास जाओ।"

मुजरिम : "उसकी प्रिय सुलताना आपकी ही भतीजी है।"

मुन्सिफ "तो जहन्नुममे जाओ।"

मुजरिम "वही आया हूँ साहब ! और देखता हूँ कि यहाँ भी आपके रिश्तेदार कम नही है।"

रोशन-दिमागी

एक लैविल-क्रॉसिंगके पास एक ऐक्सप्रेसने एक मोटर चकनाचूर कर डाली। गेटमैन ही एकमात्र गवाह था। सारे मुकदमेका दारोमदार इसपर था कि उसने माकूल तरीकेसे खतरेका सिगनल दिखलाया था या नही। वह हरचन्द यही कहता रहा कि "अँधेरी रात थी। मैंने अपनी लालटेन बहुतेरी हिलायी, मगर ड्राईवरने ध्यान ही नही दिया।"

मुकदमेके बाद डिवीजनल सुपरिण्टेण्डेण्टने उसे बुलाया और अपने कथनपर डटे रहनेके लिए बधाई दी—

"भई वाह ! कमाल कर दिया ! मैं तो डर रहा था कि कहीं तुम अपनी शहादतमें विचलित न हो जाओ।"

पुराना गुर्राट बोला, "नही साहब, नही साहब। बल्कि हर मिनिट मुझे यह डर लग रहा था कि कही वकील यह न पूछ बैठे कि,'क्या तुम्हारी लालटेन जली हुई थी ?' "

रोकड़

किसी बैंकका कैशियर कभी स्थानीय जज रह चुका था।

एक रोज़ वह एक अजनबीसे बोला, "साहब, आपका चैक तो ठीक है, लेकिन आपने इस बातका पर्याप्त प्रमाण नही दिया कि आप ही वह व्यक्ति है जिसके नाम चैक है। इसलिए मै सोच नही पा रहा हूँ कि किस तरह इसे भुना दिया जाये।"

मगर वह अजनबी आदमी जजको जानता था। बोला, "जज साहब, मुझे मालूम है कि आपने इससे कम प्रमाणपर एक आदमीको फांसी दे दी थी।"

"वह मुमकिन है, लेकिन जब 'हार्ड कैश'के जानेका सवाल उठता है तो हमे बडा सावधान रहना पडता है।"

फीस

वकील : "मैं तुम्हारी वकालत तो कर सकता हूँ, मगर तुम्हारे पास रुपये है फीसके लिए ?"

मुवक्किल : "जी नही, एक फोर्डकार है।"

वकील . "कोई मुजायका नही, तुम कारपर कुछ रुपये ले लेना। अच्छा, अब यह बताओ तुमपर किस चीजकी चोरीका इल्जाम है ?"

मुवक्किल : "एक फोर्डकारकी चोरीका।"

ईमानदार

एक फटेहाल आदमीको आवारागर्दीके इल्ज़ाममें पकड़कर अदालतमें लाया गया। जजने उसे सख्त नजरसे देखते हुए पूछा,

"तुमने अपनी जिन्दगीमें कभी ईमानदारीसे भी कुछ कमाया है ?"

"जी हुजूर, पिछले चुनावमें वोट देनेके मुझे पाँच रुपये मिले थे।"

जहन्नुम

एक वकीलने अदालतमे मुकदमा पेश किया कि उसका मुवक्किल फीस नही देता।

जज . "तुम फीस मांगने मुवक्किलके यहाँ गये थे ?"

वकील · "जी हाँ।"

जज . "क्या कहा उसने ?"

वकील "जाओ जहन्नुममे ! वही मिल जायेगी फीस !"

जज "फिर ?"

वकील "यह सुनते ही मै सीधा यहाँ चला आया।"

लेखक

लेखक : "एक वार मुझे एक-एक शब्दके दस-दस रुपये पडे।"

सम्पादक : "ओ हो ! कैसे ?"

लेखक "मैने जजको उलट कर जवाब दिया था ?"

वताइए !

एक महाशय किसी वकीलसे मशवरा लेने गये, "वकील साहव, जरा वताइए कि नये कानूनके अनुसार मैं अपनी विधवाकी भाभीसे शादी कर सकता हूँ या नहीं ?"

अपने खर्चेसे !

मजिस्ट्रेट : "ओवरकोट चुरानेका जुर्म तू कबूल करता है। तुझे और कुछ कहना है ?"

मुजरिम : "हाँ साहव, ओवरकोटकी बाँहे लम्बी थी, वे मुझे अपने खर्चेसे छोटी करानी पड़ीं।"

पत्थर

वकील . "मुजरिमने जो पत्थर, फेंका वह कितना वडा था ? मेरी मुट्ठीके वरावर ?"

गवाह · "उससे भी वडा ।"

वकील . "मेरी दो मुट्ठियोके वरावर ?"

गवाह : "उससे भी ज्यादा वडा ।"

वकील : "मेरे मरके वरावर ?"

गवाह . "हाँ, था तो इतना ही वडा, मगर ऐसा ठस नही था ।"

फ़ैसला

मजिस्ट्रेट . "तुम अपनेको अपराधी मानते हो या निरपराध ?"

मुलजिम : "इमका जवाव दे सकना वडा मुश्किल है ! 'यही तो हमें मालूम करना है ।"

नेक सलाह

"वाह, अच्छी सलाह दी ! तुमने तो कहा था कि जजसे अगर दोस्ताना तौरमे पेश आये तो वह तुम्हें सस्तेमे छोड़ देगा ।"

"क्यो, नही छोडा क्या ?"

"नही ! मैने अन्दर घुसकर कहा, 'नमस्ते जानेमन ! कैसा है आज इस वूढे लौंडेका मिजाज ?' वह वोला, 'जुर्माना'—पचास रुपये ।"

वसीअत

"भीकचन्द वडा काइयाँ निकला ! उसने ऐसी वसीअत की है कि वकीलोको उसके वारिसोंसे कुछ ज्यादा नही मिल सकता, 'कैसे ?' "

"उसने अपनी दौलतका आधा हिस्सा मुल्कके एक उत्तम वकीलको दिया है, वशर्ते कि वह वाकी आधेको उसके वारिसोको यकीनन् दिला सके ।"

सबके-सब

मजिस्ट्रेट : "तो तुमने इस शख्सको इसलिए मारा कि यह तुम्हारी रायसे सहमत न हो सका ?"

मुद्दाअलैह : "हुजूर, मैं अपनेको रोक न सका। यह आदमी इस कदर ईडियट है।"

मजिस्ट्रेट : "अच्छा, तो तुम मय खर्चेके जुर्माना अदा करो, और आइन्दा याद रखो कि ईडियट भी मेरी और तुम्हारी तरह आदमी ही होते हैं।"

तौहीन

एक जजने एक वकीलपर अदालतकी तौहीन करनेके लिए, जुर्माना करनेकी धमकी दी। वकील बोला, "मैंने अदालतके लिए कोई तौहीन नहीं दिखलायी, बल्कि हत्तुल इमकान अपने जज्बातको छिपानेकी कोशिश की है।"

व्यर्थ कष्ट

मजिस्ट्रेट (मुलज़िमसे) : "तुम बरी किये गये।"

मुलज़िम : "माफ कीजिएगा, आपको मेरे पीछे फिजूल तकलीफ उठानी पड़ी।"

चोर

जज : "जाओ, तुम रिहा कर दिये गये।"

चोर : "क्या मैं छोड़ दिया गया !"

जज : "हाँ, छोड़ दिये गये।"

चोर : "सरकार, तो अब मुझे उस चुरायी हुई घड़ीको वापस तो न करना होगा ?"

पुरफन

मजिस्ट्रेट : "उसको जरा भी पता न लगा, तुमने उसके पाकिटमे नोट कैसे चुरा लिये ?"

अपराधी . "यह सारी क्रिया सिखानेके लिए मैं पांच रुपये फीस लेता हूँ।"

आग

जज "तुम्हारा मालिक कहता है कि तुम पिये हुए थे और तुमने बिस्तरमे आग लगा दी।"

मुल्ज़िम "झूठ है साहब, बिलकुल झूठ ! बिस्तरपर मैं सोने गया उससे पहले ही उसमे आग लग रही थी।"

इन्तज़ार

सज़ा पूरी होनेपर एक चोरको जेलरने छोड़ते वक्त बड़ा उपदेश देकर कहा, 'जाओ, अब अपनी आदत सुधारकर रखना।' मगर कैदी खड़ा ही रह गया।

जेलर . "अब किस लिए खड़े हो ?"

कैदी "अपने औज़ारोंके लिए !"

पूर्व आभास

वकील "मरनेवाला गाडीमे कटा उस वक्त उस मुक़ाममे तुम कितनी दूरपर थे ?"

गवाह · "चार फ़ीट २ इंचपर।"

वकील "फासला बिलकुल नाप रखा मालूम होता है, आपने।"

गवाह "जी जनाब ! मुझे इतमीनान था कि इस क़िस्मका सवाल पूछनेवाला कोई अहमक जरूर मिलेगा।"

शहादत

जज : "क्या तुम अपराधी हो ?"

कैदी "मैने अभी गवाही नहीं सुनी।"

सिखाया हुआ गवाह

किसी मुकदमेमे एक छोटे लडकेकी गवाही थी। उससे जजने पूछा, "अदालतमे बयान देनेके बारेमें किसीने तुम्हें सिखा-पढाकर तो नही भेजा ?"

"जी हां," लडका बोला।

विरोधी पक्षका वकील फडक उठा, "मैं तो पहले ही जानता था, इसे जरूर सिखा-पढाकर लाया गया है।"

जजने वकीलको चुप रहनेका हुक्म देकर लडकेसे फिर पूछा, "किसने सिखाया तुम्हें ?"

लडका "पिताजीने।"

वकील जजकी हिदायत भूलकर फिर बोल उठा,

"बिलकुल ठीक कह रहा है यह !"

जज "क्या सिखाया है तुम्हें ?"

लडका · "यह कि दूसरी तरफका वकील तुम्हे तरह-तरहसे परेशान करेगा, मगर तुम सच्ची-सच्ची बात ही कहना।"

डॉक्टर

यमराज-सहोदर

डॉक्टर : "पण्डितजी, आप यह किस आधारपर कहते है कि पुराने जमानेमे लोग सैकडो वर्ष जीते थे ?"

पण्डितजी : "क्योकि तब डाक्टर नही होते थे।"

शान्ति, शान्ति

महिला : "डॉक्टर, मुझे कुछ हरारत महसूस हो रही है।"

डॉक्टर (नब्ज देखकर) : "कोई खास बात नही है। जरा आराम कीजिए, ठीक हो जायेगी।"

महिला (असन्तुष्ट) : "मेरी ज़बान तो देखिए।"

डॉक्टर (ज़बान देखकर) : "इसे भी आरामकी जरूरत है।"

परेशानी

"डॉक्टर साहब, डॉक्टर साहब, जरा जल्दी आइए। मेरा लड़का फाउन्टेन पेन निगल गया है।"

"जनाब, इस वक़्त मैं जरा मशगूल हूँ।"

"तो मै तबतक क्या करूँ ?"

"मेरे आने तक आप पेन्सिलसे काम चलाइए।"

असर

प्रसूतिगृहोके डॉक्टरोकी परिषद थी। चर्चामे एकने कहा "मेरा निजी अनुभव है कि गर्भावस्थामे स्त्रियाँ जो कुछ पढती है उसका मनपर वडा असर पडता है। मेरी पत्नी 'हैविन्ली ट्विन्स' पढती थी। आप मानेगे ?—उसने जुडवाँ बच्चोको जन्म दिया।"

"आपका कथन बहुत कुछ ठीक है," दूसरे डॉक्टरने कहा, 'मेरी पत्नी अपनी गर्भावस्थामें 'थ्री मस्केटियर्स' पढती थी। और उसके तीन वालक अवतरे।"

"बापरे !" तीसरा डॉक्टर घबराकर पुकार उठा,

"मेरा क्या हाल होगा ?"

"क्यो, तुम्हारा क्या होगा ? ऐसा क्यूँ कहते हो ?"

"मैने उसे 'अलीबाबा और चालीस चोर' वाली किताब लाकर पढने को दी है।"

विल टॉनिक

मरीज . "डॉक्टर साहब, मुझे कुछ ऐसी चीज दीजिए जिससे तेजी और तर्रारी आये—कोई ऐसी चीज जो मुझे लडाकूपनमे सरशार कर दे। क्या आपने ऐसी कोई चीज इस नुस्खेमें डाली है ?"

डॉक्टर : "नही वह तो तुम्हें विलमें मिलेगी।"

पुर-दर्द

डॉक्टर : "दर्द कितनी बार उठता है ?"

मरीज : "पाँच-पाँच मिनिटपर।"

डॉक्टर : "और कितनी देर रहता है ?"

मरीज : "आध-आध घण्टे तक।"

ले मसीहा

मरीज : "डॉक्टर साहब ! बड़ा दर्द हो रहा है, सहा नहीं जाता, मरना चाहता हूँ !"

डॉक्टर : "तुमने अच्छा किया कि मुझे बुलवा लिया।"

चलाचल

डॉक्टर : "भई, जरा दो चार मील घूमा करो, ठीक हो जाओगे। क्या काम करते हो ?"

मरीज़ : "जी, मैं डाकिया हूँ।"

उपाय

एक महिला, एक डॉक्टरको अपनी बदनसीबी सुना रही थी,

"मेरे पति, जो कि एक वकील है, अक्सर मेरे साथ पार्टियोंमें जाने से इनकार कर देते हैं, क्योंकि लोग उनसे कानूनी मशवरे लेनेमें हमारी शाम खराब कर देते हैं। आपके साथ तो ऐसा नहीं होता ?"

डॉक्टर : "हमेशा होता है।"

महिला : "तो फिर आप उन लोगोंसे अपना पिण्ड कैसे छुड़ाते हैं ?"

डॉक्टर (हँसते हुए) : "इसका मेरे पास रामबाण इलाज है। जब कोई मुझे अपने रोग सुनाने लगता है, तो मैं सिर्फ दो लफ्ज़—'कपड़े उतारो।'—कहकर उसे खामोश कर देता हूँ।"

शान्ति

डॉक्टर : "लीजिए ये नींदकी गोलियाँ, इनसे आपके पतिको पूर्ण शान्ति मिल जायेगी।"

पत्नी : "यह उन्हें कब दूँ ?"

डॉक्टर : "उन्हें नहीं देना है, आपको लेना है।"

हाले-दिल

डॉक्टर : "तुम मुझे चार्टके वजाय डायरी क्यो दिखा रही हो ?"
नर्स · "इससे आप मरीज़की हालत और अच्छी तरह जान सकेंगे।"

याददाश्तकी कमजोरी

"अपनी याददाश्तकी कमजोरीके लिए मैं आज डॉक्टरसे मिल आया।"
"क्या किया उसने ?"
"दवाके पैसे पहले ले लिये।"

दो-चार

एक आदमीकी आँखोमे ऐसा रोग था कि एक चीजकी दो दिखती थी। वह डॉक्टरके पास गया। डॉक्टरने कहा, "फिक्रकी कोई बात नही है। यह कोई लाइलाज मर्ज नही है। लेकिन क्या तुम चारोको एक ही रोग है ?"

(डॉक्टरको एक चीजकी चार दीखती थी।)

हार्ट-फ़ेल

एक लाख रुपये जीते मगर स्मिथ साहबका दिल कमजोर था, इस लिए उनके फैमिली डॉक्टर-द्वारा यह खबर पहुँचाना तय हुआ।

डॉक्टर : "कोई खास खबर ?"

स्मिथ : "खास तो कुछ नही।"

डॉक्टर "मुझे ससुरालमे एक लाख रुपये मिलनेवाले है, पर सोच नही पा रहा कि इतनी बडी रकम किस तरह खर्च करूँ ? तुम पाते तो क्या करते ?"

स्मिथ : "आधी तुम्हें दे देता।"

सुनते ही डॉक्टर साहबका निर्जीव शरीर ढह कर गिर पडा !

वह काटा !

डॉक्टर साहबने ऊँघ लेना शुरू किया ही था कि किसीने जोरसे दरवाजा खटखटाया। उन्होंने दरवाजेपर आकर उससे पूछा, "क्या है ?"

"मुझे कुत्तेने काट खाया है !"

"पर क्या तुम्हें मालूम नहीं कि मेरे मिलनेका समय बारहसे तीन है ?"

"मालूम है, लेकिन कुत्तेको मालूम नहीं था। उसने मुझे चार-बीस पर काटा।"

खड्गासन

दाँतका डॉक्टर : "यह हाथ नचकाना और मुँह बिचकाना बन्द करो, अभी तो मैंने तुम्हारे दाँतको छुआ भी नहीं है।"

रोगी : "छुआ तो नहीं है, पर आप मेरे पैरकी अँगुलियोंपर खड़े हुए हैं।"

चकनाचूर

आगन्तुक : "वैद्यजी ! जल्दी चलिए ! मेरा भाई . . ."

कुलवैद्य (खफा होकर) : "तुम लोग खानेमें बड़ी बदपरहेजी करते हो ! बाजारकी रद्दी-सद्दी चीजोंसे पेट बिगाड़ते रहते हो; और बीमार पड़कर वैद्यके पास दौड़े आते हो। मैंने हजार बार कहा है कि सब रोगोंका मूल कारण अजीर्ण है। फिर भी तुम लोग समझते नहीं और काबिज चीजें भखते ही रहते हो। बोलो क्या हुआ है अब तुम्हारे भाईको ?"

"नलैनीमें गिर गया है।"

खुदा खैर करे !

राजवैद्य : "तुम क्या समझते हो, मैं बादशाहका वैद्य हूँ ?"

जनमन : "गॉड सेव दी किंग ?"

कज़ासे पहले

मरीज़ "डॉक्टर साहब, मेरी कमरमे कभी-कभी एकाएक सख्त द॰ होने लगता है।"

डॉक्टर "लीजिए दो गोलियाँ दर्द उठनेसे आधा घण्टा पहले पानीके साथ ले लिया कीजिए।"

विस्मरण

रोगी "क्या कहूँ डॉक्टर साहब, मेरा हाफजा हद दर्जे कमज़ोर हो गया है! इस वातकी यादसे मैं करीबुल-मौत हो जाता हूँ।"

डॉक्टर "तो आप पहले इस वातको भूलनेकी ही कोशिश करें।"

परेशानी

मरीजा "डॉक्टर, मैं आँखोके मारे वडी परेशान हूँ।"

डॉक्टर "गनीमत समझिए देवीजी! आप उनके वगैर और भी परेशान होगी।"

ले लिया

डॉक्टर "आज कैसे हो ?"

मरीज "विलकुल ठीक, शुक्रिया।"

डॉक्टर "टैम्परेचर तो नही है ?"

मरीज · "वह तो नर्सने ले लिया।"

चुम्बन

डॉक्टर . "चुम्बन तन्दुरुस्तीके लिए नुकसानदेह है।"

मरीज "जी हाँ! पिछले हफ्ते मैने एकको चूमा तो टूटी हुई हड्डियाँ-पसलियाँ लेकर घर लौटा।"

दीर्घ जीवन

"आपने इतनी लम्बी उम्र कैसे पायी ?"

"मेरा किसी डॉक्टरसे परिचय नही था।"

डॉक्टरी नाम

"डॉक्टर साहव, मुझे क्या तकलीफ है वताइए तो ?"

"कुछ नही है, सिर्फ आलस आता है।"

"तो इसका भारी-भरकम डॉक्टरी नाम कहिए ताकि मैं अपनी छुट्टी की अर्जीमे लिख सकूँ।"

यमराज-सहोदर

मरीज़ने बडी सरगरमीसे डॉक्टरसे हाथ मिलाया। आभारपूर्ण लहजेमे बोला, "हम दोनो अर्सेसे दोस्त रहे हैं। तुम्हें कुछ फीस देना तुम्हारा अपमान करना है। पर मैंने अपने वसीयतनामेमे तुम्हें याद रखा है। बस मैं यही बताना चाहता था।"

डॉक्टर . "धन्य हो ! बडी महरबानी ! ज़रा वह नुस्खा तो वताना जल्दी जो मैंने तुम्हें अभी लिखकर दिया है। उसमे ज़रा-सी तबदीली करनी है।"

ख़तरये-जान

एक विनोदी लेखकके सरमे एकाएक सख्त दर्द होने लगा। उसने अपने डॉक्टर मित्रसे दवाकी गोली ली। गपशपके दौरानमे डॉक्टरने कहा,

"आजकल कस्वेमे एक आदमी रोज़ मर रहा है।" लेखकने गोली सटकते हुए कहा, "मगर यार, यह तो बताओ कि आजका आदमी अभी मरा है, या नही।"

वैद्योके दुश्मन

वैद्यराज . "इस दुनियामे वैद्योके दुश्मन बहुत कम है ।"

रोगी "मगर उस दुनियामें बहुत है !"

निदान

टेलीग्राफीका आविष्कार करनेवाले सेमुअल मोर्स पहले एक चित्रकार थे । एक बार उन्होने मृत्यु--शय्यापर पडे एक व्यक्तिका चित्र बनाकर अपने मित्र, एक डॉक्टरसे पूछा, "कहिए, आपकी क्या राय है ?"

डॉक्टरने चश्मा उतारकर अच्छी तरह उस चित्रको देखा, और फिर कहा, "मलेरिया !"

तीमारदार

एक लडकेके पैरमे चोट आ गयी । डॉक्टरने पुलटिस बनायी । पहले माँने कोशिश की, मगर लड़का ज़रा बिगडैल था । गरम-गरम लगाने ही नही देता था । तब उसके पिताजी आये । उन्होने झिडकी दी कि अगर पूरी तरह सिकाई हो जानेसे पहले बोला तो मार पडेगी । उन्होने पुलटिस रखना शुरू कर दिया । सिकाईके दौरानमे लडकेने कई बार बोलनेकी कोशिश की, मगर उसे डांटकर फौरन् खामोश कर दिया गया । जब भरपूर सिकाई हो चुकी, तब उसे बोलनेकी इजाज़त मिली । लडका बोला, "लेकिन पिताजी, आपने दूसरे पैरपर पुलटिस लगायी है ।"

एक ही इलाज

सेठ · "कभी मुझे आलस आता है, कभी चक्कर आते है; कभी एक के दो दीखते है ।"

डॉक्टर . "दवा लेनेके बजाय अपनी गिन्नियाँ गिनने बैठ जाया करो, ये सब शिकायते रफ़ा हो जायेंगी ।"

चालीस

डॉक्टर · "चालीस सालकी उम्रके बाद आदमी या तो अपना डॉक्टर है या मूर्ख है।"

दार्शनिक "क्या वह दोनो नही हो सकता ?"

चुभीली

गृहिणी (फोनपर). "डॉक्टरको फौरन भेज दो। मेरी लड़की सुई निगल गयी है।"

नर्स . "डॉक्टर साहब काममे लगे हुए है। तुम्हें सुईकी बहुत जरूरत है क्या ?"

निमन्त्रण

एक डॉक्टर साहब थे। उनका खत अच्छा नही था। एक दिन उन्होने अपने मरीजको खत लिखा, जिसमें उसे अपने यहाँ जलसेमें शरीक होने बुलाया था। मगर मरीज़ नही आया।

अगले दिन डॉक्टरने मरीजसे पूछा, "मेरा खत आपको मिला था ?"

मरीज : "हाँ जी, उसे कैमिस्टके यहाँ भेजकर मैंने तभी दवा मँगा ली। अब तो काफी फायदा मालूम होता है।"

मुँहपर रौनक़

डॉक्टर . कमरेमे आये मरीज़को देखकर मुसकराये। बोले, "आज तो आप बहुत अच्छे मालूम देते है !"

मरीज . "हाँ मैंने आपकी दवाकी शीशीकी हिदायतका पालन किया था।"

डॉक्टर · "हिदायत क्या थी ?"

मरीज "शीशीकी डाट कसी हुई रखना।"

बीनाई

एक आदमी किसी वैद्यको अपनी आँखें दिखाने गया। वैद्यजीने बहुत कुछ देखा मगर उसकी आँखमे कोई दोष नजर न आया। बोले, "तुम्हारी आँखें तो बिलकुल ठीक है और तुम कहते हो कि . . ."

आदमी बीचमे बोला, "पर उस खूँटीकी टोपी आपको दिखती है न ? पर वह मुझे नही दिखती।"

अन्तर-दर्शन

"मेरे पति रातको बर्राते है। कोई तदबीर बताइए न ?"

"लो यह फकी सोते वक्त ठण्डे पानीके साथ दे देना। नहीं बर्रायेंगे।"

"इसके बजाय कोई ऐसी दवा दीजिए न डाक्टर कि वे ज़रा साफ शब्दोमे बर्रायें !"

चट्टे-बट्टे

एक नीम-हकीम अपनी 'दीर्घजीवनी' नामक दवाकी तारीफ करते हुए बोला, " . . . "मुझे देखिए, हृष्ट-पुष्ट हूँ। उम्र मेरी ३०० बरससे ज्यादा की है।"

एक श्रोताने उसके साथीसे पूछा,

"इसकी उम्र क्या सचमुच इतनी है ?"

"क्या मालूम ! मै तो इसके साथ सिर्फ २०० बरससे हूँ।"

हाथ-कंगन

मरीज़ : "मगर डॉक्टर साहब, मेरे केसमें और सब डॉक्टरोंकी राय आपसे भिन्न है।"

डॉक्टर : "मै जानता हूँ मगर ज़रा धीरज रखिए। पोस्ट-मार्टम साबित कर देगा कि मैं सच कहता था।"

मौर्फिया

र : "इजेक्शनके लिए कितने मौर्फियाकी जरूरत होती है ?"
र्ी : "आठ ग्रामकी ।"
ने सिर हिलाकर दूसरे विद्यार्थीसे पूछा," 'तो पहला विद्यार्थी
ा,
, भूल हो गयी एक बटे आठ ग्राम ।"
: "तुम्हारा मरीज़ तो कभीका मर गया ।"

फैमिली डॉक्टर

: "लेकिन मैम साहिबा, मुझसे मशवरा लेनेसे कोई फायदा
के हसबैण्डका केस नही ले सकता ।"
'मगर क्यो नही ले सकते ?"
: "मेरा साइनबोर्ड देखिए, मै तो घोडा-डॉक्टर हूँ ।"
यही जानकर तो मै आपके पास आयी हूँ । मेरा खाविंद बडा
या है ।"

ढक्कन

दवाकी कुछ गोलियाँ कागजके एक छोटे-से डब्बे-मे बन्द की
कहा, लीजिए, इन्हे खा लेना । तबीयत ठीक हो जायेगी ।"
दिन मरीजने आकर शिकायत की कि उसे कोई फायदा नही

"तुमने दवा खायी थी ?"
"ज़रूर, सारा डब्बा निगल गया था ।"
"मन-ही-मन कुछ सोचकर मुसकरा कर बोले, 'तो फिर
क्यो होते हो ? ज़रा धीरज रखो अन्दर डब्बीका ढक्कन
"

सद्गति

एक डॉक्टर साहबको अपनी डॉक्टरी रायके साथ कुछ आध्यात्मिक उपदेश भी दे देनेकी आदत थी। जब एक युवकका इलाज पूरा होने आया तो उन्होंने उससे पूछा,

"अच्छा, यह बताओ वत्स, कि स्वर्ग पानेके लिए हमें क्या करना चाहिए ?"

"मरना चाहिए।"

"हाँ, हाँ, लेकिन मरनेसे पहले क्या करना चाहिए ?"

"आपको बुलाना चाहिए," लड़का बोला।

अनिद्रा

एक रोगीने सुबहके तीन बजे फोन किया,

"डॉक्टर, मुझे नींद नहीं आती।"

डॉक्टर (चिढ़कर) : "ठहरो, मैं अभी लोरी गाता हूँ।"

जोश

रोगी : "डॉक्टर साहब, मुझे ऐसा नुस्खा लिख दीजिए, जिससे खूनमें गरमी पैदा हो।"

डॉक्टर . "अच्छा, अब मैं अपनी फीसका 'बिल' भेज दूँगा।"

निद्रानिद्रा

"क्या आपने अपने अनिद्रा रोगके लिए भेड़ें गिननेकी सरल तदबीर आजमायी ?"

"हाँ डॉक्टर, मैंने दस हजार भेड़ें गिनीं, उन्हें गाड़ीमें सवार कराया और बाजार भिजवाया। मगर उनकी बिक्रीके पैसे गिन भी न पाया था कि जागनेका समय हो गया।"

शान्ति

एक लडकेको शहदकी मक्खीने नाकपर काट खाया। शीघ्र ही उसके नथुने फूल गये, आँखे लगभग बन्द हो गयी, साँस लेनेमे कठिनाई होने लगी। व्याकुल होकर उसकी माँने डॉक्टरको फोन किया। डॉक्टर बोला,

"गुनगुने सोडावाटरसे उसकी नाक सेको, जल्दी ही अच्छा हो जायेगा।"

माँ घबराती हुई बोली, "और कुछ करूँ डॉक्टर?" उसे बडी तकलीफ हो रही है। एस्प्रिन दे दूँ?"

डॉक्टर : "हाँ, एस्प्रिन शान्ति दे सकती है। उसे एक गोली दे दो—और दो तुम ले लो।"

स्मृति

सेठ . "डॉक्टर, कोई अच्छी-सी दवा दीजिए। मैं आजकल हर बात भूलने लगा हूँ।"

डॉक्टर · "तो फीस आप पहले दे दीजिए।"

यह लीजिए !

वैद्य · "आपके शरीरमे कोई स्थानीय विकार है। आपके कुछ दाँत निकालना ज़रूरी हो सकता है।"

मरीज़ (पक्तियाँ निकालकर) : "यह लीजिए सब, डॉक्टर साहब।"

मुश्किल

डॉक्टर "खबरदार! अपने पतिको पीनेके लिए गरम पानीके सिवाय कुछ मत देना, वरना वह मर जायेंगे!!"

बीमारकी स्त्री "मगर, मुश्किल तो यह है कि उन्हें मैं गरम पानी दूँगी तो वह मुझे मार डालेंगे!"

कमीशनका हकदार

"डॉक्टर साहब, मैंने सुना है कि आप मरीज़ लानेवालोंको कमीशन देते है।"

"हां देता तो हूं। क्या तुम भी कोई मरीज़ लाये हो?"

"जी हां।"

"कहां है?"

"मै ही हूं।"

काला अक्षर

"डॉक्टर, चश्मेसे मैं पढ सकूंगा न?"

"ज़रूर।"

"फिर तो कमाल ही हो जायेगा। मै पहले कभी पढ ही नही सकता था।"

परहेज

डॉक्टर : "कहिए श्रीमतीजी, आपके पति अच्छे है? परहेज़ रखते है न?"

श्रीमती : "नही, वह कहते हैं कि चार दिन और जिन्दा रहनेकी खातिर मै भूखों मरना नही चाहता।"

बिलकी अदायगी

मरीज़ : "डॉक्टर साहब, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहिए। आपने मेरी जान बचा दी।"

डॉक्टर (विनयसे) : "नही, नहीं। कर्ता-धर्ता तो ईश्वर ही है। उसीने तुम्हारी रक्षा की।"

मरीज़ : "तब तो आपको दवाका बिल मै ईश्वरको ही चुकाऊँगा।"

अहो प्रेम !

"वह जा रही है वह स्त्री जिसे मैं प्रेम करता हूँ।"

"उससे शादी क्यो नही कर लेते ?"

"मेरी हैसियतसे बाहर है, वह मेरी बहतरीन मरीज़ा है।"

पशु-चिकित्सक

पशुचिकित्सक "इस गायको रोज़ दो चम्मच यह दवा देना।"

किसान . "लेकिन हमारी गाय चम्मचसे नही खाती, नाँदसे खाती है।"

सर्दी

"क्या आपको सर्दी हो गयी है ?"

"हाँ।"

"कैसी बुरी बात है कि आपको निमोनिया नही हुआ। डॉक्टर उसका तो उपाय जानते है।"

कड़वी दवा

मरीज़ . "डॉक्टर साहब ! ऐसी कडवी दवा, फीका और बदमज़ा खाना मुझे कबतक खाना पडेगा ?"

डॉक्टर . "मेरा बिल नही चुका दोगे तबतक।"

शर्तिया इलाज

पति : "डॉक्टर, मेरी पत्नी अच्छी हो जायेगी न ?"

डॉक्टर : "ज़रूर। मैने उनसे कह दिया है कि अगर आप अच्छी नही होगी तो मैने आपके पतिदेवके लिए दूसरी पत्नी तलाश कर रखी है। अब कही यह मुमकिन है कि वे अच्छी न हो ?"

कमसखुन

एक डॉक्टर साहब बड़े अल्पभाषी थे। एक रोज उनके यहाँ एक समानशील महिला आयी। ये बातें हुईं।

"जली?"

"छिली।"

"पुलटिस।"

अगले दिन वह फिर आयी।

"बदतर?"

"बदतर।"

"और पुलटिस।"

दो दिन बाद वह फिर आयी।

"बहतर?"

"अच्छी, फीस?"

"कुछ नहीं," डॉक्टर बोले, "तुमसे ज्यादा समझदार तो स्त्री नहीं देखी मैंने!"

विशुद्ध जिन्दगी

"आपकी तन्दुरुस्ती इतनी अच्छी कैसे रहती है?"

"मैं तम्बाकू नहीं पीता, मैं शराब नहीं पीता, मैं रातको देर तक नहीं जागता। मैं विशुद्ध जिन्दगीमें विश्वास करता हूँ।"

"यह विशुद्ध भले हो, मगर मैं इसे जिन्दगी नहीं कहता।"

सीधा इलाज

मरीज: "डॉक्टर साहब, सुबह जब मैं बिस्तरसे उठता हूँ तो आध घण्टे तक मुझे चक्कर आते रहते हैं।"

डॉक्टर: "तो आप आध घण्टे बाद ही बिस्तरसे उठा करें।"

टैम्परेचेर

एक देवीजी (थर्मामीटर गलत पढकर) : ' डॉक्टर साहब ! कृपया फौरन आइए। मेरे पतिका टैम्परेचर १२० है !"

डॉक्टर (शान्तिपूर्वक) "अगर ऐसा है तो अब मेरा काम नही, फायर डिपार्टमेण्टको फोन कीजिए।"

कुदरती मौत

एक डॉक्टरके दवाखानेमे बहुतसे रोगी इन्तजार कर रहे थे। कुछ बैठे हुए थे, कुछ खडे हुए। इन्तजार, इन्तजारका आलम तारी था। आखिर एक बूढा उकता कर उठा और चलते हुए बोला, "इससे तो बहतर है कि घर जाकर कुदरती मौत मरूँ।"

भूल न जाइएगा

डॉक्टर : "तुम्हारे बचनेकी मुझे कोई उम्मीद नही थी। अपने जिस्म की मज़बूत गठनको ही बदौलत तुम बच गये।"

मरीज़ : "तो डॉक्टर साहब, बिल बनाते वक्त इस बातको भूल न जाइएगा।"

ख़ुशख़त

एक महिलाने अपने डॉक्टरको निमन्त्रण भेजा। डॉक्टरका जवाब इस कदर घसीट लिखा हुआ था कि पढा ही नही जा रहा था। उसकी सहेली ने राय दी कि इसे किसी दवा-फरोशके पास भेज दो, वह ज़रूर आसानी से पढ देगा।

दवाफरोशने पुर्ज़ेपर एक सरसरी नजर डाली और दवाखानेके पिछले भागमे दाखिल हो गया। चन्द मिनिट बाद एक शीशी थमाते हुए बोला, "यह लीजिए ! दो रुपये छह आने।"

लाइलाज

एक शख्सकी आँखें बाहर निकलती आ रही थी और कानोमें भन्नाहट होती थी। वह एक डॉक्टरके पास गया। डॉक्टरने टॉनसिलका ऑपरेशन करानेकी सलाह दी। ऑपरेशन हो गया, पर कोई फायदा न हुआ। दूसरे डॉक्टरके पास गया। उसने राय दी कि सब दांत निकलवा डालो। फिर भी शिकायत बदस्तूर रही। तीसरे डॉक्टरसे मशवरा लिया। वह बोला,

"आप लाइलाज हैं। छह महीनेमें खत्म हो जायेंगे।"

रोगीने सोचा, क्यूँ न छह महीने तक ऐशके साथ जिया जाये। उसने बँगला लिया, कार ली, नये सूट सिलवानेके लिए दर्जीके यहाँ हुँचा। दर्जीने कमीजके नाप अपने सहायकको लिखाने शुरू किये, "बाँहें चौंतीस कालर सोलह—"

"सोलह नहीं, पन्द्रह।"

"जी नहीं, सोलह ही है।"

"लेकिन मैं कालर पन्द्रह रखवाता आया हूँ, वही अब रखवाना चाहता हूँ।"

"अच्छी बात है। मगर फिर न कहना कि मैंने आपको आगाह नहीं किया था। कालर पन्द्रह रखेंगे तो आपकी आँखें निकलती आयेंगी और आपके कान भन्नाया करेंगे।"

ऑपरेशन

डॉक्टर : "अगर मैं तुम्हारे लिए ऑपरेशन जरूरी समझूँ तो क्या तुम उसकी फीस दे सकोगे ?"

मरीज : "अगर मैं फीस न दे सकूँ तो क्या ऑपरेशनको जरूरी समझेंगे ?"

जब मै इलाज करता हूँ

रोगी : "लेकिन, डॉक्टर साहब, क्या मै अच्छा हो जाऊँगा ? मैने सुना है कि गलत निदानके कारण डॉक्टर निमोनियाका इलाज करता रह जाता है और रोगी टायफॉइडसे मर जाता है ।"

डॉक्टर (गर्वसे) **:** "मगर मेरे इलाजमे निमोनियाका रोगी निमोनियासे ही मरता है ।"

यमराज-सहोदर

डॉक्टर : "पण्डितजी, आप यह किस आधारपर कहते हैं कि पुराने ज़मानेमें लोग सैकडो वर्ष जीते थे ?"

पण्डितजी : "क्यो कि तब डॉक्टर नही होते थे ।"

कुछ तो सोच-समझकर बात करो !

डॉक्टर (एक बेहोश मरीज़को देखकर) "यह तो मर गया है ।"

मरीज़ (होशमे आकर) "मै तो जीवित हूँ ।"

सुनकर मरीजकी स्त्री पतिसे बोली, "कुछ तो सोच-समझकर बात करो ! इतने बडे डॉक्टर है, झूठ बोलेंगे क्या ?"

फिर आ गया

"मेरी तबीयत ठीक नही है आज ।"

"डॉक्टर भटनागरके पास क्यो नही चला जाता ?"

"फीस तो ज्यादा नही है उसकी ?"

"अरे, पहले रोजकी दस रुपये है, उसके बाद तो सिर्फ एक रुपया रोज़ ।"

तबीयत नासाज़वाले साहब डॉक्टरके यहाँ यह फर्माते हुए जा पहुँचे कि, "लीजिए डॉक्टर साहब, मै फिर आ गया ।"

महीनो आगे

"क्या आपके पतिने वह दवा ली ? खानेसे पहले एक गोली और खानेके बाद कुछ ह्विस्की ?"

"गोलियोमे वे कुछ पिछड गये होगे, मगर ह्विस्कीमे तो महीनो आगे निकल चुके है ।"

मतैक्य

"मेरी बीमारीमे तीन डॉक्टर मुझे देखने आये । लेकिन तीनोकी मेरे बारेमे अजीव राये थी ।"

"किसी वातमे उनकी एक राय थी या नही ?"

"थी, तीनो अपनी-अपनी 'विजिटिंगफी' छह-छह रुपये मॉग रहे थे ।"

बचनेकी सम्भावना

"सचसच वताइए डॉक्टर साहब, मेरे बचनेकी कितनी सम्भावना है ।"

"सौ फीसदी ! आँकडे वताते है कि इस रोगमे दसमे नौ आदमी मरते हैं—और मेरे दस मरीजोमे-से नौ मर चुके है । तुम दसवे हो !"

पहला मरीज

एक डॉक्टरके छोकरेके साथ खेलनेके लिए पडोसीका छोकरा आया ।

खेलते-खेलते दोनो डॉक्टरके ऑपरेशन-रूममे आये । वहाँ आदमीका कंकाल टँगा हुआ था ।

"यह क्या है ?"

"मेरे पप्पाका पहला मरीज मालूम होता है ।"

राजनीति

अविचारक

संवाददाता . "क्या आप कोई वक्तव्य देनेकी कृपा करेंगे ?"

मन्त्री "मैं एक महत्त्वपूर्ण भाषण करने जा रहा हूँ। फिलहाल मेरे पास सोचनेके लिए वक्त नही है।"

आयोजन

एक विदेशी यात्रीको दार्जिलिंगके पास हिमालयकी शोभा-श्री दिखलायी जा रही थी। "जी हाँ !" गाइड बोला, "इन महिमामय पहाड़ोंके बननेमें लाखों बरस लगे !"

"हूँ अँ अँ, सरकारी योजना मालूम देती है !" यात्री बोला।

पुरानी खबर

राजनीतिज्ञ "क्या आपके पत्रने छापा था कि मैं झूठा और बदमाश हूँ ?"

सम्पादक "नही।"

राजनीतिज्ञ . "इस नगरके किसी अखबारने ऐसा जरूर छापा है।"

सम्पादक · "सामनेकी इमारतवाला हमारा सहयोगी होगा। हम पुरानी खबर नही छापते।"

किसी करवट चैन नही

राजाजी ' "डॉक्टर, इस काग्रेस बजटसे विरोधी पक्षोकी शक्ति बढते देखकर मेरी तो नीद हराम हो गयी है ।"

डॉक्टर . "लेकिन राजाजी, पहले आपको इस वजहसे नीद नही आती थी कि काग्रेसका विरोध काफी नही हो रहा था ।"

ठोस प्रमाण

महिला (एक राजनीतिज्ञसे किसी भोजमे) . "मैने आपके बारेमे बहुत सुना है ।"

राजनीतिज्ञ (गैरहाजिर-दिमागीसे) "हो सकता है, लेकिन आप उसे साबित नही कर सकती ।"

वोट

"आपको वोट देनेकी बनिस्वत मै शैतानको वोट देना पसन्द करूँगा !"

"लेकिन अगर आपके दोस्त उम्मेदवार न हो तो मै आपके समर्थनकी आशा रखूं !"

राजनीतिज्ञ

अध्यापक "बताओ, श्रीकृष्ण इतने बडे राजनीतिज्ञ क्यो थे ?"

छात्रा : "क्योकि वे सोलह हजार पटरानियोकी रायसे काम करते थे ।"

अवसर

एक नेता एक चुनाव-आन्दोलन-सभामे भाषण देते हुए कह रहे थे, "इस बार आप हमारी पार्टीको ही वोट दीजिए । हमारा विरोधी दल आपको काफी धोखा दे चुका है, अब हमें भी अवसर दीजिए ।"

डैमोक्रैसी

९ फरवरी १९५६ को शहीदनगरमे नेहरूजीने डैमोक्रैसीकी नयी परिभाषा की । उन्होंने काग्रेसकी सब्जैक्ट्स कमेटीको बताया कि डैमोक्रैसी सदा सर्वोच्च सत्यका प्रतिनिधित्व नही करती । वह तो "मामूली लोगोकी मामूली अक्लका मामूली माप है ।" (Common measure of the common intelligenc of the common people.)

चतुराई

अमेरिकाके एक सीनेटरने, एक छोटे राजनीतिज्ञ-द्वारा बहसके लिए ललकारे जानेपर, महज़ यह लतीफा सुनाकर उसे खत्म कर दिया, एक गीदडने एक शेरको कुश्तीके लिए ललकारा । शेरने फौरन् इनकार कर दिया ।

गीदड बोला, "डरते हो ?"

"बहुत ज्यादा, शेरने जवाब दिया, "क्योंकि तुझे शेरसे लडनेकी वाह-वाही मिल जायेगी और मेरे बारेमे लोग कहने लगेगे कि मै गीदडकी संगति कर चुका हूँ ।"

पृथ्वी

"एटम बमोसे पृथ्वी नष्ट तो नही हो जायेगी ?"

"ध्वस्त हो भी गयी तो क्या है ? पृथ्वी कोई बडा ग्रह तो है नही !"

हिसाव साफ

राजनीतिक वक्ता . "मै जो कुछ हूँ इसके लिए अपनी माँका ऋणी हूँ ।"

भीडमे-से एक आवाज़ : "तुम उसे आठ आने पैसे भेजकर हिसाव साफ क्यों नही कर लेते ?"

राजनीतिज्ञ

"वह तो बडा सस्ता राजनीतिज्ञ है ?"

"क्या कहे, देशको बडा महँगा पडा है ।"

वाहुनर !

लघुकथा—शकरके दो लडके है एक तो राजनीतिमे है, और दूसरे का हाल भी शोचनीय ही है !

पैदावार

पाकिस्तान और भारतकी सरहदपर भारतकी तरफ रोज कूडा-कर्कट डाल दिया जाता ।

एक दिन पाकिस्तानियोने देखा कि इसके जवाबमे उनकी सीमामे रोटी, बिस्किट, मक्खन, मिठाई, दूधके डब्बे ''बिखरे पडे है । साथमे पर्चे भी, जिनमे लिखा था, "हर मुल्क अपनी बहतरीन पैदावार ही किसी मुल्कको भेजता हे ।"

अँग्रेजी

फ्रांसीसी . "यह क्या बात है कि अँग्रेजी बेडा हमेशा विजयी होता है ?"

अँग्रेज "क्योकि हम लडनेसे पहले प्रार्थना करते है ।"

फ्रांसीसी . "प्रार्थना तो हम भी करते है ।"

अँग्रेज ' हाँ, लेकिन हम अँग्रेजीमे करते हैं !"

पार्टियाँ

"अमेरिकामे कितनी राजनीतिक पार्टियाँ है ?"

"तीन, डेमोक्रेटिक पार्टी, रिपब्लिकन पार्टी और कॉकटेल पार्टी ।"

समयका भान

राजनीतिक प्रवक्ता (पूर्णाहुति करते हुए) "माफ कीजिएगा, मैने आपका बहुत वक्त लिया, मेरी घडी नही थी इस वक्त मेरे पास ।"

एक आवाज : "लेकिन आपके पीछे कलेण्डर तो टँगा हुआ था ।"

अँग्रेज

एक अंग्रेज (सगर्व) : अंग्रेजी साम्राज्यमे सूरज कभी नही छिपता !"

हिन्दुस्तानी . "हाँ, और वह इसलिए कि खुदा अँधेरेमे अँग्रेजका यकीन नही करता !"

राजनीतिज्ञ

ईमानदार राजनीतिज्ञ : वह जो कि एक बार खरीद लिया गया, कि फिर खरीदा हुआ ही रहे ।

दो राजनीतिज्ञ

दो राजनीतिज्ञोमें बहस छिड गयी गरमा-गरम । एक उनमें बहुत ही मोटा था, दूसरा बहुत ही छोटा ।

मोटा : "मै तुझे निगल जाऊँ और पता भी न चले कि कोई चीज़ खायी है ।"

छोटा : "तब तेरे मोटे सिरकी बनिस्बत तेरे पेटमें ज्यादा अक्ल हो जायेगी !"

फ्राँसका प्राइम-मिनिस्टर

फ्रांसकी पार्लमेण्टमें एक मेम्बर लम्बी बहस सुनते-सुनते सो गया । जब वह जगा तो उसके मित्रने बताया कि इतनी देरमें वह दो बार प्रधान मन्त्री बना दिया गया था ।

शिकार

"आप इस चुनावमे हार कैसे गये ?"

"मै शिकार हो गया।"

"काहेके शिकार हो गये ?"

"सही गिनतीका।"

घास

उम्मेदवार : "हमे गेहूँ अधिक उपजाना चाहिए और—"

भीडमे-से एक "और घास ?"

उम्मेदवार "इस वक्त तो मै इनसानी खुराकका जिक्र कर रहा हूँ, लेकिन आपके विशिष्टाहारपर मैं अभी आता हूँ।"

पूर्वग्रहीत

स्त्री (राजनीतिक प्रचार सभामें जाते हुए) "मै कतई पूर्वग्रहीत नही हूँ। मैं तो बिलकुल खुले और साफ दिलसे वह सुनने जा रही हूँ जिसके विषयमे मेरी दृढ मान्यता है कि विशुद्ध कूडा है।"

सुधार देगे !

जिन्ना साहब एक बार लाहौरका पागलखाना देखने गये। भटकता हुआ एक पागल सामने आकर बोला, "कौन है तू ?"

जनाब जिन्ना "मैं हूँ पाकिस्तानका गवर्नर जनरल मुहम्मद अली जिन्ना।"

पागल "मै जब यहाँ आया तो नैपोलियन बोनापार्ट था। पर कोई हर्ज नही, तुझे ये लोग सुधार देगे।"

सिपाही

•

हुलिया

"तुम अपने ऊपर हमला करनेवालेका हुलिया बता सकते हो ?"

"जी, मैं उसका हुलिया ही तो बता रहा था कि वह मुझे मारने लगा।"

मन्त्री

"अब तो वे युद्ध-मन्त्री बना दिये गये है। मुझे विश्वास है कि अब युद्ध नही होगा।"

"सो कैसे ?"

"जब वे खाद्य-मन्त्री थे तब खाद्य-सामग्री नही मिलती थी।"

नम्बरवार

सार्जण्ट . "तुम्हारी शादी हो गयी है ?"

रंगरूट "हाँ सार्जण्ट।"

सार्जण्ट कोई बच्चा है ?"

रंगरूट : "हाँ सार्जण्ट, पांच लड़कियाँ और चार लड़के।"

सार्जण्ट . "इकट्ठे नौ !"

रंगरूट "नही सार्जण्ट—एक-एक करके।"

हसीन बला

"तुम फौजमे क्यो भरती हुए ?"

"मेरे बीबी है नही, और मै लडाका मिजाज़का हूँ, लेकिन तुम कैसे भरती हुए ?"

"इसलिए कि मेरे बीबी है और मै शान्ति चाहता हूँ।"

मशक्कत

अफसर "इतने दिनोकी ट्रेनिगमे तुमने क्या सीखा ?"

रंगरूट "यह कि सिपाही मरनेसे क्यो नही डरते ?"

सवा सयानी

गाइड (दर्शकोसे) "यह वह वास्कट है जिसे लॉर्ड नेल्सन ट्राफलगर के युद्धमे पहने हुए थे। और यह वह छेद है जिसमे-से गोली पार गयी थी।"

दाई (बच्चोसे) "इससे सबक लो, बच्चो ! अगर यह छेद सिलवा लिया होता तो नेल्सन साहब आज ज़िन्दा होते !"

चाँदमारी

एक सिपाही निशानेबाजीकी मश्क कर रहा था। मगर उसकी कोई गोली निशानेपर नहीं बैठती थी।

अफसर . "तुम्हारी गोलियाँ आज ग़लत क्यो पड रही है ?"

सिपाही "मालूम नही साहब, यहाँसे तो वे ठीक ही निकल रही है।"

सदुद्देश्य

सिपाही "तुम चोरी क्यो करते हो ?"

चोर : "तुम्हारा और अपना पेट भरनेके लिए !"

शुक्रका मुकाम

एक जहाजी लडाईके जमानेके तजुर्बे सुना रहा था,

"एक रोज मुझे एक तारपीडो सीधा हमारे जहाजकी तरफ आता हुआ दिखायी दिया !"

"पर शुक्रे-खुदा कि वह हमारा ही निकला ।"

मानव-स्वभाव

पुलिस स्टेशनपर कोई हलचल नजर नही आ रही थी । इन्सपेक्टर बैठा-बैठा जमुहाइयाँ ले रहा था । बोला,

"कैसा डल हफ्ता है ! कोई खून नही, डाके नही, न कोई शराबबन्दी का केस है, न कोई गडबडीका, ट्राफिक तककी कोई गिरफ्तारी नही ! यह हाल रहा तो वे लोग हमें यहाँसे हटा ही देंगे ।"

"निराशावादी न बनिए", उसका असिस्टेण्ट बोला, "कुछ-न-कुछ जरूर होगा । मानव-स्वभावमें मुझे अब भी विश्वास है ।"

शहीद

कमाण्डिग ऑफीसर : "तो तुम हो वह शख्स जो सार्जण्टके स्पेशल ड्यूटीके लिए वॉलेण्टियर माँगनेपर आगे आये ?"

"नही सरकार ! बाकीकी लाइन पीछे हट गयी ।"

कानून

पुलिसमैन (एक मिस साहिबासे जो तालाबमे कूदने ही वाली थी)

"माफ कीजिएगा, यहाँ तैरना मना है ।"

मिस "तो यह तुमने उसी वक़्त क्यो नही कह दिया जब मैं कपडे उतार रही थी ?"

पुलिसमैन : "कपड़े उतारनेके ख़िलाफ़ कोई कानून नही है ।"

डैड एण्ड

एक कमाण्डर अपने सिपाहियोको २० मील घुमाकर लाया। उन्हें डिसमिस करनेसे पहले उसने कहा, "जो एक और गश्तके लिए बिलकुल थक गये हो वे दो कदम आगे आ जायें।"

सिवाय एक छह फुट लम्बे-तडगे सिपाहीके सारी कम्पनी आगे आ गयी।

"रॉबर्ट, हो तैयार दस मील और चलनेके लिए ?"

"नो सर," रॉबर्ट बोला, "मै तो इतना थक गया हूँ कि ये दो कदम भी न रख सका।"

शीन-काफ़

एक सिपाहीने अपने मैडलमे रिबन जरा जरूरतसे ज्यादा लम्बी बाँध रखी थी। अफसरसे उसका सामना हो गया। वह सिपाहीपर नजरें गाड कर बोला,

"क्यो जवान, यह तमगा तुम्हे भोजनभट्टतामे मिला था क्या ?"

"नही साहब।"

"तो तुमने इसे पेटपर क्यो लगा रखा है ?"

बनाया !

कर्नल . "तुम्हारे पिता क्या थे ?"

कारपोरल . "किसान थे"

कर्नल · "अफसोस कि उन्होने तुम्हे अपने धन्धेमे नही लगाया !"

कारपोरल "आपके पिता क्या थे ?"

कर्नल : "जेण्टिलमेन थे।"

कारपोरल : "अफसोस कि उन्होने तुम्हें वही न बनाया !"

योग्य-काम

सार्जेण्ट (पल्टनसे) "क्या कोई सगीनके बारेमे जानकारी रखता है ?"

एक रंगरूट (समुत्सुक होकर) "जी हां, मैं !"

सार्जेण्ट "तो जाओ, मेरे कमरेसे पियानो हटवा कर गोदाममें रखवा दो।"

जबान

पुलिसकान्स्टेबिल "मेरा खयाल है कि मैने तुम्हारी स्त्रीको तलाश कर लिया है।"

फरियादी "सचमुच ! आपसे कुछ कहती थी ?"

कान्स्टेबिल "कुछ नही, उसने जबान तक नही हिलायी !"

फरियादी · "जबान तक नही हिलायी ? तो वह मेरी स्त्री नही हो सकती !"

पीछे-पीछे

पुलिसमैन : "पार्कमें कुत्तोंको लानेकी इजाजत नही है, यह कुत्ता आपका है ?"

सज्जन "नही, मेरा नहीं है।"

पुलिसमैन . "मगर यह आ तो आपके पीछे-पीछे रहा है।"

सज्जन "मेरे पीछे-पीछे तो आप भी आ रहे हैं !"

गिरफ्तार

एक आदमी (थानेमें) : "मुझे अपना बटुआ मिल गया है, एक हफ्ता हुआ मैंने उसकी चोरीकी रिपोर्ट की थी।"

पुलिस इन्सपेक्टर : "तुम देरसे आये, हमने तो कल चोरको गिरफ्तार भी कर लिया।"

तितर-बितर

एक कान्स्टेबिलसे मौखिक परीक्षामे पूछा गया,

"अगर लोगोकी भीड इकट्ठी होकर गडबड कर रही हो तो उस भीड को तितर-बितर करनेके लिए तुम क्या करोगे ?"

"चन्दा उघाना शुरू कर दूँगा," ठण्डे कलेजेसे कान्स्टेबिल बोला ।

चलतीका नाम गाड़ी

मोटरवाला "साठ मील फी घण्टा ? मैं तो बीस भी नही चला रहा था !"

पुलिसवाला तो मै तुम्हे 'पार्किग' (गाडो खडी रखने) के जुर्ममे धरता हूँ ।"

भाई

एक आदमी गधेको बांधे लिये जा रहा था तो एक फौजी सिपाही ने कहा, "अपने भाईको क्यो बाँध रखा है ?"

"भाई साहब, इसलिए कि कही यह भी फौजमे भर्ती न हो जाये !"

गड़बड़

"तुम यह झगडा कोर्टके बाहर भी निपटा सकते थे ।" मजिस्ट्रेटने आरोपियोसे कहा,

"हम कोर्टके बाहर ही निपटा रहे थे कि पुलिस हमे गडबड मचानेके इलजाममे यहाँ पकड लायी ।"

गिलहरिया

"सुना है ग्लोरियाने एक 'सैकिण्ड लैफ्टोनेण्ट' से शादी की है ।"

"हाँ पहला-चला गया ।"

मै कौन हूँ

एक रंगरूटने अपने जनरलको सलाम नही किया। इसपर जनरल गरजकर बोला, "जानते हो मै कौन हूँ ?"

रंगरूटने उसे क्षण-भर लापरवाहीसे देखा और फिर कुछ दूरपर खडे हुए दोस्तोंको पुकार कर कहा, 'अरे देखना, इस अजब आदमीको! जनरल है और अपना नाम भी नही जानता।"

गिरफ़्तार

पुलिसमैन (हेडऑफिसको फोन करते हुए) "एक आदमी लुट गया यहाँ है। एकको गिरफ्तार कर लिया है मैने।"

अफसर "किसको।"

पुलिसमैन · "लुटे हुए को।"

मामूली

दारोगा · "क्या उस आदमीको बहुत चोट लगी है ?"

कान्स्टेबिल . "सिर्फ दो चोटें खतरनाक है जिनके कारण वह बच नही सकता। बाकी तो सब मामूली है। उनसे कोई डर नही है।"

दुनिया रंग-बिरंगी

एक हबशीकी कब्रपर लिखा हुआ था,

"गोरोंके लिए पीलोंसे लडते-लडते जान देनेवाला एक काला आदमी।"

जीवन-मरण

"इस सिपाहीने तुम्हे जलते घरमें-से बचाया, इसे एक रुपया तो इनाम देना ही चाहिए।"

"जब इसने मुझे खीचा मै अधमरा था, इसलिए आठ आने दो।"

कचरा

पुलिस सुपरिण्टेण्डेण्ट "मैने आजके-से कागज़ पार्कमे कभी बिखरे हुए नही देखे थे क्या वजह है इसकी ? "

इन्सपेक्टर . "कल मेयरने पर्चे बँटवाये थे कि लोग इधर-उधर कागज न फेंके।"

भीड

एक स्काचने पुलिस विभागमे किसी जगहके लिए अर्ज़ी दी। उससे मुलाकातके दौरानमे पूछा गया, "किसी भीड़को छाँटनेके लिए तुम क्या करोगे ?"

उम्मीदवार "चन्देके लिए टोप घुमाने लगूँगा।"

जंगखोर

श्रादमखोर "पिछले महायुद्धमे तुम लोगोने इतने आदमी मार डाले, पर मेरी समझमे यह नही आता कि तुम उन सबको खा कैसे गये होगे ?"

जंगखोर · "उन्हे खानेके लिए थोडे ही मारा था ?"

श्रादमखोर (अत्यन्त घृणाभावसे) "जगखोर भी आदमखोरसे किस कदर बदतर होता है कि बिला वजह आदमियोको मारता है !!"

सुधार

वक्ता "मैं लैण्ड रिफार्म चाहता हूँ, मैं हाउसिंग रिफार्म चाहता हूँ; मैं एजुकेशनल रिफार्म चाहता हूँ, मैं—"

आवाज "क्लोरोफार्म।"

झक्की

वक्की . "आप इस सन्ततिकी बातें करते है, मैं आगामी सन्ततिके हितकी बात कह रहा हूँ ."

दूसरा "और जब तक आपके श्रोता न आ जायें आप बोलते रहना चाहते है ?"

वाह रे मैं !

एक अमेरिकन नार्वेकी एक बडी सभामें बोला। लोग चुपचाप सुनते रहे। उसके बाद वहीका एक वक्ता स्थानीय भाषामे बोलने लगा। बडी तालियाँ बजी। अमेरिकन भी तालियाँ बजानेमे किसीसे पीछे नही था। जोरसे तालियाँ बजाते-बजाते वह सभापतिकी ओर झुककर पूछने लगा, "क्या कहा इन्होने ?"

"आपके भाषणका भाष्य कर रहे है ये," सभापतिने गभीर मुद्रामें जवाब दिया।

धत्तेरेकी

एक मशहूर मेम्बर पार्लमिण्टमे भाषण दे रहे थे। दक्षिण पक्षसे किसी ने प्रश्न किया,

"आप इस बिलपर वोट देगे या नही ?" एम पी. ने सभापर एक तरफसे दूसरी ओर तक एक नज़र डाली और धीमेसे कहा,

"मै दूँगा .."

तुरन्त दक्षिण पक्षने तालियोकी गडगडाहट मचा दी। जब सुनने लायक शान्ति हुई तो वक्ताने कहना जारी किया। "—नही—"

तो तालियोका तूफान दूसरी तरफसे उठा और जब कुछ कम हुआ तो उन्होने अपना वाक्य पूरा किया, "—इस सवालका जवाब।"

दोनो पक्षोमे पूर्ण शान्ति छा गयी।

फोर्थ डाइमेन्शन

एक विद्वान् प्रोफेसरने 'फोर्थ डाइमेन्शन' पर एक घण्टे तक विद्वत्तापूर्ण लैक्चर दिया। अन्तमे पूछा, "कोई सवाल हो तो पूछिए।"

एक नवयुवती : "फोर्थ डाइमेन्शनको तो मैं खूब अच्छी तरह समझ गयी। लेकिन प्रौफेसर साहब, मै यह जानना चाहती हूँ कि फर्स्ट, सैकिण्ड और थर्ड डाइमेन्शन क्या है ?"

प्राइवेट पराक्रम

एक लेवर लीडर सरकारके सोशलाइज्ड हैल्थ प्रोग्रामके औचित्यका बचाव करते हुए पार्लमिण्टमे बोल रहा था,

"आज ब्रिटेनमें इतने बच्चे पैदा हो रहे है जितने पहले कभी नही होते थे। मगर क्यो ?"

"प्राइवेट इण्टर प्राइज़," एक टोरी बोल उठा।

त्रुटियाँ !

एक वक्ता महाशय भाषण दे चुके तो उन्होंने अपने एक दोस्तसे पूछा, 'कहो, लैक्चर कैसा रहा ?'

दोस्त "मुझे उसमें तीन कमियाँ दिखी। एक तो वह पढ़ा गया, दूसरे वह पढा भी भोड़े ढंगसे गया, और तीसरे वह पढने लायक भी नही था।"

शयन

वक्ता (एक श्रोतासे). "ज़रा अपने पासवाले सज्जनको जगा दीजिए।"

श्रोता . "आप ही जगाइए। आप ही ने उसे सुलाया है।"

लाइलाज

एक पशुचिकित्सकने राजनीतिमे प्रवेश किया। एक वहसमे उनका प्रतिपक्षी उनकी अकाट्य दलीलोसे तिलमिलाकर वकने लगा,

"क्या यह सच है कि तुम असलमे जानवरोंके डॉक्टर हो ?"

"बिलकुल सच है ! आप बीमार है क्या ?" जवाब आया।

फ़ण्ड

एक प्रसिद्ध वक्ता किसी साहित्य परिषद्मे बोले। भाषणके अन्तमें मन्त्रीने उन्हे एक चैक नजर किया, जिसे उन्होंने यह कहकर लौटा दिया कि उसे किसी पारमार्थिक काममे लगा दे।

मन्त्रीने पूछा, "आपको एतराज न हो तो इसे अपने स्पेशल फण्डमे जमा कर दें।"

वक्ता "मुझे कोई आपत्ति नही। स्पेशल फण्ड है किसलिए ?"

मन्त्री · "अगले साल वेहतर वक्ताओंको बुलानेके लिए ?"

तैयार हूँ !

प्रेसीडेण्ट विल्सनसे किसीने पूछा,

"दस मिनिटके भाषणके लिए आपको कितनी तैयारी करनी पडती है ?"

"दो हफ्ते ?"

"एक घण्टे बोलना हो तो ?"

"तो एक हफ्ता ।"

"और अगर दो घण्टे बोलना हो ?"

"चलो तैयार हूँ !"

चन्दा

एक मोटे-ताज़े सज्जन चन्देकी अपील कर रहे थे । बोलते-बोलते पेट पर हाथ फेरने लगे । किसी मसखरेने ऊँचे स्वरसे कहा, "क्यो महाराज ! क्या इसी विभागकी उन्नतिके लिए आप गला फाड रहे है ?"

जार्ज पञ्चम

बादशाह जार्ज पञ्चम अपनी सादगी और किफायतसारीके लिए प्रसिद्ध थे । इन गुणोको वे अपनी सन्तानोमे भी भर देना चाहते थे । इसके बर-खिलाफ उस समयके प्रिन्स ऑफ वेल्स बडे फिजूलखर्च थे । जब वे स्कूल मे पढते थे तो उन्होने अपने पितासे कुछ ज्यादा पैसा भेजनेकी दरख्वास्त की । जवाबमे उन्हे एक सख्त खत मिला कि अपने तरीके बदले और एक व्यापारीकी तरह जीना सीखे । अगली डाकमे ही बादशाहको अपने पुत्रका पत्र मिला जिसमे लिखा था,

"मैने आपकी सलाह मानकर आपका पत्र एक सग्रहकर्ताको २५ पौण्ड मे बेच दिया है ।"

कार

वर्नार्ड शॉ (सोशलिस्टोंकी सभामें भाषण देते हुए) "जब कि लोग भूखों मर रहे हों, कार रखना एक बडा जुर्म है। अब देखिए, मैं देख रहा हूँ कि इस इमारतके बाहर ही एक कार खडी है!"

श्रोताओंको जोशमें आकर उस कारकी ओर लपकते देखकर शॉ बोले,

"इससे पेश्तर कि कोई साहब उसे तोडनेको अमादा हो जाये, मैं बता देना चाहता हूँ कि वह कार मेरी है।"

ग्रामोफोन

दो घण्टे तक लगातार बोलनेके बाद एक राजनीतिक वक्ताकी आवाज़ भर गयी। श्रोताओंमें-से एक लडका ऊँघते-ऊँघते बोला, "इसकी सुई बदल दो।"

हिज़मजेस्टी

एक देशी राजाने समर्थ विद्वान् डॉक्टर विक्टरके सम्मानमें भोज दिया। जब मेहमानका अभिनन्दन करनेका समय आया तब हिज़मजेस्टी तो अपने आसनपर ही विराजे रहे, और एक पेशेवर वक्ताने अपनी खोखली तकरीर शुरु कर दी। जब वह बोल चुका और विक्टर साहब उत्तर देनेके लिए उठनेका उपक्रम करने लगे, तो महाराजाने उन्हें रोका, "उठिए नहीं, मैंने आपके लिए भी एक वक्ताका इन्तजाम कर रक्खा है।"

अनिद्रा

"मुझे आपका 'अनिद्रा' वाला लैक्चर सुनकर बडी खुशी हुई।"

"तुम्हें दिलचस्प लगा?"

"नहीं, पर उसमे मेरी 'अनिद्रा' जाती रही।"

तालियाँ

एक वार वेन्जामिन फ्रेंकलिन फ्रासके साहित्य सम्मेलनके सम्मान्य अतिथि हुए। उन्हे फ्रेच नही आती थी। लेकिन मशहूर साहित्यकारोकी तकरीरोके वक्त गुपचुप वैठा रहना उन्हे नामुनासिब लगा। इसलिए जब उनके पास वैठे हुए मित्रने तालियाँ वजायी तब इन्होने भी वजायी।

सम्मेलनकी समाप्तिपर उनके फ्रेंच-भाषी छोटे पुत्रने पूछा, "पिताजी, जिन-जिन वाक्योमे आपकी तारीफ़ होती थी उन-उन वाक्योपर ही आप तालियाँ क्यो वजाते थे?"

कलाका खयाल

वहुत-से सिनेमा-प्रोड्यूसरोने जार्ज वर्नार्ड शॉके नाटकोके फिल्मी अधिकार ले लेनेकी कोशिश की। शॉको इसमे कोई खास दिलचस्पी नही थी। एक बार वे इसके लिए एक गैरमुमकिन रकम माँग रहे थे। आखिरमे प्रोड्यूसरने उनसे अन्तिम अपील की,

"मिस्टर शॉ, अपनी कलाका ख़याल कीजिए। उन लाखो लोगोका ख़याल कीजिए जिन्होने आपके नाटकोको रगमचपर नही देखा है, उन असख्य दर्शकोका खयाल कीजिए जो इस माध्यम-द्वारा आपकी कलाका मजा ले सकेगे।"

शॉ पुरगम लहजेमे वोले, "हममे यही तो फर्क है। आपको सिर्फ कलाका ख़याल है, मुझे सिर्फ पैसेका।"

मंगल-बुध

भोजके वाद क्लबके सभापति महोदय अपनी वक्तृताको दुर्विलम्बित किये जा रहे थे। बीचमे उनके ज़रा थमनेपर एक श्रोताने दूसरेसे कानमे कहा, "इसके वाद क्या है?"

"बुधवार", जवाव मिला।

बदला

सख्त तनातनीके वक्त इंग्लैण्डके बादशाह हैनरी अष्टमने फ्रांसके बादशाह फ्रांसिस प्रथमके पास एक दूत भेजना चाहा। जो दरबारी चुना गया उसने अनुनय-विनय की कि, "इस इज्जतसे मुझे तो माफ ही फरमाया जाय, क्योंकि ऐसे गरम-मिजाज बादशाहके सामने मैं ऐसा धमकी-भरा सन्देश लेकर पहुँचा तो मेरी तो वह जान ही ले लेगा।"

बूढा हैनरी बोला, "डरो नही, अगर उसने तुम्हें मरवा डाला तो मै उन दसो फ्रासीसियोके सिर कटवा दूँगा जो मेरे यहाँ कैद है।"

दरबारी बोला, "मगर जहांपनाह, उन सिरोमे-से एक भी मेरे धड पर फिट नही बैठेगा।"

कमसखुन

जज साम रसल बडे संयत, यथार्थवादी, अल्पभाषी और एकान्तप्रिय थे। एक रोज़ एक विक्रेत्री उनके यहाँ घुस आयी और पूछने लगी,

"आपकी श्रीमती घरपर है क्या ?"

"नही, वह घरपर नही है।"

"आपको एतराज न हो तो मै इन्तजार करूँ ?"

"नही, कुरसी ले लो।"

एक घण्टेकी इन्तजारीके बाद स्त्रीने पूछा,

"आपकी स्त्री कहाँ गयी है ?"

"वो कब्रिस्तान गयी है।"

"आपके खयालसे वहाँ कबतक रुकना होगा उन्हें ?"

"मुझे मालूम नही, लेकिन उसे वहाँ ग्यारह बरस तो हो चुके है" जज साहब बोले।

गाँधीजी

गाँधीजी अपने 'ऑटोग्राफ' (अपना नाम लिखकर देने) के पाँच रुपये लेते थे। एक दिन एक अमेरिकन महिला उनका ऑटोग्राफ लेने आयी। उसने उन्हे पाँच रुपये दिये। गाँधीजीने मुसकराते हुए कहा, "बस ! तुमने मेरी कीमत पाँच रुपये ही आँकी ?"

महिलाने गद्‌गद होकर पाँच रुपये और दिये।

"ओ हो ! मैं समझ गया, तुम पाँच रुपयेसे आगे नही बढ सकती !" गाँधीजी हँसकर बोले।

सरल उपाय

लॉर्ड रस्सल "राजकुमार, कोई मिलने आनेवाला आकर जम ही जाये और टले नही तो आप क्या उपाय करते है ?"

प्रिन्स बिस्मार्क · "मेरी पत्नी ऐसे अडियलोको पहचाननेमें बडी प्रवीण है। ऐसे समय वह आकर मुझे किसी-न-किसी बहानेसे अन्दर बुला ले जाती है।"

यह बात चल रही थी कि प्रिन्स बिस्मार्ककी पत्नी अन्दर घुस आयी और कहने लगी, "देखिए, आप फिर अपनी दवा पीना भूल गये। दस मिनिट पहले पीनी थी। अब और देर न कीजिए। अन्दर चलिए।"

जुकाम

स्व० पण्डित मोतीलाल नेहरू अपने विनोदके लिए वहुत प्रसिद्ध थे। एक वार उन्हे जुकाम हो गया। तब उन्होने खादीके कपडे धारण करने शुरू ही किये थे। खादीके रूमालसे पोछते-पोछते उनकी नाक एकदम लाल हो गयी थी। उसी समय एक सज्जन उनसे उनकी तबीयतका हाल पूछ बैठे।

पण्डितजीने जरा गम्भीर होकर कहा, "क्या पूछते हो? अब गांधी बाबाके राज्यमे किसीको जुकाम नही हुआ करेगा।"

वह सज्जन बडे चकराये और बोले, "आख़िर, जुकाम और गांधी बाबाके राज्यका क्या मेल?"

मोतीलालजीने उत्तर दिया, "खादीके रूमालसे पोछते-पोछते जब नाक ही गायब हो जायेगी तब फिर जुकाम कहाँ हुआ करेगा?"

ब्राण्ड

एक अति उत्साही मद्य-निषेधकने प्रेसीडेण्ट अब्राहम लिंकनसे शिकायत की कि जनरल ग्राण्ट व्हिस्की पीते है। उसका प्रवचन सुन चुकनेके बाद लिंकन बोले,

"जरा मालूम कीजिए कि जनरल ग्राण्ट किस ब्राण्डकी व्हिस्की पीते है, मै वही शराब अपने सब जनरलोंको पिलाना चाहता हूँ।"

परिवर्तन

डगलस : "सज्जनो, एक जमाना था कि लिंकन शराब बेचा करते थे . . ।"

लिंकन : "मै शराब जरूर बेचा करता था। कभी-कभी। और मिस्टर डगलस मेरे बहतरीन गाहक थे। मगर खास बात यह है कि मैने बेचनी कभीकी छोड दी पर उन्होने पीनी अभी तक नही छोड़ी।"

निर्दोष मुजरिम

चेम्बरलेन किसी दावतमे प्रधान मेहमान थे। भोजके बाद नृत्य और सगीतका रंग जमा हुआ था। शहरके मेयरने झुककर चेम्बरलेनसे पूछा, "लोगोको कुछ देर और आनन्द कर लेने दें या अब आपका लेक्चर शुरू करायें ?"

पालिश

एक सुप्रतिष्ठित अँग्रेज प्रेसिडेण्ट लिंकनसे मिलने आया। उस वक्त लिंकन अपने जूतोपर पालिश कर रहे थे।

अँग्रेज "इग्लेण्डमे कोई अँग्रेज अपने जूतोकी पालिश नही करता ?"

लिंकन . "तो फिर वे किनके जूतोकी पालिश करते है ?"

माई लॉर्ड

एक धनिक परिवारमे लार्ड चैम्पिगकी दावत थी। मेज़बानकी पञ्च-वर्षीय कन्या भी साथ जीमने बैठी। उसने देखा कि लोग मेहमानको 'माई लॉर्ड' कह रहे है, लडकी अपनी माँकी ओर झुककर बोली,

"मम्मी, गॉडको कुछ आइसक्रीम और दो।"

ऑर्डीनेन्स

गाँधीजी (जेलमे) "तबीयतकी खबर लिखना कानूनन् मना है क्या ?"

मेजर "हाँ, आप-सरीखोके बारेमे लोग चाहे जो मानकर चिन्ता करने लगते है। आपकी बीमारीको खबर सुनकर यहाँ लोगोकी टोलियो पर टोलियाँ पूछने आने लगें।"

वल्लभ भाई · "ऑर्डीनेन्स निकलवाओ कि कोई गाँधीकी खबर न पूछे।"

इमली

गांधीजी सुबह ९ बजे और शामको ६ बजे रोज सोडा और नीबू पीते थे। गरमियोमे नीबू महँगे हो जाते है इसलिए गांधीजीने वल्लभ भाई को इमली सुझायी। इमलीके पेड जेलमें बहुत थे। वल्लभ भाईने यह बात हँसीमे उडा दी. "इमलीके पानीसे हड्डियां टूटने लगती है, वायु हो जाती है !"

बापू. "और जमनालाल पीते है सो ?"

वल्लभ भाई "जमनालालकी हड्डियो तक पहुँचनेका इमलीको रास्ता नही मिल सकता।"

बापू "पर एक बार मैने खूब इमली खायी है।"

वल्लभ भाई : "उस जमानेमे तो आप पत्थर भी हज्म कर सकते थे। आज वह कैसे हो सकता है ?"

अहिसा

किसीने पत्र-द्वारा गांधीजीसे पूछा,

"हम तीन मनका शरीर लेकर धरतीपर चलते है, इनमे बहुत-से जीव-जन्तु मर जाते है। इस हिंसाको किस तरह रोका जाये ?"

वल्लभ भाईने तुरन्त कहा, "इसे लिखो कि पैरोको सिरपर रखकर चले।"

यश और नकद

कमिश्नर केडल एक बार गांधीजीसे मिलने आया। गांधीजीसे बोला,

"इस बार लडाईमें सरकार और लोगोके दरमियान कडवाहट नही है। मुझे इतना क्रैडिट (credit) लोगोको देना चाहिए।"

गांधीजी बोले, "You may keep the credit and let us have the cash". (यह यश आप रखिए और नकद हमें दीजिए।)

लॉयड जार्ज

एक बार इंग्लैण्डके प्रधान मन्त्री लॉयड जार्जको वेल्सके दौरेमे किसी ऐसी जगह रात हो गयी जहाँ कोई होटल न था। लाचार उन्होंने एक इमारतके दरवाज़ेकी घण्टीका बटन दबाया।

एक आदमीने आकर दरवाज़ा खोला।

"महाशय, मै यहाँ रातको ठहरना चाहता हूँ।"

"मगर यह तो पागलखाना है।"

"हुआ करे, मुझे तो सिर्फ सोने-भरको जगह चाहिए। मै ब्रिटेनका प्रधानमन्त्री लॉयड जार्ज हूँ।"

"तब आप शौकसे तशरीफ लाइए। यहाँ पाँच आदमी और है जो अपनेको लॉयड जार्ज बताते है।"

चहरा

एक बार शॉसे उसका एक दोस्त कहने लगा,

"मेरा चहरा भी तुम्हारे-जैसा था। पर मुझे लगा कि मेरी शक्ल अजीब लगती है इसलिए मैंने दाढी कटवा डाली।"

शॉ बोले, "और जैसा चहरा तुम्हारा इस वक्त है वैसा ही कभी मेरा भी था। पर चूँकि चहरेको काट फेकना मुमकिन नही था इसलिए मैंने दाढी रखवा ली।"

मैने भी

अमेरिकामे मिस कार्नेलियाने शॉका नाटक 'केण्डिडा' खेला। शॉने उसे अभिनन्दनका तार किया, "सुन्दर, सर्वोत्तम।"

मिस कार्नेलियाने नम्र उत्तर भेजा, "इतनी तारीफके लायक नही।"

शॉने लिखा, "मैने तुम्हारे लिए नही, नाटकके लिए लिखा था।"

कार्नेलियाने दहकता हुआ कटाक्ष लिखा, "मैंने भी।"

शीर्षासन

किसी अमेरिकनने कृष्ण मेननसे पूछा,

"क्या यह सच है कि नेहरू अपने सिरके बल खडे होते है ?"

"मै सिर्फ यह जानता हूँ कि मै अपने सिरके बल खडा नही हो सकता ।"

वडे भंगी

हरिजनोद्धारका जमाना था, गांधीजीके पीछे-पीछे वडे-वडे नेता भी झाड़ू-टोकरी लेकर निकलने लगे थे ।

धारा-सभाकी लॉबीमें,

मोतीलाल नेहरू "भूला, तुम 'वडे भगी' हो ।"

भूला भाई देसाई : "नही, आप 'वडे भगी' है ।"

मोतीलाल "नही, तुम ।'

भूला भाई देसाई "नही आप "

आवाज सुनकर विट्ठल भाई पटेल वाहर निकल आये । प्रेसीडेंशियल अदासे फैसला देते हुए बोले,

"वड़ा मै, आप दोनो भंगी ।"

कहकहोंसे लॉवी गूँज उठी ।

जन्म

चर्चिल . "अगर मै इंग्लैण्डमे न जन्मा होता तो अमेरिकामें जन्म लेना पसन्द करता ।"

रुजवेल्ट . "अगर मै अमेरिकामे न जन्मा होता तो इंग्लैण्ड पसन्द करता ।"

स्टालिन · "अगर मै रूसमे न जन्मता तो अजन्मा ही रहना पसन्द करता ।"

उद्धरण

वर्नार्ड शॉने एक वार कहा था, "मैं अकसर अपने ही उद्धरण सुनाता हूँ। इससे वातचीतमें रग आ जाता है।"

नो वेकेन्सी

एक होटलमे एक नवाव साहब आये। मगर जगहे सब घिरी हुई थी। मैनेजरसे जाकर वोले, "मेरे लिए कोई जगह हो सकती है यहाँ ? मै ममदोठका नवाव हूँ"

"खेद है", मैनेजरने जवाव दिया, "मेरा स्टॉफ पूरा है।"

किसका आभार

एक वार लॉर्ड हेलीफेक्स अपनी नौ-जवानीके जमानेमे दो गम्भीर चिरकुमारियोके बीच बैठे हुए रेल-यात्रा कर रहे थे। जव गाडी एक सुरग (Temnel) मे होकर गुजरी तो घुप अँधेरा छा गया। हेलीफैक्सने अपने हाथके ज़ोर-ज़ोरसे चुम्बन लेने शुरू कर दिये। सुरगके बाद ही उनका स्टेशन आ गया। उतरते हुए शरारतसे मुसकराते हुए वोले, "सुन्दरियो! इस परम सुखद कृपादृष्टिके लिए मै आप दोनोमें-से किसका आभार मानूँ?"

वो तो उतरकर चले गये, दोनो कनकछुरियाँ एक दूसरीको सशक दृष्टिसे घूरती रह गयी!

जैण्टिलमैन

सज्जन "आप अपने पैसे लेने क्यो नही आये ?"

दर्ज़ी . "मै किसी जैण्टिलमैनसे पैसोका तकाज़ा नही किया करता।"

सज्जन "अच्छा! पर अगर कोई न दे तो आप क्या करते है ?"

दर्ज़ी "कुछ दिनो इन्तज़ार करनेके बाद समझ लेता हूँ कि यह आदमी जैण्टिलमैन नही है और तव तकाजा करके वसूल करता हूँ।"

नियम

एक वार मार्क ट्वेनने अपने एक पडोसीसे किताव पढनेको मांगी। पडोसी वोला,

"जरूर पढिए आप यह किताव, पर यही वैठकर। आप तो जानते ही है कि मै अपने पुस्तकालयसे वाहर किसीको किताव नही ले जाने देता।"

कुछ दिनो वाद पडोसीको झाड़ूकी जरूरत पडी। ट्वेनसे मांगने गया। जवाव मिला,

"जरूर झाड़ू लगाइए आप, पर इस कमरेमे रहकर ही। आप तो जानते ही है कि मै…"

लिंकनकी भूल

प्रेसीडेण्ट लिंकनकी पत्नी वडी कर्कशा और वाचाल थी। एक वार उनका नया पार्लमिण्टरी सैक्रेटरी मिलने आया। श्रीमती लिंकनको बार-बार वीचमे वोलती देखकर उसने पूछा, "यह लवार औरत कौन है ?"

"यह तो मिसेज लिंकन है।"

"माफ कीजिएगा। मेरी भूल हुई।"

"भूल तो मेरी हुई है।" लिंकनने जवाव दिया।

जूते लेने गया है

सर आशुतोष फर्स्ट क्लासमे सफर कर रहे थे। डब्बेमें एक अंग्रेज भी था। जिसे इनकी हाजिरी नागवार खातिर हो रही थी। जव आशुतोष सो रहे थे उसने इनके जूते वाहर फेंक दिये। जव ये जगे तो सारी हकीकत समझ गये। जव अंग्रेज खुर्राटे भर रहा था तो उन्होंने उसका कोट वाहर फेंक दिया, अंग्रेज जागा तो हडवडाकर पूछने लगा,

"मेरा कोट कहां गया ?"

"वह तो मेरे जूते लेने गया है", ठण्डे कलेजेसे आशुतोष वोले।

प्रायश्चित्त

गान्धीजी . "अब साढे नौ बज चुके। मै रातके डेढ बजेका उठा हुआ हूँ और दोपहरको सिर्फ पच्चीस मिनिटके लिए आराम किया है।"

रातके डेढ बजेसे लेकर रातके साढे नौ बजे तक पूरे बीस घण्टे !

बनारसीदास चतुर्वेदी "बापू इतनी मेहनत क्यो करते है ?"

हरिहर शर्मा "प्रायश्चित्त स्वरूप ! हम सब लोग आलसी है, उसीका तो प्रायश्चित्त बापू कर रहे है।"

फ़र्क

एक सभामे चर्चिलका परिचय कराते हुए एक वक्ताने विनोदमे कहा,

"मिस्टर चर्चिल जैसे दिखते है उतने मूर्ख नही है।"

चर्चिल तुरन्त बोले, "मुझमें और इस वक्तामे इतना ही फर्क है।"

जहाँ हो वहाँ !

एक विदेशी कलाकारने गांधीजीको पत्र लिखा। लिफाफेपर पताकी जगहपर गांधीजीका एक रेखाचित्र बनाया। उसके ऊपर लिखा, 'टू', और नीचे 'दिस मैन, इण्डिया'। (इस आदमीको, भारत)।

एक और भक्तने पता यूँ लिखा,

"महात्मा गांधी, जहाँ हो वहाँ !"

विराम-चिह्न

मार्क ट्वेन लिखते वक्त हिज्जे और विराम-चिह्नोका बहुत कम ध्यान रखते थे। एक बार अपनी एक किताबकी पाण्डुलिपिको प्रकाशकके पास भेजते हुए उन्होने लिखा,

"जनाबमन ! , · , !··· ···?·· ! को। पूरी किताबमे मुनासिब जगहोपर हस्बमशा लगा लीजिएगा।"

वकील साहब

एक बार अब्राहम लिंकनको, जब वो वकील थे, एक ही दिन दो समान मुकदमे लडने पडे, लेकिन एकमें वे वादीकी वकालत कर रहे थे, दूसरेमें प्रतिवादीकी।

पहले मुकदमेमें वे जीत गये, दूसरे मुकदमेमे उन्होने अपनी ही बातो का खण्डन करना शुरू कर दिया।

जजने मुसकराकर पूछा, "मिस्टर लिंकन, सुवह तो आप कुछ कह रहे थे और इस वक्त कुछ और कह रहे है। ऐसा क्यो?"

लिंकन. "हुजूर! हो सकता है कि सवेरे मैंने गलत बातें कही हो, मगर इस वक्त तो बिलकुल ठीक कह रहा हूं, यह मै अच्छी तरह जानता हूँ।"

हुस्ने इत्तिफ़ाक!

मार्क ट्वेनका किसी गाँवमें लैक्चर होनेवाला था। भाषणसे पहले वह किसी सैलूनमे दाढी बनवाने गये। नाईने दाढी बनाते हुए उनसे पूछा, "महाशय, आपको मालूम है कि आज मशहूर वक्ता मार्क ट्वेनका इस गाँवमें भाषण है?'

"सुना है।"

"आप वहाँ जाइएगा क्या?"

"जरूर"

"टिकिट खरीद लिया है?"

"अभी नही।"

"तब तो आपको खड़ा ही रहना पडेगा।"

"हाँ भाई, मार्क ट्वेनको जब-जब तकरीर होती है मुझे खडे ही रहना पडता है, यह मेरी बदकिस्मती है।"

"संयोग है!" नाईने गम्भीरतापूर्वक कहा।

कूड़ा

जव चर्चिल विरोधी दलके नेता थे तो एक युवा सदस्य उनके विरोध मे 'कूडा !' कहते जा रहे थे। चर्चिल बोलते गये, मगर पाँचवी वार वाधा डाली जानेपर उसको लक्ष्यमे लेकर वोले,

"क्या यह ऑनरेविल मेम्बर जिमके दिमागमें सिवाय कूडेके कुछ नही है ‥"

शेप वाक्य हँसीमे डूब गया।

ज्ञान-विभोर

आइन्स्टीनके विपयमे यह भी कहा जाता है कि जवतक कोई जगा न दे वे सोतेही रहते। रातको वे जागते ही रहते तावक्ते कि कोई आकर यह न कहे कि "आइन्स्टीन, अब सोनेका वक्त हो गया।" कोई खाना न लाये तो भूखे ही रह जाते, खाना न मँगाते और एक वार खाना शुरू कर दिया तो फिर खाते ही चले जाते जवतक कोई रोके नही कि "बस अब रहने दो वहुत खा लिया।"

रस्सी तुडाकर भागे

स्वर्गीय प्रेमचन्दजी वम्वईके एक फिल्म-निर्माताका इकरार पूरा करके जव वापस वनारम पहुँचे, तो श्री चन्द्रगुप्त विद्यालकार उनसे मिलने आये। वातचीतके दौरानमे एक सवालके जवावमे मुसकराते हुए प्रेमचन्दजी ने कहा, "भाई ! मै तो एक कैदखानेसे छूटकर आ रहा हूँ।" और फिर उनकी मुसकराहटने मधुर कहकहेका रूप ले लिया। हँसीका वेग कम होनेपर वोले, "अरे भाई ! कहाँ हम और कहाँ सिनेमावाले ! भला हमारा उनका क्या मेल ? वहाँ जाकर मैंने ज़िन्दगीकी सवसे वडी भूल की। वह तो गनीमत हुई कि मौका मिलते ही रस्सी तुडाकर भाग आया !"

दावत या अदावत

पतजीने एक दावत दी । किदवई साहब जरा देरसे आये, भोजन-गृह के दरवाजेपर खडे होकर पूछने लगे,

"जनाब, जूते उतारूँ क्या ?"

"जूते उतारोगे नही तो खाओगे क्या ?" जवाब मिला ।

अशिक्षित

अलबर्ट आइन्स्टाइन किसी होटलमे भोजनार्थ पहुँचे, लेकिन चश्मा भूल आनेकी वजहसे 'मैनू' नही पढ सकते थे । बैराको बुलाकर पढनेके लिए कहा ।

बैरा बोला : "तुम्हारी माफक हम बी भणेला (निरक्षर) नही है !"

प्रारम्भिक प्रयोगोका परिणाम

"१९४० मे न्यू जरसीके गवर्नरके चुनाव आन्दोलनकी एक तकरीर करते हुए सुप्रसिद्ध आविष्कारक एडीसनके सुपुत्र चार्ल्सने अपना परिचय यूँ देना शुरु किया, "लोग लाजिमी-तौरपर मेरे नामको मेरे पिताके नामके साथ जोडेंगे, लेकिन इससे यह न समझ लीजिएगा कि मै एडीसन नामकी तिजारत कर रहा हूँ, बल्कि मै तो चाहूँगा कि आप सिर्फ यह मानें कि मैं तो अपने पिताके प्रारम्भिक प्रयोगोका परिणाम मात्र हूँ ।"

समुद्र-स्नान

प्रेसीडेण्ट टाफ्ट बडे मोटे-ताजे थे । एक बार वह खूब ढीले-ढाले कपडे पहने समन्दरमें नहा रहे थे । दो शख्स एक-दूसरेसे बोले, "चलो हम भी नहायें ।"

"हम कैसे नहा सकते है ?" दूसरा बोला ।

"समन्दरको तो प्रेसीडेण्ट इस्तेमाल कर रहे है ।"

पुनर्जन्म

कवि शेलीको पुनर्जन्ममे बडा विश्वास था। एक वार वह एक रास्ते चलती स्त्रीके बच्चेको गोदीमे लेकर पूछने लगा, "तू कहाँसे आया है ? तेरे पुनर्जन्मकी दुनिया कैसी है• •?"

बालक बिना बोले किलकारियाँ भरने लगा। शेली बच्चेको उसकी माँको सौंपते हुए बोला, "अजीब है आजकलके बालक! पूछो तो जवाब तक नही देते।"

कन्फैशन

"मैम साहिबा, इस लडकेकी आधी टिकिट लेनी पडेगी। पाँच सालसे ज्यादाका है।"

"पाँच सालसे ज्यादाका कैसे हो गया, मेरी शादी हुए तो सिर्फ चार साल ही हुए है ?"

"चाल-चलनकी बात रहने दो, एक आना और दो वर्ना बससे उतर जाओ।"

लाजवाब

मशहूर लेखक किप्लिग एक बार किताबे खरीदने गये। एक किताबको पसन्द कर उन्होने दूकानदारसे पूछा, "यह किताब कैसी है ?"

दूकानदार "मैने इसे पढा नही है।"

किप्लिग (किसी कदर झुँझलाकर) • "किसी किताबको खरीदते वक्त आप पढकर देख क्यो नही लेते कि वह बिक सकेगी या नही ?"

दूकानदार इस अजीब सवालको सुनकर शान्तिसे बोला, "जनाब! मान लीजिए आप दवाइयाँ बेचते है, तो क्या बेचनेसे पहले उन्हे चखकर देख लिया करेगे ?"

किप्लिग आँखे फाडकर दूकानदारको देखते रह गये।

पत्रकार

महात्मा गांधी जहाँ जाते थे वहाँ उनके पीछे पत्रकार लग जाते थे। एक वार एक पत्रकारने गांधीजीसे पूछा, "क्या आप विश्वास करते हैं कि मरनेपर आप स्वर्गमें स्थान पायेंगे ?"

गांधी "मैं स्वर्ग पाऊँगा या नरक यह तो मैं नहीं जानता, मगर इतना जरूर जानता हूँ कि जहाँ भी जाऊँगा वहाँ पत्रकार जरूर मौजूद रहेंगे।"

मिस फौरच्यून और कैलेमिटी

एक वार डिजराइली वदकिस्मती और आफतका फर्क वताते हुए वोले,

"अगर ग्लैडस्टन टेम्स नदीमें गिर जायें तो यह वदकिस्मती होगी, और अगर किसीने उन्हें खींचकर निकाल लिया तो वह आफत होगी।"

वोनलैस वण्डर

१९३३ ई० में रैमजे मैक्डोनल्डपर हमला करते हुए चर्चिल वोले,

"वचपनमें एक वार मुझे अपने वालदैनके साथ वोरनम सर्कसमें 'अस्थिशून्य जादू' देखनेकी वडी इच्छा हुई। पचास वरस तक इन्तजार करनेके वाद आज मैं 'वोनलैस वण्डर' को ट्रेजरी वेंचपर वैठा हुआ देख रहा हूँ।"

तीसरा विश्व-युद्ध

"मान लेता हूँ कि तीसरा विश्व-युद्ध होगा, मगर मैं यह नहीं वता सकता कि उसमें किस तरहके हथियारोंका उपयोग किया जायेगा। हाँ, चौथे विश्वयुद्धके वारेमें निश्चयपूर्वक यह कह सकता हूँ कि वह 'पत्थरकी गदा'से लड़ा जायेगा।"

—अल्वर्ट आइंस्टाइन

लक़वा

लार्ड सैलिसबरी बडे हँसोड थ। एक दिन मित्र-मण्डली टेव्लके चारो तरफ कुरसियोपर वैठी हुई थी, सैलिसवरी अपनी बातोसे सबको हँसा रहे थे।

एकाएक वे चुप हो गये और उनके चेहरेपर भय और घबराहटके आसार नमूदार होने लगे।

"ख़ैरियत तो है ?" मित्रोने पूछा।

"आखिर वही बात हुई!"

"क्या बात हुई ?"

"वही बात हुई जिससे मै डर रहा था। डाक्टरने बरसो पहले कह दिया था कि तुम्हे लकवा मारेगा और तुम मर जाओगे। आखिर वही बात हुई। जान पडता है मेरे पैरोमे लकवा मार गया।"

"आपको क़ैसे मालूम हुआ कि लकवा मार गया ?"

"मै पाँच मिनिटसे चुटकी मार रहा हू, पर दर्द ही नही होता!"

उनके बगलमे वैठे हुए एक दोस्तने हँसकर कहा, "अजी वाह! आप तो मेरे पैरमे चुटकी ले रहे थे, मैने सकोचके मारे कुछ कहा नही!"

जीना जरूरी

बर्नार्ड शॉको मोटर चलानेका वडा शौक था। एक वार मोटर चलाते वक्त उनके दिमागमे एक नये नाटकका प्लॉट आया। बगलमे वैठे ड्राइवर को आप बडे उत्साहसे उसकी रूपरेखा समझाने लगे। अचानक ड्राइवरने झपटकर उनके हाथसे स्टीयरिंग थाम लिया।

"यह क्या बदतमीज़ी ?" शॉ गरजे।

"क्षमा कीजिए, यह नाटक आपकी अमर कृति होगा। मै आपको इसे पूरा करनेसे पहले मरने नही दूँगा।"

कुछ नही आता

एक वार एक छोटा वालक गांधीजीका हाथ पकडकर चल रहा था। उस वक्त एक कुत्ता वहांसे गुजरा। लडका वोल उठा, "देखो वापू! कुत्तेके पूंछ है!"

"अच्छा! कुत्तेके पूंछ है? क्या तेरे भी पूंछ है?" वच्चा हंस पडा— "वापू! इतने वडे होकर तुम्हें यह भी नही मालूम कि आदमीके पूंछ नहीं होती। तुम्हे तो कुछ भी नही आता!"

सफलताका नुस्खा

आइन्स्टाइनसे कुछ विद्यार्थियोंने पूछा, "हमें जीवनमे सफलता पानेका कोई नुस्खा वताइए।"

आइन्स्टाइन वोले,

"सफलता = काम + मनोरंजन + मौन"

"मौनसे क्या मतलव है?"

"मेरे नजदीक मौनका मतलव है जितना जरूरी हो उससे भी कम वोलना। वल्कि मैं तो मौनको कामसे भी ज्याद कीमती मानता हूं।"

एक न शुद दो शुद

तिलक महाराजका एक मुकदमा हाईकोर्टमें चल रहा था। उनके वैरिस्टरको आनेमें जरा देर हुई। वहीके दो वैरिस्टर मित्र लोकमान्यके पास आकर वोले, "आपके वैरिस्टरको आनेमें देर हो रही है तो कोई वात नही, हम लोग आपकी मददके लिए तैयार हैं।"

तिलकने हंसते हुए कहा, "किसी पोडशीके लिए वीस-वाईस सालके पूर्ण युवककी जगहपर दस-दस सालके दो किशोर वर क्या कभी चल सकते हैं?"

बोलती मशीन

एक भोजमे टॉमस अलवा एडीसनका परिचय कराते वक्त उनके बहु-संख्यक आविष्कारोंका उल्लेख किया गया, खसूसन उनकी बोलती मशीन का। इसके बाद वृद्ध आविष्कारक उठकर खडे हुए, मुसकराये और मृदुता से बोले, "कद्रशनासीका शुक्रिया। लेकिन एक बात मुझे दुरुस्त कर देनी होगी। बोलती मशीनका आविष्कारक तो खुदा है। मैंने तो सिर्फ वह बोलती मशीन बनायी है जो कि चुप की जा सकती है।"

शर्त

वाशिंगटनकी एक मैट्रन दावा करती थी कि मैं प्रेसीडेण्ट कूलिजको बोलनेपर मजबूर कर सकती हूँ। एक बार एक दावतमें उसने अपने दावे को सच्चा कर दिखाना चाहा।

अपनी साफगोई जतलाते हुए वह बोली, "मिस्टर प्रेसीडेण्ट, मैंने शर्त बदी है कि मैं आपसे चार शब्द तो बुलवा ही लूँगी।"

"आप हार गयी," कूलिजने जवाब दिया।

मुलाकात

दो दोस्त एकाएक मिले, पहलेने दूसरेसे कहा, "कमाल है! पहले तो मुझे लगा कि तू है। पर अब देखता हूँ कि तू नहीं तेरा भाई है।"

कुत्ता

"आ जाओ आ जाओ। कुत्तेसे डरो नहीं।"

"क्यों, क्या यह काटता नहीं?"

"यही तो मैं देखना चाहता हूँ—मैं इसे आज ही खरीद कर लाया हूँ।"

उमर खय्याम

दो नवयुवक मित्र अपने दफ्तरके अफसरके यहां निमन्त्रित थे। भोजनके समय बातचीतके दौरानमें मेजबानने उनमें-से एकसे पूछा, "आपको उमर खय्याम पसन्द है?"

नवयुवक बोला, "ठीक, मगर मुझे तो व्हिस्की ज्यादा पसन्द है,"

यहां बात खत्म हो गयी। पर रास्तेमें दूसरा बोला, "जब तू किसी बातको समझता नहीं तो साफ़ क्यों नहीं कह दिया करता कि मुझे मालूम नहीं? अरे मूर्ख, उमर खय्याम शराब नहीं, एक किस्मका मुरब्बा होता है!"

चाँद-सूरज

दो चीनी वहस कर रहे थे—चाँद और सूरजमे कौन ज्यादा उपयोगी है।

एक बोला, "विना शुव सूरज! देखो न कितना प्रकाश देता है!"

दूसरा तडाकसे बोला, "अरे मूरख, पर वह दिनमे ही तो प्रकाश देता है। उपयोगी तो चाँद है जो रातमे उजाला देता है।"

उत्तर-प्रत्युत्तर

"इस सवालका जवाब तो गधा भी दे सकता है।"

"इसी लिए मैने खुद न देकर तुमसे पूछा था।"

चार्ज

दो दोस्त वरसो बाद मिले। "अरे, तू कहाँ गया था?" एकने पूछा।

"जेलमे"

"कबतक रहा!"

"दो महीने।"

"क्या चार्ज (आरोप) था?"

"वहाँ! चार्ज-वार्ज कुछ नही पडता। सब मुफ्त मिलता है।"

अकेले-ही-अकेले

एक महाशय अपने कमरेमे आनन्दसे बैठे हुए लड्डू खा रहे थे। इतने ही मे उनके एक खास दोस्त आ पहुँचे और बोले, "क्यो भाई! अकेले ही अकेले क्या माल उडा रहे हो?"

महाशयजी जल-भुनकर बोले, "ज़हर खा रहा हूँ।"

दोस्त: "तब तो इस दुनियामे मेरा जीना भी फिजूल है।" यह कहते हुए उनके सब लड्डू खा गया।

यारोकी महफिल

एक मैम साहिवाके दोस्तोका सर्किल वहुत विशाल था। उसके पतिने इस वेहूदगीका खात्मा करना चाहा। चुनाचे एक दिन मिस्टर ब्राउन नामक एक सम्वन्धित व्यक्तिको यह खत मिला,

"प्रिय महाशय,

मेरी वीवीके साथ आपके ताल्लुकातकी मुझे पूरी जानकारी है। कल दोपहरके ठीक वारह वजे मेरे दफ्तरमें आयें। आपका, यू० वी० स्मिथ।"

ब्राउनने जवाव लिखवाया,

"प्रियवर स्मिथ, तुम्हारा परिपत्र (सर्क्यूलर लैटर) मिला, मैं महासभाकी वैठकमें ठीक वक्तपर पहुँच जाऊँगा।"

खुर्राटे

"तूने मुझे भरी नींदमें जगा दिया!"

"हुह! तेरे खुर्राटे ही मुर्दों तक को जगा देनेके लिए काफी हैं।"

खत मिला ही नही

सरला: "तरला, तूने खतका जवाव क्यो नही दिया?"

तरला. "तेरा खत मुझे मिला ही नही, जवाव कैसे देती? दोयम, उसमे लिखी हुई कोई वात जवाव देने लायक नही थी, जवाव क्या देती?"

विसंवाद

"यहाँ भूलेश्वरमें तू आँखें खुली रखना।"

"क्यो?"

"वन्द करके चलेगा तो महा वेवकूफ दिखेगा।"

आवाजें

एक स्काचमैन अपने दोस्तसे बोला,
"मेरे सरमे सांय सांयकी आवाज़ होती रहती है ।"
"तुम्हें इसकी वजह मालूम है ?"
"नही तो ।"
"क्योकि वह खाली है ।"
"तुम्हारे सरमे तो ऐसा नही होता ?"
"क… · ·भी न … ·ई ।"
"तुम्हें इसकी वजह मालूम है ?"
"नही तो ।"
"क्योकि वह ठसा हुआ है ।"

भयकर प्रियकर

सभापति महोदय ममारोप करते हुए गैर-नाखुशगवार शैलीमे बोले, "हमारे चिर-परिचित अजीज दोस्त हमारे दर्मियान चालीस सालसे रहते आये है, अभी भी हमारे साथ रहे है, और वे कहते है कि वे आगे भी मुदीर्घ काल तक हमारे बीच रहनेकी आशा रखते है । सज्जनो, मुझे सिर्फ यही कहना बाकी रह जाता है कि हम लोग उत्सुकतापूर्वक उम दिनकी प्रतीक्षा करते रहे जबकि हम उनकी समाधि भी यही बनायें ।"

कमसिन

"मै छब्बीस वर्षकी थी, तबसे मैंने किसीको अपनी सही उम्र नही बतायी ।"

"कभी-न-कभी तो बताओगी ही ।"

"नही, जब पन्द्रह वर्ष तक छिपाये रह सकी, तो सदा गुप्त रखना क्या मुश्किल है ।"

मदद

"आज शाम तक अगर दो हजार रुपयोका इन्तजाम न कर सका तो वेइज्जतीसे वचनेके लिए मुझे जहर पी लेना पडेगा ! तू मेरी मदद कर सकता है दोस्त ?"

"क्या करूँ ? मेरे पास तो एक बूँद भी नही है !"

वन्दर

"देख रमेश, यहाँ आ। इस शीशेमे देखेगा तो तुझे एक वन्दर दिखायी देगा।"

"शीशेमे देखे वगैर भी दिखायी दे रहा है।"

अनर्थ !

"कर्नल, तुम शादी क्यो नही कर लेते ?"

"दोस्त, मच बात यह है कि औरतोसे डर लगता है।"

"मेरी वात इससे विलकुल उलटी है।"

"औरतें तुमसे डरती है ?"

वैरग खत

एक आदमीको अपने दोस्तोको मजाकमे तग करनेकी वडी आदत थी। उसने एक दिन अपने मित्रके पास वैरग चिट्ठी भेजी जिसमे सिर्फ इतना ही लिखा, "मै अच्छी तरह हूँ, घवरानेकी कोई वात नही।" उस मित्रने जवावमे एक वडा-सा वैरग पार्सल भेजा। जव उस आदमीने पार्सल खोला तो उसमे एक वडा पत्थर निकला जिसपर एक पुरजा चिपका हुआ था—"पत्र पाकर मेरे मनसे इतना वडा वोझ उतर गया !"

मरनेकी खबर

आमोद (फोनपर) "प्रमोद, तूने आज मेरे मरनेकी खबर अखबारमे पढी या नही ?"

प्रमोद "पढी तो । पर तू बोल कहांसे रहा है ?"

प्रेम

•

काम-दाम

एक युवती अपने प्रेमीसे मुसकराकर बोली, "मैं अपनी सारी सम्पत्ति साधुओंको दान कर देनेवाली हूँ।"

प्रेमी यह सुनकर अपनेको छुड़ाकर चलने लगा।

"कहाँ जा रहे हो?"

"साधु बनने जा रहा हूँ।"

मापदण्ड

एक आंग्ल युवतीने बड़ी शर्मोहयासे अपने प्रेमीके लिए तारबाबूको तार दिया जिसमें फक्त एक लफ्ज था, 'यस'।

"आप इतने ही पैसोंमें दस शब्द भेज सकती हैं" क्लर्कने सुझाया।

कामिनी : "जानती हूँ, पर क्या आपके खयालसे 'यस' को दस बार कहनेसे यह न लगेगा कि मैं अत्यन्त उत्सुक हूँ?"

जहाजरानी

"अपने नौका दलके विकासकी एक योजना मेरे पास है।"

"क्या?"

"तमाम पुरुषोंको एक टापूपर और तमाम स्त्रियोंको दूसरे टापूपर छोड़ दो। सब नौकाएँ बनानेमें लग जायेंगे।"

जन और धन

"ग्लोरिया, अगर तुझे प्रेम और पैसेमे चुनाव करना पडे तो तू क्या चुने ?"

"शायद प्रेम.......मै हमेशा गलत काम जो करती आयी हूँ ।"

पागल

शमा : "शम्स मेरे पीछे पागल है ।"

परीना "इसमे तुम्हारी क्या तारीफ है—वह तो तुमसे मिलनेसे पहले भी पागल ही था ।"

मौतका सामना

प्रेमिका "तुम कहा करते हो कि तुम मेरे लिए मौतका भी सामना कर सकते हो । अच्छा जरा इस साँड़के सामने तो खडे हो जाओ ।"

प्रेमी "लेकिन अभी मरा कहाँ है यह साँड ।"

सौभाग्यवान्

"आप प्रेममे सौभाग्यवान् व्यक्तिको क्या कहते है ?"

"कुँवारा"

पाषाण-हृदय

प्रेमी "तुम्हारा दिल पत्थरकी तरह सख्त है । इससे बुरी बात क्या हो सकती है ?"

प्रेमिका . "हो सकती है ! दिमागका पिलपिला होना ।"

कैसे

"प्रिये, भला मै तुम्हे कैसे छोड सकता हूँ ?"

"टेक्सीसे या बससे !"

गुप्त शादी

प्रेमी . "प्रिये, हमे अपनी शादीकी बात गुप्त ही रखनी चाहिए।"

प्रिया "हाँ, मगर मैं शीलासे जरूर कहूँगी! वह कहती थी कि, शायद ही कोई बेवकूफ तुझसे शादी करेगा।"

समानता

प्रेयसी "वह बेवकूफ-सा आदमी कौन है?"

प्रेमी "मेरा भाई है!"

प्रेयसी "ओ! माफ करना मैं समानता न देख सकी!"

निराश

"तुम प्रेममे कभी निराश हुए हो?"

"दो बार! एकने मुझे तलाक दे दिया, दूसरीको मैं तलाक न दे सका।"

कामना

कुँवारा . "कभी-कभी मुझे विवाहित जीवनका आनन्द पानेकी इच्छा होती है।"

विवाहित . "मुझे भी।"

प्रिया-वर्णन

"उसकी आँखें आमकी-सी फाँके है, उसके गाल सेवके मानिन्द हैं, उसके दाँत अनारके-से दाने हैं, उसके होठ-रसभरीकी तरह है, उसके शरीर की कान्ति शफतालूकी-सी है। यह है मेरी प्रियतमा!"

"नही—यह तो फ्रूट सलाद है!"

तुम्हारी जयमाला

समानाधिकार-पूर्तिकी खातिर प्रियतमने अपनी प्रियतमाका बैंकमे खाता खुलवा दिया, पहली ही बार जब वह चैक भुनाने गयी तो क्लर्कने उसे 'ऐण्डोर्स' करनेके लिए कहा, उलझनमें पडकर बोली, "ऐण्डौर्स माने ?"

"जैसे तुम खतोपर दस्तखत करती हो वैसे ही चैकके पीछे करो।"

गम्भीरतापूर्वक उसने हस्ताक्षर किये, "प्रति पल तुम्हे याद करती, तुम्हारी, जयमाला"

चुम्बन

उपदेशक : "तुम लोगोको मालूम है कि एक बारके चुम्बनसे चालीस हजार प्राणघातक कीटाणु एक दूसरेके मुखमे चले जाते है।"

नयी जोड़ी . "जो, पर हम उसके लिए चालीस लाख बार मरनेको तैयार है।"

नहीमे हाँ

मेरी "क्यो एथेल, रोती क्यो हो ?"

एथेल : "नही, कुछ नही, कल जैकसे मेरी लडाई हो गयी और मैंने उसे खत लिखकर भी भेज दिया कि, खबरदार, अब कभी मुझसे बोलनेकी हिम्मत न करना और न खत लिखनेकी। मगर उस हत्यारेमे इतनी भी भलमनसाहत नही कि मेरे खतका जवाब तो देता।"

पेन्सिल

"एक पेन्सिल दीजिए।"

"सख्त या कोमल ?"

"कोमल, प्रेमपत्र लिखनेके लिए चाहिए !"

अपवाद

पहली : "मुझे शक है कि जैक मुझे प्यार करता है।"

दूसरी "जरूर करता है, प्यारी, वह तुम्हें ही अपवाद क्यूँ बनायेगा?"

मिलन

स्त्री "मैं ऐसे शख्ससे शादी करना चाहती हूँ जो शेरकी तरह दिलेर हो, लेकिन प्रगतिशील न हो, वह कामदेव-सा सुन्दर हो लेकिन गर्वीला न हो, सुलेमानकी तरह अक्लमन्द हो, मगर भेडकी तरह नम्र हो; जो कृपा-वन्त सब स्त्रियोंके प्रति हो, लेकिन प्रेम सिर्फ मुझसे ही करे।"

ही : "वाह, क्या खुशकिस्मती है कि हम मिल गये!"

छीछडे

एक प्रेमी युगल सितारोंकी रोशनीमें गुलगश्त कर रहा था।

प्रेमी (मन्द स्वरमें) : "आजकी तारों-भरी रात कैसी सुहावनी लग रही है। सितारे ऐसे चमक रहे हैं जैसे · ·"

प्रेयसी (बीचमें) · "चापलूस!"

प्रेमी "जैसे कल रात चमक रहे थे।"

प्रेम और पुरुषार्थ

"आप प्रेममें विश्वास करते हैं या पुरुषार्थमें?"

"प्रेम करनेके बाद यथाशक्ति पुरुषार्थ कर गुजरनेमें!"

दुनिया

"यह तो तुम्हारी प्रियतमाका चित्र है। इसे संसारका नक्शा क्यों कहते हो?"

"क्योंकि वही मेरे लिए सारी दुनिया है।"

सख्त दिल

"प्यारे !"

"हाँ प्यारी ।"

"तुम्हारा दिल कितना सख्त है !" प्रेमिकाने बाँयें कन्धेके नीचे प्रेमीकी छातीपर अपना सर टिकाते हुए फरियाद की ।

"यह मेरा दिल नही ।"

"तो ..?"

"मेरा सिगरेट केस है, जिसपर अपना सर टिका रखा है ।" प्यारेने कहा ।

फॉलिग इन लव

एक बार कविवर टैगोरके पास एक प्रेमी युगल गया । जाकर वन्दन किया । वे उनकी सर्द आहो, ज़र्द-रङ्ग, अश्कबारी, इन्तज़ारी, वेकरारी, वगैरह प्रेम लक्षणोसे उनकी मनोदशा समझ गये ! पूछने लगे, "क्या बात है ?"

"गुरुदेव, हम प्रेममे पड गये है ।"

कवीन्द्रने एक गहरा निश्वास छोडा और गम्भीरतासे बोले, "इसीका मुझे दु:ख है, मै चाहता हूँ कि तुम-सरीखे स्त्री-पुरुष प्रेममे 'पडने' के बजाय प्रेममे 'चढ़ो' । जो व्यक्तिको गिराता है वह सच्चा प्रेम नही है । सच्चा प्रेम प्रेरणात्मक और ऊँचा चढानेवाला होता है ।"

अमर प्रेम

"क्या तुम मुझसे प्रेम करते हो ?"

"हाँ, प्रिये ।"

"क्या तुम मेरे लिए जान दे दोगे ?"

"नही, मेरा प्रेम अमर है ।"

मधुर स्वप्न

मिस मेरिया "डाक्टर, मै नशेकी-सी हालतमे रहती हूँ, दिलमे एक मीठा-दर्द होता रहता है, रातको सपनोमें एक सुन्दर नवयुवक दिखा करता है जिसके इरादे शरीफाना नही मालूम होते।"

डाक्टर . "ये लो, नीदकी गोलियाँ, रोज रातको सोते वक्त एक खा लिया करना, चार दिन वाद तवीयतका हाल वताना।"

चार रातके बाद मिस मेरियाने दास्ताने-दर्देदिलकी रिपोर्ट यूँ दी, "डाक्टर, और तो सब ठीक, मगर वह नौजवान तो अब सपनोमें दिखता ही नही!"

प्रेम-प्रतिक्रिया

"तुम कहते हो तुम्हारी माशूकाने तुम्हारे प्रेमको आशिक रूपमे ही लौटाया?"

"हाँ, उसने प्रेम-पत्र तो सब लौटा दिये मगर अँगूठी रख ली।"

लाहौल बिला कूबत!

पिता (अपने लडकेसे खफा होकर) . "क्यो, तुम कल रात कहाँ थे?"

लडका . "कुछ लडके मेरे मोटरपर चढनेके लिए रोज जिद करते थे, इसलिए तग आकर उन लोगोको ज़रा हवा खिलाने ले गया था।"

पिता "अच्छा, तो अब उन लोगोसे कह देना कि आइन्दा मोटरमें अपनी चूडियोकी टूटन न छोड जाया करें।"

मस्का

खुशामदी प्रेमी (कमरेके भीतर आते हुए) . "प्रिये, तुम तो हारमोनियम खूब वजाती हो! मै वाहर सुन रहा था।"

प्रेमिका . "मै वजाती नही थी, हारमोनियमकी धूल झाड रही थी!"

परिस्तान

"मै होटल-हृदय आदमी हूँ—एक औरके लिए गुंजाइश रखता हूँ ।"

भगीरथ

"तुम्हारी खातिर प्रिये, मै पृथ्वीके छोर तक जाऊँगा ।"

"यह तो ठीक, पर वही कयाम भी कर सकोगे ?"

आत्महत्या

प्रेयसी "डार्लिंग, अगर मै तुम्हारे साथ शादी न करूँ तो क्या तुम आत्महत्या कर लोगे ?"

डार्लिंग "मै तो हमेशा यही करता हूँ ।"

घरपर

प्रेयसी "अगले इतवारको मै घरपर ही रहूँगी ।"

डाँवाडोल प्रेमी "मै भी घरपर ही रहूँगा ।"

प्रेम

"प्रेम नितान्त मूर्खता है ।—और ईश्वर करे मै एक बार फिर मूर्ख बन जाऊँ ।"

कार्य-कारण भाव

स्मिथ साहबकी दुख्तर एक रोज रातको एक नौजवानके साथ बडी देरसे लौटी ।

मिस्टर स्मिथ "इतनी रात गये मेरी लडकीको लेकर आनेके क्या मानी ?"

नौजवान : "इनके पैसे खत्म हो गये थे ।"

स्त्री

●

मुश्किल

चीनी चित्रलिपिमे 'मुश्किल' शब्द एक छप्परके नीचे दो स्त्रियाँ चित्रित करके लिखा जाता है ।

सिंगार

"स्त्रियाँ सिंगारमे इतना वक्त क्यो लगाती है ?"

"क्योकि वे जानती है कि पुरुषकी दर्शन-शक्ति विचार-शक्तिसे अधिक होती है ।"

परीषह जय

"स्त्रियाँ खामोशीसे बर्दाश्त करती है ।"

"हाँ, मेरा खयाल है कि जब वह खामोश हो तो समझ लो कि बर्दाश्त कर रही है ।"

चिरयौवना

मजिस्ट्रेट "श्रीमती ब्राइट, आपकी उम्र क्या है ?"

मिसेज ब्राइट (मुसकराकर) "बीस—और कुछ महीने ।"

मजिस्ट्रेट : "कितने महीने ?"

मिसेज ब्राइट "दो सौ ।"

चाभी

"कहिए, आपका वह लोहेका बक्स खुल गया ?"

"हाँ भाई, बडी तरकीबसे खुला ।"

"क्या लुहार बुलवाया था ?"

"नही जी, जब सब तरहसे हार गया तब मैंने कह दिया कि इसमें मेरी पहली प्रेमिकाके पत्र रखे हुए है । इतना सुनते ही मेरी बीबीमे न जाने कहाँसे इतनी ताकत आ गयी कि उसने एक ही झटकेमे उसे खोल दिया ।"

चिरयौवन

अधेड औरत "देखो उस चुडैलको, मुझसे सन् सत्तावनके बलवेकी बातें पूछती है !"

तीसरी औरत "जाने भी दो, आप उसकी बातका बुरा न मानें । वह इतना भी नही समझती कि उस ज़मानेकी बातें आप आज तक कैसे याद रख सकती है !"

तोबा

"तुमने अपने पतिकी रातको बाहर रहनेकी आदत कैसे छुडायी ?"

"एक रातको वो देरसे आये । मै अन्दरसे ही बोली, 'क्या तुम हो प्यारे ओरलेण्डो ?' मगर मेरे पतिका नाम जेम्स है ।"

आरोह-अवरोह

"आपने गौर फरमाया है कि जब औरत कोई चीज़ चाहती है तो अपनी आवाजको किस कदर मन्द कर देती है ?"

"जी ज़रूर, मगर आपने देखा है कि जब नही पाती तो उसे कैसी बुलन्द कर देती है ?"

ऊँची एडी

क्रिस्टोफर मोरलेका कहना है कि ऊँची एडियोकी आविष्कारक कोई ऐसी औरत रही होगी जिसे माथेपर चूमा गया होगा।

हसीन मूर्ख

पुरुष "ईश्वरने स्त्रीको रूपके साथ इतनी मूर्खता क्यो दी ?"

स्त्री "रूप इस लिए दिया कि पुरुषको आकृष्ट कर सके, मूर्खता इसलिए दी कि पुरुषको ओर आकृष्ट रह सके।"

हविस

अकबर "बीरबल, सुना है कि तुम्हारी स्त्री बडी खूबसूरत है।"

बीरबल "जहाँपनाह, मुझे भी ऐसा ही गुमान था, लेकिन बेगम साहिबाको देखकर मैं उसे बिलकुल भूल गया हूँ।"

एक्सचेज

एक देहाती कुछ अंग्रेजी भी पढा हुआ था। एक बार जब वह शहरमे आया तो उसने एक जगह बडा साइनबोर्ड देखा, जिसपर लिखा हुआ था 'एम्प्लायमेण्ट एक्सचेज।' दफ्तरके अन्दर घुसनेपर एक बोर्ड देखा जिसपर लिखा हुआ था 'वीमेन्स एक्सचेज'। वह इस बोर्डको कुछ देर तक घूरता रहा, फिर अन्दर घुस गया, वहाँ क्या देखता है कि एक महा मोटी स्त्री बैठी हुई है। उसने उस महिलासे पूछा, "क्या यह वीमेस एक्सचेज है ?"

"हाँ जी।"

"क्या आप ही एक्सचेजपर है ?"

"जी हाँ, कहिए।"

"धन्यवाद! मै अपनी बीवीके साथ ही रहना पसन्द करूँगा"। इतना कहकर वह वहाँसे निकल भागा।

मेरा मुन्नू

मुन्नूकी माँने बडी अनिच्छासे अपने लाडलेको स्कूल भेजा। उसने शिक्षकको बडी हिदायतें दी,

"मेरा मुन्नू बडा नाजुक-मिजाज है," वह बोली, "उसे कभी भी न मारना। उसके पासवाले लडकेको तमाचा मार देना, इतनेसे ही मेरा मुन्नू डर जायेगा।"

आपसे मिलकर बडी प्रसन्नता हुई!

एक युवती महिला साहसपूर्वक एक ऐसी स्त्रीके पास गयी जिसे वह अस्पतालकी सुपरिण्टेण्डेण्ट समझ रही थी।

"क्या मैं कैप्टन रारासे मिल सकती हूँ?" उसने पूछा।

"क्या मैं पूछ सकती हूँ कि आप कौन हैं!"

"अवश्य! मैं उनकी बहन हूँ।"

"अच्छा! मुझे आपसे मिलकर बडी प्रसन्नता हुई। मैं उनकी माँ हूँ।"

आवाज

स्त्री (अखबार पढती हुई) "साइन्सदानोंने अब यह दिखला दिया है कि आवाज बीस हज़ार गुना बढाई जा सकती है।"

पुरुष "आवाज़ घटानेकी तरफ भी इन लोगोंने ध्यान दिया है?"

सौजन्य

एक देवीजी अपनी कारका अग्रभाग टूटी-फूटी हालतमें लेकर घर लौटीं। विवरणके दौरानमें अपने पतिको सोल्लास सुनाने लगीं, "और पुलिसमैनने तो अत्यन्त ही सौजन्य दर्शाया! कहने लगा, इर्शाद फरमायें तो शहरके तमाम टेलिफोनके खम्भे हटवा दिये जायें।"

तुम्हारी दादी भी हो सकती है !

युवतियोको 'समाज' और 'मेक-अप' द्वारा अधिक सुन्दर और रूपवती बनानेके लिए अमेरिकामे 'ब्यूटीपार्लर' (सुन्दरताकी दूकाने) खुलने लगी है। उनमे एकके बाहर यह विज्ञापन लगा था,

"हमारे ब्यूटीपार्लरसे बाहर निकलती हुई स्त्रियोपर सीटियाँ न बजाओ। मुमकिन है कि उनमे तुम्हारी दादी भी हो।"

शक्ति

"पानीकी किस शक्लमे उसकी शक्ति सबसे ज्यादा होती है।"

"स्त्रियोके आँसूकी शक्लमें।"

खत-किताबत

एक साहब एक होटलको छोडकर जाते वक्त मैनेजरसे बोले, "देखिए, मेरे नामपर आनेवाली तमाम डाक मेरे नये पतेपर भेजते रहना, सिर्फ एक काली लम्बी औरतकी चिट्ठियाँ कचरेकी टोकरीमे फेक देना।"

मुझे पुरुष नही बनना !

प्रख्यात यूरोपियन लेखिका मेरी कोरेली कहती है, "मुझे किसी भाव पुरुष नही बनना, क्योकि पुरुष हो गयी तो मुझे किसी-न-किसी स्त्रीसे शादी जो करनी पडेगी।"

स्त्रीके साथ बात

स्त्रीके साथ धर्मकी बातें करोगे तो वह जमुहाइयाँ लेने लगेगी, कला की बातें करोगे तो वह ऊबने लगेगी; विज्ञानकी बातें करोगे तो ऊँघने लगेगी, पर उसके कपडोकी तारीफ शुरू करके देखो, उसका जी कानमे आकर बैठ जायेगा।

अबला

कुछ कालेजियनोने महात्माजीसे शिकायत की कि "इस बीसवी सदीमे भी स्त्रियोको अबला क्यूँ कहा जाता है ?"

"बला कहे तो भी तुम शिकायत करते हुए आओगे ।"

पड़ोसिने

पहली "लो यह तेलकी शीशी, अपनी सिगर मशीनमें डाल लेना ताकि शोर ज़रा कम हो ।"

दूसरी "ले जाओ, इसे तुम ही अपने रेडियोमे डाल देना जो कि आधी रात तक नीद हराम करता रहता है ।"

झंझट

एक ग्यारह बच्चोवाली स्त्रीसे उसके किसी मित्रने पूछा, "ये बच्चे तुम्हारे लिए परेशानोका बाइस तो नही होते ?"

"नही, परेशानीका नही, सिर्फ झझटका कारण होते है । परेशानी दिली होती है, झझट सिर्फ जिस्मानी," जननी बोली ।

शान्ति शान्ति !!

दो औरतें खिडकीके पास आमने-सामने बैठी हुई रेलमे सफर कर रही थी । दोनोमे भयकर तू-तू-मैं-मैं होने लगी । एक चाहती थी खिडकी बन्द रहे क्योंकि उसे निमोनियाका शौक नही था। दूसरी कहती थी खिड़की खुली रहे क्योकि वह घुटकर मरना नही चाहती थी । चख-चख चल ही रही थी कि टी. टी. आई आ गया । पास बैठा हुआ एक सन्त्रस्त सद्गृहस्थ बोला,

"साहब, पहले खिडकी खुली रखिए ताकि एक खत्म हो, फिर खिडकी बन्द कर दीजिए ताकि दूसरीका दम निकले और तब जरा शान्ति मिले ।"

फर्मा-बरदार

नौकर "मेरी पत्नीने कहा है कि मै आपसे तरक्की माँगूँ।"

मालिक "बहुत अच्छी बात है। मै अपनी पत्नीसे पूछूँगा तुम्हे तरक्की दी जाये या नही।"

गोपनीयता

"क्या तुम यह बात गुप्त रख सकती हो?"

"हाँ-हाँ, लेकिन अफसोस है कि जिनसे मै यह बात कहूँगी वे उसे गुप्त नही रख सकेगी।"

मासूम

"क्या तुम नही मानते कि वह कितनी अनजान है?"

"अनजान! ज्यादातर विषयोपर कमतर जाननेवाली उससे बढकर मैने कोई औरत नही देखी!"

अशुद्धि

शिक्षक "इस वाक्यमे क्या गलती है, 'घोडा और गाय खेतमे चर रही है'?"

विद्यार्थी "स्त्रीका नाम हमेशा पहले आना चाहिए।"

हाई सोसाइटी

एक चतुर महिला किसी सार्वजनिक उत्सवमें निमन्त्रित हुई। उसे एक नेता और एक अभिनेताके बीच बिठाया गया। उसने इसे उच्च समाजमे घुमनेका अवसर बना देना चाहा चुनाँचे हँसती हुई बोली, "मै तो पुराने करार और नये करारके बीचके वर्कके मानिन्द लग रही हूँ।"

"देवीजी, वह वर्क तो कोरा होता है," अभिनेता बोला।

आदमजाद

चुनाव आन्दोलनमे एक स्त्री लैक्चर झाड रही थी,

"स्त्री न होती तो पुरुष आज कहाँ होता ?"

वो जरा रुकी, हॉलमे एक सिरेसे दूसरे सिरे तक एक सरसरी नजर डालकर फिर बोलना शुरू किया,

"मै पूछती हूँ, स्त्री न होती तो पुरुष आज कहाँ होता ?"

"वह अदनके बागमे जामुने खा रहा होता," श्रोताओमे-से एक आवाज आयी।

देर आयद

"मै कल अपनी पच्चीसवी सालगिरह मना रही हूँ।"

"ज़रूर मनाओ बहन ! 'देर आयद दुरुस्त आयद।' "

शुभ-लाभ

मित्र "यह शादी तुझे लाभदायक निकली मालूम होती है !"

नाटककार : "बहुत लाभदायक ! अपनी बीबीके पूर्वचरित्रपर मैने अब तक तीन नाटक जो लिख डाले है !"

जबान

किसीने मिल्टनसे पूछा, "आप अपनी पुत्रीको कितनी जबाने सिखायेगे ?"

"स्त्रीके लिए एक ही जबान काफी है" कविने कहा।

माया

वृद्ध कुमार : "स्त्री धोखा है !"

युवती "और आदमी किसी-न-किसी धोखेमे पडता ही रहता है !"

शृंगार

"आज आपकी बीबी इतनी तैयारी क्यो कर रही है ? क्या आप लोग कही बाहर जा रहे है ?"

"हाँ।"

"कहाँ ?"

"बम्बई।"

"रेलसे ?"

"नही, हवाई जहाज़से।"

"मगर मुसाफिरोके लिए अभी हवाई जहाज़ कहाँ चलता है यहाँसे ?"

"जब तक मेरी बीबीका शृगार करना खत्म होगा तब-तक चलने लगेगा।"

धन्धा

सात लडको और पांच लडकियोकी एक अमेरिकन माँसे मर्दुमशुमारी वालेने पूछा, "आपका धन्धा ?"

स्त्रीने अपने छोकरोकी तरफ इशारा करते हुए कहा, "औरत तो सिर्फ औरत है।"

वागीश्वरी

"क्या तुमने कल सभामे मेरी स्त्रीका व्याख्यान सुना था ?"

"हाँ, एक दुबली और लम्बी औरत मचपर खडी होकर कह तो रही थी कि मुझे अपने भावोको प्रकट करनेके लिए शब्द नही मिलते।"

"रहने दो, वह मेरी स्त्री नही थी।"

भोजन-वसन

"वह पोशाक ऐसी पहनती है कि देखनेवालोकी जान चली जाये।"

"हाँ, और खाना भी वह ऐसा ही बनाती है।"

उम्र

"तुम्हारी वहिनकी उम्र क्या है ?"

"पच्चीस वर्ष।"

"वह तो कहती थी बीस वर्ष।"

"वह भी ठीक ही तो कहती थी, पांच वर्षकी उम्रमे तो उसने गिनना शुरू किया था।"

भाग्यवान् !

"कल रात मेरी पत्नीको स्वप्न आया कि उसने एक करोडपतिसे विवाह किया है।"

"तुम भाग्यवान् हो भाई! मेरी पत्नीको तो यह स्वप्न दिनमे ही आता रहता है!"

बड़प्पन

पहली "मै अपने जेवरोको कीमती रासायनिक पदार्थोसे साफ करती हू"

दूसरी "मै साफ नही करती, जब वे मैले हो जाते है तो उन्हे नौकरानीको देकर दूसरे बनवा लेती हू"

शादी

•

इज्तराब

"जॉन, क्या तुम मेरी लडकीको वह चीजें देते रह सकते हो जिनकी उसे आदत पड गयी है ?"

"जी, ज्यादा दिनो तक नही । इसीलिए मैं चाहता हूँ कि शादी जल्दी हो जाये ।"

नाशादी

"जिस दिन मेरी पत्नी आयी उसी दिन मेरे यहाँ चोरी हो गयी ।"

"मुसीवत कभी अकेली नही आती ।"

खुशनुमा सोसाइटी

मानव समाज कैसा खुशनुमा लगे अगर सब स्त्रियाँ विवाहिता हो, और सब पुरुप अविवाहित ।

शिकंजा

"विदाके वक्त यह दुलहिन ही क्यो रो रही है, दूल्हा क्यो नही रोता ?"

"वह तो दस मिनिट रोकर चुप हो जायेगी, मगर यह तो उसके बाद हमेशा रोता रहेगा ।"

स्वार्थ

"सच-सच वताना—तुमने मुझसे शादी धनके लिए की थी या मेरे लिए ?"

"अपने लिए।"

शादी

"क्या तुम मानते हो कि शादी लॉटरी है ?"

"नही, लॉटरीमे तो चान्स भी होता है।"

गैर जिम्मेदार

"अच्छा, तो मेरी लडकीसे शादी करना तुम्हे मजूर है ?"

"जी।"

"किस रोज़ करोगे शादी ?"

"यह मैने पण्डितपर छोड दिया है।"

"विवाह सनातनी पद्धतिसे होगा या रजिस्टर्ड मैरिज होगी ?"

"यह मैने शोभनाकी माताजीपर छोड दिया है।"

"विवाहके वाद तुम दोनो आजीविका कैसे चलाओगे ?"

"यह मैने आपपर छोड दिया है।"

आशा

सम्युएल जॉनसनका कथन है कि दूसरी शादी अनुभवपर आशाकी विजय है।

दुर्गति

एक कुँवारा था। वह इतना वीमार रहा, इतना वीमार रहा, कि शादी-शुदा नज़र आने लगा।

वृद्ध-विवाह

एक अस्सी वरसका बूढा अठारह वर्षकी एक लडकीसे विवाह रचानेके लिए गिरजाघरमे आया। आकर पादरीको वताया, "कन्या यह रही।"

पादरी . "ओ ! मै तो समझता था आप इस वच्चीको नामकरण सस्कारके लिए लाये है।"

दूर-दर्शन

लन्दनके रैण्ट-कण्ट्रोल ऑफिसमे किसीने अरज़ी दी कि "मुझे मकान दिलवाया जाये, मै शादी करना चाह रहा हूँ।"

जवाव आया, "आप शादी तो कर सकते है मगर मकानके लिए इन्तजार करना पडेगा।"

प्रार्थीने प्रत्युत्तर दिया, "मैने अरज़ी जान-वूझकर वक्तसे काफी पहले दी थी, ताकि शादीसे पहले मकान जरूर मिल जाये। मै इन्तजार कर सकता हूँ, क्योकि मेरी उम्र अभी सिर्फ ७ वर्ष की है।"

जूनी-पुरानी

"अखवारमे अपनी शादीकी खवर पढकर वुलवुल वडी गुस्सा गयी।"

"क्यो ?"

"दम्पतिके फोटूके नीचे पत्रने लिखा कि 'सुप्रसिद्ध' समाजसेविका कुमारी वुलवुलका विवाह कल श्री विस्मिलके साथ सानन्द सम्पन्न हुआ। श्री विस्मिल जूनी-पुरानी चीजोका सग्रह करनेके वडे शौकीन है।"

पसन्द

नवयुवक "ऐडेना, उस नौजवानका क्या हुआ जो तुम्हारे लिए खूवसूरत-खूवसूरत फूल लाया करता था ?"

ऐडेना "उसने फूलवालीसे शादी कर ली।"

आश्चर्य

"ममी, तुमने डैडीसे शादी क्यों की थी ?"

"तुझे भी ताज्जुब होने लगा !"

भुक्त-भोगी

एक चिरपीडित पति स्वर्गमे आया तो क्या देखता है कि लोमडी वगैरह कितने ही जानवर चिकनी चमडी लिये ठिठुर रहे है और उसकी ओर एकटक देख रहे है ।

उसने पूछा, "आप मुझमे इतनी दिलचस्पी क्यो दिखला रहे है ?"

एक बोला, "हम वह जानवर है जिनकी चमडियाँ तुम्हारी बीवीकी रूँएदार पोशाकोके लिए उधेडी गयी ।"

आदमी बोला, "ओ ! यह बात है। अगर मैं भी आपमे शामिल हो जाऊँ तो क्या आपको कोई ऐतराज है ?"

सेना

मैंने छह बच्चोवाली विधवासे शादी की, पाँच बच्चे मुझे अपनी पहली बीवीसे थे। हमारी शादी हुए चार साल हो गये। इस दौरानमे तीन और हो गये। एक दिन मेरी बीबी दौडी हुई आयी और घबराती हुई बोली, "जरा जल्दी चलो, अहातेमे जग मची हुई है, तुम्हारे बच्चे और मेरे बच्चे हमारे बच्चोको मार रहे है !"

करनी-भरनी

नवयुवक · "श्रीमान्, आपकी पुत्रीने मेरी पत्नी बननेका निश्चय प्रकट किया है।"

पिता "इसके लिए तो तुम्ही अपराधी हो ! दिन-रात उसकी परिक्रमा काटते रहनेका नतीजा और होता भी क्या ?"

बर्थ-कन्ट्रोल

एक शादीशुदा नवयुवती अपनी नयी नौकरानीको खुश करनेके खयाल-से बोली,

"तुम यहाँ हर तरह आराम और सुखसे रहोगी। यहाँ तुम्हे तग करनेके लिए बच्चे भी नही है।"

"पर मुझे तो बच्चे प्यारे लगते है! आप मेरे कारण अपनेको नियन्त्रणमे न रखें।"

दोस्तीमे खलल

पहली · "पुरुषोमें तुम्हारा कोई जिगरी दोस्त भी है?"
दूसरी "था तो, मगर "
पहली "मगर क्या हुआ ? क्या मर गया ?"
दूसरी "नही, उसने शादी कर ली।"
पहली "किससे ?"
दूसरी "मुझसे ?"

खुशी

"मुझे खुशी है कि तुम्हारी शादी हो गयी।"
"तुम्हें खुशी क्यो हो रही है—मैंने तुम्हारा क्या बिगाडा है ?"

क्लर्क

क्लर्क "हुज़ूर, अगर आपको गैर-सुहूलियत न हो तो मुझे अगले हफ्तेकी छुट्टी अता फरमाइएगा।"

अफसर : "क्यूँ चाहिए छुट्टी ?"

क्लर्क "खुदावन्द, मेरी बीवी सुहागरात मनाने जा रही है, और मै उसके साथ जानेका आरजूमन्द हूँ।"

विज्ञापन-छली

किसी पश्चिमी अखबारमे एक विज्ञापन निकला—

"शादीसे पहले हर युवतीको क्या जानना चाहिए। सचित्र"

बडी भारी माँग हुई! हर एकके पास पाकशास्त्रकी एक किताब पहुँच गयी।

घरकी शादी

"तुम्हारे घरानेमे सबसे शानदार शादी किसकी हुई है?"

"सिर्फ मेरी बीवीकी।"

शादी

"मै जानता हूँ शादी एक गम्भीर कदम है।"

"कदम नही मजिल! जिससे हर कदमपर नाकमे दम आता है!"

नादानी

"पिताजी, मै चाहता हूँ कि मेरी शादी हो जाये।"

"नही बेटे, अभी तुममे काफी समझ नही आयी।"

"काफी समझ कब आयेगी?"

"जब तुम यह खयाल छोड दोगे कि मेरी शादी हो जाये।"

सुख

मित्र: "जब तुम अविवाहित थे तो बडे दुखी थे, अब तो मजेमे हो? विवाहित जीवन कैसा होता है?"

नव विवाहित: "भाई, बहुत अच्छा होता है। पहले तो घर-बाहर सभी जगह दुखी था, लेकिन अब तो घरसे निकलते ही सुख मालूम होता है।"

दुखद ज्ञान

एक नव-विवाहित दम्पतिको बहुत-सी चीजें भेंटमें मिली। उपनगरमें वे अपना घर बसाकर सुखसे रहने लगे। नजरानोका सिलसिला अभी जारी था। एक रोज उनके पास ड्रामेके दो टिकिट आये, साथमें एक पत्र भी था जिसमें लिखा था "बताइए तो किसने भेजी है ?"

नियत रात्रिको वे थ्येटर गये और बडी देरसे लौटे। यह देखकर उनको बडा धक्का लगा कि घरकी तमाम कीमती चीजें गायब हैं!

ड्रॉइङ्-रूमकी एक टेब्लपर यह पुरज़ा था—"अब आप जान गये।"

नाशादी

कॉलेजसे आया हुआ एक विद्यार्थी अपने घरसे आया हुआ पत्र पढ रहा था,

"मैं और तेरी माँ एक जगह बैठकर यह खत लिख रहे हैं। तू अब विवाह ज़रूर कर ले। गृहस्थाश्रमके सुखका क्या वर्णन करें!"

पुनश्च "तेरी माँ अभी यहाँसे बिना कारण गुस्से होकर चली गयी है। मेरी सलाह माने तो शादी हरगिज न करना, ब्रह्मचारी ही इस दुनियामें सच्चा सुखी है।"

दूने पाठक

कवि सगर्व अपने मित्रसे बोला,

"मेरी कविताको अब दूने लोग पढते हैं!"

मित्र : "अच्छा! तुम शादी कर लाये और मुझे खबर भी न दी ?"

बोलती बन्द

"मैं कमसुखुन आदमी हूँ।"

"मैं भी शादीयाफ्ता हूँ।"

तलाकका कारण

वकील "लेकिन क्या सुहागरातके रोज ही तलाक लोगी ? आखिर तुम लोगोमे झगडा कब हुआ ?"

नयी दुलहिन : 'गिरजाघरमे ही उसने रजिस्टरमे मुझसे बडे अक्षरोमे दस्तखत किये ।"

सुहागरात

एक युगल सुहागरात मनाने जा रहा था । आनन्द-विभोर दूल्हेने एक टिकिट खरीद ली । उसकी दुलहिनने याद दिलायी, "अरे, तुमने तो एक ही टिकिट खरीदी है ।" तो नौशा मियाँ होशमे आकर बोले,

"तुमने ठीक याद दिलायी प्रिये! मैं अपनेको बिलकुल भूल गया था।"

तलाक

"उनके तलाकका क्या कारण था ?"

"उनकी शादी ।"

पूर्ति

"सुना है उन्होने समानताके आधारपर शादी की है ।"

"हाँ, वह आधा मदहोश था, वह आधी होशमे ।"

चिरकुमारी

एक प्रौढा कुमारीसे जब कोई उसके विवाहित न होनेपर दु ख प्रकट करता तो वह तिनककर कहती,

"गुर्रानेके लिए मेरे पास कुत्ता है, झूठी कसमे खानेके लिए तोता है, धुंआ उगलनेके लिए अँगीठी है, रात-भर घरसे बाहर रहनेके लिए बिल्ली है, मुझे पति किसलिए चाहिए ?"

जवाव-सवाल

ही · "मै हफ्तोसे तुमसे एक सवाल पूछना चाहता रहा हूँ।"

शी "और मै महीनोसे उसका जवाव लिये वैठी हूँ।"

अयोग्य वर

कन्याकी माँ "मेरी लडकीको गाना, वजाना, नाचना, तैरना और कार चलाना भी आता है।"

वरकी माँ : "पर मेरे लडकेको खाना पकाना, वरतन माँजना, कपडे धोना और वच्चे खिलाना नही आता।"

वखुशी

पिता "वेटी, उस युवकने तेरा पाणिग्रहण करनेकी इजाजत चाही, मैने अनुमति दे दी है।"

लडकी "पर पिताजी, मैं माँको नही छोडना चाहती।"

पिता "यह मै जानता हूँ, विटिया, मै तुम्हारी खुशीमे वाधक नही वनूँगा, अपनी माँको भी अपने साथ लेती जाओ।"

रजत-लग्न (सिलवर-मैरिज)

"भई, यह रजत-लग्न क्या होती है जिसे आज हम यहाँ देख रहे है?"

"ओ आप नही जानते! मेरे चाचा और चाची विना अलग हुए २५ वर्ष तक साथ रहे है।"

"अहा! और अव शादी कर रहे है!! कमाल है!!"

शादीका लैसन्स

ही "शादीके लैसन्समे मेरा क्या खर्चा पडेगा?"

शी "दो डालर, और जिन्दगी भर तककी आमदनी।"

विचित्र विल

बोस्टन शहरके एक कुँवारेने उसके साथ शादी करनेसे इनकार करनेवाली तीन स्त्रियोको अपनी मिल्कियत बाँट देनेके लिए लिखा और बतलाया कि, "अगर वे मेरे साथ शादी कर लेती तो अविवाहित जीवनकी सुख-शान्तिका अनुभव न कर सकता।"

चर्म-योगी

ही "मुझे ताज्जुब होता है कि औरते अपने दिमागकी अपेक्षा अपने रूपपर क्यो ज्यादा ध्यान देती है ?"

शी "क्योकि मर्द चाहे कितना ही बेवकूफ हो, अन्धा नही होता।"

द्रव्य-दारा

"तुम कितनी आमदनीसे मेरी पुत्रीकी परवरिश करोगे ?"

"पाँच हजार सालानापर।"

"ओ, यह बात है, तब तो पाँच हज़ारकी उसकी निजी आमदनीको मिलाकर तुम लोग शानसे "

"उसे मैने हिसाबमे ले लिया है।"

भरी परी

ही "शादीके वक्त मैंने समझा था कि तुम परी हो।"

शी . "सो तो साफ जाहिर है। आपने सोचा था कि मै कपडे-लत्तो के बगैर भी चला लूँगी।"

स्वर्गमे शादी

शिशु "पिताजी, स्वर्गमे शादियाँ क्यो नही होती ?"

पिता "बेटा, शादियाँ हो तो फिर वह स्वर्ग ही न रहे।"

दो फैसले

पहली . "मैने फैसला कर लिया है कि जबतक २५वर्षकी नही हो जाऊँगी, शादी नही करूँगी।"

दूसरी "और मैने फैसला कर लिया हैं कि जबतक शादी न कर लूँगी २५ वर्षकी हूँगी ही नही।"

सूची

प्रेमी . "किसी दिन मेरी शादी तुम्हारे साथ हो जाये तो कैसा अच्छा हो।"

नटी "अच्छी बात है, मै तुम्हारा नाम अपनी विवाह-सूचीमें लिख लूँगी।"

दबाव

पिता : "अगर तुमने उस नर्तकीसे प्रेम करना न छोडा तो मै तुम्हारा माहवार खर्चा भेजना बन्द कर दूँगा।"

लड़का "अगर आपने उसे दूना न कर दिया तो मै उससे शादी कर लूँगा।"

दो बटे तीन

"तो चची ईथिलने शादी ही नही करायी ?"

"एक बार उसकी दो तिहाई शादी हो गयी थी। वह थी, पुरोहित था, पर उसका होनेवाला पति आया ही नही।"

सपना

"क्या तुम सपनोमे विश्वास करते हो ?"

"विवाह होनेसे पहले करता था, पर अब नही।"

शादी न करना !

एक प्रोफेसर साहब अपनी शादीके लिए जानेवाले थे। मगर ट्रेन चूक गये। चुनांचे उन्होने अपनी होनेवाली बीवीको तार दिया, "गाडी चूक गयी है, जबतक आ न जाऊँ शादी न करना।"

विवाहित

"आप कुँवारेको बजाय विवाहित आदमीको अपनी मुलाजिमतमे क्यो रखना चाहते है ?"

"क्योकि मेरे भला-बुरा सुनानेपर विवाहित आदमी भडकता नही।"

शादी या बरबादी

प्रेमिका "प्यारे ! तुम्हारे दुःखोमे साथ देना मेरा परम सुख होगा।"

प्रेमी "मगर प्रिये, मुझे तो कोई दुःख नही है।"

प्रेमिका "अभी नही। जब मेरे साथ तुम्हारी शादी हो जायेगी तबकी बात कहती हूँ।"

नम्बर प्लीज

यह "ज़रा मेरा तात्पर्य तो समझो ! मै मैं मै तुम्हारे साथ शादी करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि तुम मेरे बच्चोकी माँ बनो।"

वह "कितने बच्चे है आपके ?"

सह-शिक्षा

"कोई ऐसी अच्छीसे-अच्छी संस्था बताइए जहाँ स्त्री-पुरुष साथ-साथ शिक्षा पाते हो।"

"विवाह।"

सम्यक् बुद्धि

पुत्र "पिताजी, कल मैंने सपनेमे देखा कि मेरा विवाह हो रहा है, उस समय एकाएक मै विवाह-वेदीसे उठ बैठा और कहने लगा, 'मैं विवाह नही करूँगा' और फिर मैंने विवाह नही किया।"

पिता "इसका अर्थ यह है कि सोतेमें तुम्हारी वुद्धि जागतेकी वनिस्वत ज्यादा ठीक रहती है।"

दूसरी शादी

"तुम अपनी दूसरी शादी क्यो नही कर लेते ?"

"इसके चार कारण है।"

"वे क्या ?"

"तीन लडकियाँ और एक लडका।"

विवाहकी शर्त

एक वम्वइया नौजवान अपने दोस्तसे बोला, "जो खोली मिले तो फौरन् विवाह कर लूँ।"

उसके दोस्तने सलाह दी, "पहले शादी तो कर ले, फिर ससुरके यहाँ ही डेरा डालना न।"

"अरे, यह नही हो सकता; मेरे होनेवाले ससुर अपने ससुरके यहाँ फैले हुए है।"

वापस

"तुमने अपनी सगाई क्यो तोड दी ?"

"हम एक मकान देख रहे थे, मेरी होनेवाली सास बोली कि यह तीन आदमियोके लिए छोटा रहेगा, यह सुनकर मैंने शादीका [illegible] तोड दिया।"

जीवन-तत्त्व

" 'रुको, देखो, सुनो' इन तीन शब्दोमे जिन्दगीको सारी फिलॉसफी समायी हुई है।"

"कैसे ?"

"तुम एक सुन्दरीको देखकर रुकते हो, उसे देखते हो, और उसके प्रेममे पड़कर शादी करके ज़िन्दगी-भर उसे सुनते रहते हो।"

सुखका दिन

"मै तुम्हे मुबारकबादी देना चाहता हूँ। आजका दिन तुम्हारे सुख-पूर्ण दिनोमे-से एक है।"

"लेकिन मेरी शादी तो कल है।"

"इसलिए तो कहता हूँ कि आजका दिन तुम्हारे सुखपूर्ण दिनोमे-से एक है।"

फ़ारवर्ड

एक पादरी साहब अपने रविवारीय प्रवचनके बाद गिरजाघरमे बोले, "अब जो लोग विवाहके पवित्र बन्धनमें बँधना चाहते है, आगे आ जायें।"

तेरह औरतें और एक आदमी वेदीके पास आकर खड़े हो गये।

महाकल्याण

भावी पत्नी : "प्रियतम! हमारी शादीपर मेरे पिता दस हजारका चेक देनेवाले हैं।"

भावी पति "तब तो हम शनिवारकी सुबह ही शादी कर डालें।"

"क्यो ?"

"क्योकि रविवारको बैंक बन्द रहता है।"

महाजागरण

"जब हमारी शादी हो गयी, तो मै अपने पतिको हर-सुबह चूमकर जगाती थी।"

"और अब ?"

"अब तीन महीनेके बाद वे अलार्म घडी ले आये है।"

शान्ति-मार्ग

"तुम कहते हो कि बीबीसे तुम्हारा कभी झगडा नही होता ?"

"कभी नही, वह अपने रास्ते जाती है और मै उसके रास्ते जाता हूँ।"

लम्प सम

"समझमे नही आता कि तुम अपने पतिसे पैसे कैसे ले लेती हो !"

"आसानीसे ! मै सिर्फ कहती हूँ 'मै तो मायके जाती हूँ', और वह फौरन् भाडा मेरे हाथपर रख देता है।"

हार

वक्ता "कोई आदमी गलतीपर हो और गलती मान ले वह अक्ल-मन्द है, लेकिन जो आदमी सही होनेपर भी अपनेको गलत मान ले वह—"

"शादीयाफ्ता है," श्रोताओमे-से मन्द आवाज आयी।

बदतर

मेरिया "मैने विलियमसे शादी करनेका फैसला कर लिया है।"

ग्लोरिया . "क्या कहती हो ! वह 'डबल लाइफ' बसर न करे तो शर्त बद लो।"

मेरिया "लेकिन अगर मैने उनसे शादी न की तो मुझे तो 'सिंगल लाइफ' बसर करनी पड जायेगी। यह तो उससे भी बदतर बात होगी।"

विस्मरण

एक बहु-विवाहित हॉलीवुड अभिनेतासे एक सुन्दरी मिलने आयी। बोली,

"मुझे भूल तो नहीं गये न ? दस वर्ष हुए आपने मुझसे कहा था कि मेरे साथ शादी कर लो !"

"यूँ के ?" अभिनेताने जम्हाई लेते हुए कहा, "फिर की थी क्या आपने मुझसे शादी ?"

शुभ

"क्या आपके विचारसे शादीका टालना अशुभ है ?'

"टालते ही रह सको तो अशुभ नहीं।"

सुधार

शौहर (लडाईके बाद तानेसे) : "मै बडा बेवकूफ था कि तुमसे शादी की।"

बीबी : "मै यह जानती थी, मगर मेरा खयाल था कि तुम शायद सुधर जाओगे।"

पति

"मै किसी विधवाका दूसरा पति होना कभी पसन्द नही करूँगा।"

"मै तो पहले पतिकी बजाय दूसरा पति होना ही पसन्द करूँगा।"

कालगति

पिता · "बेटी, उसके साथ शादी करनेका खयाल छोड दो वह तो सौ रुपये महीने भी नही कमाता।"

बेटी · "लेकिन पिताजी पारस्परिकतामें तो महीना चुटकी बजाते गुजर जाता है।"

परिचय-प्राप्ति

"देखा इनको ? दो हफ्तेकी भी जान-पहचान न होगी कि शादी रचा रहे है।"

"परिचय प्राप्त करनेका यह भी एक तरीका है।"

सीमा

आशिक (भावावेशमे) "लीना, क्या तुम मेरे साथ शादी करोगी ?"

लीना . "जरूर"

यह सुनकर प्रेमी मौनके ससारमें खो गया, आखिर अकुलाकर लीना बोली,

"प्रिय ! तुम कुछ बोलते क्यो नही ?"

आशिक "मेरे खयालसे बहुत कुछ बोला जा चुका है।"

सिद्धान्त

शादीसे पहले बच्चोकी परवरिशपर मेरे पास छह सिद्धान्त थे, परन्तु अब मेरे यहाँ छह बच्चे है—और कोई सिद्धान्त नही।

नफा-नुकसान

पत्नी · "अब मुझे इत्मीनान हुआ—उसने मेरे बापका धन देखकर ही मुझसे विवाह किया था।"

पडोसिन : "तुम तो उस दिन कहती थी कि उसे नफा-नुकसानका कुछ भी भान नही है।"

पागलपन

"क्या पागलपन तलाकका कारण है ?"

"नही, वह विवाहका कारण है।"

सुखी या विवाहित

"कल सतीशने मुझसे कहा कि मेरे साथ शादी कर लो और मुझे दुनियाका सबसे सुखी आदमी बना दो।"

"तूने क्या तय किया? उसके साथ शादी करना या उसे सुखी बनाना?"

बचना

एक पादरी साहब, जो पहले कभी मजिस्ट्रेट रह चुके थे, गिरजाघरमे एक शादीकी रस्म अदा करा रहे थे।

"क्या तुम इस शख्सको अपना पति बनाओगी?"

कन्या "जरूर बनाऊँगी।"

पादरी (वरसे) "तुम्हे अपने बचावमे क्या कहना है?"

आधी शादी

"आपकी शादी हो गयी है?"

"आधी हो गयी है, आधी नही हुई।"

"वह कैसे ?"

"मै तो तैयार हूँ, दूसरे पक्षवाला कोई तैयार नही होता।"

दिल-पसन्द

एक स्कॉटने अपनी पसन्दकी लडकीसे शादीका प्रस्ताव फोनसे भेजा। सारे दिन इन्तज़ार करनेके बाद रातको स्वीकृति-सूचक जवाब आया।

ऑपरेटर बोला, "अगर आपकी जगह मै होता तो ऐसी लडकीसे शादी करना कभी पसन्द न करता जो मुझे सारे दिन इन्तज़ारमे रखे।"

स्कॉट बोला, "ना, ना! पर मेरे पसन्दकी लडकी तो वही है जो रातके रेटका इन्तज़ार करे।"

शादमानी

"ईश्वर अगर खुश होकर तुम्हे महाराजा बना दे तो तुम क्या करो ?"

"हर साल एक शादी ।"

बड़े भाग

"समझमे नही आता कि डोनल्ड-सरीखे सुन्दर युवकने अपनेसे बीस साल बडी एक बदशक्ल औरतसे शादी क्यो की ?"

"नोटोका चाहनेवाला उनकी तारीखें नही देखा करता ।"

स्वर्गमे शादियाँ

"तुम्हारी कुमारी चची बडे आनन्दमे मरी ।"

"हाँ, किसीने उससे कह दिया था कि शादियाँ स्वर्गमे होती हैं ।"

अखिरी बेवकूफ़ी

दुलहिन "आशा है कि अब तुम सुधर जाओगे ।"

दूल्हा · "निश्चित रूपसे ! यह मेरी अन्तिम मूर्खता है ।"

दम्पति

●

हमराही

"तुम अपनी पत्नीसे कभी एकमत भी हुए ?"

"हुआ था एक बार। जब हमारे घरमे आग लग गयी तो हम दोनोंने सामनेके दरवाज़ेसे एक साथ निकलना चाहा।"

बेचारा

पत्नी (पतिको रुष्ट देखकर) : "क्यो क्या बात हुई ?"

पति "तुम जानती हो कि मुझे तुम नीची एडीके जूते पहने अच्छी नही लगती।"

पत्नी "जब आपने दिलाये थे ये ऊँची ही एडीके थे।"

चिन्ता

"क्यो ? ऐसे चिन्तित क्यो नज़र आते हो ?"

"श्रीमतीके कारण !"

"किसलिए ?"

"उसने कसम खायी थी कि पच्चीस दिन तक मुझसे नही बोलेगी।"

"इसमे चिन्तित होनेकी क्या बात है ?"

"आज पच्चीसवाँ दिन पूरा हो रहा है !"

कविता

प्रशसक (नवविवाहित युवतीसे) · "आपकी पोशाक तो एक कविता है।"

लेखक पति · "एक कविता नही, सोलह कविता, पांच छोटी कहानियां और नौ लेख ।"

चित-पट

पत्नी . "इस झगडेके निपटनेकी दो ही सूरतें है ।"

पति "सुनूँ तो।"

पत्नी : "हम दोनो मान लें कि मै ही ठीक हूँ ।"

पति "या ?"

पत्नी "हम दोनो मान ले कि तुम गलत हो ।"

फैसलाकुन

"कल मुझमे और मेरी गृहिणीमें बहस हो गयी । मै ताश खेलना चाहता था और वह सिनेमा चलनेकी ज़िद करती थी ।"

"सिनेमा कैसा निकला ?"

शक्ति

"क्या तुम्हारी पत्नीका चित्र सजीव है ?"

"सजीव ! जब-जब देखता हूँ उछल पड़ता हूँ ।"

वागद खामोशी

"डॉक्टर, "मैं अपने खाविन्दसे घण्टो बोलती रहती हूँ, मगर वह कुछ जवाब नही पाती, उसे खफकान तो नही है ?"

"खफकान नहीं, मेम साहिबा, यह तो वरदान है !" डॉक्टर बोला ।

फैशन

पत्नी · "क्या कोई नयी फैशनकी साडी निकली है ?"

पति : "नही, वही दो फैशन है—एक तो वह जो तुम्हे पसन्द नही है, दूसरी वह जिसके खरीदने लायक मेरे पास पैसे नही है।"

स्मृति-चिहन

"प्रतीत होता है कि आप अपने लॉकिटमे कोई स्मृति-चिह्न धारण किये हुए है।"

"हाँ, इसमे मेरे पतिके बालोकी लट है।"

"परन्तु आपके पति तो अभी जीवित है।"

"हाँ, पर उनके बाल चले गये हैं।"

अमूल्य

"आप अपने पतिको इस जन्म-दिनपर क्या भेट दे रही है ?"

"सौ सिगरेट।"

"कितनेको पडी ?"

"मुफ्तमे ! मै उनके बक्ससे एक-दो निकाल लिया करती थी। और फिर अपनी पसन्दकी सिगरेट पाकर वो और भी खुश होगे !"

ग़ैर ज़रूरी

बीबी "ज़रा, 'उल्टे बाँस बरेलीको' का मतलब बतलाइए।"

खाविन्द "कोई ऐसा काम करना—जो ज़रूरी न हो।"

बीबी "कोई जानी-पहचानी नज़ीर देकर समझाइए।"

खाविन्द "मतलन् अगर मै तुम्हारे लिए कोई बोलना सिखानेवाली किताब लेकर घर आऊँ तो यह 'उलटे बाँस बरेलीको ले जाना' कहलायेगा !"

स्त्री-पुरुष

स्त्री (सरोष) : "पुरुषोंके तो दिमाग ही नही होता। उनसे कोई बात कहो तो एक कानमे अन्दर जाती है, दूसरेसे बाहर निकल जाती है।"

पुरुष : "होता होगा ऐसा, लेकिन अगर स्त्रीसे कोई बात कहो तो वह दोनो कानोंमें जाती है और मुँहसे निकल जाती है।"

अर्थशास्त्री

एक अर्थशास्त्री अपनी जीवन-सङ्गिनीको बैंकोकी वर्तमान ब्याजदर बतलाकर, देशकी आर्थिक दुरवस्था और उसके उपायोंपर प्रवचन दे चुके तो उनकी धर्मपत्नी बोली,

"महान् आश्चर्य है कि आप-सरीखा अर्थतन्त्रका ज्ञाता इस कदर निर्धन है।"

बलाये-नागहानी

क्लर्क . "मुझे अफसोस है मैडम, कि फर्लो साहब अभी अपनी बीबीको साथ लेकर खाना खाने चले गये है।"

श्रीमती फर्लो . "तो उनसे कह देना कि आपकी 'स्टेनोग्राफर' आयी थी।"

अन्दाजा

पुत्र और पत्नीकी ओर नजरोंसे देखते हुए वह बोला, "इन रुपयोंसे मेरी जेबसे पैसे निकाले है!"

पत्नी : "आप ऐसा कैसे कह सकते है? यह भी तो हो सकता है कि मैंने निकाले हों।"

पति . "नहीं, तूने नहीं लिये, क्योंकि जेबमें अभी कुछ पैसे बचे हुए है!"

बेखुदी

पत्नी "नही जी, मै आपको लिखनेवाली मेज़पर भोजन नही करने दूँगी।"

प्रोफ़ेसर "क्यो प्राणेश्वरी, इसका कारण ?"

पत्नी "कारण ? कारण यह है कि कल आप दूधसे लिखने लगे थे और रोशनाई पी गये थे !"

युद्ध

पुत्र · "पिताजी, युद्ध कैसे शुरू होते है।"

पिता "इस तरह, मान लो अमेरिका और इग्लैण्डमे झगडा हो गया, और "

माँ "लेकिन इग्लैण्ड और अमेरिकाको झगडना नही चाहिए।"

पिता "मै जानता हूँ—लेकिन मै तो एक फरर्जी मिसाल ले रहा हूँ।"

माँ "तुम बच्चेको बहका रहे हो।"

पिता "नही, मैं बहका नही रहा · "

माँ "जरूर बहका रहे हो ·· "

पिता "मैं कहता हूँ मै नही बहका रहा ! यह तो तुम्हारी धीगा-मुश्ती है ·· "

पुत्र "ठीक है, पिताजी। भडकिए नहीं, मै समझ गया कि युद्ध किस तरह शुरू होते है।"

पाकिटमार

"कल एक जेबकतरेने मेरी जेब कतरनी चाही, लेकिन मेरी पत्नीने बचा लिया।"

"तो क्या वह उससे भिड पडी या चिल्लायी ?"

"नही रे ! उसने एक रात पहले मेरी जेबोको टटोल रखा था।"

चान्स

पति : "मुझे अपने ड्राइवरको 'डिसमिस' करना पड़ेगा, कमबख्तने चार बार मेरी जान ले ली होती!"

पत्नी "उसे एक मौका और दीजिए!"

ट्रबल-इन-स्टोर

"मुझे बड़ी चिन्ता है, बारिश हो रही है और मेरी बीबी शहर गयी है।"

"फिक्र क्यूँ करते है, किसी स्टोरकी शरण ले लेंगी।"

"अरे! यही तो फिक्र है!"

ओ के.

"आप और आपकी पत्नी जब कभी छुट्टियोंमें बाहर जाते है तो प्रोग्राम कौन तय करता है?"

"बिला शक मैं निश्चित करता हूँ, वह तो महज अपनी पसन्दकी जगह भर बता देती है और मैं कह देता हूँ—'ठीक है! यही तय रहा!'"

बोधपाठ

बसकी भीड़में एक अधेड़-महाशय एक सुन्दरी नवयुवतीसे सटे हुए रहनेके कारण फूले नहीं समा रहे थे, यह देखकर उनकी धर्मपत्नी मन ही मन जली-भुनी जा रही थी, जब बस रुकी तो एका-एक नवयुवतीने उतरते-उतरते अधेड़-मियाँके गालपर तड़ाकसे चाँटा रसीद किया और बोली, "यह लो परायी स्त्रीके चुटकी काटनेका फल!"

अधेड़-मियाँ भौंचक्केसे रह गये, सफाई देते हुए अपनी स्त्रीसे बोले, "मैंने 'मैंने उसके नहीं चूँटा था!"

उनकी श्रीमतीजीने बड़बड़ाते हुए कहा, "कोई बात नहीं, असलमें मैंने चूँटा था उसे, आपको सबक सिखानेके हेतु!"

ख़तरनाक

एक देवीजी पागलख़ानेके सुपरिण्टेण्डेण्टसे बोली, "अरे बाप रे! बरामदेमे जो औरत हमे मिली कैसी कहर-आलूदा निगाहोसे देखती थी, ख़तरनाक मालूम होती है!"

"हाँ, है तो कभी-कभी ख़तरनाक ही!" सुपरिण्टेण्डेण्टने टालनेकी गरज़से कहा।

"लेकिन आप उसे इतनी स्वतन्त्रता देते ही क्यो है?"

"क्या करूँ कोई चारा नही!"

"पर क्या वह पागलख़ानेमे नही रहती, आपके कण्ट्रोलमे?"

"न वह पागलख़ानेमे रहती है, न मेरे कण्ट्रोलमे। वह मेरी बीवी है!"

चोर

"कल दो बजे रातको जब मै क्लबसे घर आ रहा था तो मेरे मकान मे चोर घुसा था।"

"तो उसे कुछ मिला भी?"

"हाँ, जो कुछ मिलना था सो उसे मिल गया।"

"क्या मतलब?"

"यही कि, मेरी बीवीने समझा कि मै हूँ, फिर क्या पूछना था! वह बेचारा अस्पतालमे है!"

अभिप्राय

नई-पत्नीसे उसके पतिने पूछा,

"मेरे रिश्तेदारोके बारेमें तुम्हारा क्या अभिप्राय है?"

पत्नीने मन्दस्मितके साथ शर्माते-शर्माते जवाब दिया,

"अपनी सासकी अपेक्षा मै आपकी मानको अधिक चाहती हूँ।"

फिरसे गा !

पत्नी "मैं अभी गा रही थी कि किसीने खिडकीमे-से जूता फेंका !"

पति "ऐसा हुआ ? तो फिरसे एक बार गा। शायद दूसरा जूता भी फेंके और हमे पूरा जोडा मिल जाये !"

थर्मोमीटर

डॉक्टर : "देखिए, इस थर्मोमीटरको अपनी स्त्रीकी ज़बानके नीचे रख दीजिएगा और उनसे कहिए कि आधे-मिनिट तक मुँह न खोले !"

पति . "अगर हो तो आधे-घण्टे वाला थर्मोमीटर दे दीजिए !"

मर्मज्ञा

पति "प्रिये, मैं एक बहुत ही जरूरी कामसे एक जगह जा रहा हूँ, मैं बहुत ही जल्द, बस आध घण्टेमे वापस आ जाऊँगा, क्योकि तुम जानती ही हो कि तुम्हारे बिना मुझे एक मिनिट भी चैन नही मिलता ! मगर शाम हो गयी है। इसलिए मुमकिन है मुझे वहाँ देर हो जाये और रात ज्यादा हो जानेकी वजहसे आज लौट ही न सकूँ, तो मैं वहाँसे किसी आदमीके हाथ तुम्हारे पास खत लिखकर भेज दूँगा !"

पत्नी : "खत भेजनेकी कोई जरूरत नही है, उसे मैंने पहले ही से तुम्हारी जेबसे निकाल लिया है !"

अक़्लमन्द पति

पत्नी "क्यो जी, इतनी देर कहाँ रहे ?"

पति "देखो, तुमने फिर गलती की ! अक्लमन्द पत्नी अपने पतिसे ऐसी बातें नही पूछती।"

पत्नी . "मगर अक्लमन्द पति तो अपनी पत्नीसे ·····!"

पति : "रहने भी दो, अक्लमन्द पतिके पत्नी होती ही नहीं !"

शर्म

पति (क्रोधसे) "तीस रुपयेकी साडी लाते हुए तुम्हें शर्म आनी चाहिए थी।"

पत्नी (प्यारसे) "क्या बताऊँ ? शर्म तो मुझे बडी आयी, लेकिन आपकी आमदनीका ख्यालकर सिर्फ तीसकी ही लायी हूँ !"

भाडमे

एक आदमीकी औरत बडी कर्कशा थी, एक रोज़ रातको घर पहुँचने मे देर होती देख उसका दोस्त बोला, "आज तो भाभी अच्छी तरह इत्र-पान करेगी तुम्हारा !"

"आज उसके मुँहसे अगर पहला शब्द 'प्रियतम' न निकले तो मै उसका खाविन्द नही !"

"अच्छा चलो देखे।"

दोनो घर पहुँचे, पतिने दरवाजा खटखटाते हुए कहा,

"प्रियतम आ गये है।"

"प्रियतम गये भाडमे" अन्दरसे आवाज़ आयी।

"देख ले ! नही कहा था मैंने तुझसे ?" उसने अपने दोस्तसे धीमे-से कहा।

कायर

एक बडा वीर पुरुष था। वह शेर पाला करता था। उसकी स्त्रीको इस बातमे सख्त चिढ थी कि उसका पति रातको देरसे घर लौटे ! मगर एक रात उसे बडी देर हो गयी। डरके मारे घर न आकर अपने शेरके पिंजडेमें घुस गया और शेरका तकिया बनाकर सो गया !

अगले दिन उसकी बीबी ढूँढते-ढूँढते वहाँ पहुँची, पतिको शेरके पिंजडे में सोता देखकर नफरतसे बोली, "बुज़दिल कहीका !"

मूलमे भूल

पत्नी . "आप अपना दर्जी बदल डालिए। देखिए, उसने आपके कोटके बटन इतने ढीले टाँके है कि मै खुद उन्हें आठ बार टाँक चुकी हूँ, फिर भी निकल आये है।"

धोखा

जज "तुमने अपने पतिको धोखा दिया ?"

स्त्री "जी नही, हुजूर ! बल्कि इसीने मुझे धोखा दिया। इसने मुझसे कहा था कि मै दस दिन बाद आऊँगा मगर आ गया उसी रातको।"

बेवफ़ा

पत्नी "क्यो डीयर ! अगर मै कल मर जाऊँ तो तुम क्या करोगे ?"

पति "वही जो मेरे मरने पर तुम करती।"

पत्नी "वाह ! तो उस दिन तुम झूठी ही शेखी बघार रहे थे कि तुम कभी दूसरा विवाह न करोगे !"

सपनेकी बातें

पत्नी "कल रात मैने सपना देखा कि मै और आप किसी गहनेवाले की दूकान पर गये है। वहाँ मेरे लिए ."

पति "पर ये बाते तो सपनेकी है।"

पत्नी "आपने एक गहना खरीद दिया, तभी मैने समझ लिया कि यह सब सपना है।"

नाटी

रघुवीर "भाई घनश्याम, तुम्हारी स्त्री तो बहुत-ही नाटी है !"

घनश्याम "भाई मेरे, बला जितनी छोटी हो उतनी-ही अच्छी !"

आकुल-व्याकुल

"मैं उसके पास न होऊँ तो मेरी पत्नी व्याकुल हो जाती है।"

"मेरी धर्मपत्नी भी इसी तरह मेरा विश्वास नही करती।"

दो दो

"अफसोस है कि मेरे पतिको हमारी शादीकी तारीख याद नही रहती।"

"भुलक्कड तो मेरे पति भी है, पर मै उन्हे जनवरी और जुलाईमें याद दिला देती हूँ और इस तरह दो बार भेट ले लेती हूँ।"

सच बताना

पत्नी "सच बताना, तुमने शराब पीना कैसे छोडा ?"

पति "एक बार तेरा भाई छुट्टियाँ गुजारनेके बहाने हमारे यहाँ आया। 'रेशन'के जमानेमें भी घर छोडनेका नाम न ले। एक रोज़ मैं पीकर घर आया तो मुझे वह एकके बदले दो दिखने लगा। तभीसे मैंने शराब छोड दी।"

ख्वाबकी ताबीर

पत्नी "कल मैने सपना देखा कि आपने मुझे आज साडी ख़रीदनेके लिए उदारतापूर्वक दो सौ रुपये दिये, आशा है आप ऐसी कोई बात नही करेंगे जिससे मेरा सुन्दर सपना टूट जाये।"

पति "कभी नहीं, तुम उन दो सौ रुपयोको शौकसे अपने पास रखो।"

विश्वकोश

"यह विश्वकोश आपको दुनियाकी सब बातें बतलायेगा !"

"जरूरत नहीं है, वह तो मेरी बीबी सब बतला देती है, उसके अलावा भी बहुत कुछ।"

क्या करें ?

पत्नी . "तुमने सोचा है कि अगर तुम्हे 'रॉकफैलर' की आमदनी हो तो तुम क्या करो ?"

पति "नही, लेकिन यह मै अक्सर सोचता हूँ कि रॉकफैलरको मेरी आमदनी हो तो वह क्या करे ।"

राज़दाँ

"जो होता है मै अपनी पत्नीको सब सुना देता हूँ ।"

"और मै अपनी पत्नीको वो बेशुमार बाते सुनाता हूँ जो कभी नही होती ।"

उलटा चोर

एक देवीजीकी कार अकस्मात् विगड गयी । वह गैरेजमे पहुँची और परेशानीके आलममे बोली,

"क्या तुम आगेके 'फैन्डर' इस तरह लगा सकते हो कि मेरे पतिदेवको पता न चल पाये ?"

अनुभवी गैरेजवाला बोला, "ऐसा तो नही कर सकते, मगर हाँ इस तरह जरूर बिठा सकते है उन्हे कि—कल आप अपने पतिसे पूछ सकें, 'गाडीकी यह दुर्दशा कैसे कर डाली आपने ?' "

काल-क्षेत्र

पत्नी "आप स्टेशन जा रहे है तो ज़रा वहाँकी घडीका ठीक वक्त लेते आना ।"

पति . "पर वहाँ घड़ी है कहाँ, सुधरने गयी है ।"

पत्नी : "तो स्टेशनमास्टरकी घडीका टाइम ही एक कागज़पर लिखते लाना ।"

भला आदमी

"मेमसाहिबा, आपके स्वर्गीय पतिका समाधि-लेख क्या रहे ?"

"मैं कोई भावनात्मक, खुराफाती चीज़ नहीं चाहती, वह मुख्तसर और सादा हो जैसे—'विलियम जॉन्स्टन, उम्र ८५ वर्ष। भले आदमी जल्दी मर जाते हैं।' "

मतभेद

"क्या आपकी पत्नीके साथ आपका मतभेद भी होता है ?"

"जरूर होता है, लेकिन मैं उसे उसपर प्रकट नहीं होने देता।"

औरतकी जात

बाबा आदम जंगलमें सैर करने गये थे, बड़ी देरसे लौटे, हव्वा बोली, "कहाँ थे इतनी देरसे ? कहाँ रमते थे ? आप मुझसे छिपाते हैं, रास्तेमें जरूर कोई मिल गयी होगी।"

"पर तू जानती है कि इस दुनियामें हम दोनोंके सिवाय कोई मानव-प्राणी नहीं है।" यूँ सफाई देकर आदम सो गये। जब उन्हें नींद आ गयी तो शंकाशील हव्वाने उनकी पसलियाँ गिनना शुरू कर दी।

सुहागरात

पहली : "सखी मुबारक हो, कल तो तुम अपने पतिसे मिली होगी कहो कैसे आदमी हैं ?"

दूसरी : "आदमी नहीं उल्लू हैं।"

पहली : "क्यों ? क्यों ?"

दूसरी : "कल उनके आनेसे पहले मैंने अपने कमरेके लैम्पकी बत्ती जान-बूझकर नीचे गिरा दी थी, मगर वे आकर सारी रात उसीको ठीक करते रहे !"

चिन्ता-चिता

"मेरे पतिकी तन्दुरुस्ती बहुत गिर गयी है, डॉक्टर ।"

'धन्धेकी चिन्ता रहती है क्या ?'

"ना, यह वजह नही हो सकती, धन्धा तो उन्हे हाल हीमे बन्द कर देना पडा है ।"

गाढे दोष

दम्पति सुहागयात्रासे लौटकर घर आ गये । पति बोला,

"प्रिये, चूँकि अब हमारी शादी हो चुकी है और हमने घर बसा लिया है, अगर मै तुम्हारे कुछ छोटे-छोटे दोष बता दूँ तो नामुनासिब न होगा, बल्कि इससे बडी मदद मिलेगी ।"

पत्नीने मधुर उत्तर दिया, "प्रियतम, परेशान न हूजिए, मै उन सबको जानती हूँ । उन्हीके कारण तो मै कोई बेहतर पति न पा सकी !"

हमदर्द

रोएँदार कोटको पाकर 'श्रीमतीजी' उल्लसित हो उठी, देर तक उसे हर्षसे गुलगुलाती रही, फिर एकाएक कुछ सहम गयी, उन्हे शोकलोक मे पहुँची हुई देखकर पति महोदय बोले,

"क्यो क्या हुआ ? क्या पसन्द नही आया ?"

"पसन्द तो आया, मगर मुझे बेचारे उस प्राणीका दुख है, जिसकी जानपर आ बनी होगी ।"

"शुक्रिया !" पति-प्राणी बोला ।

समाधि

स्त्री "शायद चोरोकी आवाज आ रही है । जागते तो हो ?"

पति : "नही ।"

प्रेमाहार

"प्रियतम, जीवनमे प्रेमके अतिरिक्त क्या है ?"

"कुछ नही, मधुरिमे ! खाना जल्दी ही तैयार हो सकेगा क्या ?"

पार-दर्शन

मियाँ (अमेरिकन मैगजीन देखकर झल्लाते हुए) "फ्रण्ट पेजपर वही खुराफात, बैक पेजपर वही बकवास !"

बीबी "मगर मिडिलमे तो एक नयी 'बेदिग ब्यूटी' है !"

देर आयद

पत्नी . "इतनी देर रात गये आनेका मतलब ?"

पति · "कोई मुजायका नही, प्रिये ! मैंने समझा तुम अकेली होगी इसलिए जरा जल्दी आ गया । मगर देखता हूँ कि तुम्हारी जुडवाँ बहन तुम्हारे पास है ।"

गनीमत

पत्नी (पतिसे) "विवाहसे पहले तुम मुझे देवी कहा करते थे ।"

पति · "हाँ, कहा तो करता था ।"

पत्नी . "और अब तुम मुझे कुछ नही कहा करते ।"

पति : "गनीमत समझो कि मै तुम्हें कुछ नही कहता ।"

अपवाद

पत्नी · "यह वैज्ञानिक यह साबित करनेकी कोशिश कर रहा है कि कीडे सोचते है ।"

पति "मै सोचता हूँ "

पत्नी · "आपकी और बात है ।"

इन्तजार

पिता "अभी जल्दी क्या है ? शीलाके पास शादीके बारेमे विचारने के लिए बहुत वक्त है। कोई अच्छा आदमी आये तबतक इन्तजार कर सकती है।"

माता . "मैं नही समझती वह इतने दिनो तक क्यो इन्तजार करती रहे। मै जब उसकी उम्रकी थी तो मैंने तो किया नही था।"

वापस

स्त्री (लडकर गुस्सेमे) "मैं अपनी मांके घर चली जाऊँगी।"

पति (शान्तिसे) : "अच्छा है, रेल खर्चके लिए पैसे यह लो।"

स्त्री (गिनकर) : "पर वापसी मुसाफिरीके लिए तो इतने पैसे काफी न होगे।"

कर्कशा

पत्नी "क्या तुमने कभी दिलमे यह भी चाहा है कि मेरी शादी किसी औरसे हो जाती तो अच्छा होता ?"

पति "नही, मै किसी आदमीका बुरा क्यो चाहने लगा ? लेकिन यह भावना अक्सर उठा करती है कि तुम बुढापे तक कुमारी ही रहती तो अच्छा होता।"

बस !

पति · "जब मै आफिस चला जाऊँगा, तब तुम क्या करोगी ?"

पत्नी "कोई खास काम नही है। खाना खाऊँगी, मांको चिट्ठी लिखूँगी, कुछ देर रेडियो सुनूँगी, फिर, बस "

पति : "फिर बस करनेसे पहले जरा मेरी इस कमीजमे बटन लगा देना।"

ख़बर न होने देना

एक अमेरिकन . "मैंने तुमसे जो पाँच डॉलर उधार लिये हैं, इसकी खबर मेरी पत्नीको न होने देना ।"

दूसरा · "और तुम भी मेरी पत्नीको यह ख़बर न होने देना कि मैंने तुमको पाँच डॉलर उधार दिये हैं ।"

आधुनिक माँ

"माँ, मैं तैरने जाऊँ ?"

"ना, बेटा, डूब जायेगा !"

"पर बापूजी तो तैर रहे हैं ?"

"उनका तो बीमा है, बेटा !"

कम-अक़्ल

पिता "हमारे बेटेको अक्ल तो मुझीसे मिली है ।"

माँ . "ज़रूर मिली मालूम होती है, क्योंकि मेरी अक्ल तो अभी तक मेरे पास है ।"

सुधार

पति (लडकर) "मैं बडा बेवकूफ था जब मैंने तुमसे शादी की ।"

पत्नी "मैं यह जानती थी, मगर मुझे उम्मेद थी कि शायद तुम सुधर जाओ !"

पंक्चर

पति-पत्नी सैरको निकले। कुछ मील चलकर मोटर गड़बड करने लगी ।

पति "जैसा मैंने सोचा था, गाडी पक्चर हो गयी ।"

पत्नी "तो यह आपने घरसे चलनेसे पहले क्यों नहीं सोचा ?"

मिनिट

पत्नी "एक मिनिटमे कितने सैकिण्ड होते है ।"

पति "तुम्हारा मतलब किस मिनिटसे है ? सचमुचका मिनिट या तुम्हारे 'एक मिनिट ठहरो, अभी आती हूँ' वाले मिनिटोका मिनिट ?"

जल्दी ही

पत्नी "अगर तुम्हारे यही रग-ढग रहे, तो मै जल्दी ही मैके चली जाऊँगी ।"

पति "कितनी जल्दी ?"

शासन

पति (झुँझलाकर) . "आज मै यह जानना चाहता हूँ कि इस घरका मालिक मै हूँ या तुम !"

पत्नी (मधुरतासे) "आप यह जाननेकी कोशिश न करे तो ज्यादा सुखी होगे ।"

और लो !

पत्नी "शादीसे पहले तो तुम कहा करते थे कि मै तुझे रसोडेमे ही घुसा नही देखना चाहता ।"

पति "यह तो मै अब भी कहता हूँ ।"

पत्नी "तो फिर यह "

पति "मुझे उम्मेद थी कपडे धोनेमे भी तुम मेरी मदद किया करोगी।"

लायी है !

"मै मानता हूँ कि तुम्हारी पत्नी अच्छे कुटुम्वसे आयी है ।"

"आयी है ? कि सारे परिवारको साथ लायी है !!"

स्वार्थी

पति · "मैंने आज अपनी जिन्दगीका दस हजारका बीमा करा लिया है।"

पत्नी "कैसे स्वार्थी हो, हमेशा अपना ही विचार किया करते हो।"

खुदकशी

पति (अत्यन्त आक्रोशसे) "बस अब खत्म है। मैं इतने दिनों तक सब बरदाश्त करता रहा, मैं अभी नदीमे गिरकर सारा किस्सा खत्म किये देता हूँ।"

पत्नी . "लेकिन तुम तैरना तो जानते ही नही।"

पति · "ठीक है, तो मुझे कोई और रास्ता ढूँढना पड़ेगा।"

तर्कजाल

पति (लडाईकी रातको) : "प्रिये, वह सुबहका वाद-विवाद।"

पत्नी (रूठी हुई) "सो ?"

पति "मेरा विचार बदल गया है, अब मैं सोचता हूँ कि तुम ही ठीक थी।"

पत्नी : "मेरा भी विचार बदल गया है, मैं नही सोचती कि मेरा कहना ठीक था।"

गृह-विज्ञान

नयी पत्नी "मैंने यह कब कहा कि तुम हमेशाकी तरह गलती पर हो ?"

पति (सरोष) · "तब क्या कहा तुमने ?"

नयी पत्नी · "मैंने तो सिर्फ यह कहा था कि मैं कह नही सकती कि तुम हमेशाकी तरह गलती पर हो।"

तरक्क़ी

पत्नी (चिढकर) · "क्या कारण है कि तरक्कीके वक्त तुम्हे हमेशा नज़रअन्दाज कर दिया जाता है।"

पति "मै सोच नही सकता ·· "

पत्नी "यही वजह मालूम होती है।"

निष्कण्टक

बालिका "आप राक्षस है पिताजी ?"

पिता "कौन कहता है मुझे राक्षस ?"

बालिका "माँ कहती है आप बडे राक्षस है।"

माँ "मैने नही कहा, मैने तो यह कहा कि आप बडे वुद्धिके राक्षस है।"

हुस्ने-तख़य्युल

अगली बार जब भगवान्‌के घरसे दुनियामे वापस आऊँगा तो नन्दन वनसे कल्पवृक्षकी इतनी कलमे ज़रूर लाऊँगा कि दुनियाके घर-घरमे लगायी जा सकें। मुझे आशा है कि तब दुनिया दु खरहित हो जायेगी। लेकिन जब यह अनमोल ख्याल मैने अपनी पत्नीको सुनाया तो बोली, "१०४ बुख़ार है ! सन्निपात तो नही हो गया ! अभी डॉक्टरको फोन करती हूँ !"

दम्पति

पति-पत्नी सैरको निकले। सहसा पत्नी बोल उठी,

"अरे मै कपडोपर-से इलेक्ट्रिक आयरन उठाना तो भूल ही गयी ! अब तो घरमे आग लग गयी होगी !"

पति "फिक्र मत करो। मै पानीका नल वन्द करना भूल आया हूँ। अपने घरमे आग-वाग नही लग सकती।"

खाता

पत्नी "अब हमे बैंकमे दूसरा खाता खोल लेना चाहिए।"

पति · "क्यो ?"

पत्नी . "पहले खातेमे आना-पाइयोके सिवाय कुछ नही रहा।"

कमसिन

एक शख्सके दो पत्नियाँ थी, एक रोज वे अपने पतिसे पूछने लगी, "हममे-से कौन ज्यादा उम्रकी लगती है आपको ?"

पति "मुझे तुम दोनो एक दूसरीसे छोटी लगती हो।"

शादी-ओ-गम

"लीजिए आपके पहला नाती हुआ है !" पत्नीने पतिको खुश खबर सुनायी।

पति बोले, "मुझे बाबा हो जानेकी नाखुशी नही, मगर झिझक इस बातकी है कि दादीका पति हो गया।"

व्याधि देवी

डॉक्टर . "आपके पतिदेवके लिए अच्युत शान्ति चाहिए। यह लीजिए नीदकी पुडिया।"

स्त्री "यह मै उन्हे कब दूँ ?"

डॉक्टर : "यह उन्हें नही देनी है, आपको लेनी है।"

होली लैंड

पादरी "बच्चो ! जरा ध्यान दो। अफरीकामे साठ लाख वर्गमील ज़मीन ऐसी है जहाँ छोटे लडके-लडकियोके लिए कोई सण्डे स्कूल नही है। तो बताओ हम सबको पैसा किस कामके लिए बचाना चाहिए ?"

"अफरीका जानेके लिए !" सब बच्चे एक साथ बोले।

जबरी

लड़का . "माँ, क्या तुम कभी सर्कसमे थी ?"

माँ : "नही तो !"

लड़का . "तो फिर पडौसी ऐसा क्यो कहते है कि तुम पिताजीको अँगुलियो पर नचाती हो ?"

जीवनकी दौड़

"शीला, तेरी उम्र क्या है ?"

"ग्यारह वर्ष।"

"पिछले साल तू पाँच वर्ष की ही थी !"

"पाँच वर्षकी पिछले साल थी और छह वर्षकी इस साल हूँ, हो गये ग्यारह वर्ष।"

हड़प

माँ "क्यो रमेश, सुरेश क्यो रो रहा है ?"
रमेश "अम्मा, मै अपनी मिठाई खा रहा हूँ तो रोता है।"
माँ . "उसकी मिठाई निवट गयी क्या ?"
रमेश . "हाँ, जब मै उसकी खा रहा था तब भी रोता था।"

बताइए !

चार-पाच सालकी एक लड़कीने अपने बडे भाईसे पूछा, "भाई साहब, मैने अपने रसोईघरमे एक ऐसी चीज़को भागते देखा है, जिसके हाथ है न पांव !"

विद्वान् भाई देरतक सोचा किये। आखिर हारकर बोले, "तू ही बता, क्या चीज़ थी ?"

"पानी !" लड़कीने विजय-गर्वसे कहा।

डेली-डोज

पिता "बेटा, आज तुमने खाया नही !"
पुत्र "खाया क्यो नही ? अभी-अभी मांसे मार खाकर आ रहा हूँ।"

इससे क्या !

पिता "तुम अपनी क्लासमें सबसे पीछे क्यो हो ?"
लड़का . "इससे क्या, पीछे और आगे वालोको एक-सा पढाया जाता है।"

कठिन पाठ

"तुम्हारे बच्चेने बोलना शुरू कर दिया ?"
"कभी का, अब तो हम उसे चुप रहना सिखा रहे है।"

पलायन

तगादेवाला : "क्या तेरे बाप घर नही है ?" उनके कपडे और जूते तो यहाँ दिखते है ।

लड़का . "कपडे और जूते पहनकर मन्दिरमे कैसे छिपा जा सकता है ?"

झड़ी

बाप · "तू जितने सवाल मुझसे पूछता है उतने अगर मैंने अपने बापसे पूछे होते तो खबर है क्या होता ?"

लडका "जी, तब आप मेरे सवालोके अच्छी तरह जवाब दे सकते ।"

समझदार

"बेटा मुन्नू, तुम्हारी क्लासमे सबसे होशियार लडका कौन-सा है ?"

"भास्कर, किताबकी आडमे वह लगातार रेवडियाँ खाता रहता है, मगर अभीतक एक दफा भी मास्टर नही देख पाया ।"

अच्छी माँ

शिक्षिका · "क्यो रश्मि, 'मुझे माँ क्यो अच्छी लगती है ?' यह निबन्ध तू अपने पिताजीसे ही लिखवाकर लायी है न ?"

रश्मि "नही नही, माँ तो उन्हें लिखने ही न देती थी ।"

आश्चर्य

(चार वर्षकी) शशि "अम्मा, जब मै जन्मी तब तू घरपर ही थी न ?"

माँ : "ना बेटी, मै तेरी नानीके यहाँ थी ।"

शशि "तो अम्मा, मुझे देखकर तुझे ताज्जुब हुआ होगा न ?"

सुलैमान

एक शिक्षक क्लासमें सन्त सुलैमान और उनके त्यागके विषयमें कह रहे थे,

"जब शेबाकी महारानीने अपने रत्न-जटित वस्त्राभूषण सुलैमानके सामने रख दिये तो वे क्या बोले ?"

एक लड़की · "इन सबका क्या लोगी ?"

पास कहाँसे हो !

लडका . "पिताजी, देखिए रिजल्ट-कार्ड !"

पिताजी (विषयोपर नजर डालकर) "नालायक ! तीन-तीन विषयोमे फेल है ! पास भी कहाँसे हो, दिन भर तो खेलता रहता है । जब मै तेरे बराबर था तो दर्जेमें अव्वल नम्बर आता था ।"

लडका "पर पिताजी, यह तो आपका ही कार्ड है । अलमारीमें पडा था ।"

छूत

बीमार पिता "बेटा, मुझसे मत लिपटो, तुम्हें भी बुखार लग जायेगा ।"

छोटा लडका "पिताजी, आप किससे लिपट पडे थे ?"

सुलक्षण

एक आया अपने सुपुर्द किये हुए लडकोंको सुलक्षण सिखा रही थी । वह एक हाथमे बडा और दूसरेमें छोटा चॉकलेट लेकर बोली,

"अच्छा देखूँ तुम दोनोंमें-से कौन ज्यादा अच्छा लडका है ?"

छोटा लडका जॉनी बडा चॉकलेट छीनते हुए बोला,

"टामी ।"

डिपॉजिट-वाल्ट

"क्यो रे मुन्नू , खा गया तू दोनो लड्डू !"

"माँ, तूने ही तो कहा था कि ऐसी जगह रखना जहाँ चूहे न खा जाये !"

कसूर माफ़

"कल मैने तुझे गणितके सवाल हल करनेमे मदद की यह तूने मास्टर को कहा था क्या ?"

"हाँ"

"बडी सच्चाई दिखलायी तूने ! फिर क्या बोले वो ?"

"मास्टर बोले कि तेरे बडे भाईकी मूर्खताके लिए 'मै तुझे सज़ा नही देता।"

बच्चे

"चचा, क्या आपको घरमे बच्चे अच्छे लगते है ?"

"हाँ, जब वे सो जाते है तो स्थान कैसा अच्छा, शान्त और सुहावना लगने लगता है !"

हिसा

शिक्षक "किसी जीवको मारना पाप है।"

बालक · "तो आप हमे क्यो मारते है हम भी तो जीव है !"

कैंची

"क्यो रे बिल्लू, यहाँसे कैंची कहाँ चली गयी ?"

"मुझे नही मालूम । लेकिन माँ मुझे लगता है खर्चेपर पडी होगी। कल पिताजी कह रहे थे न कि खर्चेपर कैंची चलानी है।"

दूरान्दूर

शिक्षक "दूरका रिश्तेदार माने क्या है रे रामू ?"

रामू "हमारे पिताजी! आजकल वे कलकत्ता गये हुए हैं।"

मुँह बनाना

मेहमानने अपने मेजबानके छोटे लडकेसे कहा, "कुत्तेकी ओर ऐसा मुँह बनानेकी क्या जरूरत है ?"

लडका "मेरा कसूर नही है। कुत्तेने ही पहले शक्लें बनानी शुरू की थी।"

स्वर्गसे

"क्यो अम्मा, छोटा मुन्नू स्वर्गमे-से आया है न ?"

"हाँ बेटा, क्यो ?"

"कैसा अजीब है यह! कैसी भूल कर बैठा! स्वर्ग छोडकर इधर चला आया!"

सरमन

गिरजेमें लम्बे और उस सरमनमे कण्टालकर एक लडका अपनी मॉसे बोला,

"मॉ, इसे चन्दा अभी दे दे तो क्या यह हमें जाने देगा ?"

मुश्किल

शिक्षक · "बेटे, तुम्हारी उम्र क्या है ?"

नया विद्यार्थी "यह बता सकना बहुत मुश्किल है साहब! जब मैं पैदा हुआ था मेरी मॉकी उम्र चौबीस वर्षकी थी और अब तेईस सालकी है।"

अक़्लमन्दी

एक मकानके आगे पाटिया लगा हुआ था, "भाडेसे देना है, बच्चो वालोको नही ।"

एक रोज एक छोटा-सा लडका मालिक-मकानसे मिलने आया। बोला,

"मेरे लडके बच्चे नही है, मै और मेरे माता-पिता ही है । हमे मकान दे सकते हो ?"

उसे मकान मिल गया ।

बिल्लीकी पूँछ

पिता : "तुम्हे बिल्लीकी पूँछ नही खीचनी चाहिए।"

मीनू . "मै तो पूँछको सिर्फ पकडे हुए हूँ, खीच तो बिल्ली रही है।"

पुण्य-प्रकोप

एक फौजी कमाण्डरका नौ वर्षका लडका अपने शिक्षकसे ईसाके क्रॉस पर कीलोसे ठोके जानेका सजीव वर्णन सुन रहा था। समाप्तिपर उसका चेहरा क्रोधसे तमतमा उठा। दाँत भींचकर, मुट्ठी तानकर बोला,

"उस वक्त हमारी फौजें कहाँ जा मरी थी ?"

ऊतके पूत

काहिल (आरामकुरमीसे) . "बेटा भरत, देख तो बाहर मेह बरस रहा है क्या ?"

लडका (पलगपर लेटे-लेटे) "नही बरस रहा ।"

काहिल "यही पडे-पडे तूने कैसे जान लिया ?"

लडका · "मैने अभी बाहरसे आती हुई बिल्लीको देखा। वह भीगी हुई नही थी ।"

खबर

"राजकुमारी एलिजाबैथको कैसे मालूम हुआ कि वह बच्चेकी माँ बननेवाली है ?"

"अखबारोसे ।"

नाक

शिक्षक "अब तुम पाँचो इन्द्रियोके विषयमे समझ गये न ? बताओ रम्मू , नाक किस लिए है ?"

रम्मू . "चश्मा टिकानेके लिए ।"

पेड़ेकी गुठली

एक बीमार बालककी माँने बालकको कुनैनकी गोली देना चाही पर उसने नही खायी, तब माँने कुनैनकी गोली पेडेके बीचमे रख दी और कहा, "लो बेटा, पेडा खालो ।"

बालकने पेडा खा लिया । थोड़ी देर बाद माँने पूछा, "बेटा, पेडा खा लिया ?"

पुत्र "हाँ माँ, पेडा खा लिया, पर पेडेकी गुठली फेंक दी ।"

शाबाश

रम्मू बडा खिलाडी लडका था, हमेशा स्कूलसे भाग जाया करता था । एक दिन उसके बाप घरपर नहीं थे । उसने छुट्टी मनानेका अच्छा मौका देखा । आवाजको भारी बनाकर टेलिफोनपर मास्टरसे कहने लगा,

"मास्टर साहब, आज रम्मू स्कूल नही आयेगा, उसे बडा भारी काम है यहाँ । उसकी गैरहाजिरी माफ कीजियेगा ।"

मास्टर . "अच्छा, मगर फोनपर कौन बोल रहा है ?"

रम्मू (घबराकर) : "मेरा बाप !"

बाल

शिशु "माँ, पिताजीके सरपर बाल क्यो नही है ?"

माँ "बेटे, इसलिए कि वह विचार करते है ।"

शिशु "माँ, और तुम्हारे बाल इतने बडे क्यो हैं ?"

माँ "क्यो कि चल जा यहाँसे और अपना सबक याद कर !"

होनहार

"क्या तुम वचन दे सकते हो कि बाल-अदालतमें तुम आखिरी बार आ रहे हो ?"

"जरूर, जज साहब, अगली बार तो मैं प्रौढ अदालतके लायक हो जाऊँगा ।"

मातृभाषा

लडका "क्यो माँ ! भाषाको लोग मातृभाषा क्यो कहते हैं, पितृ-भाषा क्यो नही ?"

माँ "इसलिए कि इसे माँ ज्यादा बोलती है ।"

लडका "तभी पिताजी खाली सुना करते हैं । तुम्हारे सामने कभी बोलते नही ।"

रिश्वत

माँ "देखो मोहन, अगर आज तुम शरारत न करोगे तो मैं तुम्हें मिठाई दूँगी ।"

मोहन "यह नही हो सकता माँ !"

माँ "क्यो ?"

मोहन "क्योकि बाबूजी कहते है कि रिश्वत लेकर कोई काम करना बुरा है !"

हाथी

"अच्छा, बताओ कमल, हाथी कहाँ पाया जाता है ?"

"गुरुजी, हाथी इतना बडा जानवर है कि वह खोता ही नही।"

बुरा काम

लडकी . "अम्माँ ! मेरी अध्यापिका कभी नहाती नही है !"

माँ "तूने कैसे जाना ?"

लडकी "वही कहती थी कि आज तक मैंने कोई ऐसा काम नही किया जिसे मै सबके सामने न कर सकती हूँ।"

पैसा दो

"पिताजी, मुझे एक पैसा दो।"

"तुम इतने बडे हो गये, फिर भी पैसा माँगना नही छोडते।"

"ठीक कहते है पिताजी, तो मुझे एक रुपया दो।"

मदद

"मनु, तू क्या कर रहा है ?"

"कनुकी मदद कर रहा हूँ।"

"कनु क्या कर रहा है ?"

"कुछ नही।"

कलीम

एक छोटा लडका अपनी शयन-कालीन प्रार्थना बडी धीमी आवाजमे बोल रहा था।

"मुझे सुनाई नही दे रहा, बेटे" माँने फुसफुसाया।

"तुमसे नही कह रहा" छोटे मियाँ दृढताने बोले।

गैरइन्साफी

दो लडके स्कूलमे झगड पडे। मास्टरने सजा सुनायी कि तुम दोनो स्कूलके वाद अपना-अपना नाम पाँच-पाँच-सौ दफे लिखो। पन्द्रह-बीस मिनिटके वाद एक गुस्से और रजसे रोता हुआ बोला,

"हमे वरावरकी सजा नही दी गयी उसका नाम कमल है, मेरा वेंकटरमन।"

गप

पहला "मेरे वापका एक बडा अस्तवल था, लम्बा इतना जैसे वम्वई से कलकत्ता, चौडा इतना जैसे दिल्लीसे मद्रास।"

दूसरा "और हमारे वापके पास इतना ऊँचा भाला था कि जिससे वह आसमानको छेद-छेदकर जव चाहे पानी वरसा लेते थे।"

पहला · "पर वह इतने वडे भालेको रखते कहाँ होगे ?"

दूसरा "तुम्हारे वापके अस्तवलमे।"

दासी

एक छोटा लडका अपने माँ-वापकी शादीके फोटो देख रहा था, जव उसने उपहारोसे भरे एक कमरेका चित्र देखा तो उसकी आँखे चमक उठी। वोला, "माँ! क्या यह सव देकर तुम्हें हमारा काम करनेके लिए लाया गया।"

अरे-अरे !

"मेरे माता-पिताके एक वच्चा था, पर वह न मेरा भाई था और न मेरी वहिन, वताओ वह कौन था ?"

"यह तो वडी कठिन पहेली है, आखिर वह कौन था ?"

"मै स्वयं।"

अन्दाज़

एक बाला किसी ट्राममे चढी, कण्डक्टरने मृदुलता-पूर्वक पूछा,
"बिटिया, तेरी उम्र क्या है ?"
पुतली खफगीके अन्दाजमे बोली,
"अगर कारपोरेशनको ऐतराज न हो तो पूरा किराया दे डालना पसन्द करूँगी मगर अपनी उम्रके आँकडोको अपने ही पास रखे रहना चाहूँगी।"

जन्माधिकार

जॉनीकी माँने परिवारको अभी दो जुडवाँ बच्चे पेश किये थे।
"तुम अपनी शिक्षिकासे कहना, वह छुट्टी दे देगी," उसके पिता बोले।
जॉनीने वही किया और खुश-खुश घर लौटा।
"कल छुट्टी हमारी।" उसने सगर्व घोषित किया।
"कहा था न तुमने अपनी शिक्षिकासे जुडवाँ भाइयोके बारेमें" पिताने पूछा।
जॉनी "मैने उससे एकका जिक्र किया। दूसरेकी बात अगले हफ्ते करूँगा।"

दीजिए जवाब !

हिमांशु "पण्डितजी, मै भी पूजा करूँ ?"
पण्डितजी "तुझे यहाँ आना हो तो चमडेकी बेल्ट उतारकर आ।"
हिमांशु "मेरी बेल्ट तो दो अंगुल ही चौडी है, मगर पप्पा तो आपके पास इतनी बडी मृगछाला पर बैठे हुए है।"

दूल्हा

शिक्षक (सात वर्षकी बालिकासे) "दूल्हा किसे कहते है।"
बालिका "दूल्हा वह है जो शादियोमे होता है।"

धूम्रपान

पिता , "जब मैं तुम्हारी उम्रका था सिगरेट नही पीता था। मगर तुम जब हमारी उम्रको पहुँचोगे तब भला यह बात अपने लडकोसे किस तरह कह सकते हो ?"

लडका "इतनी सफाईसे तो नही कह सकूँगा जितनी सफाईसे आप मुझसे कह रहे है।"

फिजूल

एक बालक अपनी माँसे बिछुड गया, उसे भटकता देख एक बुढिया उसके पास गयी और दयार्द्र होकर बोली,

"मैं पहुँचाती हूँ तुझे तेरी माँके पास, पर तू अपना और अपनी माँका नाम तो बता, बेटा ?"

बालक . "माँको वे दोनो नाम मालूम है, तुम योही क्यो पूछती हो ?"

रेखा

गणितका अध्यापक : "रेखा किसे कहते है ?"

लड़की "हमारी छोटी बहन को।"

देवदर्शन

नर्स "बिल्लू, एक देव तुम्हारे लिए एक छोटी-सी बहिन लाया है ! देखोगे, कैसी है ?"

बिल्लू · "नही, लेकिन उस देवको देखना चाहता हूँ।"

अहम

शिक्षिका "अच्छा रश्मि, बताओ वह अहम चीज क्या है, जो आज है मगर चालीस बरस पहले नही थी ?"

रश्मि · "मैं।"

जीव-दया

मास्टर 'भूतदया' पर कुछ कह रहे थे। बीचमे पूछ उठे, "क्यो रे रामू, तेरे पिता प्राणियो पर दया दिखाते है न ?"

"हाँ मास्टर साहब, कल ही हमारे पडौसीसे कह रहे थे, 'हमारे कुत्तेके हाथ लगाया तो तेरा ख़ून कर दूँगा ?"

राजनीतिज्ञ

पिता (गर्वसे) . "निश्चय ही हमारा लल्ला एक महान् राजनीतिज्ञ होगा।"

माँ . "आपने यह कैसे जाना, अभी वह तीन महीनेका है ?"

पिता "बिलकुल साफ़ दीखता है—वह बाते ऐसी करता है जो लगती तो मीठी है, मगर होती है बिलकुल बेमानी !"

जहन्नुमरसीद

बच्चा . "क्यो अम्माँ, जब बाबूजी मरेंगे तब स्वर्गमे जायेंगे न ?"

माँ "बक मत ! ऐसा वाहियात ख्याल तुझे कैसे पैदा हुआ ?"

फैसला

बालकके शीशा तोड देने पर उसकी माँ आजिज आकर बोली, "बस हो गया फैसला, तुम्हे इकलौता रखा जायगा।"

अक्रोध

माँ · "क्यो चन्दू, तू फिर किसीसे लडकर आ रहा है ! तुझसे मैने कहा नही है कि जब गुस्सा आया करे, सौ तक गिना कर ?"

चन्दू "यह तो मुझे याद है, मगर दूसरे लडकेकी माँने उसे पचास तक ही गिननेको कहा है।"

शिशुपालन

कलिका : "पिताजी, माँसे न कहना, मगर मेरा ख्याल है कि वह बच्चे पालना नही जानती ।"

पिता . "क्यो बिटिया, ऐसा कैसे कहती हो ?"

कलिका " वह मुझे, जब मै खूब जगी होती हूँ, सो जानेको कहती है, और जब मैं बडी गहरी नीदमे होती हूँ, जागनेको कहती है ।"

नया बच्चा

बालक "चाचीजी, हमारे यहाँ एक नया बच्चा आया है ।"

चाचा : "भाई आया है या बहन ?"

बालक : "यह तो मुझे पता नही, क्योकि अम्माने उसे अभी कपडे नही पहनाये है ।"

पूर्वज

"पिताजी, पूर्वज क्या होते है ?"

"बेटे, तुम्हारा पूर्वज एक मै हूँ, एक तुम्हारे बाबा है ।"

"ओह ! तब लोग उनके बारेमे शेखी क्यो बघारा करते है ?"

स्वादिष्ट खाना

मेहमान . "ऐसा स्वादिष्ट खाना तो हमें कभी-कभी ही मिलता है ।"

छोटा लडका "हमे भी कभी-कभी ही मिलता है ।"

बच्चे

"मेरी बीबी पियानो बहुत बजाया करती थी, मगर जबसे बच्चे आये उसे वक्त ही नहीं मिल पाता ।"

"बच्चे भी बडी राहतका कारण होते हैं ?"

पुश्तैनी

बालक . "पिताजी, जेब-खर्चके लिए ज्यादा पैसे मुझे कब दोगे ?"

पिता : "ज्यादा ? जब मै छोटा था, मुझे तुम्हारी बराबर भी पैसे नही मिलते थे ।"

बालक . "मै नही जानता था कि बाबा तुमसे भी ज्यादा मूँजी थे !"

बिल्ली क्या खायेगी ?

रसोईघरमे विमला खिचडी खा रही थी और उसकी छोटी बहन मुन्नी दूध परसे सारी मलाई उतारकर खाये जा रही थी । विमला बोली, "मुन्नी, तू तमाम मलाई खाये जा रही है, बिल्ली क्या खायेगी ?"

मुन्नी "बिल्ली खिचडी खायेगी ।"

काट खायेगी !

मां "रम्मू ! कुतियाकी पूँछ मत खीच, काट खायेगी !"

रम्मू "पूँछके क्या दांत है जो काट खायेगी ?"

पालक

माँ "अपनी पालककी भाजी खा लो बेटा, इससे दांत मजबूत होते है ।"

बेटा : "तुम इसे बाबाको क्यो नही खिलाती ?"

गलतियाँ

शिक्षक (छोटे मियांका होम-वर्क देखते हुए) : "समझमे नहीं आता कि एक आदमीसे इतनी गलतियां कैसे हो सकती है ?"

छोटू (गर्वसहित) : "एकको नही है, पिताजीने भी मेरी मदद की थी ।"

कारण

"बापू ! तुम्हारे सिरके बीचमें बाल नही है; बिलकुल सूखा-सपाट है, इसका क्या कारण है ?"

"बेटा, मुझे बहुत काम करना पडता है इसलिए सिरके बाल उड गये है"

"हूँ ! मेरी माँको बहुत बोलना पडता है इसीलिए उसके मुँहपर आप सरीखी मूँछें नही है ! एँ बापू ?"

सेब

"तुमने अपनी छोटी बहनको क्यो मारा ?"

"बात यह हुई कि हम 'आदम और हव्वा' खेल रहे थे; मगर वह बजाय इसके कि सेबसे मुझे प्रलोभित करती, उसे खुद ही खा गयी।"

सहयोग

"पिताजी, आप छोटे थे तो आपके पिताजी आपको मारते थे ?"

"हाँ बेटा।"

"और उन्हे उनके पिता मारते थे ?"

"ज़रूर"

क्षणभर सोचकर बच्चा बोला , "आपका सहयोग मिल जाता तो यह पुश्तैनी हुडदग बन्द हो जाता !"

बटुककी परेशानी

माँ · "बटुक, तू आज गुमसुम और बेचैन क्यो है ?"

बटुक "माँ, कल स्कूलमे मास्टरने सिखाया कि दो और दो—चार होते है, यहाँ पिताजीसे सुना कि तीन और एक—चार होते है, मै उलझनमें हूँ कि मास्टरका कहना ठीक है या पिताजीका।"

दिशा-ज्ञान

शिक्षक : "मनोहर, तेरे सामने उत्तर है, पीछे क्या है ?"
मनोहर "मेरी कमीज़में लगी हुई थेगली ।"

टिट फ़ार टैट

करीब तीन सालके एक लडकेने बरातमें जाकर देखा कि शादीमे तो खूब मिठाइयाँ खानेको मिलती है, एक और दावत पक्की करनेकी आशासे उसने अपने बापसे पूछा,

"पिताजी, आपकी शादी हो गयी ?"

बाप (हँसकर) "हाँ, बेटे, हो गयी ।"

बालक . "आप मुझे अपनी शादीमे नही ले गये ! मै भी आपको अपनी शादीमे नही ले जाऊँगा ।"

जालिम जमाना

बेबी मरियम "माँ, अगर मेरी शादी हुई तो डैडी-सरीखा पति मिलेगा न ?"

माँ "यस, डीयर ।"

बेबी "और अगर मैंने शादी न की तो मै चाची अगाथा-सरीखी बुढिया कुमारी बन जाऊँगी न ?"

माँ "यस, डीयर ।"

बेबी · "माँ ! दुनिया हम स्त्रियोंके लिए बडी सख्त है, है न ?"

अव्वल नम्बर

दो भाई लडकर बैठे थे ।

पिता . "अच्छा इस बार किसने शुरू किया था लडना ?"

टॉमी . "इसकी शुरुआत तब हुई जब जॉनीने मुझे पलटकर मारा ।"

बेचारा

चुन्नू : "पिताजी, इस पौधेको लगा दें तो इसपर नारंगियाँ आयेंगी ?"

पिता "हाँ बेटा, आयेंगी।"

चुन्नू "कितनी अजीब बात होगी, पिताजी, क्योंकि यह तो नीबूका पौधा है !"

गुपचुप

एक छोटे लड़केको सिगरेट पीते देखकर एक सम्भ्रान्त महिला अपनी कारसे सचिन्त निकली और उस लड़केके पास जाकर बोली,

"क्या तुम्हारी माँको मालूम है कि तुम सिगरेट पीते हो ?"

"क्या तुम्हारे पतिको मालूम है कि तुम अजनबी लोगोंको सड़कपर रोककर उनसे बातें करती हो ?" लड़केने उलटकर पूछा।

क्या होना चाहती है ?

शिक्षिका : "सुषमा, बता तेरी उम्र क्या है ?"

सुषमा . "दस वर्षकी।"

शिक्षिका · "तू क्या बनना चाहती है ?"

सुषमा "ग्यारह वर्षकी।"

परोपदेश

माँने अपनी दो बरसकी लड़कीको उपदेश दिया कि "मुन्नी, धूपमें नगे पैरों न जाया करो।"

मगर अगले दिन सख्त दुपहरीमें भी मुन्नी घरसे गायब! माँ ढूँढने निकली। देखा कि वह धूपमें खेल रही है, माँको आती देख मुन्नी भागी। आगे-आगे मुन्नी पीछे-पीछे माँ। भागते-भागते मुन्नी बोली, "माँ, तुम क्यों धूपमें नगे पैरों भागती आ रही हो।"

पाथेय

मौसी : "बेटा रमेश, कुछ और नही लोगे ?"

रमेश : "ना मौसी, खूब डटकर खाया है।"

मौसी · "तो कुछ फल और मिठाई अपनी जेबोंमें रख लो रास्तेमे खा लेना।"

रमेश 'नही, जेबे भी भरी हुई है।"

तस्वीर

"क्या कर रही है मुन्नी ?"

"ईश्वरका चित्र बना रही हूं।"

' पर कोई नही जानता कि ईश्वर कैसा है।"

"मै बना चुकूंगी तब सब जान जायेगे।"

बचत

"मां !"

"हां बेटा, क्या है ?"

"तूने कहा था न कि मै तूफान नही करूँ तो तू मुझे दो आना देगी ?"

"हां, सो ?"

"तेरे दो आने बचा दिये।"

शहर और नरक

मेजबान "कहो भाई यशवन्त, हमारा शहर आपको कैसा लगा ?"

मेहमान "शहर ? आप मुझसे शहरकी बात पूछते है ? शहर हमेशा नरक-सरीखे होते है ‥ ।"

कंचन (मेजबानकी छोटी लड़की) "तो काका, तुम नरकमें भी हो आये हो ?"

झूठ

पिता "जब मैं बालक था, तब कभी झूठ नही बोलता था।"

पुत्र (सरल भावसे) "बाबूजी, आपने झूठ बोलना शुरू कबसे किया ?"

दया

मुन्नी "माँ, क्या मैं उस बूढे आदमीको इकन्नी दे दूँ जो कि बाहर चिल्ला रहा है।"

माँ · "हाँ, दे दो बेटी। मगर क्या कह रहा है वह बूढा ?"

मुन्नी : "आइस्क्रीम ! एक आना !"

सजा

"मुन्नू, मैं चाहती हूँ कि एक दिन तो ऐसा गुज़रे कि मुझे तुझको मारना या झिडकना न पडे।"

"माँ, इसके लिए मेरी रज़ामन्दी है।"

सबूत

करीब तीन वर्षका एक बालक अपने घर आये हुए मेहमानके लिए दूधका प्याला आग्रह और उत्साहपूर्वक .खुद ही लेकर चला। दो-चार कदम ही चला होगा कि ठोकर खाकर गिर पडा और प्याला टूट गया। यह देखकर उसके बापने चिल्लाकर कहा,

"तुझमें अक्ल बिलकुल नही है !"

बालक "पप्पा, तुममें है अक्ल ?"

पिता इस अप्रत्याशित सवालसे और भी चिढकर बोला, "हाँ है !"

बालक "तो मुझे क्यों नही दिखायी देती ?"

यूँ और वूँ

मालिकिन "तुम्हें मेहमानोकी खातिर भी करनी आती है ?"

उम्मीदवार · "जी हाँ, दोनो तरहसे !"

मालिकिन "दोनो तरह कैसे ?"

उम्मीदवार "यो भी कि वे एक बार आकर फिर कभी न आयें, और इस तरह भी कि वे कभी जानेका नाम भी न लें।"

जयन्ती

"आज हमारी नौकरानीकी रजत-जयन्ती है।"

"क्या उसे तुम्हारे यहाँ काम करते हुए पच्चीस साल हो गये ?"

"नही, आज हमने पच्चीसवीं नौकरानी रखी है।"

अज्ञानी

"मालिकिन : "चले आओ, यह कुत्ता काटता थोडे ही है।"

"आगन्तुक "मगर भौंक तो भयंकर रहा है !"

मालिकिन "जानते नही, भौंकता कुत्ता काटता नही ?"

आगन्तुक . "मैं यह तो जरूर जानता हूँ, मगर सोच रहा हूँ कि कुत्तेको भी उसकी जानकारी है या नही ?"

दुधारा

"क्या आप वक्त खराब करनेवालोसे परेशान है ? मेरी तदबीर क्यूँ नही आजमाते ?"

"आपकी तदबीर क्या है ?"

"अन्दर बुलानेसे पहले मै अपना टोप सरपर रख लेता हूँ। अगर कोई ऐसे महानुभाव हुए जिनसे मै मिलना नही चाहता, तो मै सिर्फ यह कहता हूँ, 'अफसोस है कि मै अभी बाहर जा रहा हूँ।' और अगर कोई सज्जन ऐसे निकले जिनसे मै मिलना चाहता हूँ तो कहता हूँ, 'कैसी खुश-किस्मती है, मै अभी बाहरसे आया हूँ।'"

साफ-जंगली

"मै रास्तेमे मिलती हूँ तो तुम्हारे पति कभी टोप उठाते ही नही। वजह क्या है ? क्या सभ्यता-शून्यता ?"

"नही, केवल बाल-शून्यता।"

रेजिश

पाँच बच्चोसे उलझी हुई एक औरत बसमे चढी।

कण्डक्टर · "ये सब आपके है या यह कोई पिकनिक है ?"

औरत "ये सब मेरे है। और सच मानना यह पिकनिक नही है, भाई।"

खैर-ओ-खबर

"मेरे पिता अगर कभी आधी रातसे ज्यादा बाहर रहते तो मेरी माँ तमाम अस्पतालोको चैक कर डालती थी !"

"यह मालूम करनेके लिए कि क्या वे वहाँ है ?"

"नही, उन्हे दाखिल करानेके लिए।"

भाड़ा

मेहमान · "मेरा खयाल है कि ये इस फ्लैटका भाडा बहुत माँगते है।"

मेजबान "बेशक, पिछले महीने उन्होंने हरिहरसे सात बार माँगा।"

तीसमार खाँ

मिस्टर कण्टाला "बस जनाब, फिर क्या था! बन्दूकसे गोलीका निकलना था कि भेडिया मरा पडा नजर आया!!"

श्रान्त श्रोता : "कबका मरा पडा था वह ?"

संयोग

"पिताजी, आप कहाँ पैदा हुए थे ?"

"कलकत्तेमे।"

"माँका जन्म कहाँ हुआ था ?"

"बम्बईमे।"

"और मै कहाँ जन्मा था ?"

"कोलम्बोमें।"

"कैसे सयोगकी बात है कि हम एक जगह मिल गये।"

क्वेकर और चोर

क्वेकर लोग बडे शान्त और मृदुल स्वभावके होते है। एक रोज किसी क्वेकरके घरमे चोर घुस आया। क्वेकर बन्दूक लेकर उस कमरेमें पहुँचा जहाँ चोर लूट मचा रहा था।

"मित्र, मै तुमको, या दुनियामे किसीको, कोई क्षति नही पहुँचाना चाहता। लेकिन तुम वहाँ खडे हुए हो जहाँ मै गोली चलानेवाला हूँ।"

चोर जरा हटकर खडा हो गया।

भरमार

मेजबान "आपके वगैर आपकी पत्नी और वच्चोको खाली-खाली-सा लगता होगा। है न ?"

मेहमान "हाँ, सचमुच। मैं, उन्हे आज ही खत लिखता हूँ यहाँ चले आनेके लिए।"

चश्मा

छोटा लड़का "पिताजी, आप सोते वक्त भी चश्मा क्यो पहने रहते हैं ?"

पिता "ताकि सपनोको साफ देख सकूँ।"

क्वेकर

एक लडकेने 'क्वेकर' लोगोपर एक निवन्ध लिखा। उसने बताया कि क्वेकर लोग शान्ति-प्रिय होते है, कभी झगडा नही करते, कभी लडते नही, कभी नोचते-काटते-वकोटते नही।

अन्तमे उसने लिखा, "पिताजी क्वेकर है, मगर माँ नही है।"

घमण्ड

"एक जमाना था कि मेरी अपनी गाडी थी।"

"हाँ, और तुम्हारी माँ उसे धकेलती थी।"

चौकस

किरायेदार "जब मै मकान छोडने लगा तो मेरा पहला मालिक-मकान वहुत रोया।"

नया मालिक-मकान . "पर इतमीनान रखिए, मैं नही रोनेका। मैं तो एक महीनेका किराया पहले ही जमा करा लेता हूँ।"

गैर-ठिकाना

"अपना नाम अखबारमें देखकर, आपको आनन्द नहीं होता ?"

"बिलकुल नहीं। इससे मेरे कर्जख्वाहोंको मेरा ठीक पता मालूम हो जाता है।"

सबूत

सेठजी "पर तुम्हारे पास इसका क्या सबूत है कि तुमने सेठ घन-श्यामदासके यहाँ छह महीने भोजन बनाया है ?"

रसोइया "मेरे पास कई बरतन हैं जिनपर उनके नाम खुदे हुए हैं।"

शेक्सपीयर

"मैंने अपने कुत्तेका नाम शेक्सपीयर रखना चाहा, मगर माँने रोक दिया, बोली, इससे उस महाकविका अपमान होगा। तब मैंने उसे तुम्हारा नाम देना चाहा, मगर मेरी माँने रोक दिया।"

"कितनी नेक हैं तुम्हारी माँ!"

"बोली, 'इससे कुत्तेका अपमान होगा।' "

धनवान् पिता

सज्जन "आपका लड़का तो हवाई जहाजमें सफर करता है, मगर आप रेलगाड़ीसे ही ..."

धनकुबेर रॉक फ़ैलर "हाँ, उसका बाप धनवान् है।"

उपदेश

एक पादरी साहब अपनी छोटी लड़कीको एक लाजवाब कहानी सुना रहे थे। सुनकर साहबजादी बोली, "पिताजी, यह सच बात है या महज उपदेश है ?"

शान्ति

पडोसी · "आपकी पुत्री सगीत सीखती है तो किसी दिन किसी पब्लिक हॉलमें उसका कोई सार्वजनिक प्रोग्राम रखिए।"

पिता "क्या आपका खयाल है कि यह इतना अच्छा गाती है ?"

पड़ोसी . "ना, पर एकाध दिन शान्ति मिले ऐसी इच्छा है ?"

अनाथ

"पिताजी, क्या आदम और हव्वा पहले पुरुष और स्त्री थे ?'

"हाँ बेटा।"

"क्या उनके कोई माँ-बाप न थे ?"

"ना।"

"तो क्या वे बिलकुल अनाथ थे ?"

प्रत्युत्तर

पिता "बेटा, तुम बालिग हो रहे हो। अब वक्त हो गया है कि तुम जीवनको गम्भीरतासे लो और कुछ अपने भविष्यकी सोचो। मान लो मै एकाएक मर गया, तो तुम कहाँ होगे ?"

साहबजादा "मै तो यही हूँ पर यह बताइए कि आप कहाँ होगे ?"

भेद

पहली "वह बताती थी कि, तुमने उसे वह बात बता दी जिसके बारेमे मैने तुमसे कहा था कि उसे न बताना।"

दूसरी : "मैने तो उससे कह दिया था कि वह तुम्हे न बताये कि मैने उसे बता दिया है।"

पहली "अच्छा, उसे न बताना कि मैने तुम्हें बता दिया कि उसने वह बात मुझे बता दी थी।"

सफाई

माँ "क्यो रे रमेश ! कल मैंने मर्तवानमे दो पेड़े रखे थे, आज एक ही क्यो है ?"

रमेश "दूसरा मुझे अँधेरेमे दिखा नही होगा ।"

गायक

"लाओ भाई, स्नान कर डालें ।"

"बहतर है, मगर तुम अपना वह लम्बा गाना मत गाने लगना जिसे तुम स्नानघरमे गाया करते हो—हमारे यहाँ साबुनकी छोटी-सी ही टिकिया बची है ।"

पाक-प्रवीणा

एक · "क्यो सखी, क्या अपने हाथसे खाना बनानेमे किफायत है ?"

दूसरी . "बिला शक ! क्योंकि मेरा मर्द जितना पहले खाता था अब उसका आधा भी नही खाता ।"

दानशीला

सेठानी . "तुमने मेरी हीरेकी अँगूठी देखी ?"

पड़ोसिन : "हाँ, जब तुमने गाँधी-फण्डमे एक पैसा डाला था उस वक्त देखी थी ।"

खुशी

पिता (सगर्व) . "अब तो तुम खुश हो कि बहन पानेकी तुम्हारी प्रार्थना मंज़ूर हो गयी ?"

बालक (जुडवाँ बहनोको एक नज़र देखकर) . "और आपको खुशी है न कि मैंने प्रार्थना यही रोक दी ?"

गोद

किसी धनवान्‌को लडका गोद लेना था। उम्मीदवारोमे एक सफेद डाढी वाला वुड्ढा भी था।

"आप !"

"हाँ, हाँ। मेरे गोद लेनेसे आपको एक विशिष्ट फायदा रहेगा।"

"क्या ?"

"आपको गोद लेनेकी तीन पुश्त तक फिक्र नही रहेगी, क्योकि मेरे वेटे, नाती और पन्ती भी है।"

सयानी

पति · "आज चौवेजीको भी भोजनके लिए क्यो न वुला लें ?"

पत्नी . "वे तेरहवें मेहमान हो जायेगे।"

पति "तो क्या हुआ, वे कोई वहमी आदमी थोडे हो है !"

पत्नी "न होगे, लेकिन हमारे यहाँ काँटे और छूरियाँ तो वारह ही है !"

पसन्दगी

एक "अफसोम कि हम अपने वाल्दैनको नही चुन मके !"

दूसरा "इसमें अफसोस काहेका ? यह तो इनमाफकी वात है—वो भी तो आपको नही चुन मके !"

नास्तिक

"पिताजी, नास्तिक किसे कहते है ?"

"जो वेदको छोड़ अन्य धर्मग्रन्थको मानने लगे।"

"और जो अन्य धर्मग्रन्थको मानना छोडकर वेदको मानने लगे ?"

"दीक्षित।"

दावत

अशोकने भीमको निमन्त्रण दिया, मगर भीम नही आया। चन्द रोज़ बाद दोनो मिले तो अशोकने शिकायत की—"

"भाई, उस रोज़ तुम खाना खाने नही आये !"

भीम "कौन ? मै ? नही आया ? ' ओ ! याद आया !—मुझे भूख नही थी।"

हुआ नही !

एक गोष्ठीमे ज़िक्र हो रहा था कि घटनाओका गर्भस्थ बच्चेपर असर जरूर पडता है। एक नवयुवती बोली,

"गलत बात है ! मेरी ही मिसाल लीजिए—गर्भावस्थामे मेरी माँ एक पुराना रिकार्ड हमेशा बजाया करती थी। लेकिन मुझपर तो उसका कोई असर कोई असर कोई असर "

परितृप्त

"छह लाख रुपयोवाला आदमी ज्यादा सुखी है या छह बच्चोवाला ?"

"छह बच्चोवाला ?"

"क्यो ?"

"क्योकि छह लाखवाला हमेशा और चाहता है।"

जरा-सी भूल

रसोइन "तनक-सी भूलपर ईत्ता गुस्सा न करो मालिकिन !"

मालिकिन "तनक-सी भूल है यह ?"

रसोइन . "और क्या। दूध पहले गरम करके फिर जामन लगाना था, मैने पहले जामन देकर बादमे गरम किया।"

बिम्ब-प्रतिबिम्ब

एक देवीजी अपनी यकसाँ जुडवाँ लडकियोको किसी कपडेवालेकी दुकानपर लायी । एक ही किस्मके उन्होने दो कोट चुने । दुकानदारने कहा,

"इन्हे दर्पणके सामने ले चलिए न ।"

"दर्पणकी ज़रूरत नही है । एक दूसरीको देख ले, इसीसे काम चल जायेगा ।"

दुरुस्त आयद

किसी दावतमे रजना अपना गाना सुनाकर सब मेहमानोका रजन-कर रही थी । लेकिन गाना बिगड गया । मेजबान घबराकर उठा और यूँ क्षमा-याचना करने लगा,

"देवियो और सज्जनो, श्रीमती रजना देवीने गाना शुरू करनेसे पहले मुझसे कहा था कि उनका गाना खराब हो रहा है, गाना जम नही सकेगा । यह मैं शुरूमे आपसे अर्ज़ करना भूल गया, अब करता हूँ ।"

एलजबरा

स्कूलके बोर्डिंगसे लडकी घर आयी हुई थी । वह अपने पितासे एल-जबरा, अरिथमैटिक सीखनेकी बात कह रही थी । यह माँने याद रखा । दोपहर बाद पडोसिन घर मिलने आयी तो माँ लडकीसे बोली, "बेटी, इन्हे एलजबरेमे नमस्कार करके तो बता ।"

नक्शे-कदम

"तुम्हारे पिता तो हलवाई थे, तुम उनके पद-चिह्नोपर क्यूँ न चले ?"

"तुम्हारे पिता तो बडे भले आदमी थे, तुम उनके नक्शे-कदमपर क्यूँ न चले ?"

आजकलकी औलाद

पिता (नमीहत-आमेज लहजेमे) "देखो बेटा, मकडी कैसा जाला तनती है! आदमी चाहे जितनी कोशिश करे, ऐसा जाला नही बना सकता।"

साहबजादे बोले, "सो क्या हुआ? मै अपनी पतगके लिए ऐसा माँजा बनाता हूँ कि कोई मकडी लाख कोशिश करनेपर भी हरगिज़ नही बना सकती।"

जनरल शर्मन

एक आदमी अपने लडकेके साथ एक बगीचेमे घूमने जाया करता था। वहाँ एक घोडेपर सवार जनरल शर्मनकी मूर्ति थी। उसे देखकर लडका देर तक भाव-विभोर रहा करता था। उस आदमीको जब किसी और शहरको जाना पड गया, तो वे आखिरी बार उस बगीचेमे आये। लडकेने अपनी बाँहे मूर्तिके गलेमे डाल दी और सुबकते हुए बोला,

"अलविदा, शर्मन।"

पिता लडकेकी इस राष्ट्र-भक्तिसे बडा प्रभावित हुआ। आखिर लडकेका हाथ थामकर लौटने लगा। लडका फिर बोला,

"पिताजी, यह शर्मनकी पीठपर कौन सवार है?"

ऐक्सेलैण्ट

सोहनके पिता उसके प्रगति-कार्डको देखकर बोले, "अग्रेज़ी बहुत कमज़ोर, हिन्दी कमजोर, गणित बहुत कमज़ोर, ड्रॉईंग साधारण, है! तो यह है तुम्हारी तरक्की?"

सोहन . "जी, यहाँतक तो रिपोर्ट सचमुच अच्छी नही है, लेकिन आगे पढिए।" उसने नीचेकी एक लाइनपर अँगुली रखकर बतलाया।

लिखा था,

"तन्दुरुस्ती, बहुत लाजवाब।"

मुसद्दी

"पिताजी, 'मुसद्दी' किसे कहते है ?"

"स्त्रीके साडी मांगनेपर यह समझा सकनेवाला पुरुष कि सच्ची ज़रूरत तो उसे मेहँदीकी है।"

वशानुगतिकता

"क्या तुम वशानुगतिकतामे विश्वास करते हो ?"

"क्यो नही ? अवश्य! उसीकी बदौलत तो मुझे यह सब दौलत मिली है।"

पूर्वज

"कभी तुम मर्दाने दिखते हो कभी जनाने !"

"यह तो वंशानुवश गत है। मेरे पूर्वजोमे आधे पुरुष थे और शेष स्त्री।"

कर्ज़की अदायगी

शिक्षक : "मनोहर, खडा हो। अगर तेरे पिताको किसीके दो-सौ रुपये देने हो, और वे बीस रुपया महीना देनेका वायदा करे तो कुल रकम चुकानेमें तेरे पिताको कितना समय लगेगा ?"

मनोहर "दो-सौ महीने।"

शिक्षक : "तुझे अकगणितकी साधारण समझ भी नही है। तू होशमें तो है ?"

मनोहर "साहब, आपको मेरे बापके चलन-व्यवहारकी जानकारी नही है। मै उन्हे आपसे ज़्यादा जानता हूँ। दो-सौ महीनेमें भी उनके रुपये वसूल हो जायें तो बडा नसीबदार है।"

खाली पेट

"खाली पेट तुम कितनी रोटियाँ खा सकते हो ?"

"छह"

"नही, एक ही ! क्योकि एक रोटी खा चुकनेके वाद तुम्हारा पेट खाली नही रहता।"

दोषारोपण

"देखिए, आप मेरे पुरखोके कारण मुझे दोष न दीजिए ?"

"तुम्हे दोष नही देता। मैं तो तुम्हारे कारण उन्हे दोष दे रहा हूँ।"

मजबूरी

लन्दन क्लवमें एक शख्सने सजीदगीसे अपने एक अत्यन्त वहरे दोस्तसे हाथ मिलाते हुए कहा,

"मुझे तुम्हारे चचाकी मृत्युका समाचार जान कर रज हुआ।"

"क्या कहा ?"

"मुझे यह जानकर दु ख हुआ कि तुम्हारे चचा मर गये।"

"जरा ज़ोरसे वोलो भाई, मैं सुन नही सका।"

"दु ख है कि तुमने अपने चचाको दफना दिया।"

"दफनाता नही तो क्या करता ? वह मर जो गया था !"

रसोडे की रानी

"यदि घरकी रानीको अच्छी रसोई आती हो फिर भी न वनावे, किसी पतिके लिए इमसे वडा दुर्भाग्य क्या हो सकता है ?"

"यह कि न आती हो और वनाने वैठ जाये।"

इतमीनान

मियाँ-बीवी रातको सो रहे थे। एकाएक कुछ खटका हुआ।
बीवीने कहा, "देखो तो, शायद कोई चोर है।"
"मियाँने कमरेके बाहर जाकर पुकारा, "कौन ?"
जवाब मिला, "कोई नहीं ?"
"उत्तरको सन्तोषप्रद समझकर वे जाकर इतमीनानसे सो गये।"

वक्ता

वक्ता—वह शख्स जो अपने देशके लिए आपकी जान देनेके लिए हमेशा तैयार रहता है।

दृढ़ता

दृढता—वह गुण जो हममे हो तो सत्याग्रह, दूसरेमे हो तो दुराग्रह।

पड़ोसी

पडोसी—वह महानुभाव जो आपके मामलोको आपसे ज्यादा जानते है।

शादी

शादी—यह मालूम करनेका तरीका कि आपकी बीवीको कैसा खाविन्द पसन्द आता।

ऐक्सपर्ट

विशेषज्ञ—वह आदमी है जो कमसे-कम चीज़ोके बारेमे ज्यादा-से-ज्यादा जानता है, आखिर वह लगभग न कुछके बारेमे तकरीबन् सब कुछ जान जाता है।

विशेषज्ञ

विशेषज्ञ—वह शख्स जिसे, प्रभावक ढगसे, सीधी बातको उलझाना आता है।

धोबी

धोबी—वह आदमी जो कमीजसे पत्थर तोडकर अपनी रोजी कमाता है।

सभ्य व्यवहारकी परिभाषा

मुंह बन्द करके जम्हाई लेना।

दरख्त

दरख्त वह चीज है जो एक जगहपर बरसों खड़ी रहेगी, और फिर एकाएक किसी लेडी ड्राइवरके सामने जा गिरेगी।

शक्कर

शक्कर—वह चीज जिसके बगैर चाय महा वाहियात लगती है।

मजाक

मजाक माने कुछ न करनेके लिए कुछ करना।

आमदनी

आमदनी—जिसमें रहा न जा सके और जिसके बगैर भी न रहा जा सके।

जमीर

वह लघु ध्वनि जो तुम्हें लघुतर महसूस कराती है।

मनोवैज्ञानिक

मनोवैज्ञानिक—वह शख्स, जो किसी खूबसूरत लडकीके कमरेमे दाखिल होनेपर उसके सिवाय सबको गौरसे देखता है ।

राजनेता

राजनेता—ऐसा आदमी जो धनवान्से धन और गरीबसे वोट इस वादेपर बटोरता है कि वह एकको दूसरेसे रक्षा करेगा ।

—गवर्नर मोदी

आशावादी

आशावादी—वह शख्स है जो सिगरेट माँगनेसे पहले अपनी दियासलाई जला ले ।

दोस्त

दोस्त—वह शख्स जिसके वही दुश्मन है जो तुम्हारे है ।

राय

राय—वह इकलौती वस्तु जिसका देना अधिक सुखद है उसके लेनेको अपेक्षा ।

लोकप्रियता

लोकप्रियता—बेशुमार नीरस और बेमजा लोगोको जाननेका गुण ।

साडी

नयी साडी—जिससे स्त्रीको उतना ही नशा हो जितना पुरुषको शराबको एक पूरी बोतल पीकर होता है ।

विविध

●

शीर्षासन

"क्या तुम अपने सरपर खड़े हो सकते हो ?"

"ना, बहुत ऊँचा है।"

मुसीबत

ऑफिसबॉय "आपके मुलाकाती मुझसे नही रुकते साहब ! जब मैं कहता हूँ कि आप बाहर गये हैं तो विश्वास नही करते, कहते है, 'हमे जरूर मिलना है।' "

एडीटर "उनसे कहा करो कि यह तो सब ही कहते है। सख्त बनकर भी उन्हें रोको। मुझे खलल नहीं चाहिए।"

उसी दिन एक महिला मिलने आयी। लड़केने जतला दिया कि मुलाकात नामुमकिन है।

स्त्री . "लेकिन मै ज़रूर मिलूँगी ! मै उनकी पत्नी हूँ !"

लड़का · "यह तो सब ही कहती है !"

कुदरत

"कुदरत भी क्या करिश्मासाज़ है ! दस लाख बरस पहले उसे क्या मालूम था कि हम चश्मा पहनेंगे, फिर भी देखो उसने हमारे कानोंको किस तरह खड़ा-खड़ा रखा है !"

मूल व्याधि

"आज खफा-खफा-से क्यो हो, दोस्त ?"

"इन पत्रिकाओमे जब देखो सिगरेट और शराबकी बुराईयोका ही जिक्र रहता है !"

"तुम इनमे-से किसका त्याग कर रहे हो ?"

"पढनेका।"

इनसे मिलिए !

"एक बार जब मै अफरीकाके घने जगलोमे-से गुजर रहा था, मुझे एक शेर मिला। उस वक्त मेरी बन्दूक मेरे पास नही थी। इसलिए मैने एक बालटी पानी लेकर उसके सिरपर डाल दिया। शेर भाग गया।"

"यह तो तुमने सच्ची बात कही। इसकी तो मै भी गवाही दे सकता हूँ। उस वक्त मै भी अफरीकाके उसी जगलमे था। शेर भागकर मेरे पास आया। मैने उसकी गरदनके बालोपर हाथ फेरा-भीगे हुए थे।"

रेजगारी

ग्राहक : "क्या हुआ इसका ?"

सेल्सगर्ल "नौ रुपये पन्द्रह आने ग्यारह पाई।"

ग्राहक (सब जेबें टटोलता हुआ) "देखता हूँ छुटे पैसे है या नही, मै दस रुपयेका नोट नही तुडाना चाहता।"

दर्शन-दिग्दर्शन

"आपकी सेक्रेटरी तो बडी होशियार दिखती है !"

"हाँ, यह उसकी विशेपता है।"

"होशियारी ?"

"नही, होशियार दिखना।"

शिक्षित

किसीने बर्नार्ड शॉसे पूछा "शिक्षित आदमी किसे कहना चाहिए ?"

बर्नार्ड शॉ : "अफसोस है कि मुझे ऐसा कोई आदमी आज तक मिला ही नही है !"

अन्दाजे-बयाँ

एक खबर यूँ निकली,

"अफवाह है कि कतिपय कथित प्रतिष्ठित महिलाओको कहीं दावत दी गयी। कहा जाता है कि कोई श्यामला देवी मेजबान थी। वो किसी नन्दनन्दनकी बीवी होनेका दावा करती बतायी जाती हैं।"

तारीख

"आज क्या तारीख है ?"

"ला तेरे अखबारसे देखकर बताऊँ।"

"कुछ फायदा नही, यह अखबार तो कलका है।"

शनाख्त

एक रूपवती नवयुवती बैंकमें चैक भुनाने गयी। क्लर्कने उसे गौरसे देखा और पूछा, "अपनी शनाख्त दे सकती है ?"

युवतीकी शक्लपर ज़रा परेशानीके आसार नुमायाँ हुए। उसने अपने हैण्डबेगमें हाथ डालकर एक दर्पण निकाला। उसमें मुखड़ा देखा और तब बोली, "हाँ, मै ही तो हूँ !"

कर्मफल

उटपेंदार लिफ्टमें घबरा कर एक मेम साहिबा ऑपरेटरसे बोली,

"अगर केबिल टूट गये तो हम नीचे जायेंगे या ऊपर ?"

"यह तो इसपर निर्भर है कि आप किस तरहकी जिन्दगी बसर करती रही है।" जवाब मिला।

'समझता था बहुत मशहूर हूँ मैं'

अमेरिकाके महान् गायक ऐनरिको कैरूसोका कहना है कि "कोई आदमी उतना मशहूर नही होता जितना मशहूर वह अपनेको समझता है।" एक बार भूले-भटके वो किसी किसानके यहाँ पहुँच गये।

"आपका नाम ?"

"कैरूसो।"

"अहा ! क्रूसो ! ! मै सपनेमे भी नही सोच सकता था कि इस गरीब की कुटियामे ससारका महान् यात्री, रौबिन्सन क्रूसो, आयेगा !" किसान खुशीसे उछलकर बोला।

स्टेशन

मुसाफिर "उन लोगोने स्टेशनको शहरसे इतनी दूर क्यो बनाया ?"

रेलवे अधिकारी "क्योकि वे उसे रेलवे लाइन्सके पास बनाना चाहते थे।"

याचना

"भीखकी वनिस्बत तुम्हे सीख मांगनी चाहिए।"

"मैने वह चीज़ माँगी जिसे मै आपके पास समझता था।"

प्रस्ताव पास

विद्वानोकी एक सभाका सभापतित्व करते हुए वह साहब एक प्रस्ताव पर यूँ बोले,

"मै इस प्रस्तावको सर्वसम्मतिसे पास करता हूँ।"

योजना

पजाबके कुछ गाँवोमें पचवर्षीय योजनाको 'श्रीमती योजना' कहते हैं।

मौत

सवाल "अगर दुनियामे मौत न होती तो ?"

जवाब . "लोग बे-मौत मर जाते !"

दीर्घजीवी

दो जुडवाँ भाई अपनी ९५वी सालगिरह मना रहे थे। सारे गाँवमें धूम मची हुई थी।

नवागन्तुक "वे अपनी लम्बी उम्रकी वजह क्या बताते है ?"

"एक कहता है कि वह सवेरे उठा करता है, दूसरा कहता है कि वह सवेरे-सवेरे कभी नही उठता।"

भोड़ी दुनिया

ग्राहक "खुदाने छह दिनमे दुनिया बना दी और तुम्हे एक पतलून सीनेमे छह महीने लग गये ?"

दर्ज़ी . "ज़रा दुनियाको देखिए फिर इस पतलूनको देखिए।"

आख़िरी फ़ैसला

मि० कण्टाला . "मैने तो तय कर लिया है कि मुझे जलाया जाये, दफनाया न जाये।"

श्री सन्त्रस्त "टैक्सी लाऊँ ?"

कला-विहीना

विदेशी आगन्तुक . "मुझे आपकी चित्रकारियाँ समझ नही पडती।"

पैब्लो पिकासो "क्या आप चीनी बोल सकते है ?"

"नही।"

"६० करोड लोग ऐसे है जो बोल सकते है।"

दाढ़ी

"मेरे भी दाढी थी तुम्हारी-जैसी मगर जब मैंने देखा कि कैसा भयकर दिखता हूँ तो मैंने वह कटा डाली।"

"और मेरी शक्ल थी तुम्हारी-जैसी मगर जब मैंने देखा कि कैसा भयकर दिखायी देता हूँ तो मैंने दाढी रखा ली।"

'और वह मै हूँ'

एक सहभोजके खत्म होनेके बाद एक सज्जन छाता उठाकर चलनेका उपक्रम करने लगे तो किसी दूसरे सज्जनने उनसे पूछा,

"क्या आपका शुभ नाम कैलाश है ?"

"नही।"

"माफ कीजिए, जो छाता आप लिये जा रहे है वह कैलाशका है। और वह मै हूँ।"

सेब

माली (सेबके पेडके पास घूमते हुए लडकेसे) . "क्या तुम सेबकी फिराकमे हो ?"

लडका "नही मै यह कोशिश कर रहा हूँ कि न लूँ।"

मैच

मैनेजरने दफ्तरके छोकरेको फुटबॉलका मैच देखते पाया तो नज़दीक जाकर बोले,

"अच्छा यही है आपके चचाकी श्मशान-यात्रा जिसमे आपको शामिल होना था !"

लडका फौरन् सँभलकर बोला,

"जी, मालूम तो ऐसा ही होता है, वो इसमे रैफरी है।"

तीसरा हौज

मित्र . "ये तीन हौज कैसे है ?"

महाराजा "एक गरम पानीका है, एक ठण्ठे पानीका ।"

मित्र : "लेकिन यह तीसरा तो खाली है !"

महाराजा . "यह तो उन दोस्तोके लिए है जो तैर नही सकते !"

बन्दर

आदमी : "अगर तुम इस दर्पणमें अपना मुँह देखोगे तो तुम्हें बन्दर दिखायी देगा ।"

लड़का . "तुम्हें कैसे मालूम हुआ ?"

हरा चश्मा

एक घोड़ा-गाडीवालेने अपने घोडेको हरा चश्मा पहना रखा था ।

किसीने पूछा, "इसे हरा चश्मा क्यो पहनाया है ?"

घोडा-गाडीवाला बोला, "घास सूखी है, हरे चश्मेसे इसे हरी दीखे, इसलिए ।"

देनेवाला

मतवाला "ऐ सनम ! जिसने तुझे चाँद-सी सूरत दी है। उसी अल्लाहने मुझको भी मुहब्बत दी है ।"

सती स्त्री : "उसी अल्लाहने मुझको भी कटारी दी है ।"

नी-की

अमेरिकन "तुम कौनसे 'नी' हो ?–चीनी, जावानी या जापानी ?"

चीनी "मै तो चीनी हूँ। मगर तुम कौनसे 'की' हो ?—मकी, इकी या यकी ?"

बीनाई

"मै नौ करोड मील दूरकी चीज़ भी देख सकता हूँ।"

"जरा होशमे रह, अक्लकी बात कर।"

"सूरज ९ करोड ३० लाख मील दूर है, और मै उसे देख सकता हूँ या नही ?"

सर्वोत्तम ग्रन्थ

पहला "कुछ कहो भई, मगर लोकमान्यके 'गीतारहस्य' के मुकावले को किताव नही हो सकती !"

दूसरा . "सचमुच ! वडी आलीशान किताव है !"

पहला "पढी है क्या तुमने ?"

दूसरा "नही, तुमने पढी है ?"

पहला . "नही।"

फ़र्क

"तुम अंग्रेज, स्कॉच और आइरिशका फर्क जानते हो ?"

"नही तो, क्या है ?"

"यह है कि गाडीमे-से उतरते वक्त आइरिश तो विना पीछे देखे, कि कोई चीज़ रह तो नही गयी, सीधा चला जाता है, अंग्रेज़ मुडकर देखता है कि उसका कुछ रह तो नही गया, और स्कॉच यह देखनेके लिए पीछे मुडकर ताकता है कि कोई और तो कुछ नही छोड गया।"

तजुर्बेकार

वार्डर (नामी चोरसे) . "चल वे कालू, हमारे जेलर साहव अपनी तिजोरी खुलवानेके लिए तुझे वुला रहे है। तिजोरीकी चाभी उनसे खो गयी है !"

पूर्व इतिहास

पाठक · "मै एक पुस्तक ढूँढ रहा हूँ, मगर मिल नही रही । आपके पास है क्या ?"

लाइब्रेरियन "किस विषयकी ?"

पाठक . "सृष्टिकी उत्पत्तिसे पहलेका इतिहास चाहिए मुझे ।"

निर्माण

चित्रकार · "यह मेरा नवीनतम चित्र है, इसका नाम है 'निर्माण करनेवाले निर्माण कर रहे है ।' यह अत्यन्त वास्तविक है ।"

मित्र "परन्तु वे वास्तवमे निर्माण-कार्य कर तो नही रहे ।"

चित्रकार . "यही तो वास्तविकता है ।"

खाद

एक किसान गाडी लिये किसी पागलखानेके पाससे गुजर रहा था । खिडकीमे-से एक पागल बोला, "क्या लिये जा रहे हो ?"

"खाद ।"

"क्या करोगे ?"

"फलोमे लगाऊँगा ।"

"हम तो फलोमे मलाई लगाते है । और फिर भी लोग कहते है कि हम पागल है ।"

मौसम

दो जन बैठे गप्पें लगा रहे थे । कहनेको कुछ बाकी नही रहा था, इसलिए एक बोला, "आज मौसम कैसा है ?"

दूसरा : "कहा नही जा सकता, आज हमारे यहाँ अखबार नही आया ।"

बचाओ

एक आदमी मैनहोलमे गिर गडा।

"बचाओ ! बचाओ।"

"कैसे गिर गये तुम इसमे ?"

"गिर नही गया, मै तो यही था। उन्होने मेरे चारो तरफ सडक बना दी।"

रस्मे-अदायगी

एक स्कॉच और एक अग्रेज किसी जगलमे-से होकर गुजर रहे थे, कि एकाएक एक डाकू आ गया। उसने अपनी बन्दूक तान दी।

स्कॉचने, जो कि तेजदिमाग था, अपनी जेबसे रकम निकाली और अपने अग्रेज़ दोस्तको देते हुए कहा,

"लो भाई, तुम्हारे वह दस पौण्ड जो तुमने मुझे उधार दिये थे।"

अक्लमन्द

मुसलमान "यहूदी लोग इतने अक्लमन्द क्यो होते है ?"

यहूदी . "क्योकि हम लोग एक खास किस्मका सेव खाते है। कहो तो तुम्हे उसकी एक प्लेट दूँ। दो रुपयेकी होती है।"

मुसलमानने दो रुपये दे दिये तश्तरी आ गयी।

मुसलमान (चखकर) . "यह तो नाशपाती है।"

यहूदी "देखो ! तुम अक्लमन्द होने लगे !!"

डायरी

"मै अपनी डायरीमें निकम्मी बातें ही लिखती हूँ। अहम बातोको तो मैं ज़बानी याद रखती हूँ।"

—एक आंग्ल लडकी

उपाय

दूधको फटनेसे बचानेका सर्वोत्तम उपाय यह है कि उसे गायके अन्दर रखा जाये।

कोई हर्जा नही हुआ !

एक साहब एक परिचित पसारीके पास अपना एक रजिस्टर थोडी देरके लिए रख लेनेको कहकर किसी कामसे चले गये। थोडी देरमें वापस आकर देखते है, तो रजिस्टरसे कागज फाड-फाडकर सौदा बाँधकर ग्राहकोको दिया जा रहा है ! उन्होने घबराकर रजिस्टर उठाया तो बूढे लाला साहब सहज स्वभाव बोले,

"अच्छा, तुम रख गये थे ! मुझे खयाल ही नही रहा। खैर कोई हर्जा नही हुआ। कोरा कागज एक भी नही छुआ, सिर्फ लिखे-लिखे ही फाडे है।"

बाईमान !

"लोगोमें-से मेरा विश्वास उठता जा रहा है।"

"क्यो क्या हुआ ?"

"कल मैंने रुपयेकी रेज़गारी ली, उसमे उसने दुअन्नी खोटी मढ दी ! वह तो अच्छा हुआ कि मैने उसे ट्रामकी टिकिट खरीदते वक्त सरका दी, बाकी अब, अपने लोगोसे मेरी श्रद्धा उठती जा रही है।"

मेहरबान

अकबर : "बीरबल ! जिस लफ्जके आखिरमे 'बान' लगा रहता है अकसर उस नामवाले आदमी बडे दुष्ट होते है, जैसे पीलवान, गाडीवान, दरवान, ."

बीरबल : "हाँ मेहरबान।"

लन्दनका मौसम

"लन्दनका मौसम कैसा था ?"

"क्या मालूम इस कदर कुहरा छाया हुआ था कि कहा नही जा सकता ।"

युगलिया

दोस्त "भई प्रोफेसर, सुना है तुम्हारी बीवीके दो बच्चे हुए है । लडके है या लडकियाँ ?"

प्रोफेसर (गैरहाजिर-दिमागीसे) "हुए तो है । मेरा खयाल है एक लडका है, एक लडकी । लेकिन यह भी मुमकिन है कि एक लडकी, और एक लडका हो ।"

तात्पर्य

एक गैरहाजिर-दिमाग आदमी बहुत दिनो बाद अपने एक दोस्तसे मिला । पूछने लगा,

"कहो यार कैसे हो ? तुम्हारी बीवी कैसे है ?"

"पर मै तो अविवाहित हूँ !"

"अच्छा, आ ! तो गोया तुम्हारी घरवाली अभी तक अकेली ही है ?"

भेडोकी संख्या

किसान (अपने दोस्तको दूरसे अपना खेत दिखाते हुए) : "तुम्हारे खयालसे उस खेतमे कितनी भेडे होगी ?"

दोस्त · "करीब पाँच-सौ ।"

किसान "बिलकुल ठीक ! तुमने कैसे जाना ?"

दोस्त "मैने उनकी टाँगें गिन डाली और फिर चारसे भाग दे दिया ।"

दुनियासे ईमानदारी जाती रही

एक "यार, क्या बतायें—दुनियासे ईमानदारी जाती रही मालूम होती है! कल मैं एक सूटकेस लाया था। मेरा नया नौकर उसे लेकर चम्पत हो गया!"

दूसरा "कैसा था वह सूटकेस? कहाँसे लिया था?"

पहला. "वडा खूबसूरत! रेलमें कोई मुसाफिर छोड गया था, मैं लेता आया।"

बहरहाल अदायगी

दो गप्पी यह तय करके गप्पे लडाने बैठे कि एक दूसरेको बातका खण्डन न करे, जो खण्डन करे वह दूसरेको पाँच-सौ रुपये जुर्मानेके दे।

पहला बोला, "हमारे बापने एक बार अपनी जमीनपर गेहूँ बोये। बडे ज़ोरकी फसल आयी। बाले आस्मान तक चली गयी थी। उन्हे काटनेके लिए मीलो ऊँची नसेनियाँ लानी पडी थी।"

दूसरा समर्थन करता हुआ बोला, "बेशक, फसल ऐसी ही ज़ोरदार हुई थी। मगर बोते वक्त बीजके लिए तुम्हारे बापने हमारे बापसे पाँच-सौ रुपये उधार लिये थे, जो कि अभी तक नही लौटाये गये। तुम्हें अपने बापका वह कर्ज मुझे इसी वक्त अदा कर देना चाहिए।"

बचनेका कोई रास्ता न था। पहलेको पाँच-सौ रुपये देने पडे।

खिजाब

एक दिन अकबर बादशाह खिज़ाब लगाते हुए बीरबलसे बोले,

"क्यो बीरबल, खिज़ाब लगानेसे दिमागको कोई नुकसान तो नही होता?"

बीरबल: "हुजूर, खिज़ाब लगानेवालोके दिमाग़ होता ही नहीं। अगर होता तो बूढेसे जवान बननेकी कोशिश न करते।"

विस्मरण

"मैंने तुझ-सा वेवकूफ नही देखा !"

"आप अपने-आपको भूल जाते है ।"

टाइम

"केशव, देख तो कितने वजे है घडीमे ?"

"साढे—"

"साढे कितने ?"

"क्या मालूम ! आपकी घडीमे घण्टेकी सुई टूटी हुई है, सिर्फ मिनिट की सुई छहपर है ।"

गुठलियाँ

दो आदमी कही आम खाने गये । जब वे दोनो आम खा रहे थे तो उनमें-से एक आदमी अपनी गुठलियाँ दूसरेके सामने खिसकाता जाता था । कुछ देर बाद उसने दूसरेसे मजाकमे कहा, "कितने खाऊ हो ! कितने आम खा गये ! गुठलियोकी ढेर तो देखो !"

दूसरेने जवाब दिया, "मगर तुमने तो गुठलियाँ भी नही छोडी ।"

'वो' स्टेशन

वेलसके एक नये यात्रीने बताया है कि जब कभी थ्रू गाडियाँ LLANFE-CHPWLLGOGERYCH पर ठहरती है, तो कण्डक्टर सिर्फ यह कहता है, "यही है 'वो' स्टेशन, उतरना है किसीको ?"

डबल भूल

"आप इस लडकीकी माँ मालूम होती है ।"

"यह लडकी नही है लडका है, और मैं इसकी माँ नही हूँ, बाप हूँ ।"

स्थिति

"डाकखाना कहाँ है जी ?"

"बैंकके सामने ।"

"बैंक कहाँ है ?"

"डाकखानेके सामने ।"

"मगर ये दोनो कहाँ है ?"

"एक दूसरेके सामने ।"

भिखारी

"बाई ! क्या मुझे ग्यारह आने दे सकती हो ताकि मैं अपने परिवार वालोसे जा मिलूँ ?"

"अरे बेचारा ! ज़रूर ! ! लेकिन वे तुम्हे छोडकर चले कहाँ गये ?"

"सिनेमा चले गये ।"

चिम्मीकी माँ

चिम्मी बडी शरीर लडकी थी । उसकी शरारतोंसे चिढकर एक दिन मास्टरनी बोली,

"चार दिनके लिए मैं तेरी माँ होती तो....."

"अच्छा मै बापूसे कहती हूँ वह इन्तज़ाम करनेके लिए ।"

स्वर्ग-नरक

जिल "तुम्हे मालूम है कि जब मै स्वर्गमे जाऊँगा तो वहाँ शेक्स-पीयरसे मिलूँगा और कहूँगा कि, 'मै नही मानता कि वे सब ड्रामे तुमने लिखे थे ।'"

हिल "और वह वहाँ न हुआ तो ?"

जिल "तो तुम उससे कह सकते हो ।"

समझ

किसीने बर्नार्ड शॉसे पूछा, "मैं अपने कुत्तेका नाम शॉ रखना चाहता हूँ, आपको कोई ऐतराज तो नही है ?"

शॉ "मुझे तो नही है, मगर कुत्तेसे पूछ लो, उसे ज़रूर ऐतराज़ होगा।"

गंगाजल

अकबर . "बीरबल, उत्तम पानी किस नदीका है ?"

बीरबल · "जमुनाका"

अकबर "और गगाजलकी जो महिमा गायी जाती है ?"

बीरबल "जहाँपनाह, गगाजल तो अमृत है, पानी नही।"

नम्बर

"तुम सडकपर चलते हुए हमेशा नोटबुक और पेन्सिल क्यो लिये रहते हो ?"

"इसलिए कि अगर किसी मोटरके नीचे दब जाऊँ तो फौरन् उसका नम्बर नोट कर सकूँ।"

टोपके पीछे

एक तग-नज़र आदमीका टोप तेज़ हवासे उड गया। वह उसके पीछे भागा। पासके मकानसे एक औरत चिल्ला कर बोली,

"यह तुम क्या करते हो ?"

"अपना टोप पकडने दौड रहा हूँ।"

"अपना टोप पकडने ? तुम तो हमारी काली मुर्गीके पीछे भाग रहे हो।"

शुक्र है

महिला "ले भाई, पैसा। लगडा होना सचमुच महा दुखद बात है। लेकिन सोचो तो अगर तुम अन्धे हुए होते तो कितनी बदतर बात हुई होती।"

भिखारी . "हाँ देवी, जब मै अन्धा था तो लोग मुझे खोटे ही सिक्के दिया करते थे।"

बेतकल्लुफी

"कल सवेरे मेरे साथ भोजन करनेमे आपको कोई आपत्ति तो नही है ?

"जी नही।"

"तो कल दस बजे मै आपके यहाँ पहुँच जाऊँगा।"

पुलिसमैन

"क्षमा कीजिए, महाशय, आपने यहाँ आस-पास कोई पुलिसका आदमी तो नही देखा ?"

"पुलिसवालेका तो यहाँ नामोनिशान नही ?"

"जी, तब ठीक है, अपनी घडी और बटुआ फौरन् हवाले कर दीजिएगा।"

फल-स्वरूप

सरदारजी "इस राज्यमे भी कोई इन्साफ है ?"

नागरिक . "क्यो क्या हुआ, सरदारजी ?"

सरदारजी "जुर्म कोई करता है, पकडा कोई जाता है! देखो नहीं आजके अखबारमें खबर ...

'रामस्वरूपने चोरी की, फलस्वरूप पकडे गये बेचारा फलस्वरूप।'"

बीमा एजेण्ट

एक "हमारी बीमा कम्पनी लेने-देनेका काम बडी द्रुत गतिसे करती हैं। आज कोई आदमी मरे तो उसके बीमेकी रकम अगले दिन सुबह ही उसकी पत्नीको दे दी जाती है।"

दूसरा "बस इतना ही! हमारे यहाँ काम इससे भी तेज़ रफ्तारसे होता है। हमारे दफ्तरकी चौथी मजिलसे अगर कोई बीमाधारी गिर पडे तो दूसरी मज़िलसे गुज़रते वक्त ही, जहाँ हमारा पेमेण्ट डिपार्टमेण्ट है, उसे चैक थमा दिया जाता है।"

सन्तोष-वाहक

एक सेल्समैनको उसकी काहिलीके कारण बरख़ास्त कर दिया गया। उसने जाते वक्त एक सिफारिशी ख़त चाहा कि फर्मको उसके कार्यसे सन्तोष रहा है। भूतपूर्व मालिकने क्षणभर सोचा और लिखकर दे दिया कि,

"इस पत्रका वाहक हमे दो वर्षके बाद छोड रहा है और हमे सन्तोष है।"

निकम्मा

"वह यहाँ सारे दिन बैठा-बैठा वक्त बरबाद करता रहा।"

"तुम्हे कैसे मालूम?"

"मै उसे लगातार देखता रहा हूँ।"

सीजन

"सीजन कितने होते है?"

"दो बिज़ी और डल।"

'डू-इट-नाउ'

एक व्यापारिक सस्थाका प्रेसिडेण्ट वहुतसे 'अभी कीजिए' के वोर्ड वनवा लाया। और उन्हे कारिन्दोको प्रोत्सहित और क्रियाशील वनानेके खयालसे दफ्तरमे टँगवा दिया। एक दिन उसके एक दोस्तने उससे पूछा कि उस योजनाका स्टाफपर कैसा असर हुआ। मालिक वोला, "मैं जैसा सोचता था वैसा नही हुआ। खजाची तीस हज़ार रुपये लेकर चम्पत हो गया। हेडक्लर्क लेडी प्राइवेट-सेक्रेटरीको लेकर भाग गया। तीन क्लर्कोंने तरक्कीकी माँग पेश कर दी। चपरासी वैकके डकैतोमे जा मिला।"

कुफ़्

एक पागल (नाम पूछे जानेपर) "मेरा नाम हज़रत मुहम्मद।"

दूसरा पागल · "नही यह झूठ वोलता है, मैंने इसे पैगम्बर वनाके नही भेजा।"

उलट-पुलट

किसी सोसाइटीके चेयरमैन उसके वार्षिक अधिवेशनमें वोल रहे थे। "इस तरहके संघटनोमें कमेटीके आधे लोग सारा काम करते है, वाकी आधे कुछ नही करते। लेकिन जिस सोसाइटीका चेयरमैन होनेका मुझे फख्र हासिल है उसमे वात इससे ठीक उलटी है।"

ईमानदार साथी

"तुमने यह अकेले हाथ ही चोरी की ?" चोरकी स्त्रीने चकित होकर पूछा।

"और क्या ! इस धन्धेमे ईमानदार साथी मिलते कहाँ है ?" चोर वोला।

नकली

"जनाब, आपके वह हाथी दाँतके गहने तो सब बनावटी निकले !"

"मुझे लगता है, उस हाथीके दाँत ही बनावटी रहे होगे।"

समानता

एक दिन एक पागल पागलखानेके नये सुपरिण्टेण्डेण्टके पास गया और बोला, "अबतक जितने सुपरिण्टेण्डेण्ट यहाँ आये, उनमे आप हम सब लोगोको अधिक पसन्द है ।"

सुपरिण्टेण्डेण्ट साहबने पसन्न होकर पूछा, "क्यो ?"

"क्योंकि आप हम लोगोकी तरह ही मालूम होते हैं।" पागल बोला।

जिम्मेदार

"इस कामके लिए मुझे एक जिम्मेदार आदमी चाहिए।"

"तब तो मुझसे अच्छा आपको कोई नही मिलेगा। जहाँ मैंने काम किया, वहाँ हर चौपटपनके लिए लोगोने मुझे ही जिम्मेदार ठहराया।"

ताकि खो न जाये

एक लडकी किसी फण्डके लिए चन्दा लेने एक दफ्तरके मैनेजरके कमरेमे जा पहुँची। मैनेजरने बालिकासे विनोदमे कहा, "देखो ! यह चवन्नी है और यह एक रुपयेका नोट है जो चाहो उठा लो।"

लडकी बोली, "मेरी माँने सिखाया है कि जहाँ बडी और छोटी चीजोमे-से कुछ भी लेनेकी आजादी हो, तो हमेशा कमकीमती चीज लेना। इसलिए मै चवन्नी ही लेती हूँ। मगर यह कही खो न जाये इसलिए इस 'कागज़' मे लपेटकर रखे लेती हूँ।" यह कहते हुए वह सफाईसे दोनो चीज़े लेकर चलती बनी।

खोद बीन

एक कर्मशीला नारीको कुत्तेने काट खाया। उसे दुर्घटना बुरी तो लगी, फिर भी तत्परतासे अपने दफ्तरका काम करती रही। पर एक नयी बला उठ खडी हुई, उसके परिचित लोग उससे तरह-तरहके बेकार सवालोंसे परेशान करने लगे।

"फेन्सी ! क्या तुम्हे कुत्तेने काट खाया ?"

"हाँ, काट तो खाया है।"

"फिर भी तुम यहाँ बदस्तूर काम कर रही हो ?"

"नही, उन लोगोंकी फहरिस्त बना रही हूँ जिन्हे पागल हो जानेपर काटूँगी।"

अचरज

"तो तुम अमेरिका जा रहे हो ! मालूम है जब यहाँ दिन होता है तब वहाँ रात होती है ?"

"हाँ, पहले पहल तो बडा अचरज लगेगा।"

सुस्वागतम्

स्वर्गीय जार्ज पञ्चम जब प्रिन्स ऑफ वेल्सके तौरपर हिन्दुस्तान आये तो लाहौरमें उनके स्वागतार्थ जगह-जगह ध्वजा-पताकाएँ वगैरह लगायी गयी। कही सत्कारमें पीछे न रह जाये इसलिए एक कब्रिस्तानकी मैनेजिंग कमिटीने उत्साहमें आकर कब्रिस्तानपर भी 'वैलकम' लगा दिया !

राज्याभिषेक

एक राजाका राज्याभिषेक हो रहा था, राजाने किसी त्रुटिकी ओर संकेत किया, कारबारी डरकर बोला, "भूल हो गयी सरकार, आइन्दा ऐसे मौकेपर ऐसी गलती आपकी नजर नही आने दी जायेगी।"

बहरा

एक बूढा धनवान् बहरा आदमी एक दूकानसे आधुनिक गुप्त श्रवण-यन्त्र खरीद कर ले गया। दो हफ्ते बाद दूकानवालेके पास हर्ष प्रकट करते हुए बोला,

"अब मुझे बहुत अच्छा सुनायी देता है! दूसरे कमरे तककी बाते सुन सकता हूँ!"

"तब तो आपके रिश्तेदार बडे ही खुश होगे कि आप सुनने लगे?"

"नही, मैने उन्हे बतलाया नही है। उनकी बाते सुन-सुनकर मैने अपने वसीयतनामेको तीन बार बदला है!"

जहान्की माँ

शेख नामक एक शायरा थी, उसके पतिका नाम 'आलम' और पुत्र का नाम 'जहान्' था। (दोनोका मतलब है 'दुनिया'।)

औरगजेबके शाहज़ादा मुअज्जमने एक बार उससे भरे दरबारमे मजाक की,

"तू तो आलमकी पत्नी है न?"

शेख हँसकर बोली, "जी सरकार, मै ही जहान्की माँ हूँ।"

टाइम

महारानी "कितने बजे है?"

दासी : "जितने महारानी चाहे।"

बेचारा

वृद्ध सज्जन . "आज अखबारमें आया है कि न्यूयार्कमे हर आध घण्टे बाद एक आदमी मोटरसे कुचल जाता है।"

बुढिया . "हाय, हाय! बेचारा।"

तव तो !

"हाँ भाई, एक बात बताओ। जब मैं तुमसे बाजारमे मिला, तब मैं चौकको ओरसे आ रहा था, या उस ओर जा रहा था ?"

"उस ओरसे आ रहे थे।"

"ठीक ! तव तो मै खाना खा चुका हूँ।"

अकालका कारण

मोटा ताजा आदमी (अपने दुवले-पतले मित्रसे) : "वाह भाई, कैसा हड्डियोका पंजर लिये फिरते हो ! तुम्हें कोई देखे तो यही समझे कि देशमें अकाल पडा हुआ है।"

मित्र "जी हाँ, और अगर तुम्हे भी देख ले तो समझ जाये कि अकाल किस कारण पडा हुआ है।"

एक और एक

एक और एक ग्यारह होते है, वशर्ते कि उनके नौ वच्चे हों।

ईमानदारी

एक औरतने एक वकरी रखी थी। वह उसका रैशन-कार्ड खा गयी। औरतने दूसरे कार्डके लिए दरख्वास्त दी, 'पुनश्च' में लिखा,

- "मै एक ईमानदार औरत हूँ"

जवाव आया, "दूसरा कार्ड दे दिया जायेगा।" 'पुनश्च'मे था,

"सिर्फ वकरीकी ईमानदारीमे शक है।"

आजमाइश

"वह इतना ईमानदार है कि एक पिन भी नही चुरायेगा।"

"पिन-परीक्षाको मै महत्त्व नही देता। इनगॉटसे जाँचिए।"

दिन

"चन्द्रका एक दिन पृथ्वीके चौदह दिनके बराबर होता है ।"

"हमारे दर्ज़ीका भी ऐसा ही है !"

मशहूर जनरल

अमेरिकाकी नागरिकता पानेके लिए जो कोई अर्ज़ी देता है उससे अमेरिका-सम्बन्धी बहुत-से सवाल पूछे जाते हैं । इसी सिलसिलेमे एक हगेरियन लडकीसे पूछा गया, "अमेरिकाके सबसे बडे और मशहूर जनरलका नाम बताओ" लडकीने बिना हिचकिचाहट जवाब दिया, "जनरल मोटर्स"

अँगुलियॉ

"टुनमुनकी सीधे हाथकी अँगुलियाँ कहाँ गयी ?"

"घोडेके दाँत गिननेके लिए उसने उसके मुँहमे हाथ डाला ।"

"फिर क्या हुआ ?"

"घोडेने यह जाननेके लिए अपना मुँह बन्द कर लिया कि उसके हाथमे कितनी अँगुलियाँ है ?"

सान

फेरीवाला : "किसीको चाकू-कैंची तेज़ कराना है ?"

एक हज़रत "अक्ल भी तेज़ कर सकते हो ?"

फेरीवाला "जी हाँ, है क्या आपके पास ?"

अमन-पसन्द

स्मिथ महोदय "कल मै छतरी तो नही छोड गया ?"

हज्जाम . "कैसी छतरी ?"

स्मिथ साहब "कैसी भी हो, मुझे झगडा थोडे ही करना है !"

टिकिट-बटोरा

एक लडकेको अपने विलायती वाल्देनमे टिकिटें इकट्ठी करनेका शौक छू गया। एक रोज उसके यहाँ एक मेहमान आया, उसने लडकेसे पूछा, "अच्छा बताओ हँगेरी कहाँ है ?"

लडका स्टाम्प-बुकको तरफ नजर डाले बगैर बोला, "इटलीसे दो पन्ने आगे।"

अतल तल

"इस दलदलमें सख्त तली है क्या ?"

"है।"

"... ."

"कहाँ ! मै तो गले तक फँस गया।"

"अभी तो तुमने उसका आधा भी रास्ता तय नही किया।"

छुट्टी

"तुम हफ्तेके छह दिन क्या काम करते हो ?"

"कुछ नही।"

"और इतवारको।"

"छुट्टी मनाता हूँ।"

ज्यादा कंजूस कौन ?

"तू मोचीकी लडकी होकर भी फटे हुए चप्पल पहनती है ! तेरा बाप जरूर कंजूस होना चाहिए।"

"मेरा बाप तेरे बापसे ज्यादा कंजूस नही है। तेरा बाप दाँतका डॉक्टर है। मगर तेरा छोटा भाई सात महीनेका हो गया फिर भी उसके मुँहमे एक ही दाँत है !"

मिलत-बिछुरत

कुछ लोग ऐसे है कि जहाँ कही पहुँचे आनन्द देते है, कुछ ऐसे है कि जब कभी विदा हो आनन्द देते हैं।

घण्टाघर

टावरकी घडीको दुरुस्त करके उतरते हुए घडीसाज़से किसीने पूछा, "क्यो साहब, क्या घडीमे कुछ ख़राबी थी ?"

घड़ीसाज़ "जी नही, मुझे दीखता कुछ कम है, टाइम देखनेके लिए चढा था।"

बगुला

"बगुला एक टॉगपर क्यो खडा रहता है ?"

"क्योकि अगर दूसरी उठावे तो गिर पड़े।"

प्रतिध्वनि

स्कॉट (पहाडी इलाकेमे) "देखा ! हमारे इस इलाकेमे प्रतिध्वनि चार मिनिट वाद आती है। आपके देशमे ऐसा कमाल कही नही मिल सकता।"

अमेरिकन "हमारे मुल्कमे इससे कही वढकर प्रतिध्वनि आती है। रॉकी पर्वतोमे मै अपने केम्पमे रातको सोते वक्त खिडकीके वाहर मुँह करके चिल्लाता हूँ, "उठो सवेरा हो गया !" और आठ घण्टेके वाद प्रतिध्वनि वापस आती है और मुझे जगा देती है।"

बदतर

"यहाँ लगोट पहनकर आनेसे वदतर वात क्या होगी ?"

"विना लगोट पहने आना।"

पूर्ण लाभ

एक सुन्दरी किसी फुटबॉलके मैचमे एक घण्टा देरसे पहुँची, आते ही आतुरतासे पूछा, "स्कोर क्या है ?"

"नो गोल।"

"शुक्र है ! मैंने कुछ नही खोया !"

नाश्ता

"रात मैंने सपनेमे देखा कि एक नये किस्मका नाश्ता आया है और मै उसे चख रहा हूँ।"

"फिर ?"

"आँख खुलनेपर देखता हूँ कि गद्देका एक कोना गायब है।"

दुर्घटना

"तो आप इस नौका-दुर्घटनासे बच गये ?"

"हाँ।"

"कैसे ?"

"मुझे जगह नही मिली थी।"

दिमाग

"आप मेरे मृत पतिके इस फोटोको 'ऐन्लार्ज' कर दे, अगर उसमे टोपको हटा सकें तो बहतर हो।"

"हो जायेगा। लेकिन यह बताइए कि वे माँग किस तरह निकालते थे ?"

"यह तो जब आप उनके टोपको हटायेंगे आपको खुद मालूम हो जायेगा।"

यमसम

"पण्डितजी, आप तो कहते थे कि विना वक्त आये कोई मर नही सकता, फिर यह बन्दूक लेकर जगलमे क्यो आये है ?"

"इसलिए कि शायद कोई ऐसा हिंस्र पशु मिल जाये जिसका वक्त आ गया हो।"

निराशा

ज्योतिषी "तुम्हारे पासवाले आदमीको तुमसे आज बडी निराशा होगी।"

आदमी "जी हाँ, ठीक है। आज मै अपना बटुआ घरपर ही भूल आया हूँ।"

दूरकी

चार यार थे। एक गूँगा और बहरा था, दूसरा अन्धा, तीसरा लँगडा, चौथा नगा। चारो किसी यात्राको जा रहे थे। रास्तेमे एकाएक गूँगा और बहरा बोल उठा, "यारो ! कुछ आवाज़ आ रही है !"

अन्धा "देखते नही, डाकू आ रहे है !"

लंगड़ा "मै तो भागा जाता हूँ !"

नंगा · "हाँ भाई, तुम सब भागकर मेरे ही कपडे उतरवाओगे !"

चाल

यात्री · "आपका विज्ञापन तो कहता है कि आपका होटल स्टेशनसे पाँच मिनिटपर है। हमे तो यहाँतक आनेमे घण्टा-भर लग गया !"

होटलवाला : "ओ हो ! आप चलकर आये मालूम होते है। हमारा होटल पद-यात्रियोके लिए नही है।"

बकझक

बक्की . "काबिले-तारीफ बस दो ही शख्स है ।"
झक्की "वाकई ! दूसरा कौन है ?"

कयामतके बाद

राजनीतिज्ञ फॉक्सने किसी यहूदीसे कभी कोई कर्ज लिया था। तकाजा किये जानेपर उसने कहा, "मेरे पास इस वक्त पैसा नही है ।"

"तो कोई तारीख मुकर्रिर कर दीजिए ।"

"अच्छा तो कयामतका रोज रखो ।"

"साहब, उस रोज तो हमारे लिए बडी भीड रहेगी ।"

"ठीक, अगर उसके बादका दिन रखें तो कैसा रहेगा ?"

आजकी तारीख

"आज कौन-सी तारीख है ?"

"कलसे एक ज्यादा ।"

"कल तो ३१ थी ।"

भविष्यवाणी

ज्योतिषी "अगले चार वर्ष तुम्हारे लिए बहुत कठिन है ।"
ग्राहक (उत्सुकतासे) . "उसके बाद क्या होगा ?"
ज्योतिषी "उसके बाद तुम उसके आदी हो जाओगे ।"

पस्ती

होटलवाला : "पहली मजिलके कमरेका किराया बीस रुपये है, दूसरीका पन्द्रह रुपये, तीसरीका दस ।"

मुसाफिर : "अच्छा साहब, चल दिये। यह होटल काफी ऊँचा नही है।"

रोजने-अर्श

"आपकी छतरीमे तो बहुत बडा छेद हो गया है।"

"वारिश वन्द हो गयी या नही, इसीमे-से देखता हूँ।"

कौन किसका

"यह गाय और वछडा किसका है ?"

"गायकी तो खबर नही, मगर वछडेकी मालूम है।"

"किसका है ?"

"गायका।"

जीमा कौन ?

जगन्नाथ महादेव क्षेत्रमे तीस मन लड्डू तैयार हुए और ब्राह्मण जीमे। मिष्टान्नसे अटी हुई वेद-मूर्तियाँ हाल-वेहाल हो रही थी। एकको दो जन सहारा देकर चलनेमे मदद दे रहे थे। किसीने पूछा, "क्यो मायाशकर ! जीमे ?"

"मै क्या जीमा ! जीमे तो दयाशकर, जो कि चारपाईपर पडकर आ रहे है।"

आगे जाकर देखा कि चार आदमी एक चारपाईको कन्धोपर सँभाले हुए है, ऊपर दयाशकर चित्त पडे है, साँस लेना भी मुश्किल हो रहा है।

"क्यो भाई दयाशकर ! जीमे ?"

वडी मन्द आवाज़से दयाशकर वोले,

"अरे मै क्या जीमा ? जीमे तो जयाशकर महाराज कि जो ठामपर ही रहे !"

वहाँ जाकर पूछा तो जयाशकरजी मरते-मरते मिष्टान्न भण्डारकी ओर अँगुलीसे इशारा करते हुए वोले, "अभी वहुत वाकी रहा।"

दो खोपडियाँ

यात्री (मिस्रके अजायबखानेमे दो खोपडियोपर) "यह क्या है ?" एक ही नाम देखकर,

गाइड · "यह कल्योपैट्राकी खोपडी है ।"

यात्री : "और यह ?"

गाइड : "यह उसीकी बचपनकी खोपडी है, पहलीवाली जवानी की है ।"

गनीमत

लडाईमे एक आदमीका लडका मारा गया ।

"गोली कहाँ लगी थी ?"

"आँखके नीचे ।"

"गनीमत हुई, आँख बच गयी !"

मतिमान

दो ड्राइवर अजायबखाने गये । वहाँ एक मिस्री ममी (सुरक्षित लाश) रखी थी । उसके नीचे "1046 B. C." लिखा हुआ था ।

एक "इसका क्या मतलब है ?"

दूसरा · "शायद यह उस मोटरका नम्बर है जिससे दबकर इसकी मौत हुई ।"

नित्यनूतन

"तुम्हारा टोप तो बडा खूबसूरत है !"

"हाँ, मैंने इसे चार साल पहले खरीदा था । दो बार साफ करवा चुका हूँ, एक बार तो यह एक होटलमे किसी औरके टोपसे बदला भी जा चुका है, फिर भी नया-जैसा दिखता है ।"

दुधारा छुरा

वकील "डॉक्टर कभी गलती करते है या नही ?"

डॉक्टर "वकीलोकी तरह उनसे भी गलतियाँ होती है।"

वकील. "लेकिन डॉक्टरकी गलती आदमीको जमीनमे कभी छह फुट नीचे गाड देती है।"

डॉक्टर "वकीलोकी गलतीसे भी हवामे कभी छह फुट ऊँचा लटकना पड जाता है।"

गुरुत्वाकर्पण

एक अमेरिकन और एक स्कॉट उत्तरी स्कॉटलैण्डकी ठण्डके बारेमे चर्चा कर रहे थे।

अमेरिकन "अमेरिकाकी ठण्डके मुकाबलेमे स्कॉटलेण्डकी ठण्ड कुछ नही। मुझे याद आता है जाडेके दिनोमे एक बार एक भेड पहाडीसे मैदान मे कूदी कि ठण्डके मारे बीचमे ही जम गयी और हवामे बर्फ-खण्डकी तरह अटक गयी।"

स्कॉट "लेकिन गुरुत्वाकर्पणके सिद्धान्तके कारण ऐसा होना मुमकिन नही है।"

अमेरिकन · "पर गुरुत्वाकर्षणका सिद्धान्त भी जम गया था।"

यादगारे-ख़ुदा

एक रिपोर्टर किसी अल्ट्रा-मौडर्न (अभिनव) टेलिफोन बिल्डिगका निरीक्षण कर रहा था। विज्ञानकी करिश्मासाज़ियोपर वह आश्चर्य-चकित था। एक जगह उसे एक ग्लास-केसमे कुछ रगीन मछलियाँ तैरती दिखी। उसने गाइडसे पूछा, "यह यहाँ किसलिए है ?"

"यह याद दिलानेके लिए कि कुछ चीज़ोका आविष्कार ख़ुदाने भी किया है," गाइड बोला।

टुप्पई टुप्प

मगो अपने सेठकी लडकीके लिए योग्य वर ढूँढनेके लिए निकला। एक गाँवमे एक मालदार पटेलके तीन लडके थे तो खूबसूरत मगर तुतलाते थे। किसी कदर वेवकूफ भी थे।

पटेलने मगोकी वडी आवभगत की। तीनो छोकरोको सख्त ताकीद कर रखी थी कि कोई हर्गिज न बोले।

मगो "पटेल साहव, आपके लडके है तो रत्न-जैसे, मगर वोलते क्यो नही ?"

पटेल . "ये शर्माते ज्यादा है।"

मगोको शक हुआ। वह उन्हे वाहर घुमाने ले गया। और वडे लडके को अलग ले जाकर धीरेसे वोला, "तीनो भाइयोमे तुम मुझे सवसे ज्यादा सुन्दर लगते हो। मैं तो सेठकी लडकीकी सगाई तुम्हारे ही साथ कर देना चाहता हूँ।"

लडका इस वातसे फूल उठा। सव भूल-भालकर कहने लगा, "अवी चण्डन-वण्डन नई लगो नई टो ओरऊ सुन्डर डिखटे !"

यह सुनकर मँझला लडका वोल उठा, "वापूने ना टरी टी, टू टयो वोलो ?"

छोटा लड़का वोल पडा, "टुम वोले, टुम वी वोले, अम टो टुप्पई टुप्प (चुप ही चुप)।"

विशाल क्षेत्र

एक "हमारे एक खेतमे किसान अगर वसन्तमे जुताईकी एक लाइन डालना शुरू करे तो वह पतझडमे पूरी कर पाता है। लौटते वक्त वह फसल काटता आता है।"

दूसरा . "हमारे खेतमे तो यह आम वात है कि नवदम्पति गायको दुहने जाते है, और उनके वच्चे दूध लेकर आते है।"

मिली भगत !

एक फटेहालने रास्तेमे एक सज्जनको रोककर कहा, "साहब, क्या आप यह सोनेकी अँगूठी सिर्फ चालीस रुपयेमे लेगे ?" भला मनुष्य शककी नजरोसे उसे देखता हुआ आगे बढ गया ।

कुछ ही दूरपर एक उजले-पोश मिला । बोला, "आपको रास्तेमे मेरी सोनेकी अँगूठी पडी हुई तो नही दिखी ? कोई लाकर दे दे तो सौ रुपये इनाम दूँ !" बेचारा भला आदमी लालचमे आ गया । उसे वही खडा रखकर लौटा, पहले आदमीसे अँगूठी खरीदकर वापस आया तो उस उजले-पोशका पता न था !

समाज-सुधार

भूतपूर्व खजांची "तुमने अपने इस सडियल परचेके जरिये मेरा अपमान किया ! इसके मानी ! !"

सम्पादक "जरा ठहरिए, देखिए न समाचार हू-बहू वैसे ही छपा है जैसा आपने दिया था, "श्री भवानीशंकरजीने भाटिया पब्लिक ट्रस्ट फण्डके खजाची पदसे इस्तीफा दे दिया ।"

भूतपूर्व खजांची . "पर तुमने 'समाज सुधार'के स्तम्भमे छापा है यह !"

तुषारपात

वेटर : "साहब, यह चाय दार्जिलिंगसे आयी है !"

ग्राहक "तभी इतनी ठण्डी है ।"

सद्गत

ग्राहक (असन्तुष्ट) "इस ढाबेका मालिक कहाँ है ?"

वेटर "जी, वो दूसरे ढाबेमे खाना खाने गये है ।"

नवागन्तुक

नववधू "प्री तम ' ।"

पति : "हाँ, प्रिये ।"

"मैं कैसे कहूँ ?"

"क्या ?"

"कि ' कि शीघ्र ही एक तीसरा हमारे घरमे आ जाने वाला हे ।"

"प्रि "य'''त मे ! तुम्हे निश्चय है ?"

"बिलकुल । भाईका खत आया है कि वह अगले शनिवार तक यहाँ पहुँच जायेगा ।"

लुई द फोर्टीन्थ

एक औरत अपनी नयी सहेलीको अपनी बाल-मण्डलीका परिचय कराते हुए बोली,

"और इसका नाम हमने लुई रखा है ।"

"क्यो ?"

"क्योकि यह मेरी चौदहवी सन्तान है ।"

आसान और दुश्वार

शिक्षिका : "वह क्या चीज़ है जिसमे घुसना आसान है, निकलना मुश्किल ?"

विद्यार्थिनी "बिस्तर ।"

बेजबानी

मालिक-मकान ' "मुझे खुशी है 'कि अब आप पलस्तर गिरनेकी शिकायत नही करते ।"

किरायेदार "क्योकि जो रहा-सहा था वह भी कभीका गिर चुका ।"

ज्योतिषी

एक राजाने अप्रसन्न होकर एक ज्योतिषीको फाँसीपर चढा देनेकी सज़ा सुना दी।

एक मित्रने सान्त्वना देते हुए उससे पूछा, "क्या तुम्हे अपने भविष्य की जानकारी थी ?"

ज्योतिषी बोला, "ग्रहोके अनुसार तो मृत्युके समय मुझे कोई उच्च स्थान प्राप्त होना चाहिए था। परन्तु यह मुझे कैसे ज्ञात होता कि वह ऊँचाई फाँसीके तख्तेकी ऊँचाई है !"

यथातथा

"आप हमेशा अपने मरीज़ोसे यह क्यो पूछते है कि वे क्या खाते है ?"

"वह तो सबसे अहम सवाल है। मैं अपना बिल उनके 'मैनू' को देखकर बनाता हूँ।"

वापस

डाक्टर "मुझे कहते हुए सकोच होता है, मगर आपने जो चैक दिया था वापस आ गया।"

मरीज़ : "अजीब इत्तिफाक है मेरा ! कमरका दर्द भी वापस आ गया।"

मिडिल

एक पुराने बुजुर्गने एक नये जवानसे पूछा,

"भैया ! कहाँतक पढे हो ?"

युवक "एम ए. तक।"

बुज़ुर्ग : "एम. ए , फैम. ए. तो ठीक, पर अभी तक मिडिल भी पास किया है या नही ?"

पैसा

"मैं मानता हूँ कि वहुत-सी चीजें ऐसी हैं जो कि पैसेसे भी ज्यादा कीमती हैं—लेकिन उन्हे खरीदनेके लिए आपके पास पैसा चाहिए।"

लाभ-शुभ

"पैसा कमानेके हजारो तरीके हैं, मगर ईमानदारीसे कमानेका एक ही तरीका है।"

"वह कौन-सा ?"

"अहा, मैं जानता था कि तुम्हे मालूम न होगा।"

लखपती

"मैं लगभग लखपती हो गया।"

"लखपती हो गये ?"

"हाँ, सिर्फ एकको कमी है। सिफर तो सब मिल गये।"

धारावाहिक

वार्डन (विजलीकी कुरसीपर वैठे हुए अपराधीसे) "करेण्ट चालू की जाये उससे पहले तुम्हें कुछ पूछना है ?"

अपराधी · "हाँ, कलके मौसमके वारेमें अखवार क्या कहता है ?"

अज्ञान

एक मौलवी साहव पहली वार सिनेमा देखने गये। एक सीनमें हाथीको अपनी तरफ आता हुआ देखकर डरने लगे। पास वैठा हुआ दर्शक वोला, "यह तो सिनेमा है, डरते क्यो है ?"

"भई, मैं तो जानता हूँ कि यह सिनेमा है, पर वह हाथी तो नही जानता !" मौलवी साहवने समझाया।

पीना हराम

एक विज्ञापन "आप हमारी तितली छाप एक सिगरेट पीकर देखिए। फिर आप दूसरी न पीयेंगे।"

यथातथ्य

एक सम्पादक यथातथ्यताका बडा आग्रही था। वह अपने नये सवाद-दाताओसे यथातथ्य ही रिपोर्ट देनेका आग्रह किया करता।

एक बार एक नया रिपोर्टर किसी सार्वजनिक सभाका समाचार लाया। सम्पादक पढते-पढते इस वाक्यपर आया, "तीन हजार नौ-सौ निन्नानवे आँखें वक्तापर जडी थी।"

सम्पादक गुस्सेसे बोला, "इस ऊलजलूल बकवासका मतलब ?"

"बकवास नही है, तथ्य बात है, श्रोताओमे एक काना आदमी भी था," रिपोर्टर बोला।

नरकगामी

एक जमीदारने अपने अमेरिकन मेहमानसे पूछा,

"आपको हमारा गाँव कैसा लगा ?"

"बिलकुल नरक-जैसा !"

"कोई ऐसी जगह भी है जहाँ अमेरिकन न गये हो ?"

अभिप्राय

एक उदीयमान लेखक बर्नार्ड शॉको अपना नाटक सुनाने आया। पहले अंकके बाद शॉको नीद आने लगी। लेखक नाराज़ होकर बोला, "मिस्टर शॉ, मैं आपका अभिप्राय लेने आया हूँ, मगर आप तो नीद ले रहे है।"

"नीद भी एक अभिप्राय ही है न ?" शॉ बोले।

संस्कृत-हिन्दी

एक महाशय मस्कृत, हिन्दी या व्रजभापाके अलावा किसी और जवानका एक लफ्ज भी नही वोलते थे। कडा नियम था। किसीसे वात-चीतके दौरानमे वन्दूकका प्रसग आ गया। आपने वन्दूक चलानेका वयान यूँ ईर्शाद फर्माया,

"लौह-नलिकामें श्याम चूर्ण प्रवेश करिकै अग्नि दीनी तो भडाम शव्द भयौ।"

चमत्कार

सरहदपर किसी वूढे यात्रीको 'कस्टम पुलिस' ने रोका।

यात्री "मेरे पास कोई ऐसी चीज नही जो आपत्ति-जनक हो या जिसपर चुंगी लगायी जा सके।"

पुलिस : "इस वोतलमे क्या है ?"

यात्री . "कुछ नही, पवित्र जल है इसमे।"

लेकिन जव वोतल खोली गयी तो उसमे शरावकी वू आयी।

वुड्ढेने फौरन् अपनी आँखे आस्मानकी तरफ उठाकर कहा, "लाख लाख शुक्र है, खुदा! आज तूने मुझे प्रत्यक्ष चमत्कार देखनेका सौभाग्य दिया।"

—"द' कन्ट्रीमैन" से

महत्त्वाकाक्षा

वुजुर्ग : "और तुम क्या वनना चाहते हो वेटे? अपने पिताकी तरह महान् लेखक?"

वालक : "नही, मै तो वडा आदमी वनना चाहता हूँ ताकि जो कुछ कह दूँ सो छपे।"

वीरचक्रम

तमाम लडाईमे जित्तू अपने कप्तानके नजदीक रहा। उसके पीछे-पीछे सायेकी तरह लगा रहा। लडाई खत्म होनेपर कप्तानने जित्तूको बुलाया।

"आज तुमने बडी वीरता दिखायी। लेकिन तुम मेरे लिए अपनी जान खतरेमे क्यूँ डालते रहे ?"

"इसकी वजह यह थी साहब, कि अबकी छुट्टियोमे जब मै घर गया तो मेरी घरवालीने कहा, "लडाईमे हमेशा कप्तानके पास रहना। वे लोग कभी नही मरते।"

२ अक्टूबर

श्री श्रीप्रकाशजी - "आज तो महात्माजी ! आपने और भी अधिक काम किया।"

गांधीजी "भाई, आज मेरी वर्षगांठ है न !"

विनोदी गॉधीजी

गांधीजी जब घूमने निकलते तो अक्सर पीछे खेलते-कूदते आते हुए बकरीके बच्चेका कान पकड कर कहते, "क्यो, फिर शरारत करने लगा ? तेरी मांका दूध मै पी जाता हूँ इसलिए ईर्ष्यासे उपद्रव करना शुरु किया है क्या ? आइन्दा ऐसा न करना। तू तो मेरा दूध-भाई है।"

वश

एक पादरीसे किसीने पूछा, "खुदाने शुरुमे आदम और हव्वा सिर्फ दो ही शख्सोको क्यो बनाया ?"

पादरी "इसलिए कि कोई अपनेको दूसरेसे ऊँचे खानदानका न बता सके।"

—'इट्ज़ नॉट ए जोक' से

सबसे छोटा खत

विक्टर ह्यूगोकी एक नयी किताब प्रकाशित हुई थी। यह जाननेके लिए कि वह कैसी बिक रही है उन्होंने अपने प्रकाशकको लिखा,

"? विक्टर ह्यूगो।"

प्रकाशकने जवाब भी वैसा ही संक्षिप्त दिया ?

"!"

—'टाइम्स ऑफ इण्डिया' से

विराट्

प्रिंस्टनके प्रसिद्ध खगोल शास्त्री हैनरी नारिस रसलने आकाश-गंगापर अपना व्याख्यान समाप्त किया। एक स्त्रीने उनसे प्रश्न किया, "अगर हमारी पृथ्वी इतनी छोटी और ब्रह्माण्ड इतना बडा है, तो भला भगवान् हमारा ध्यान कैसे रखता होगा ?"

डॉक्टर रसलने उत्तर दिया, "देवीजी! यह इसपर निर्भर करता है कि आप कितने बडे भगवान्में विश्वास करती है!"

—'वाशिंग्टन पोस्ट' से

विधवाएँ

वर्धामें कांग्रेसकी वर्किंग कमेटीकी मीटिंग हो रही थी। सख्त गरमी थी। गांधीजीके पास सरदार पटेल और चक्रवर्ती राजगोपालाचारी गरमीकी वजहसे अपने सरपर तौलिया डाले बैठे थे। सरोजिनी नायडू किसी कामसे बाहर आयी। एक विदेशी संवाददाता लपककर उनके पास आकर पूछने लगा,

"गांधीजीके पास ये और दो महिलाएँ कौन है ?" सरोजिनी देवीने मुडकर देखा और हँसते-हँसते बोली,

"ओह! वे ? वे तो गांधीजीकी विधवाएँ है!"

नामकरण

सृष्टिकी रचनाके बाद आदम और हव्वा जानवरोका नामकरण करने निकले तो एक तेंदुआ पाससे गुजरा। आदमने पूछा,

"इसका क्या नाम रखे ?"

"इसका नाम 'तेंदुआ' रखा जाये !"

"पर तेंदुआ ही क्यो ?"

"क्योकि यह तेंदुएसे ही ज्यादा मिलता-जुलता है।"

मिथ्यात्व

एक महात्माजी सामनेसे मत्त हाथीको आता हुआ देख भागने लगे। शिष्य बोला, "महाराज ! आप तो जगको मिथ्या बताते थे, तो यह हाथी भी मिथ्या हुआ। फिर क्यो भागे जा रहे है ?"

"बेटा ! पलायन भी मिथ्या है !!" महात्माजी भागते हुए कहते गये।

नामावलि

प्रधानमन्त्री श्री नेहरू अपने मन्त्रिमण्डलकी नामावलि देनेके लिए गवर्नर जनरल लार्ड माउण्टबेटनके पास गये। नामावलिका एक मुहरबन्द लिफाफा दे दिया। उनके चले जानेके बाद लार्ड माउण्टबेटनने नामावलि देखनेके लिए लिफाफा खोला। मगर वह बिलकुल खाली था !

रचनात्मक गफलत

गाँधीजीके सामने एक अखबारी टीका पढी जा रही थी। उसमे 'गाँधी की रचनात्मक गफलतें' ये शब्द आये। महादेवभाईने गाँधीजीसे पूछा, "रचनात्मक गफलत कैसी होती है ?"

वल्लभभाई बोल उठे, "जैसे तेरी दाल जल गयी थी आज।"

सुनकर गाँधीजी खिलखिलाकर हँस पडे।

भजनका वज़न !

एक बूढा था और एक बुढिया। दोनो बिलकुल अपढ और बड़े सरल। गिनती तो बीस तक आती थी, पर कच्ची-कच्ची। जब वे भजन करने बैठते तो एक-एक सेर गेहूँ या चना तौलकर अपने-अपने सामने रख लेते थे।- 'राम' कहते जाते और एक-एक दाना अलग रखते जाते। जब सब दानोको अलग कर लेते तो समझते कि 'एक सेर भजन हुआ'! इसी तरह कभी दो-सेर कभी तीन-सेर भजन करते। कभी पाँच-सेर भी!

गाँधीकी लाठी

एक बार जवाहरलाल नेहरू अपने पिताके साथ गाँधीजीके आश्रममें गये। कोनेमें रखी हुई बापूकी लठियासे टकराकर नेहरूजी गिर गये। उन्हे मज़ाक सूझा। बोले,

"बापू, आप तो अहिंसाके पुजारी है। यह लाठी क्यो रखते है?"

"तुम जैसे शरारती लटकोंके लिए" बापूने मुसकराकर जवाब दिया।

यरवडा मन्दिर

जब गांधीजी यरवडा जेलमे थे तब उनके पास 'यरवडा मन्दिर' पता किये हुए पत्र आते थे। डाकखानेने भी यह परिभाषा स्वीकार कर ली थी। वल्लभभाई कहते, "मन्दिर तो है, सिर्फ प्रसादके विषयपर रोज़ मारा-मारी होती है।"

ब्रिटिश बाइबिल

एक बार एक किताब पढते-पढते गाँधीजीको उसमें 'ब्रिटिश बाइबिल' लिखा मिला। पूछने लगे,

"'ब्रिटिश बाइबिल'? यह क्या चीज होगी?"

वल्लभभाई: "पौण्ड शिलिंग पेन्स।"

चारा भी !

एक दिन गांधीजी, सरदार पटेल और कुमारप्पा एक साथ खाना खाने बैठे। गांधीजीने प्रेमसे एक चम्मच नीमकी चटनी कुमारप्पाकी थाली मे भी रख दी।

सरदार गम्भीर मुद्रा बनाकर बोले, "आपने देखा ? बापू अबतक तो बकरीका सिर्फ दूध ही पीते थे, पर अब तो वे बकरीका चारा भी खाने लगे हैं !"

बिदाई

कांग्रेसका १९३४ का अधिवेशन, जो कि बम्बईमे हुआ था, खत्म हो चुका था। सब नेता जानेकी तैयारीमे थे। इस अधिवेशनकी सबसे अहम बात थी गांधीजीका कांग्रेससे अलग होना। वातावरण पूरी तरह गम्भीर था। राजेन्द्रबाबूने सजलनेत्र होकर गांधीजीके चरण छूकर विदा मांगी। वातावरणकी गम्भीरता और भी असह्य हो गयी। इसी समय महात्माजी ने एक स्वयसेवककी टोपी उतारकर वल्लभभाई पटेलके सिरपर रखते हुए कहा, "किसीकी बिदाईके वक्त खुले सिर नही रहना चाहिए।" यह सुनकर सभी ठहाका मारकर हँस पडे, ज़रा ही देर पहले आंसू-भरी आंखो से विदा मांगनेवाले राजेन्द्रबाबू भी !

—'गोष्ठीरूप गांधीजी' (साने गुरुजी)

सर्कस

नागपुर जेलमे किसीने विनोबाजीसे पूछा, "कहिए जेलखाना कैसा लग रहा है ?"

विनोबाजीने जवाब दिया, "बहुत अच्छा है। यह तो एक सर्कस है। फर्क इतना ही है कि सर्कसमे आदमी जानवरोपर अधिकार चलाते है और यहाँ जानवर आदमियोपर !"

पासमे खडे जेलरकी यह सुनकर क्या हालत हुई होगी !

बापूका काम

गांधीजी जब आगाखाँ-महलसे छूटकर जमनालालजी बजाजके घर-पर पहुँचे तो बजाजजीकी वृद्धा माताने कहा, "बापू! आप तो जेलसे छूटकर आ गये, अब आप राधाकृष्ण (जमनालालजीके भतीजे) को भी जेलसे छुटवा दीजिए।"

बापू हँसकर बोले, "मेरा काम तो जेल भिजवाना है, जेलसे छुड़वाना नही।"

भाव-विभोर !

एक बार डॉ० राजेन्द्रप्रसाद विधान-परिषद्के अध्यक्षकी हैसियतसे लार्ड माउण्टबेटनके पास गवर्नर जनरलका पद स्वीकार कर लेनेके लिए निवेदन करने गये थे। माउण्टबेटनने उनसे हाथ मिलाया और स्वागत किया। डॉ० प्रसादने भी बडी खुशी जाहिर की, पर जिस कामके लिए वे वहाँ गये थे वह उन्हें बिलकुल याद ही नही रहा! इधर-उधरकी बातें करके लौट आये।

संस्कृत और अंग्रेजी

विनोबाजी श्रीपराजपे महाराजके यहाँ गये। पराजपे संस्कृतके बडे पण्डित थे। उन्होंने अपने बच्चोको बहुत छोटी उम्रमे ही संस्कृत और अंग्रेजी पढा दी थी। उनके ज्ञानका विनोबाजीके आगे उन्होंने प्रदर्शन कराया। बादमें पराजपे महाराजने सगर्व पूछा, "कैसा लगा आपको?"

विनोबाजीने कहा, "अच्छा है। मै इस फिक्रमें पड गया हूँ कि एक तरफ संस्कृतकी बैटरी, दूसरी तरफ अंग्रेजीकी बैटरी—इनमें-से कौन-सी बैटरी इन बच्चोकी पहले जान लेगी।"

बेचारे महाराज देखते रह गये।

काव्यका प्रसव

एक बार आचार्य क्षितिमोहन सेन कवीन्द्र रवीन्द्रके साथ सैर कर रहे थे। आचार्यने गुरुदेवको कोई काव्यप्रेरणा होती देखी। वे चुपके-से अलग हो गये।

गुरुदेवने काव्य पूरा किया और क्षितिबाबूको ढूँढने लगे। मिलनेपर बोले, "आप कहाँ गये थे ? अभी इस काव्यका प्रसव हुआ है।"

"पर गुरुदेव, प्रसव-समय कोई पुरुष थोडे हाजिर रह सकता है" क्षितिबाबूने कहा।

ईसा

एक बार जब सर सैयद अहमदखाँ इग्लैण्ड जा रहे थे तो उनके साथ सफर करनेवाले एक शख्सने ब्रिटिश साम्राज्यकी तारीफ करनी शुरू कर दी, "जनाब ! आप नही जानते इस दौलत-ओ-हश्मतकी खास वजह है हमारा ईसाई धर्म।"

सर सैयदने फौरन् जवाब दिया, "लेकिन हज़रत ईसा तो दौलत-मन्द नही थे !"

—कर्नल ग्रैहम लिखित 'सर सैयदकी जीवन-गाथा' से

यादगार

इटलीके कवि रोसिनी एक बार फ्रान्स आये। उनके प्रशसकोने उनकी एक प्रतिमा स्थापित करनेका फैसला किया। जब रोसिनीको यह मालूम हुआ तो उन्होने पूछा,

"क्यो भाई, इस प्रतिमाकी स्थापनामे क्या खर्च पडेगा ?"

"करीब एक करोड फ्रैंक।"

कवि . "एक करोड फ्रैंक ! आप लोग मुझे पचास लाख फ्रैंक ही दे दे, तो प्रतिमाकी जगह मै खुद खडा हो जाऊँ।"

रोशनी

एक दिन कोई सज्जन मिर्जा गालिबसे मिलने आये। जब वह जाने लगे तो मिर्जा हाथमे शमादान लेकर नीचे पहुँचाने आये।

आगन्तुक महाशय बोले, "किबला, आपने क्यो तकलीफ की ?"

मिर्जाने अपने मखसूस अन्दाजसे जवाब दिया, "मै आपको जूता दिखानेके लिए शमादान नही लाया हूँ, बल्कि इस लिए लाया हूँ कि कही अँधेरेमे आप मेरा नया जूता पहनकर चलते न बनें।"

लफ्ज़-लफ्ज़

अंग्रेजीका मशहूर हास्य-लेखक मार्क ट्वेन अक्सर चर्चमें उपदेश सुनता था। एक दिन पादरीसे बोला,

"डॉक्टर जोन, आपका सरमन सुनकर मुझे ऐसी खुशी होती है मानो किसी पुराने दोस्तसे मिल रहा हूँ, क्योंकि मेरे पास एक किताब है जिसमे आपके उपदेशोका हर लफ्ज़ है।"

"बिलकुल ग़लत बात है यह !" पादरी बोला।

"नही सचमुच है मेरे पास वह किताब।"

"अच्छा, उसे भिजवाना मेरे पास।"

"जरूर।" और अगले दिन ट्वेनने बडा शब्दकोश पादरीके पास भिजवा दिया।

जटिल !

ऐटम युगके प्रवर्त्तक आइन्स्टाइन नहाने, कपडे धोने और दाढ़ी बनानेके लिए एक ही साबुन इस्तेमाल किया करते थे। किसीने इसकी वजह पूछी तो ब्रह्माण्डकी जटिलताओंको सुलझानेवाला वैज्ञानिक बोला, "इस लिए कि कई तरहका साबुन इस्तेमाल करनेसे जीवन जटिल हो जाता है।"

मार्क ट्वेन

मशहूर लेखक मार्क ट्वेन बडे विनोदी स्वभावके थे। उनका एक दोस्त उनसे भी ज्यादा विनोदी था। एक दिन किसी सभामे बोलनेका दोनोको आमन्त्रण मिला। पहले मार्क ट्वेनने एक बहुत ही सुन्दर भाषण दिया। श्रोता मुग्ध हो गये। उनके बाद उनके मित्रने बोलना शुरू किया,

"दोस्तो! सभामे आनेसे पहले मुझमे और ट्वेनमे यह तय हो गया था कि मेरा भाषण वह सुनायेंगे और उनका भाषण मै। ट्वेनने मेरा लैक्चर तो दे दिया, अब मुझे उनका लैक्चर पढना है। मगर अफसोस है कि उनके भाषणकी पाण्डुलिपि मुझसे कही खो गयी। इसलिए मजबूरन बिना कुछ कहे मै अपना स्थान ग्रहण करता हूँ।"

ट्वेनके भाषणसे भी ज्यादा मजा श्रोताओंको उनके दोस्तकी इस तकरीरमे आया।

तुर्की-बतुर्की

प्रेसीडेण्ट लिंकन एक बार सैरको निकले। साथमें उनका अगरक्षक भी था। रास्तेमे सडकके किनारे एक लडका मिला। कुछ दूर आगे जाकर लिंकन गार्डसे बोले,

"देखा तुमने, लडकेने क्या किया ?"

"जी नही।"

"उसने मेरी तरफ मुँह बिचकाया। और जानते हो मैने क्या किया ? मैने उसकी ओर मुँह बिचका दिया।"

शॉ

एक बार जार्ज बर्नार्ड शॉसे पूछा गया कि दुनियाके दो महान् लेखक कौन है ? शॉने जवाब दिया,

"जार्ज बर्नार्ड शॉ और जी. बी. शॉ."

वक़्तकी बर्बादी !

मशहूर लेखक आस्कर वाइल्डके यहाँ एक मेहमान ठहरे हुए थे। एक दिन वाइल्ड बड़ी देरमे घर लौटे।

अतिथि : "कहिए, दिन-भर कहाँ रहे ?"

वाइल्ड : "एक बड़े जरूरी काममे फँसा था, अपनी एक किताबके प्रूफ देख रहा था।"

अतिथि : "यह भी कोई काम है !"

वाइल्ड "क्यो नही ? बड़ा अहम काम है। आखिर मैने प्रूफमे-से एक गैर-जरूरी कॉमा हटा दिया।"

अतिथि "दिन-भरमे सिर्फ एक कॉमा निकालनेका काम ! इस कला-वलाके चक्करमे पड़ना वक्त ही हत्या करना है।"

वाइल्ड : "जी हाँ। बिलकुल ! उस कॉमाके बारेमे मैने काफी सोच-विचार किया तो वह अपनी जगह ठीक मालूम पड़ा। इसलिए मैने उसे फिर वही लगा दिया।"

बला

"तीन सालसे मुझे आँखोकी ऐसी तकलीफ थी कि मै कुछ देख नही सकता था !"

"डॉक्टरने क्या नुस्खा तजवीज़ किया ?"

"यह कि बाल कटवा डालो।"

फ़रियाद

एक भिखारी अपनी करुण कथा सुना-सुनाकर भीख माँग रहा था,

"दयालु सज्जनो ! मेरी तरफ देखो। मेरे कभी बाप नही था। मै लड़का-ही-लड़का हूँ। मेरे सिर्फ माँ है। मेरे सिवाय मेरा कोई भाई नही।"

ईमानदार गाय

जनरल आइसेन हावरने नेशनल प्रेस क्लबमे बोलते हुए कहा कि मुझे अफसोस है कि मै आपके सामने कोई लम्बी-चौडी बात नही बघार सकता।

"इससे मुझे कानसस फार्मपर गुजारे हुए अपने बचपनके दिन याद आ जाते है।" वह वहाँका एक दिलचस्प किस्सा सुनाते हुए बोले, "एक बूढे किसानके पास एक गाय थी जिसे हम खरीदना चाहते थे। हम उससे मिलने गये और गायकी नस्लके बारेमे पूछा, बिचारा बूढा किसान समझता ही नही था कि नस्ल क्या होती है, इसलिए हमने पूछा कि वह घी कितना देती है। आखिर हमने पूछा कि 'क्या तुम्हे अन्दाजा है कि वह सालमे कितना दूध देती है ?' "

किसान सिर हिलाकर बोला, "मुझे नही मालूम। लेकिन यह बूढी गाय ईमानदार है, उसके जितने दूध होगा सब दे देगी।"

"तो," जनरल बोले, "मै उस गायकी तरह हूँ, मुझमे जितनी क्षमता है, सारीकी-सारी आपकी सेवामे अर्पित कर दूँगा।"

बताइए !

"क्या आप वही सज्जन हैं जिसने मेरे लडकेको कल डूबनेमे बचाया था ?

"जी हाँ, मगर इस विषयमे अधिक प्रशंसात्मक शब्द कहकर मुझे लज्जित न कीजिए।"

"कहूँ कैसे नही ? बताइए उस लडकेकी टोपी कहाँ है ?"

आ-राम

यह कितनी अच्छी बात है कि कुछ काम करनेको न हो। और उसके बाद आराम किया जाये !

फिर कभी !

एक बार स्वार्थमोर कॉलेजके प्रेसीडेण्ट, डाक्टर फ्रेंक एडलटने अलबर्ट आइन्स्टाइनके सम्मानमें दावत दी। जब आइन्स्टाइनसे बोलनेकी दर-ख्वास्त की गयी तो वे बोले, "देवियो और सज्जनो, मुझे अफसोस है कि मुझे कुछ नहीं कहना।"

इतना कहकर वह बैठ गये। जब उन्होंने मेहमानोंकी घुसपुस सुनी तो वे उठकर बोले,

"अगर मुझे कुछ कहना होगा, तो मैं फिर आ जाऊँगा।"

छह महीनेके बाद उन्होंने डाक्टर एडलटको तार किया, "अब मुझे कुछ कहना है।" एडलटने फिर एक भोजका फौरन् आयोजन किया, जिसमें आकर आइन्स्टाइन बोले।

बहुरूपिया

एक बहुरूपिया शिवका रूप रखकर किसीके घर आया। घरका मालिक उसे एक रुपया देने लगा, मगर उसने नहीं लिया। बहुरूपियेने अपने यहाँ जाकर वेश उतारा और उस मालिक-मकानके पास आकर रुपया माँगने लगा।

उससे पूछा गया, "रुपया तुमने उस वक्त क्यों नहीं लिया?"

"उस वक्त तो मैं शिवका रूप धारण किये हुए था। सन्यासी रुपया कैसे ले सकता था?"

चतुरता

एक रईसने मथुराजीके चौबेसे पूछा, "क्या आप तामिल समझ सकते हैं?"

चौबेने पेटपर हाथ फेरते-फेरते कहा, 'हाँ सरकार, यदि वह भाषा में बोली जावे।"

ठीक है

आइन्स्टाइन अपनी प्रयोगशालामे विचारमग्न थे। एकाएक उनकी पत्नी भडकती हुई आयी,

"आपने यह नया नौकर भी क्या रखा है, बिलकुल गधा है। उसे फिलफौर निकाल देना चाहिए।"

आइन्स्टाइनने विचारमें मग्न रहते हुए कह दिया, "ठीक है।"

पत्नी चली गयी। लेकिन दूसरे दरवाज़ेसे नौकरने आकर आक्रोशपूर्वक कहा, "प्रोफेसर! आपकी पत्नीमे नाम मात्रकी भी मनुष्यता नही है "

"ठीक है!"

पत्नीने बरामदेसे यह सुन लिया। झपटकर फिर कमरेमे आकर बोली, "आप नौकरके सामने मेरा अपमान कर रहे है ' 'आप पागल तो नही हो गये है?"

"ठीक है!" आइन्स्टाइन इतमीनानसे बोले, सुनकर पत्नी और नौकर एक दूसरेकी तरफ़ देखकर हँसने लगे।

—'पर्मनलिटी' से

सत्यमप्रियं

"क्या आप इसलिए परेशान है कि वह आपके बारेमे झूठी बातें कहता फिरता है?"

"झूठी बातोंकी मुझे परवा नही, लेकिन अगर उसने सच बात कह दी तो मैं उसकी गरदन तोड दूँगा।"

झुकी हुई मीनार

इटालियन गाइड "और यह 'लीनिंग टॉवर ऑफ पीसा' है।"

अमेरिकन दर्शक · "बिल्कुल मेरे मकानके ठेकेदारकी कलाकृति जान पडती है!"

सादगियाँ

निवास-स्थानके एक सख्त जरूरतमन्दने एक प्रकृतिवादीसे पूछा, "क्या आप बता सकते है कि मुझे मकान कहाँ मिल सकता है ?"

"मकान ? लडके, तुम बहुत नाजुक होते जा रहे हो ! खुली हवामे क्यो नही रहते ? प्रकृति माता तुम्हे तारो-जडा कम्बल उढायेगी, आस्मान तुम्हारी छत होगा ?"

"साहब, बात यह है कि मै इससे किसी कदर छोटी चीज चाहता था।"

फाँसी

एक साहबने जिन्दगीसे किसी कदर ऊब कर आत्महत्या करनेका फैसला किया। कमरेमे एक दोस्त आया तो देखता है कि हजरत कमरमे रस्सी बाँधे खडे है।

"यह क्या माजरा है ?"

"फाँसी लगा रहा हूँ।"

"तो रस्सी कमरमे क्यो बाँधी है ?"

"क्योकि गलेमे बाँधनेसे दम घुटता था।"

कमजोर निकली

एक लबाड आदमी पैसे झाडनेके इरादेसे दूसरेसे बोला, "क्या करूँ भाई ! बेकारीके मारे जान निकली जा रही है। कल तो आत्महत्या करनेका इरादा कर लिया था। एक पेडसे रस्सी बाँधी और सोचा कि फाँसी दे लूँ।"

"फिर क्या हुआ !"

"रस्सी देखी तो कमजोर निकली," पहला बोला

है

राय बहादुर निगम साहबको मरे हुए चार महीने हो चुके थे। नीचे दरवाजेपर "है," "नही है" की पट्टी लगी हुई थी। जब वो बीमार थे तो "नही है" लगा रखा था, क्योकि आनेवालोसे मिलना नही चाहते थे। जब उनका जनाज़ा बाहर निकला तो नौकरने "नही है" को ढककर "है" खोल दिया। क्योंकि उसने देख रखा था कि वे बाहर जाते वक्त उसे बदल दिया करते थे।

रिस्टवॉच

एक शख्स अपने बाबाकी पुरानी दीवारघडी लेकर शहरके भीड युक्त सदर रास्तेसे घडीसाजके यहाँ मरम्मत करानेके लिए जा रहा था। घडीके कारण सामनेका रास्ता कम दीखता था। सहज रूपसे किसी स्त्रीसे टक्कर जो हुई तो वह स्त्री गिर पडी, अपनी बिखरी हुई चीज़ोको समेट कर, सँभलकर उठते हुए, झुँझलाकर बोली, "तुम और लोगोकी तरह रिस्टवॉच पहनकर क्यो नही निकलते ?"

फर्क

एक मोटी स्त्री अपनी सहेलीसे कहने लगी, "मै अपनी चर्बी कम करनेके लिए इस रॉलरको तीन महीनेसे इस्तेमाल कर रही हूँ।"

"कुछ फर्क पडा ?"

"देखो न, रॉलर कितना पतला हो गया है !"

चीप लेबर

एक "मुझे देखो मै स्व-निर्मित आदमी हूँ।"

दूसरा. "सस्ती मजदूरीकी यही तो खराबी है।"

चूहेका दिल

स्पेनकी एक लोककथा बहुत मशहूर है। एक चूहेपर एक जादूगरको बडी दया आयी और उसने उसे बिल्ली बना दिया, ताकि वह आरामसे रह सके। लेकिन बिल्ली बन जानेपर उसे कुत्तेका डर बना रहा। जादूगरने उसे कुत्ता बना दिया पर अब वह शेरसे डरने लगा। उसे शेर भी बना दिया गया, लेकिन अब वह शिकारियोसे डरने लगा।

खीजकर जादूगरने उसे फिर चूहा बना दिया और कहा, "मैं तेरी कुछ मदद नही कर सकता। आखिर दिल तो तेरा चूहेका ही है!"

बहरा

"अरे भाई दुलीचन्द!"

"क्या कहा? मुझे बुलाया क्या?"

"हाँ, तुमको ही बुलाया।"

"ऐसा! मै समझा कि तुमने मुझे बुलाया।"

समाधि लेख

अधिकाश लोगोकी समाधियोपर लिखा जाना चाहिए, "३० में मरे, ६० मे दफनाये गये।"

खतरा!

बिजलीवाला · "जरा, इस तारको पकडना।"

नौसिखिया "पकड लिया। अब?"

बिजलीवाला . "कुछ मालूम पडता है?"

नौसिखिया "कुछ नही।"

बिजलीवाला · "तो देखो, दूसरे तारको मत छूना। उसमे तीन हजार वोल्टवाली बिजली चल रही है।"

नीलाम

नीलाम हो रहा था। नीलाम करनेवालेके पास एक पुरज़ा आया। उसने बीच ही मे उसे देखकर कहा,

"सज्जनो, किसीका बटुआ खो गया है। उसमे पचास रुपये है। मिल जाये तो बटुएवाला दस रुपये दे रहा है।"

"ग्यारह," पीछेसे एक आवाज़ आयी।

फैसलाकुन

होटलवाला . "अच्छा, आज आप जा रहे है ? यह चौपानिया (ट्रैक्ट) लेते जाइए। इसमे हमारे होटलके बारेमे कुछ बडे-बड़े लोगोकी राये है।"

मुसाफिर . "पर मै अपनी ख़ुदकी जो राय लिये जा रहा हूँ वह काफी नही है क्या ?"

मर-मरके जीना

"अजीब बात है कि बीमा करानेके बाद इतनी जल्दी आपके पति मर गये !"

"अजीब क्या है, बीमेके प्रीमियम भरनेके लिए उन्हे जो सख़्त मेहनत करनी पडती थी उससे क्या कोई ज्यादा दिन जीनेकी उम्मेद कर मकता था ?"

बिजली

पति : "मेरे लिए यह बडे रहस्यकी बात है कि बिजली कैसे काम करती है।"

पत्नी · "बिलकुल आसान बात है ! बटन दबा दो कि काम करने लगती है !"

कुदरती उपाय

"कैसे हालचाल हैं ?"

"काफी अच्छे", ठूँठपर बैठा हुआ खूसट बोला,

"मुझे कुछ दरख्त काटने थे, मगर तूफानने आकर मेरी तकलीफ बचा दी।"

"अच्छा!"

"हाँ, और तब बिजली आ गिरी, मुझे कूडेके ढेरको जलाना न पडा।"

"बहुत खूब !! पर अब क्या प्रोग्राम है ?"

"कुछ नही। बस ज़रा भूचालका इन्तजार है कि आकर ज़मीनसे मेरे आलू निकाल दे।"

सुशका

ब्राउनकी बीबीने तीन शिशुओंको जन्म दिया। अगले दिन दफ्तरकी तरफसे उसे इस 'जनसेवा' के उपलक्ष्यमें एक कप प्रदान किया गया।

मिस्टर ब्राउन एक मधुर धर्मसंकटमे पडकर बोले, "शुक्रिया, लेकिन यह कप अब मेरा हो गया, या इसे मुझे लगातार तीन साल तक जीतना होगा ?"

कासिद

स्पेनके फिलिप द्वितीयने एक शहरके अधिकाश बागियोके लिए रिहाई का फरमान निकाल दिया। उसके एक दरबारीने उसे इत्तिला दी कि एक सज्जन फलाँ जगह छिपे हुए है, उनका नाम रिहाईकी फिहरिस्तमें नही आया है।

"बहतर होता कि आप जाकर उससे कहते कि मैं यहाँ हूँ, बजाये इसके कि आप मुझसे कहें कि वह कहाँ है।" बादशाह बोला।

कामिनी

वह अपने पिताका फोटोग्राफ है और अपनी माँका फोनोग्राफ।

ओ तेरेकी !

एक विदेशी . "जब मैं हिन्दुस्तानमें था तो छड़ियोंको साँप समझता था।"

दूसरा "कोई हानि नही।"

पहला "लेकिन मैं उन्हे मारनेके लिए साँपोको उठा लिया करता था।"

फ़ैसला

"मैं हाथियोको कोई बडी हस्ती नही मानती," मक्खी बोली, "वह छतोपर तो चल ही नही सकते।"

तारणतरण

"बीस बरसकी उम्रमे समझता था कि मैं दुनियाको बचा लूँगा।"

"आप तो अब तीस बरसके हो गये होगे।"

"हाँ, अब मानता हूँ कि अगर अपनी तनख्वाहमें-से कुछ बचा सकूँ तो अपनेको खुशकिस्मत समझूँ।"

दुआ

एक भिखारी एक जैण्टिलमैनके पास आकर भीख माँगने लगा। जैण्टिलमैनने बिना कुछ बोले अपनी जेबमे हाथ डाला। भिखारीने तत्काल दुआ देनी शुरू की। "ईश्वर तुम्हे सदा सुखी '" लेकिन उस शख्सने सिर्फ अपना रूमाल निकाला और आगे चल दिया। इसपर भिखारी भी धारावाहिक बोलता गया, " रखना चाहे मगर रख न सके।"

स्व-निर्मित

एक राजनीतिज्ञ बोला, "मैं स्व-निर्मित आदमी हूं।"

श्रोता "इससे बेचारा सर्वशक्तिमान् एक भयंकर ज़िम्मेदारीसे बच गया।"

चुनाव

"अगर आप चुन लिये गये तो आप क्या करेंगे ?"

"अरे यह पूछो कि अगर न चुना गया तो क्या करूंगा।"

सर्वसम्मति

एक प्रस्तावपर अध्यक्षने लिखा, "प्रस्ताव सर्वसम्मतिसे पास हुआ, विरोधमें सिर्फ दो थे।"

चादरके रूमाल

वाशिंग कम्पनीके मालिकसे एक ग्राहकने शिकायत की, "आपने कपडे देनेमें भूल की मालूम होती है। मैंने तो एक ही कपडा दिया था, मगर इस बण्डलमें चार-पांच कपडे रखे मालूम होते हैं।"

मालिक . "हमारी कम्पनीमें भूल होती ही नहीं, बात यह हुई कि धोनेमें आपकी चादरके पांच टुकडे हो गये। वे सब सँभालकर इस बण्डलमें बांध दिये गये हैं। हमारी प्रामाणिकताका इससे बडा सबूत और क्या होगा कि धुलाई पांच कपडोंकी लेनेके बजाय एक ही कपडेकी ली है।"

बाथ

लेडी "क्या आप मुझे एक रूम और बाथ दे सकते हैं ?"

क्लर्क "मैं आपको रूम तो दे सकता हूं, मेडम, मगर अपनी बाथ आपको स्वयं लेनी पडेगी।"

भूदान

"भूदान-यज्ञमे कोई आहुति डालिए !"

"मेरे पास ज़मीन नही है ।"

"तो कुछ सम्पत्तिदान कीजिए ?"

"मै तो कर्जदार हूँ !"

"तो कुछ श्रम-दान दीजिए ?"

"मै कुछ श्रम करनेकी स्थितिमे नही हूँ—डॉक्टरने मुझे पूर्ण विश्राम लेनेकी सलाह दी है !"

"तो जीवन-दान दीजिए ?"

"बेकारी, गरीबी, भुखमरी, बीमारीके मारे मेरा जीवन-दीप इसी क्षण बुझा चाहता है !"

"तो हमे पिण्ड-दान ही दीजिए ।"

"???"

सो तो है ही

"आपको मेरा नया टोप कैसे लगता है ?"

"टोप है क्या यह ? बिलकुल रद्दीकी उलटी टोकरी-सा मालूम होता है ।"

"लेकिन यह रद्दीकी उलटी टोकरी ही तो है ।"

अखबारका चमत्कार

एक साहबकी कीमती घडी खो गयी । उन्होने फौरन् स्थानीय दैनिक पत्रमे विज्ञापन दे दिया और इन्तजार करते रहे । एक रोज उन्हे दूसरे कोटकी जेबमे वह रखी मिल गयी । मिलते ही उन्होने अखबारके सम्पादकको धन्यवाद-सूचक पत्र लिखा, "शुक्र है कि आपके अखबारकी बदौलत मुझे मेरी खोयी हुई घडी मिल गयी ।"

प्रेरणा

एक शख्स जिसकी शक्लपर परेशानीके आसार थे, बीमा कम्पनीके दफ्तरमे आया। क्लर्कने उससे बहुत-से सवाल पूछे,

आदमी बोला, "नही, ज्यादा नुकसान नही हुआ, सिर्फ दरवाजेका किवाड जल गया।"

"आग कब लगी ?"

"करीब आठ साल हो गये होगे।"

"आठ साल !"

"हाँ, तभीसे मेरी बीबी पीछे पडी रही है कि, "कीजिए इसके लिए कुछ-न-कुछ !"

लेनेके देने

एक रोज़ शामको पति-पत्नी मोटर लेकर सैरको निकले, रास्तेमे एक शरीफ-लगते युवकको लिफ्ट दी, थोड़ी ही देर बाद पतिने देखा कि घडी गायब है ! उसने जेबसे छुरी निकाली और युवकके सीनेपर तानकर बोला, "घडी रख दे !"

युवकने चुपचाप घडी दे दी, उसे वही उतार दिया गया। कुछ आगे जानेपर पत्नी बोली, "तुम भी गज़बकी हिम्मतवाले हो ! चलते वक्त जब तुम घडीको टेबलपर ही भूल आये तो मुझे फिक्र हुई थी कि 'टाइम कैसे देखेंगे ?' "

अन्दाज़ा

"ओ मटरू, ज़रा टाइम बताना।"

"तुमने कैसे जाना कि मेरा नाम मटरू है ?"

"अन्दाज़ेसे।"

"तो फिर टाइमका भी अन्दाजा लगा लो।"

जवाबे जाहिलाँ बाशद खामोशी

अकबर "वीरबल, अगर वेवकूफ सामने आकर जबाँदराजी करने लगे तो क्या करना चाहिए ?"

वीरबल "जहाँपनाह, एकदम खामोश रह जाना चाहिए !"

छूटी औलाद

जो "क्या कहा तुमने कि तुम्हारी बीवी और चार बच्चे इंग्लैण्ड मे है और तुमने एक नही देखा !"

हो "जी हाँ, मैने उनमें एकको कभी नही देखा, अन्तिमको।"

जालसाज

वह इतना जालसाज़ है कि उसके हाथ मिलानेके वाद मैं हमेशा अपनी अँगुलियाँ गिन लेता हूँ।

फ़र्स्ट हैण्ड

"दोस्त, अब तुम कल्पना भी नही कर सकोगे कि मेरी कार सैकण्ड हैण्ड है !"

"सचमुच नही कर सकता ! ऐसी लगती है मानो तुमने ही बनायी है !"

तफरीह

एक दानीने किसी पागलखानेमें नहानेका तालाब बनवा दिया। उसने वार्डनसे पूछा,

"वे लोग उसे कैसा पसन्द करते है ?"

वार्डन "वे तो दीवाने हो गये है उसके पीछे ! जब हम उसे पानी से भर देते हैं तव तो वे उसे और भी पसन्द करते हैं।"

समानता

"जब-जब तुझे देखता हूँ तब-तब मुझे छगन याद आता है।"

"पर हम दोनोमे तो कोई समानता नही।"

"क्यो नही ? तुम दोनोसे मुझे दस-दस रुपये लेने है न !"

बहरे

दो बहरे रास्तेमे मिले, एकने कहा, "कहो, क्या घूमने जा रहे हो ?"

दूसरा . "नही, घूमने जा रहा हूँ।"

पहला : "अच्छा, मैने समझा था शायद घूमने जा रहे हो।"

एक हाथ

क्या आपने उस खिलाडीका किस्सा सुना है जिसके पास तेरह तुरपके पत्ते थे, फिर भी सिर्फ एक ही हाथ बना सका ? उसके साथीके पास एक इक्का था जिसपर तुरप लगनी ही थी, लग गयी। इसपर, तैशमें, उसके साथीने उसे उठाकर खिडकीके बाहर फेक दिया।

समाधि-लेख

"यहाँ वह सज्जन सोये हुए है जो दो-मार्गी रास्तेपर एक तरफ देखते हुए चल रहे थे।"

गलती कहाँ हुई ?

एक शख्स अपनी मामूली-सी घडीको लेकर एक जौहरीके यहाँ मशवरा लेने पहुँचा।

"गलती मुझसे यह हुई कि यह घडी हाथसे गिर पडी !"

जौहरी बोला, "मेरे खयालसे इसका गिर जाना आपके बसकी बात नही थी। गलती तो आपसे यह हुई कि आपने इसे उठा लिया !"

खूब बचे

'भई ! आज तो खूब बचे !"

"क्या हुआ ?"

"मेरे ऊपरसे मोटर निकल गयी, यार !"

"फिर कैसे बचे ?"

"मै पुलके नीचे खडा था ।"

दरगुजर

टेलिफोनपर एक नवयुवतीकी आर्त-वाणी सुनायी दी, "अफसर महोदय, दो नवयुवक खिडकीकी राह मेरे कमरेमे घुसनेकी कोशिश कर रहे है ।"

"क्षमा कीजिए देवीजी, यह फायर-स्टेशन है, पुलिस-स्टेशन नही ।"

"यह मै जानती हूँ । मुझे फायर-स्टेशन ही चाहिए । उन्हें जरा और बडी नसैनीकी जरूरत है ।"

दीर्घायु

"आपकी दीर्घायुका रहस्य क्या है ?"

"यह कि मैं दीर्घ काल पहले पैदा हुआ था !"

पानीकी कमी

सेल्स-मैनेजर "हमारे बीकानेरके प्रतिनिधिके पत्रसे लगता है कि वहाँ पानीकी कमी फिर हो गयी है !"

सहायक "पर बीकानेर रेगिस्तानमे तो पानीकी कमी हमेशा ही रहती है !"

सेल्स-मैनेजर "मालूम है । पर इस वार तो उनके पत्रमे टिकिट भी पिनसे लगे है !"

इत्तिला

एक साहबके टेलिफोनमे कुछ गड़बड़ थी। वे ऑपरेटरसे भड़ककर बोले, "या तो मेरा दिमाग खराब हो गया है, या फिर तुम ही खब्ती हो।"

"मुझे अफसोस है महाशय," वह अपने मधुरतम अन्तर्राष्ट्रीय स्वरमे बोली, "कि हमारे पास इसकी कोई इत्तिला नही है।"

लुटेरे

गाँव जाते हुए एक बूढेको दो नकाब-पोश आदमियोने लूटना चाहा। लेकिन जब उसने दयाकी प्रार्थना की तो उन्होने उसे छोड दिया और जाने दिया। वह उनका पिता था जो तीर्थयात्रासे वापस लौटा था।

सफल

"आपकी सफलताका रहस्य क्या है?"

"सही फैसलेपर अमल करना।"

"लेकिन सही फैसले आप करते किस तरह है?"

"तजुर्बेसे।"

"और तजुर्बे आपको किस तरह हासिल होते हैं?"

"ग़लत फैसलोंपर अमल करनेसे।"

—'तरगावली' से

उस तरफ़!

एक आदमी तार देने गया। अपने पास कलम न होनेकी वजहसे उसने तार-घरकी कलमसे तार लिखना शुरू किया। दो-तीन फार्म बिगाड चुकनेके बाद उसने तारबाबूसे पूछा, "क्या यह वही कलम है जिससे क्लाइव ने मुगल बादशाहके साथ सुलहनामा लिखा था?"

"पूछ-ताछकी खिडकी उस तरफ है, जनाब!" जवाब मिला।

आभार-प्रदर्शन !

रातके तीन बजे फोनकी घण्टी बज उठी। प्रोफेसरको नीदसे उठना पडा। फोनके उस सिरेसे कोई स्त्री बोली, "आपका कुत्ता बडा बदतमीज है। उसके भूँकते रहनेसे हर-रात हमारी नीद हराम हो जाती है। जरा भी आँख नही लग पाती।" प्रोफेसरने माफी माँगते हुए उसका पता नोट कर लिया।

दूसरे दिन रातके दो बजे वह स्त्री फोनकी घण्टी सुनकर उठ बैठी। फोनके उस सिरेपर प्रोफेसर था। बोला, "महाशया! आपकी कलकी कृपाके लिए अत्यन्त आभारी हूँ, लेकिन एक बात बताना तो मै भूल ही गया था कि मेरे पास कोई भी कुत्ता नही है।"

—'दिस इज इट' मे

शेखीखोर

एक खरगोश एक हिरनसे मिला। उसने डीग हाँकी, "अभी-अभी मेरी दो विशाल हाथियोसे मुलाकात हुई थी।"

"पर इस जगलमे हाथी तो है ही नही," हिरन बोला।

"सच !" खरगोशने ताज्जुबसे कहा, "यह तो मुझे मालूम ही नही था कि यहाँ हाथी नही है।"

—वी. इवानोव

चिरसंगी

मुलाकातके रोज एक कैदीसे कोई मिलने नही आता था। जेलके वार्डनने हमदर्दीसे पूछा, "क्यो बिल्लू, तुमसे कोई मिलने नही आता। क्या तुम्हारे कोई दोस्त नही है?"

बिल्लू . "है क्यो नहीं, मगर वे सब यही है।"

याददाश्त

"तो आपका ख्याल है कि इस इलाजसे आपकी याददाश्त सुधर रही है ? अब आपको बातें याद रहती हैं ?"

"बिलकुल ऐसी बात तो नहीं है, लेकिन इतना सुधार जरूर हुआ है कि मुझे अकसर याद आ जाता है कि मैं कुछ भूल गया हूँ, बशर्ते कि वह भूली हुई चीज़ याद आ जाये।"

सफाई

शिक्षक : "तुम तो कहते थे कि मुझे डॉक्टरको देखने जाना है, मैंने तो तुम्हें क्रिकिटका मैच देखते पाया।"

विद्यार्थी "जी हाँ, डॉक्टर पहला खिलाड़ी था।"

ज़बाँदराज़ी

"पुरुष गंजे क्यों हो जाते हैं ?"

"दिमागी कामकी वजहसे।"

"तो फिर स्त्रियाँ ?"

"इसी वजहसे उनके दाढ़ी नहीं आती।"

तुम्हारा सिर घूम रहा है

एक आदमी सायकिलपर सवार होकर कहीं जा रहा था। रास्तेमें एक भँगेड़ीने कहा, "बाबू साहब, सुनिए !"

वह जरा तेजीसे जा रहे थे, ब्रेक लगाकर बोले, "क्या बात है ?"

उसने कहा, "आपका पिछला पहिया घूम रहा है।"

बाबू साहब बोले, "सायकिलका पहिया नहीं, तुम्हारा सर घूम रहा है।"

जैबरा

एक महानुभाव अपने एक दर्जन लडके-लडकियोको लेकर चिडियाघर देखने गये। गाइडसे बोले,

"भई, हम लोग नीलगायको अन्दर जाकर देख सकते है क्या ?"

गाइड "इस सारी मण्डलीको अहातेके अन्दर ले जाना चाहते है ?"

"हाँ।"

"ये सब आपकी ही औलाद हैं क्या ?"

"हाँ हाँ।"

"तब ठहरिए यही, आपको अन्दर नही जाना पडेगा, नीलगाय खुद आपको देखने यही आयेगी।"

परम वीर

"मोटे आदमियोका स्वभाव क्यो अच्छा होता है ?"

"क्योकि वे न तो दौड़ सकते हैं न लड सकते हैं।"

अपेक्षावाद

जब एक वक्ता आइन्स्टाइनकी 'थ्योरी ऑफ रिलेटिविटी' पर ऊल-जलूल लेक्चर झाड चुका, तो एक श्रोता बोला, "आपका भाषण सुनकर ऐसा लगा कि आप इस विषयमे स्वय आइन्स्टाइनसे भी बढकर है। आइन्स्टाइनको दुनियामें बारह आदमी समझते है, लेकिन आपको कोई नही समझ सका।"

ब्रिटिश साम्राज्य

अँग्रेज (सगर्व) "ब्रिटिश साम्राज्यमे सूरज कभी नही डूबता !"

भारती . "जी हाँ। वह इसलिए कि ईश्वरको डर है कि अँधेरेमे आप लोगोपर विश्वासकर कही धोखा न खा जाये !"

नवागन्तुक बाज़ी मार ले गया

एक घुड़दौड़की घोड़ीका मालिक बड़ा शेखीखोर था। "जी हाँ, एक बार बारह घोड़ोंकी दौड़में मेरी घोड़ी भी दौड़ी। आस-पासके बहतरीन घोड़े थे वह। जैसा कि मुझे उम्मेद थी, मेरी घोड़ी आगे रही। पर बीचमें मैंने उसे धीमे पड़ते देखा। वहीं बच्चा दिया उसने।"

"अरे अरे ! किस तरह हारी बिचारी !"

"हारनेकी बात कौन कह रहा है ? हारनेवाली तो वह थी ही नहीं। बच्चा दिया फिर भी अव्वल रही ! और बच्चा दूसरे नम्बरपर आया !!"

तोबड़ा

भोजनोपरान्त एक वक्ता महोदय आधा घण्टा बोल चुकनेके बाद बोले,

"ऐसे दिव्य भोजनके पश्चात् मुझे प्रतीत हो रहा है कि यदि मैंने किंचित् भी अधिक खा लिया होता तो मेरे लिए बोलना असम्भव हो जाता।"

"इनको एक लड्डू और दो," पीछेसे एक आवाज़ आयी।

शिकार

पति (शिकारकी शेखी बघारते हुए) : "आज तो यह तय हो गया था कि या तो शेर मरेगा या मैं !"

पत्नी : "मुझे खुशी है कि शेर ही मरा, वर्ना हमें ऐसी बढ़िया खाल कहाँ मिलती !"

गुप्त

"वे दोनों अपनी सगाईकी बातको गुप्त रखे हुए हैं न ?"

"जी। सबसे वे कहते तो यही फिर रहे हैं।"

पहचान

"तुम मगनको पहचानते हो ?"

"हाँ । मैंने कल ही उसे पचास रुपये उधार दिये है ।"

"तब तुम उसे नही पहचानते ।"

सुबहकी डाक

पागलखानेमे एक पागल पत्र लिखने बैठा । राउण्डपर निकले हुए सुपरिण्टेण्डेण्टने पूछा, "क्या चल रहा है ?"

"घर खत लिख रहा हूँ ।"

"क्या लिखा ?"

"अभीसे कैसे खबर पडे ? सुबहकी डाकमे डिलीवरी हो तब मालूम हो सकता है ।" पागलने होशियारी दिखलायी ।

पहले क्यो नही कहा ?

मालिकिन . "आग क्यो नही जलायी ?"

नौकरानी . "लकडी खत्म हो गयी है ।"

मालिकिन पहले क्यो नही कहा ।"

नौकरानी . 'पहले थी ।"

नग्न सत्य

एक महानुभावकी एक सुपरिचिता एक रोज़ अप्रत्याशित ठाठ-बाटके साथ उनके सामने आयी, बोली,

"बन्दीकी शानके मुताल्लिक क्या खयाल है आपका ?"

"कमाल है ! तुम्हारे ख़ाविन्दको बहतर काम मिल गया मालूम होता है ।"

"नही ! मैने बहतर खाविन्द कर लिया है ।"

विज्ञापन

साहब . "मेरा कुत्ता सात दिन हुए खो गया !"

मित्र "आप उसके लिए अखबारोमे विज्ञापन क्यो नही करते ?"

साहब "क्या फायदा ! कुत्ता पढ नही सकता ।"

दो

"बाबा, इस गरीब अन्धेको दो पैसे दो ।"

"पर तुम तो एक ही आँखसे अन्धे हो ।"

"तो एक पैसा ही दो ।"

बन्द आँखें

एक मसखरा (किसी अन्धेसे) "क्यो सूरदासजी, आँखें क्यो बन्द कर रखी है ?"

सूरदास : "जिससे तुम-जैसे कमबख्तका मुँह न दीखे ।"

दोस्तकी टिकिट

गेटकीपर "आप अन्दर कैसे आ गये ?"

युवक "अपने दोस्तकी टिकिटसे ।"

गेटकीपर . "और आपका दोस्त कहाँ है ?"

युवक · "वह तो घरपर अपनी टिकिट ढूँढ रहा है !"

बदलता आकार

"मै देख रहा हूँ कि तुम भिन्न-भिन्न लोगोको उस मछलीका भिन्न-भिन्न आकार बताते हो ।"

"हाँ, जिस आदमीको जितने आकारका विश्वास करने लायक समझता हूँ उसे उतना ही आकार बताता हूँ ।"

समानता

प्रसिद्ध मूर्तिकार गिलवर्ट स्टुअर्टको वोस्टनकी सडकपर एक वार एक स्त्री मिली। वह उसे नमस्कार करती हुई बोली,

"ओफ मिस्टर स्टुअर्ट! मैंने अभी आपकी मूर्तिको देखकर चूमा, क्योकि वह इस कदर आपके समान थी।"

"और उसने भी आपको चूमा या नही?"

"क्यो? नही तो।"

"तो वह मेरे समान नही थी।"

खजाना

एक लडकीके पास वडे-वडे लोगोसे मिले हुए खतोका शानदार सग्रह था, जिसे वह अपने मित्रोको दिखला कर आनन्द लिया करती थी। अगर्चे वह प्रसिद्ध नाटककार मौस हार्टसे कभी नही मिली थी, मगर वह उसे लिखती रही कि कुछ अवश्य लिख भेजे ताकि उसकी अलवम पूरी हो जाये। आखिर, परेशान आकर उसने यह सन्देश भेज दिया,

"मौस हार्टकी ओरसे माइल्ड्रैडको—उन मधुर दिनोकी यादमे जब कि हम मियामीमे एक दूसरेकी भुजाओमे वँधे रहते थे।"

नक़ली चोर

एक सिनेमाकी नटीने अपने कीमती हारको चोरोसे वचानेके लिए एक तरकीब की। वह जब ड्रेसिंग टेब्लके खानेमे अपना हार रखती तब उसके साथ एक चिट रख देती कि, "यह हार नकली है, असली हार तो वैकमे है।"

एक वार उसने देखा कि हार गायब है। खानेमे एक चिट थी, "मुझे नकली हार ही चाहिए। मै भी नकली ही चोर हूँ। असली चोर तो जेलमे है।"

बढकर

"आदमीसे जानवर अच्छे। घुडदौडमे तीस घोडे दौडते हैं और पचास हजार आदमी देखने जाते हैं, लेकिन तीस आदमियोकी दौडको एक भी घोडा देखने नही जायेगा।"

शर्त

"मैं अब कभी शर्त नही बदा करूँगा।"

"अरे, तुम जरूर बदा करोगे।"

"कभी नहीं बदा करूँगा। आओ शर्त बद लो।"

बढ़कर कौन ?

रमेश . "विश्वासपात्र मित्रसे बढकर कुछ नही है।"

सुरेश . "एक चीज है।"

रमेश "क्या ?"

सुरेश "ऐसा मित्र जो हमपर पूर्ण विश्वास रख सके।"

गंज

"आपके बाल कैसे उड गये ?"

"चिन्ताके कारण।"

"किस बातकी चिन्ता थी ?"

"बाल उड जानेकी।"

वक्त चाहिए

"बच्चोके फोटो उतारनेका आप क्या लेते है ?"

"पाँच रुपये दर्जन।"

"आपको मुझे कुछ और मोहलत देनी होगी, अभी मेरे दस ही है।"

ईडियट

"मै यह 'ईडियट' लफ्ज वरावर सुन रहा हूँ। तुम मुझको तो 'ईडियट' नही कह रहे?"

"इतने आत्म-प्रतिष्ठावान् न वनो। दुनियामें और ईडियट है ही नही क्या।"

वख्शिश

एक टेलिफोन ऑपरेटर किसी आम जगहसे एक वुढियाके लिए ट्रक-कॉल ठीक कर रही थी। वोली, वक्समे साढेचार रुपये डाल दो, लेकिन जवतक जवाव न आये वटन 'ए' को मत दवाना।"

"शुक्रिया वेटी," वुढिया कृतज्ञताके स्वरमें वोली, "तूने वडी मदद की हैं। मै वक्समे एक दुअन्नी और डाल रही हूँ—तू कुछ लेकर खा लीजो।"

कायापलट

"यार, वडे दिनो वाद मिले! तुम तो विलकुल वदल गये हो। पहले कैसे मोटे-ताज़े थे, अव कितने दुवले-पतले हो गये हो, सारे घुँघराले वाल झड गये, गुलाव-सा चहरा जर्द पड गया। तुम्हें देखकर मुझे तो वडी हैरत हो रही है दोस्त मटरूमल।"

"मेरा नाम मटरूमल थोडे ही है।"

"अरे! तो क्या नाम भी वदल डाला?"

टेलिफोन नम्वर

"आपका टेलिफोन नम्वर?"

"टेलिफोन-डायरेक्टरीमे दिया है।"

"आपका नाम?"

"वह भी डायरेक्टरीमें है।"

दीर्घजीवनी

एक आदमी सौ वरसकी उम्र पूरी करनेपर प्रसिद्धि पा गया। अख़-वारोंके सवाददाता उसके दीर्घ जीवनका रहस्य जानने आने लगे और सवालोंकी झडी लगाने लगे। वहुत देर विचार करनेके वाद वूढा वोला, "मैं आज सौ वर्षका हूँ, इसका प्रधान कारण यह है कि मैं १८५६ में जन्मा था।"

ज्यादा किराया

दो मुसाफिर नावमें सफर कर रहे थे। एकाएक नदीमें तूफान आया। एकने कहा, "यार कहीं डूव न जाये।"

दूसरा वोला "डूव भी जाने दे, सालेने किराया वहुत वढा रखा है।"

हास्यास्पद

एक अंग्रेज़को कोडे लगानेकी सजा हुई। जव कोडे लगाये जा रहे थे तो वह हर कोडेपर अधिकाधिक हँसता जाता था।

"हँसते क्यों हो?" सार्जण्टने पूछा।

"तुम गलत आदमीको कोडे लगा रहे हो।"

लायसेन्स

एक देवीजी अपनी कारको राहपर लानेकी कोशिश कर रही थी। पहले तो उनकी गाडी सामनेवाली एक गाडीसे टकरायी, फिर एक पीछेवालीसे, अन्तमें, सडकपर आकर, भिडन्त हुई एक डिलीवरी ट्रकसे। एक पुलिसवाला जो यह सव देख रहा था पास आकर वोला, "आप लायसेन्स दिखलाइए।"

"क्यूँ मूर्खता दिखलाते हैं!" वह वोली, "मुझे लायसेन्स कौन देगा?"

फलित ज्योतिष

पहला · "अबे, खम्भेसे क्यो टकराया जा रहा है ?"

दूसरा . "जन्म-कुण्डली कहती है कि आज मेरा गलत कदम नही पड सकता ।"

लालटेन

"सडकपर यह लाल बत्ती क्यो है ?"

"ताकि आने-जानेवालोको पत्थरोका ढेर दिख सके ।"

"और सडकपर यह पत्थरोका ढेर क्यो है ?"

"लाल बत्तीको रखनेके लिए ।"

अपना-पराया

एक लडका भागकर गश्त लगानेवाले सिपाहीके पास जाकर बोला, "ज़रा उस मकान तक चलो। मेरे पितासे एक बदमाश दो घण्टेसे लड़ रहा है।"

सिपाही · "तुमने और जल्दी खबर क्यो नही दी ?"

लड़का · "उस वक्त पिताजी उसे पीट रहे थे ।"

तड़क-भड़क

एक देशके बाशिन्दे भडकीली पोशाको और कीमती गहनोके बड़े शौकीन थे। साधुशील राजाको यह महा खराब लगता था कि धनिक लोग अपने धनका यूँ प्रदर्शन करे। उसने कानून बना दिया कि 'कीमती वस्त्राभूषण पहनना वर्ज्य है।' मगर कोई न माना। राजाको एक तरकीब सूझी। उसने क़ानूनमे सशोधन कराया,

"मगर रडियो और चोरोको छूट है।" अगले दिनसे राज्य-भरसे तडक-भडक ग़ायब हो गयी ।

सयोग

"मै और मेरे पतिका जन्म एक ही दिन हुआ था। कैसा सयोग।"

"इसमे क्या है? मेरी और मेरे पतिकी शादी एक ही रोज़ हुई थी।"

कुछ मुज़ाइका नही!

"रजिस्टरकी भूलसे एक कैदी एक हफ्ते ज्यादा रोक लिया गया। जेलरने अपनी गलती मानते हुए कैदीसे माफी चाही। कैदीने कहा, "कुछ मुज़ाइका नही, अगली बार एक हफ्ते पहले छोड दीजिएगा।"

जेलमे

"क्यो साहब, आपके साहबज़ादे आजकल कहाँ है?"

"जेलमे।"

"जेलमें!!"

"जी हाँ, वहाँ २० रुपये महीनेका क्लर्क है।"

रात्रिगमन

स्त्री (पडोसीसे) "मैं अपने पतिको बहुत-कुछ समझाती हूँ, पर वे रातको घरपर रहते ही नही। मैं सब-कुछ करके हार गयी पर उनका रातका जाना बन्द नही हुआ।"

पडोसी: "एक उपाय और कर देखो। तुम खुद रातको बाहर जाना शुरू कर दो।"

ठाकुरसाहबका फोटो

एक ठाकुर साहब फोटो खिचवा रहे थे। एकाएक बोल उठे, "भई फोटोवाले, ज़रा ठहरना, मैं इत्र लगाना तो भूल ही गया! अभी लगाकर आया!"

हैट

एक लेडी, हैट पहने, सिनेमा देख रही थी। अपने पीछे बैठे हुए सज्जनकी ओर मुडकर बोली,

"अगर मेरे हैटकी वजहसे आप पिक्चर न देख सकते हो तो मै इसे उतार लूँ।"

सज्जन "कृपया मत उतारिए। पिक्चरसे आपका हैट ज्यादा मजेदार है।"

भिक्षा

सज्जन · "तुम्हे भीख मांगते हुए शर्म आनी चाहिए।"

भिखारी . "मै आपसे भिक्षा माँग रहा हूँ, शिक्षा नही।"

दशा

"क्या आपकी कार 'साउण्ड कण्डीशन' (अच्छी दशा) मे है ?"

"निस्सन्देह—हॉर्नके अलावा हर चीज़ आवाज करती है।"

विचित्र जन्तु

"देखा है आपने इस आदमी-सरीखा कोई जीव ?"

"यहाँसे सर्कस चले जानेके बाद नही।"

नाआश्ना

बैंकर · "तो आप अभिनेता है ! बडी खुशीकी बात है। लेकिन मुझे लज्जापूर्वक कबूल करना चाहिए कि मै पिछले दस वर्षसे किसी थियेटरमें नही गया।"

एक्टर "कृपया लज्जित न होइए। मै तो इससे भी बडी मुद्दतसे किसी बैंकमे नही गया।"

मालिकी

"आप पैदल चलनेवालोमे कुछ तो ऐसे चलते है मानो सडक उन्ही की हो ?"

"हाँ, और आप मोटर चलानेवालोमे कुछ ऐसे चलाते है मानो मोटर उन्हीकी हो।"

चीनकी पैदावार

"चीनमे और देशोकी वनिस्वत किस चीजकी पैदावार ज्यादा है ?" शिक्षकने पूछा,

'चीनियोकी', आश्चर्यजनक जवाब मिला।

रेडियो

दर्शनशास्त्रके एक विद्यार्थीको एक सुन्दर सहयोगिनी मिल गयी। वह प्रेम, जीवन, मृत्यु, इतिहास, सस्कृति, पुरातत्त्व, आदि-आदि विषयोपर रायजनी करके उसे प्रभावित करना चाह रहा था।

"मसलन्", वह कह रहा था, "आधुनिक समाजका एक अभिशाप है विशेषज्ञता। मुझे ही लो : मुझे कलाओकी खासी जानकारी है, लेकिन रेडियो कैसे वजता है इसका मुझे ज़रा भी ज्ञान नही।"

"हाय राम !" सुन्दरी बोली, "यह तो वेहद आसान है। घुण्डी घुमा दो, वह बजने लगता है।"

स्वर्ग-परी

"यह है मेरी प्रेयसीकी तस्वीर।"

"ओह हो ! कमालकी लडकी होगी ?"

"वडी वाकमाल ! सीधी स्वर्गसे मेरी भुजाओमे गिरी।"

"शक्लसे मालूम होता है मुँहके बल गिरी है।"

फाँसी

"क्या फाँसीकी सजामे तुम्हारा विश्वास है ?"

"हाँ, अगर सख्त न हो।"

डाकिया

"भाई, मेरा भी कोई खत है क्या ?"

"आपका नाम ?"

"खतपर लिखा होगा।"

वजह

डिकिन्सन "मिस्टर ब्राउन, मेरी समझमे नही आता कि आप अपनी लडकीको उस शख्सके साथ क्यो फिरने देते हैं। उसने पांच बरस तो जेलखानेमें गुजारे है !"

ब्राउन "बडा झूठा है ! मुझे तीन बरस बताता था !"

क्यों मारा ?

"तूने मेरे कुत्तेको भालेसे क्यो मारा ?"

"तेरे कुत्तेने मुझे क्यो काटा ?"

"तो तूने भालेके दूसरे सिरेसे उसे क्यो न मारा ?"

"तेरा कुत्ता दुम आगे करके मेरी तरफ क्यो नही आया ?"

सीधी तरफ देखना !

पहाडकी कठिन चढाई चढते-चढते पथप्रदर्शकने प्रवासीको चेतावनी दी, "यहाँ सावधान रहना। जरा चूके कि गहरी घाटीमे जा गिरोगे; लेकिन अगर गिरो भी तो गिरते-गिरते सीधी तरफ देखना, हिमालयका भव्य प्राकृतिक सौन्दर्य देखनेको मिलेगा।"

चोर

किसी चैनमुखने कुबुद्धिवश अपनी कारकी चोरीकी रिपोर्ट पुलिसमें लिखा दी। पुलिसने पता लगाया कि वह कार एक बार पहले भी चुरायी जा चुकी थी—चैनमुख-द्वारा।

अजीब गाय

एक शहरी सुन्दरी देहातमें किसी किसानके खेतपर पहुँची।

सुन्दरी "वाह! कैसी अजीब गाय है! पर उसके सींग क्यों नहीं हैं?"

किसान (धैर्यपूर्वक) "खैर, बात यह है कि कुछ गायोंके सींग हटा दिये जाते हैं, और कुछ गायें तो बिना सींगके ही जन्मती हैं, फिर बादमें उनके सींग कभी आते ही नहीं, और कुछ गायोंके सींग गिर जाते हैं। लाखों कारण हैं कुछ गायोंके सींग न होनेके। लेकिन उस गायके सींग न होनेकी वजह यह है कि वह गाय ही नहीं है' यह तो खच्चर है।"

ज्योतिषी

एक आदमी "महाराज, तुम कहते हो कि तुम्हारा भविष्य सच्चा निकलता है?"

ज्योतिषी. "हाँ भाई, निकलता तो है।"

आदमी. "तो बताइए अगर यह लट्ठ मैं आपके सिरपर जड़ूँ, तो आपकी झोपड़ी कहाँसे तड़केगी?"

आत्मघात

टैक्सी ड्राइवर. "कहाँ जाइएगा, साहब?"

साहब · "किसी ऊँची पहाड़ी चोटीसे घाटीमें तेज़ीसे चले चलो, मुझे आत्म-हत्या करनी है।"

रिकार्ड कायम

एक छतरीधारी उडाका (पैराशूटिस्ट) उतरते-उतरते एक शाह-बलूतके पेडमे उलझ गया ।

"मै रिकार्ड कायम कर रहा था," उसने नीचे खडे हुए एक किसानसे चिल्लाकर कहा ।

किसान बोला, "रिकार्ड तो तुमने कायम कर दिया, क्योकि इस इलाकेमे पेडपर चढे बगैर उतरनेवाले तुम पहले आदमी हो ।"

अविश्वास

सेक्रेटरी बराबर कह रही थी कि उसके मालिक ऑफिसमे नही है, मगर भेंटके लिए आनेवाले महोदयको विश्वास ही नही हो रहा था । अन्तमे उसने पूछा, "तो, मै क्या सचमुच विश्वास कर लूँ कि तुम्हारे मालिक यहाँ नही है ?"

सेक्रेटरीने तनकर कहा, "आपको उनके शब्दोपर भी विश्वास नही है !"

तेजाब

"तुमसे मिले करीब तीन बरस हो गये । मै तो तुम्हे पहचान ही नही पाया—इतने बूढे लगने लगे हो ।"

"सचमुच ! मै भी तुम्हे कपडोसे ही जान सका ।"

बोलती बन्द

दन्दानसाज़की लडकी अपने प्रेमीसे बोली,

"पूछा तुमने पिताजीसे शादीके बारेमे ?"

"ना, जब-जब उनके दफ्तरमे जाता हूँ, मेरे तो होश उड जाते हैं । आज मैने अपना एक और दाँत उन्हे उखाड लेने दिया !"

इन्सान

"खुदाने इन्सानको हवा, पानी, आसमान और धरती वगैरह बनाने के बाद सबसे आखिरमे क्यो बनाया ?"

"क्योकि उसे डर था कि कही इन्सानको पहले बना दिया तो वह ये सब चीजे खुद बना लेगा और फिर खुदाको अपनी करामात दिखलाने का मौका किसी भी हालतमें नही मिल सकेगा।"

रिश्तेदार

रेलके किसी सफरमे एक भारतीय सज्जनके पास एक स्कॉच महोदय भी बैठे हुए थे जिनकी गोदमें एक कुत्ता था।

भारती "बडा सुन्दर कुत्ता है। बडा ही समझदार मालूम होता है। इसकी नस्ल क्या है ?"

स्कॉच (चिढकर) . "यह आधा भारती और आधा बन्दरकी नस्लका है।"

भारती · "तब तो यह मेरा सम्बन्धी होनेके साथ-साथ आपका भी रिश्तेदार निकला।"

बाली उमर

प्रौढा "आपको मेरी उम्र क्या लगती है ?"

मेहमान : "शरीरसे आप दस वर्ष छोटी लगती है, बुद्धिसे दस वर्ष बडी।"

मिलनसारी

"दुनियामे सबसे ज्यादा गैर-मिलनसार कौन है ?"

"मीलके पत्थर, क्योकि उनमें-से किन्ही दो-को तुम पास-पास नहीं देखोगे।"

टेलिफोन

दूकानदार "जनाव, हमारा टेलिफोन महीने-भरसे काम नही दे रहा। कई बार आपके पास शिकायते लिखकर भेजी, मगर आपने कुछ खयाल नही किया।"

अफसर "वाह ! खयाल क्यो नही किया। मैंने कई दफे आपसे टेलिफोनपर पूछा कि क्या बिगडा है। मगर आपने ही कोई जवाब नही दिया तो मै क्या करता ?"

महापुरुष

श्री . "प्रतिभाशाली महापुरुष अच्छे पति होते है या नहीं ?"

ही "यह सवाल तो आप मेरी पत्नीसे पूछिए।"

सवाल-जवाब

अर्थशास्त्री "पाँच-छह सालसे इम्तहानमे वही सवाल आ रहे है।"

विद्यार्थी "तो फिर प्रोफेसर क्यो रखे जाते है, एक किताब छपा दी जाये ?"

अर्थशास्त्री "इसलिए कि उनके जवाब बदलते रहते है।"

अवसरवादी

एक स्कॉट अपने एक दोस्तसे लन्दन मिलने गया, मगर वही रम गया। बहुत दिन हो गये मगर मेहमान जानेका नाम ही न ले। आखिर मेजबानने एक मृदुल सकेत छोडा,

"क्या आप नही सोचते कि आपकी बीवी और बच्चे आपसे फिर मिलना चाहते होगे ?"

"बहुत-बहुत शुक्रिया ! आपकी बडी मेहरबानी ! मै उन्हें बुलाये लेता हूँ।"

सर्वश्रेष्ठ सुन्दरी

एक वार नैपोलियनकी रानी जोसेफीनसे एक फ्रांसीसी फौजी अफसर मिला।

रानी "आप सर्वश्रेष्ठ सुन्दरी किसे कहेंगे ? ऐसी किसी स्त्रीसे आप कभी मिले ?"

"सम्राज्ञी, कलतक तो ऐसी किसी सुन्दरीसे नही मिला था। आज "

रानी मुसकरा दी। अफसरको तरक्की मिल गयी।

बीमा कम्पनी

एक बीमा कम्पनीका विज्ञापन,

"कल अकस्मात् मर जानेवालेको हमारी कम्पनीने पाँच हजार रुपया रोकड़ा अदा किया है। कल शायद आपको भी इतनी बड़ी रकम पानेका सौभाग्य प्राप्त हो सकता है। इसलिए हमारे ही यहाँ बीमा कराइए।"

फरियाद

"गाँवमें रहना कितना सुखकारी है ! ताजी हवा, खुली फिजा, शुद्ध घी-दूध,.. मैं जबतक वहाँ रहा कभी डाक्टरका बिल नही भरा।"

"डाक्टर यही तो शिकायत करता था।" मित्रने कहा।

लापता

"क्या तुम मुझे अपने दर्जीका पता बता सकते हो ?"

"जरूर, बशर्ते कि तुम उसे मेरा पता न बताओ।"

शेक्सपीयर

"अगर आज शेक्सपीयर आ जाये तो अद्भुत आदमी समझा जाये।"

"हाँ, अब तो वह ३५० बरसमे ज्यादाका होगा।"

अफसोस !

श्याम "इतने उदास क्यो नज़र आ रहे हो, पकज ?"

पकज "मैने पिताजीको किताबोके लिए रुपये भेज देनेके लिए लिखा था। रुपयोकी बजाय उन्होने मुझे किताबे भेज दी।"

प्रयोग

"भला, यह कछुआ तुम क्यो पाले हुए हो ?"

"सुना है कि कछुआ डेढ-सौ बरस जीता है। इसीको आज़मानेके लिए।"

छायामे

"पिछली गरमियोमे जहाँ आपने छुट्टियाँ बितायी वह जगह ज्यादा गरम तो नही थी ?"

"सख्त गरम ! और कोई दरख्त नही ! हम नम्बरवार एक दूसरेकी छायामे बैठकर दुपहरी गुजारते थे।"

त्रिगुणात्मक लड़की

"मै ऐसी लडकी चाहता हूँ जो सुन्दर, होशियार और भली हो।"

"तो यह कहो कि तुम्हे एक लडकीकी नही, तीन लड़कियोकी जरूरत है।"

दूसरा कौन ?

हमेशा अपनी ही बाते करते रहनेवाले एक गप्पीने कहा, "मै तो दो ही शख्सोकी तारीफ करता हूँ "

"दूसरा कौन ?" सुननेवालेने कहा।

हजामत

शी "तुम दिनमें कितनी वार शेव करते हो ?"

ही "करीब ४० या ५० वार।"

शी "तुम पागल तो नही हो ?"

ही · "नही, मैं हज्जाम हूँ।"

उधार-प्रसार

"नमस्ते जी, सोचा कि लाओ आपके यहांसे अपना छाता लेता चलूं।"

"अफसोस है कि उसे तो मेरे एक दोस्त ले गये हैं। क्या आपको उसकी जरूरत थी ?"

"मुझे तो नही थी, मगर जिन सज्जनसे मै उसे मांगकर लाया था कह रहे है कि छतरीवालेको उसकी जरूरत है।"

का हानि ?

कप्तान · "वस सव समाप्त है ! हम जहाजको नहीं वचा सकते।"

मंगलू · "सुनता है इकलू ? कप्तान कह रहा है कि जहाज डूबने-वाला है !"

इकलू "डूवने दे, हमें क्या ? हमारा थोडे ही है।"

याददहानी

"आपके रूमालमे गांठ क्यो लगी हुई है ?"

'यह तो मेरी वीवीने खतको डाकमे डालनेकी याददहानीके लिए लगा दी थी।"

"फिर टाल दिया खत आपने ?"

"उसे वह मुझे देना ही भूल गयी।"

शिकारी

जगली "साहब, मैने यहांसे एक मील उत्तरकी ओर चीतेके पैरोके निशान देखे !"

शिकारी "अच्छा ! दक्खिन किस तरफ है ?"

कमसखुन

"वह अल्पभाषी है न ?"

"जी हां, आज सारे दिन वह मुझसे यही कहता रहा ।"

गौल्फ़

एक साहब बहादुर 'गौल्फ' खेलना सीख रहे थे । खेलमे बिलकुल अनाडी होनेकी वजहसे वह कोशिशें करनेपर भी डण्डेसे गोली न मार पाये । हर बार उनका डण्डा ज़मीनपर पड़ता और ज़मीन खुद जाती । तब बेचारे अपने अनाडीपनको निबाहनेके लिए अपने सहायक छोकरेसे कहने लगे, "हमारा भाई, जो आजकल अमेरिकामे है, इस खेलको खूब खेलता है । मगर उसको भी पहले पहल यही हालत थी ।"

छोकरा "अमेरिका है कहाँ ?"

साहब "इस ज़मीनके नीचे ।"

छोकरा . "फिर क्या है ! यो ही कोशिश किये जाइए, कभी आप उसे खोदकर निकाल लेंगे ।"

नातमाम

गृहस्थ "ये सब चीज़ें चुपचाप फौरन् उस कोनेमे रख दो । सुनते हो कि नही ?"

चोर · "सब नही साहब, ज़रा क्षमाफ़ कीजिए । इनमे-से आधी पडोसकी है ।"

नम्बर शुमार

"कल डण्डी शहरमे बडा भयङ्कर अकस्मात् हो गया !"

"अरे, अरे !"

"दो टैक्सियाँ लड गयी, बीस स्कॉच ज़ख्मी हो गये ।"

फ़र्लो

एक उत्तप्त फौजी रगरूटने अपने कम्पनी कमाण्डरसे कहा कि उसे फौरन् फर्लोपर जाने दिया जाये—उसकी औरतके बच्चा होनेवाला है। इजाज़त मिल गयी, जब सिपाही जाने लगा, उसके अफसरने पूछा कि बच्चेका जन्म किस दिन होनेवाला है। "मेरे घर पहुँचनेके करीब नौ महीने बाद, सर।" रगरूटने सहज भावसे जवाब दिया।

आपका फोन

टेलिफोनकी घण्टी बजती है।

"हलो।"

"हलो। क्या तुम सोहन हो ?"

"हाँ, सोहन ही हूँ।"

"तुम सोहन नही मालूम होते।"

"लेकिन मैं हूँ सोहन ही।"

"तुम्हें पूरा यकीन है कि तुम सोहन हो ?"

"बि ल. कु. ल।"

"अच्छा सोहन, सुनो, मै मोहन बोल रहा हूँ। क्या तुम मुझे पचास रुपये उधार दे सकते हो ?"

"जब सोहन आयेगा, मै इत्तिला दे दूँगा कि आपका फोन आया था।"

हैसियत

एक व्यापारी "आपके पडोसीकी हैसियत क्या है ?"

लिंकन "उसके एक बीवी और दो बच्चे है जिनकी कीमत पाँच लाख डालर होगी। उसके दफ्तरमे एक टेबल और तीन कुरसियाँ हैं जिनका मूल्य क्रमश डेढ और एक डालर होगी। उसके ऑफिसमे एक चूहेदान है जिसकी कीमतका अन्दाज़ा लगाना मुश्किल है।"

आगा पीछा

"अगर कोई शेर तुम्हारे पीछे साठ मील फी घण्टाकी रफ्तारमे भागता हुआ आवे तो तुम क्या करोगे ?"

"सत्तर।"

धैर्य

"धैर्यसे आदमी सब कुछ कर सकता है।"

"क्या धैर्यसे चलनीमें पानी रखा जा सकता है ?"

"हाँ, अगर उसके जम जाने तक धैर्य रखा जावे !"

कोई मुजायका नही

"क्या हाइड्रोजन बमसे दुनिया खत्म हो जायेगी ?"

"तो क्या हुआ ? पृथ्वी सिर्फ एक छोटा-सा ग्रह है।"

आसान बात है

महेश "ओ सुरेन्द्र, सरकसमें एक आदमी कूदकर घोडेपर चढता है, फिसलकर नीचे आता है, उसकी दुम पकडता है और आखिरमे गरदन !"

सुरेन्द्र "यह तो आसान बात है। जब पहले-पहल मै घोडेपर चढा तो यह सब मैने भी किया था।"

फलित आशा

"क्या तुम्हारे वचपनकी कोई आशा फलित हुई ?"

"हाँ, जब माँ मेरे बाल खींचती तो मैं चाहा करता था कि मेरे बाल न रहे तो अच्छा ।"

मसका

"सिम्पसन, तुम्हारी लडकी सचमुच हजारमे एक है । कितनी खूबसूरत है ! और नाच तो गजबका करती है' हाँ, भई, जरा पाँच रुपये हो तो देना कल तकके लिए उधार ।"

"सौरी ! वह तो मेरी पहली पत्नीके पहले पतिकी लडकी है । रही पाँच रुपयेकी वात, सो मेरे पास है नही ।"

लाहौल !

एक पादरी साहबने एक दुलहिनको मुवारकवादीका तार भेजा, जिसके अन्तमे था, "देखो आई जॉन सी. ४, वी. १८." इगित कविता थी, "प्रेम में भय नही ······ ।"

लेकिन तारमे किसी कारण 'आई'की जगह 'एम' हो गया । दुलहिनने जब हवाला देखा तो दिल दहल गया, "तू पाँच पति कर चुकी है, और जिसे तू अब कर रही है वह तेरा पति नही है ।"

दूनी वुद्धि

"तुममें इतनी भी वुद्धि नही है कि वारिशसे वचकर सायेमें आ जाओ !"

"तुमसे दूनी वुद्धि है ।"

"कैसे ?"

"वारिश हो ही नही रही है !"

चिन्ता

"कोई मेरी चिन्ताएँ ले ले तो मै उसे हजार रुपये दूँ ?"

"मै लिये लेता हूँ। लाइए हजार रुपये।"

"यह तुम्हारी पहली चिन्ता है।"

हँसीकी वजह

एक अमेरिकन : "आप हँसते क्यो है ?"

लिंकन : "इसलिए कि मुझे रोना न चाहिए।"

पिताजी !

दो नवयुवतियाँ बाजार गयी, पहलीने काफी सामान खरीदा जिसमे एक सुन्दर शिशु-आकार बोलता खिलौना भी था। वह उसने अपनी सहेलीको ले चलनेके लिए दे दिया, शेष स्वयं लेकर चली। रास्तेमे कल दब जानेसे खिलौना हाथ बढाकर 'पिताजी ! पिताजी !' पुकारने लगा। रास्ते चलते पुरुष यह सुनकर आकृष्ट होने लगे। युवतीका बुरा हाल था ! झुँझलाकर अपनी सहेलीसे बोली,

"अगली बार अगर बोलता खिलौना खरीदो तो उसे खुद ही लेकर चलना !"

सूखे बच गये

"कल मैने एक ऐसी बडी मछली देखी जो हमारी नावसे भी बडी थी !"

"और मैने ऐसी बडी मछली देखी जिसकी दुमके फटकारनेसे हमारी नाव ही उलट गयी और मैं पानीमे जा पडा !"

"तब तो तुम भीग गये होगे।"

"नही, मैं मछलीकी पीठपर गिरा था।"

जोड़

"क्या तुम्हें जोडना अच्छी तरह आता है ?"

"मुझे और जोडना आये ! मैंने इस हिसाबका जोड दस बार लगाया, ये रहे दस मुख्तलिफ जवाब ।"

श्रीगणेश

जेलमे एक अधेड महिला कैदियोंसे प्रश्न पूछ-पूछकर उन्हे तग कर रही थी । एक कैदीसे उसनें सबसे अधिक प्रश्न पूछे । जब महिलाने पूछा, "तुम यहाँ क्यो आये ?" तो उस कैदीने कहा, "श्रीमतीजी, मेरी इच्छा जेलर बननेकी थी, इसलिए मैंने सोचा कि इसके लिए सबसे नीचेके पदसे आरम्भ किया जाये ।"

दो ठग

ठग : "क्षमा कीजिए, महाशय, क्या आप एक पैसा उधार देकर मुझे आभारी बनायेंगे ?"

सज्जन : "क्यो नही जरूर मगर पैसा चाहिए किसलिए ?"

ठग : "मेरा साथी और मैं पैसा उछालकर इस झगडेको तै करना चाहते है कि हममें-से आपकी घडी कौन लेगा और मनीबेग कौन ?"

सिर्फ एक चीजकी कमी है !

एक दौलतमन्द ईरानीने अपने जीवन-कालमे ही एक खूबसूरत आलीशान मकबरा बनवाया । बन चुकनेपर वह उसका आखिरी मुआइना करने गया । राजसे पूछा, "सब पूरा हो गया, कुछ बाकी तो नही रहा न ?"

राज : "साहब, सब पूरा हो गया है, सिर्फ एक चीजकी कमी है ।"

ईरानी : "किस चीजकी ?"

राज : "आपकी लाशकी ।"

देरी की वजह

"आखिर, इतनी देर-से तुम कहाँ थे।"

"डाकखाने गया था।"

"एक खत डालनेमे तीन घण्टे लगते है ?"

"नही, साहब, तीन खत थे।"

अर्धनारीश्वर

"मैने आपकी पत्नीसे कह दिया है कि वे पहाडोको चली जायें।"

"यह तो ठीक है, डॉक्टर साहब, अब मुझसे कहिए कि मै समन्दरके किनारे चला जाऊँ।"

नयी जेल

अधिकारी बोला, "हम पुरानी जेलके मलबेसे नयी जेल बना सकते है और जबतक नयी जेल न बने कैदियोको पुरानी जेलमे रख सकते है और जब पुरानी जेल तोडी जा रही हो उन्हें नयी जेलमे रख सकते है।"

प्रेमकी मात्रा

"क्या तुम दिसम्बरमे भी मुझसे उतना ही प्यार करोगे जितना आज फरवरीमे कर रहे हो ?"

"उससे भी अधिक, प्रिय ! दिसम्बरमे तो और भी ज्यादा दिन होते है।"

कीर्तिका शिखर

"कब कहा जा सकता है कि कोई आदमी कीर्तिके शिखरपर पहुँच गया ?"

"जब कि कोई पागल भी वह आदमी होनेका दावा करने लगे।"

अव्वल

डॉक्टरकी दूकानपर मरीजोकी भीड लगी हुई थी। उन्होने दूकान खोलते हुए कहा, "आप लोगोमे सबसे ज्यादा देरसे कौन रुका हुआ है ?"

"मै !" एक दर्जीने बिल पेश करते हुए कहा, "जो कपडे आप इस वक्त पहने हुए है उन्हे मैने ढाई बरस पहले बनाकर दिया था। उसीका यह बिल है।"

उधार

भिखारी . "बाबूजी ! कुछ · ।"

सज्जन "भाई, इस वक्त मैं बडी जल्दीमे हूँ, लेकिन कल तुम्हे कुछ जरूर दूँगा।"

भिखारी . "यह नही चलेगा, साहब ! आप कल्पना नही कर सकते कि मै ऐसे उधारखातेमे कितना धन खोता हूँ।"

जैण्टिलमैन !

बेंजामिन फ्रैंकलिन जब इग्लैण्डसे अमेरिका लौटा तब उससे पूछा गया, "आपने इग्लैण्डमे क्या देखा ?"

बेंजामिनने कहा, "इग्लैण्टमे सारे लोग उद्यमी है। वहाँ हर आदमी कुछ-न-कुछ करता ही है " सब श्रमजीवी है। वहाँ मुझे एक ही जैण्टिल-मैन दिखायी दिया।"

सबने एक साथ पूछा, "वह कौन ?"

बेंजामिनने कहा, "सूअर ! वहाँ सिर्फ सूअर ही कुछ काम नही करता।"

मनोरंजक सूक्तियाँ

०

तन्दुरुस्ती वह चीज है जिससे आपको यह मालूम होता है कि सालका यही बहतरीन वक्त है ।

—आदम्स

हम आगामी सन्ततिके लिए कुछ-न-कुछ हमेशा करते रहते हैं, लेकिन मुझे यह देखकर खुशी होगी कि आगामी सन्तति भी हमारे लिए कुछ करे ।

—जोसेफ़ एडीसन

पैसा कमानेमें मैं अपना वक्त खराब नहीं कर सकता ।

—अगासिज़

कुछ सिनेमा-सुन्दरियाँ गिरजाघरमें भी धूपका चश्मा पहनकर बैठती हैं, उन्हें डर लगा रहता है कि कहीं खुदा उन्हें पहचानकर ऑटोग्राफ न माँग बैठे ।"

—एलेन

* मेरे दोस्तो ! दोस्त है ही नहीं ।

—अरस्तू

गरीबी अमीरोंके लिए एक पहेली है, समझमें नही आता कि लोगोंको खाना चाहिए तो वे घण्टी क्यों नही बजा देते।

—बेजॉट

कृतघ्नताके बाद, सबसे ज्यादा नाकाबिल-बरदाश्त चीज़ कृतज्ञता है।

—बीचर

मैं एक शर्मीला और हँसमुख लडका था, ऑक्सफोर्डने मुझे भोंडा बना डाला।

—बीरभूम

अमेरिकामे सफरके दो वर्ग है—फर्स्ट क्लास, और बच्चोंके साथ।

—बेंचली

आर्ट स्कूल वह जगह है जहाँ लडकियाँ हाई स्कूल और शादीके बीच का वक्त गुज़ारती है।

—ब्रेण्टन

पादरी वह आदमी है जो अपनी भौतिक अवस्था सुधारनेके लिए हमारी आध्यात्मिक व्यवस्था करता है।

फैशन वह अत्याचारी है जिसकी समझदार लोग मज़ाक़ उडाते है, मगर आज्ञामें चलते है।

—बीयर्स

उपदेश अण्डीके तेलकी तरह है, देना बिलकुल सरल लेना मगर मुश्किल।

उधार दो न लो, लेकिन अगर एक करना पडे तो देना बहतर है।

—बिलिंग्ज़

अनुभव हमारे ज्ञानको बढा देता है लेकिन हमारी बेवकूफियोको कम नही करता ।

खुदा बेवकूफोको महफूज़ रखे, उन्हे खतम न हो जाने दे, क्योकि अगर वो न रहे तो समझदारोकी रोज़ी मुश्किल हो जायेगी ।

अपनी आमदनीके अन्दर खर्च करो, चाहे इसके लिए तुम्हें कर्ज़ ही लेना पडे ।

नाश्तेसे पहले कभी कुछ काम न करो, अगर नाश्तेसे पहले कुछ करना ही पडे, तो पहले नाश्ता करो ।

गरीबोको याद रखो—इसमें कुछ खर्चा नही पडता ।

कुछ लोगोको अतिशयोक्तिकी ऐसी लत होती है कि वे झूठ बोले बगैर सच नही बोल सकते ।

कई बीबियाँ रखनेमे एक फायदा है, वे अपने खाविदसे लडनेके बजाय आपसमें ही लडती है ।

जब कोई आदमी मुझसे सलाह लेने आता है, तो मै मालूम कर लेता हूँ कि उसे कैसी सलाह चाहिए, और वैसी ही दे देता हूँ ।

जब मै किसी कम-अक्लको ठाठदार पोशाकमे देखता हूँ तो मुझे हमेशा अफसोस आता है—कपडोपर ।

पुण्यात्मा स्वर्ग जानेके लिए इतनी मेहनत नही करते जितनी दुष्ट लोग नरक पहुँचनेके लिए करते है ।

—बिलिंग्ज

हम चीनमें मिशनरी भेजते हैं ताकि चीनी लोग स्वर्ग जा सकें, लेकिन हम उन्हें अपने देशमें नही आने देते।

—पर्ल बक

सच तो कोई भी वेवकूफ वोल सकता है, लेकिन अच्छी तरह झूठ बोलनेके लिए आदमीमे चतुराई चाहिए।

शैताननें खीस्तको प्रलोभित किया, लेकिन वह खीस्त ही थे जिन्होंने शैतानको प्रलोभित किया कि वह उन्हें प्रलोभित करे।

कोई झूठ बोले तो मुझे बुरा नही लगता, लेकिन यथातथ्य न बतलाये तो मुझे शख्त नफ़रत छूटती है।

कोशकारके लिए भगवान् महज 'भग' के वाद आनेवाला लफ्ज है।

—सेमुएल बटलर

मौतसे सब ट्रेजडियाँ खत्म हो जाती हैं, और तमाम कॉमेडियाँ खत्म हो जाती हैं शादीसे।

अँग्रेजी शरद् ऋतु—जुलाईमें खत्म होकर, अगस्तमें फिर शुरू हो जाती है।

पुराने खतोंके पढनेकी एक खुशी यह है कि उनके जवाब देनेकी जरूरत नही।"

—बायरन

बेवकूफ लोग अक्लमन्दोंसे इतना नही सीखते जितना अक्लमन्द बेवकूफोंसे।

—कैटो

औरतें सब उपयोगी है—निरुपयोगी, या सदुपयोगी।"

हर आदमी वैसा ही है जैसा ईश्वरने उसे बनाया, और अकसर उससे भी कही बदतर।

मैं जब मौका मिलता है पीता हूं, और कभी-कभी बेमौके भी पी लेता हूं।

—सर्वैण्टीज़

खूबसूरत औरत आंखोके लिए स्वर्ग है, आत्माके लिए नरक है, और जेबके लिए दिवाला है।

औरत फांसी चढने जा रही हो तो भी सिंगारके लिए कुछ वक्त मांगेगी।

समाज दो वर्गोमें बंटा हुआ है, वे जिनके पास भूखसे ज्यादा खाना है, और वे जिनके पास खानेसे ज्यादा भूख है।

अक्लमन्दोंसे बेवकूफोंकी तादाद ज्यादा है, अक्लमन्दमें भी अक्लसे ज्यादा बेवकूफी भरी होती है।

—चैम्फर्ट

चापलूस दोस्त लगते है, जैसे भेडिये कुत्ते दिखते है।

जवान लोग बूढोको बेवकूफ समझते है; लेकिन बूढे लोग जानते है कि जवान लोग बेवकूफ है।

—चैपमैन

शादीकी कामयाबी हनीमूनकी नाकामयाबीके बाद आती है।

—चैस्टरटन

बाइबिल कहती है कि पड़ोसियोंसे प्यार करो, और दुश्मनोंसे प्यार करो; शायद इसलिए कि ये दोनों एक ही लोग होते हैं।

वे तमाम लोग जो सचमुच आत्मविश्वास रखते हैं पागलखानोंमें हैं।

गाड़ी पकड़नेका एक ही तरीका जो मुझे मालूम हुआ है यह है कि गाड़ी पहले कभी मिस हो जाये।

कुछ लोग अपनेको कभी छोटा समझते ही नहीं, लेकिन छोटे हैं वे ही कुछ लोग।

दुनियामें तीन चीजें हैं जिन्हें औरतें नहीं समझतीं, और वे हैं आज़ादी, बराबरी और भाईचारा।

—चैस्टरटन

आप नहीं बता सकते कि वह ऑपेराकी पोशाकमें थी या ऑपरेशन-की।

—थ्रूजयरी

भागे हुए घोड़ेकी रफ्तार किसी शुमारमें नहीं।

—जॉन कॉक्टो

मरनेसे पहले हंस गाते हैं, कुछ लोग गानेसे पहले मर जायें तो क्या ही अच्छा हो!

—कॉलेरिज

दुनिया, कामिल मेज़बानकी तरह, उनपर ज्यादासे-ज्यादा तवज्जह देती है जिन्हें वह जल्दसे-जल्द भूल जाना चाहेगी।

—कॉलिन्स

आदमीको अकेला नही रहने देते—उसके साथी, उसके देवता, उसकी कषायें।

—कॉनरेड

हमारी आधी जिन्दगी हमारे वाल्दैन बिगाड देते है और बाकी आधी हमारे बच्चे।

—डैरो

बाबा आदमके जमानेसे बेवकूफ बहुमतमे रहते आये है।

—दिलव्रिग्न

आदमीका अन्दाजा उसके कपडोसे नही उसकी बीवीके कपडोसे करो।

—डेवर

हर औरतको शादी करनी चाहिए—किसी मर्दको नही।

आदमीसे उसीके बारेमे बाते करिये वह घण्टो तक सुनता जायेगा।

—डिजराइली

बहुत रेंकना पडेगा गधेको, पेश्तर इसके कि वह सितारोको गिरा दे।

—जार्ज ईलियट

जिसे हम प्रगति कहते है वह एक बेहूदगीकी जगह दूसरी बेहूदगीकी स्थापना है।

सभ्य लोग प्रशान्त क्षेत्रमें आये, साथमे शराब, सिफलिस, पतलून और बाइबिल लाये।

—हैवलॉक एलिस

संस्कृति एक चीज़ है, वार्निश दूसरी।

मानव जातिका अन्त यह होगा कि आखिर एक रोज़ वह सभ्यतामे घुट मरेगी।

—एमर्सन

क्या यह अजीब बात नही है कि मैंने सिर्फ अ-लोकप्रिय किताबें लिखी और इतना लोकप्रिय हो गया!

—अलबर्ट आइन्स्टाइन

अगर बुरे लोग न होते, तो अच्छे वकील न मिलते।

ऐसी भी किताबें हैं जिनका सिर्फ कवर अच्छा होता है।

—चार्ल्स डिकेंस

उन्होंने निश्चय कर लिया है कि अनिश्चित रहेंगे, तय कर लिया है कि कुछ तय नही करेंगे, वे डटे हुए हैं मनमाना बहकनेके लिए, सर्वशक्तिमान् हैं नामर्द बने रहनेके लिए।

—विन्स्टन चर्चिल

मैंने तीन शाहशाहोके नग्न रूपको देखा है, दृश्य प्रेरक नही था।

—बिस्मार्क

काग़ज़का रूमाल धोबीके यहांसे नही लौटता, और न प्रेम अदालतकी ज़ियारतसे।

—जॉन बैरीमूर

आरामकी ज़िन्दगी मुश्किल मंज़िल है।

—विलियम कूपर

अमेरिकाका धन्धा है धन्धा ।

—कालविन कूलिज (प्रेसीडेण्ट ऑफ़ दी U.S.A.)

अगर हर आदमी साफगो हो तो बात-चीत नामुमकिन हो जाये ।

जो लेकख अपनी ही किताबोका ज़िक्र करता रहता है लगभग उतना ही बुरा है जितनी कि वह माँ जो अपने ही बच्चोके बारेमे बोलती रहती है ।

—डिज़राइली

खेतपर कुत्ता ही एक ऐसा प्राणी है जिसकी चैनसे गुजरती है ।

सावधान रहो, तो तुम बहुत-से लोगोको तुम्हे लूटनेके पापसे बचा लोगे ।

अपने बच्चोके गुण गिनानेमें किसी आदमीका टाइम न लो, वह आपको अपने बच्चोकी गुणावली सुनाना चाहता है ।

कुछ लोगोके पास सिवाय आदर्शोके कभी कुछ नही होता ।

मै नही चाहता कि मेरे दोस्त मेरे लिए जान दें, अगर वो तमीजसे पेश आये और मुझे अकेला रहने दे, तो मुझे सन्तोष है ।

अगर दुनियाके तमाम लोग किसी वक्त किसी आदमीके प्रति सहानुभूति दर्शायें, तो भी वे उसके सिरका दर्द दूर नही कर सकेंगे ।

अगर किसी लोफरको तुम बचाले जान नही समझते, तो यह इस बातकी अलामत है कि तुम ख़ुद कुछ-कुछ लोफ़र हो ।

—ऐडगर वाटसन

अगर बेवकूफ लोग दुनियाके शासक नही है तो इसकी यह वजह नहीं है कि वे बहुमतमे नही है ।

मुझे कोई ऐसा तुच्छ आदमी नही मिला जिससे अपनी तारीफ सुनकर मुझे खुशी न हुई हो ।

अपने 'दुश्मनोको प्रेम' करनेके बजाय, अपने दोस्तोसे ज़रा और अच्छा व्यवहार करो ।

मेरा खयाल है कि मैं उन लोगोसे अच्छा हूँ जो मुझे सुधारना चाहते है ।

बहुत-से लोग उसे कल तक उठा रखते है जिसे उन्हें कल ही कर डालना चाहिए था ।

दुनियाकी एक अजीब बात यह है कि एक तुच्छ आदमी भी अपने को बडा इज्जतदार समझता है ।

कुछ लोगोको खुश करनेका एक ही तरीका है कि आप फिसल कर जा पडें ।

शायद एक रडुआ अपनी दूसरी जोरूमे उतना ही मजा पाता है जितना कि एक विधवा अपने पतिके बीमे-से पाती है ।

—एडगर वाटसन

कर्जदारसे कर्जख्वाहकी याददाश्त अच्छी होती है ।

—फ्रेंकलिन

मृत्यु—पापधाराका एकाएक रुक जाना ।

—अल्बर्ट हब्बार्ड

हर आदमी हर रोज कमसे-कम पाँच मिनिट मूर्ख रहता है, अक्लमन्दी इसमें है कि इस सीमाको पार न करे।

हर अत्याचारी आजादीका विश्वासी होता है—अपनी आज़ादीका।

दोस्त—जो तुम्हारे विषयमें सब-कुछ जानता है फिर भी तुम्हें प्यार करता है।

प्रतिभाकी सीमाएँ है, मूर्खताकी कोई नही।

कब्रिस्तान ऐसे लोगोसे भरे पडे है जिनके बगैर दुनियाका काम ही न चलता।

—अलबर्ट हब्बार्ड

मैने कोई ऐसी पहलवान लडकी नही देखी जो अपनेको घरका काम करनेमे समर्थ समझती हो।

यह कहना मुश्किल है कि आनन्द किसमे मिलता है, गरीबी और दौलतमन्दी तो दोनो नाकामयाब हो गयी।

कुछ लोगोकी मेहमानवाजी सिर्फ इसलिए होती है कि आप उन्हें सुनते रहिए।

दुनिया हर रोज बेहतर हो जाती है—शामको फिर बदतर हो जाती है।

—फ्रॅंक मेकिनी

अगर किसी आदमीको सभ्य बनाना चाहते है तो उसकी नानीसे शुरू कीजिए।

—मिस्टर ह्यूगो

दस वरसकी उम्र तक हम सब प्रतिभाशाली रहते है।

—आल्डुस हक्सले

जब आप सचाई और आजादीके लिए लडने वाहर जायें तो अपनी वढिया पतलून पहनकर कभी न जाइए।

—इब्सन

भेडोका शाकाहारके पक्षमे प्रस्ताव पास करना फिजूल है जबतक कि भेडियेकी राय कुछ और है।

—विलियम राल्फ इंग

नये वकील अदालतोंमें हाजिर रहते है, इसलिए नही कि वहाँ उन्हे काम है वल्कि इसलिए कि और कही उन्हें कोई काम नही।

—वाशिंगटन इर्विंग

वहुत-से लोग सोचते है कि वे सोच रहे है जब कि वे महज अपने पूर्वग्रहोंको नयी तरतीव दे रहे होते हैं।

—विलियम जेम्स

जो आदमी कतई कुछ नही पढता उस आदमीसे वेहतर शिक्षित है जो सिवाय अखवारोंके कुछ नही पढता।

—थॉमस जफरसन

कुछ लोग वदकिस्मतीके ऐसे प्रेमी होते है कि उससे मिलने आधे रास्ते पहुँचते हैं।

आदमीको सुधारना कठिन और अनिश्चित श्रम है; उसे फाँसी दे देना एक मिनिटका सुनिश्चित काम है।

—मालम जिरॉल्ड

मै सारी मानव जातिसे प्रेम करनेको तैयार हूँ, सिवाय अमरीकीके।

कुदरतने स्त्रियोको कितनी शक्ति दे रखी है! बडी समझदारीका काम किया है कानूनने कि उन्हे बहुत कम बल दिया है।

सिवाय कूडमग्ज़के पैसेके लिए कोई कभी नही लिखता।

तमाम शोरोमे, मेरा खयाल है सगीत सबसे कम नाखुशगवार है।

दूसरी शादी . अनुभवपर आशाकी विजय।

जब दो अंग्रेज़ मिलते है तो पहले मौसमकी बात करते है।

देखने लायक है ? हाँ, मगर देखनेके लिए जाने लायक नही है।

आप आवाज़ बुलन्द कर देते है जब कि आपको अपनी दलील पुरजोर बनानी चाहिए।

आपकी पाण्डुलिपि अच्छी भी है और मौलिक भी, लेकिन जो अश अच्छा है वह मौलिक नही है, और जो अंश मौलिक है वह अच्छा नही है।

—डाक्टर सेमुएल जॉन्सन

आदमी और उसकी औरत मिलकर एक बेवकूफ है।

—बैन जॉन्सन

वह औरत जो लिखती है दो पाप करती है, किताबोकी सख्या बढ़ाती है, और स्त्रियोकी सख्या कम करती है।

—अलफ़ॉन्ज़े

ब्राण्डी और पानीका मिश्रण दो चीज़ोको बिगाड देता है।

—चार्ल्स लैम्ब

मेरी दिलचस्पी भविष्यमें है क्योंकि मुझे अपनी शेष ज़िन्दगी वहीं तो गुज़ारनी है।

—कैटरिंग

बाग 'अहो! कैसा सुन्दर' गाकर, और सायेमें बैठकर नहीं लगाये जाते।

होशियार आदमीको तो मूर्खतम स्त्री भी चला सकती है, लेकिन मूर्ख को चलानेके लिए बड़ी चतुर औरत चाहिए।

—किपलिंग

ईश्वर तुम्हारे पापोको माफ कर भी दे, लेकिन तुम्हारा तन्तुजाल नहीं करेगा।

—अल्फ्रेड कोरजिब्स्की

यह जानवर बड़ा दुष्ट है; जब इसपर हमला किया जाता है तो यह अपने-आपको बचाता है।

—ला फॉण्टेन

ज्यों ज्यों लोगोंके प्रतिनिधियोंको देखता हूँ, त्यों-त्यों अपने कुत्तोंका प्रशंसक बनता जाता हूँ।

—लैमर्टीन

नये सालका दिन सबका जन्म-दिन है।

—चार्ल्स लैम्ब

हर आदमी अपनी स्मरण-शक्तिकी शिकायत करता है, अपने विवेक की कोई नहीं।

—रोशे

अगर हम अपनी कषायोका प्रतिरोध कर सकते है तो इसलिए नही कि हम शक्तिशाली है बल्कि इसलिए कि वे कमजोर है।

चतुराईको छिपानेके लिए बडी चतुराई चाहिए।

हमारे विषयमे स्वय अपनी रायकी अपेक्षा हमारे दुश्मनोकी राय ज्यादा सच्ची है।

तत्त्वज्ञान गत और अनागत मुसीबतोको आसानीसे पछाड देता है, लेकिन मौजूदा मुसीबतें तत्त्वज्ञानको पछाड देती है।

ऐसा कोई शख्स नही जो मदके उतर जानेपर अपनी कामुकतापर शर्मिन्दा न होता हो।

सच्चा प्रेम भूतकी तरह है। चर्चा उसकी सब करते है, देखा किसी-ने नही।

हम छोटे-छोटे दोषोको तसलीम कर लेते है ताकि लोग समझें कि हम-में बडे दोष नही है।

हम अपने वास्तविक गुणोसे इतने हास्यास्पद नही बनते जितने उन गुणोसे जिनके होनेका हम ढोग करते है।

जो हमसे सहमत नही होते, ऐसे बहुत कम लोगोको हम समझदार समझते हैं।

हम अकसर अपने अच्छेसे-अच्छे कामोके लिए भी शर्मिन्दा हो जाएँ अगर दुनिया उनके पीछे रहे हुए इरादोको जान जाये।

—रोशे

जिसे हम उदारता कहते हैं वह अकसर दानशीलताका दिखावा होता है।

दूसरोंकी शान हमें इसलिए असहनीय होती है कि वह हमारी शानकी किरकिरी करती है।

तुम उतने बेवकूफ कभी नहीं बनते जितने उस वक्त जब कि तुम किसी और को बेवकूफ बना रहे होते हो।

—रोशे

प्रेम भूखसे नहीं, कब्जसे मरता है।

—निनौन

मैं नहीं जानता मेरा दादा कौन था, मुझे फिक्र यह जाननेकी है कि उसका नाती कैसा होगा?

मैं अर्थायी गयी बातोंके अर्थायें जानेसे घबराता हूँ।

अगर यह कॉफी है, तो मुझे कुछ चाय ला दीजिए, लेकिन अगर यह चाय है, तो मुझे कुछ कॉफी ला दीजिए।

शादी न स्वर्ग है न नरक, वह तो सिर्फ भट्टी है।

जब मैं किसीको गुलामीके पक्षमें बोलते सुनता हूँ, तो मेरी तीव्र इच्छा होती है कि उसीपर उसका प्रयोग होते देखूँ।

—अब्राहम लिंकन

वह ज्ञानवृक्षपर चढ़नेके लिए नहीं बनाया गया था।

—[illegible]

उबा देनेवाले आदमीसे हर किस्मका आदमी अच्छा है।

विचार दाढियोकी तरह है, जबतक आदमी बडा नही होता आते नही।

अगर ईश्वर न भी हो तो उसका आविष्कार कर लेना जरूरी है।

तुच्छतम आदमी महत्तम अहकारी होता है।

कायरके लिए एक ही साहसिक कार्य खुला हुआ है शादी।

किताबोका बाहुल्य हमे अज्ञानी बना रहा है।

उबानेका तरीका है सब-कुछ कह जाना।

पैसेके मामलेमें सबका मजहब एक है।

—वोल्टेर

कला और जीवनकी फौरन् फिरसे शादी कर देनी चाहिए और उन्हें साथ-साथ रखा जाना चाहिए।

—होरेस वाल्पोल

हम सब सुखसे रहें और अपनी साधन-सामग्रीकी मर्यादामें रहें, चाहे इसके लिए हमें कर्ज ही लेना पड़े।

—वार्ड

हमे जीना चाहिए और सीखना चाहिए; लेकिन जब हमारा सीखना खत्म होता है तब जीनेके लिए वक्त नही रह जाता।

—रैगोलिन

मै बुरेसे-बुरा हूँ, लेकिन शुक्र है खुदाका, मै अच्छेसे अच्छा हूँ।

—वाल्ट ह्विटमैन

जिसे हम उदारता कहते है वह अकसर दानशीलताका दिखावा होता है ।

दूसरोकी शान हमे इसलिए असहनीय होती है कि वह हमारी शानको किरकिरी करती है ।

तुम उतने बेवकूफ कभी नही बनते जितने उस वक़्त जब कि तुम किसी और को बेवकूफ़ बना रहे होते हो ।

—रोशे

प्रेम भूखसे नही, कब्ज़से मरता है ।

—निनौन

मैं नही जानता मेरा दादा कौन था; मुझे फ़िक्र यह जाननेकी है कि उसका नाती कैसा होगा ?

मैं अर्पायी गयी बातोंके अर्थाये जानेसे घबराता हूँ ।

अगर यह कॉफी है, तो मुझे कुछ चाय ला दीजिए; लेकिन अगर यह चाय है, तो मुझे कुछ कॉफी ला दीजिए ।

शादी न स्वर्ग है न नरक, वह तो सिर्फ भट्टी है ।

जब मै किसीको गुलामीके पक्षमें बोलते सुनता हूँ, तो मेरी तीव्र इच्छा होती है कि उसीपर उसका प्रयोग होते देखूँ ।

—अब्राहम लिंकन

वह ज्ञानवृक्षपर चढनेके लिए नही बनाया गया था ।

—सिगरिड

उबा देनेवाले आदमीसे हर किस्मका आदमी अच्छा है।

विचार दाढ़ियोंकी तरह हैं, जबतक आदमी बड़ा नहीं होता आते नहीं।

अगर ईश्वर न भी हो तो उसका आविष्कार कर लेना जरूरी है।

तुच्छतम आदमी महत्तम अहंकारी होता है।

कायरके लिए एक ही साहसिक कार्य खुला हुआ है — शादी।

किताबोंका बाहुल्य हमें अज्ञानी बना रहा है।

उबानेका तरीका है सब-कुछ कह जाना।

पैसेके मामलेमें सबका मजहब एक है।

—वोल्टेर

कला और जीवनको फौरन् फिरसे शादी कर देनी चाहिए और उन्हें साथ-साथ रखा जाना चाहिए।

—होरेस वाल्पोल

हम सब सुखसे रहें और अपनी साधन-सामग्रीकी मर्यादामें रहें, चाहे इसके लिए हमें क़र्ज ही लेना पड़े।

—वार्ड

हमें जीना चाहिए और सीखना चाहिए; लेकिन जब हमारा सीखना खतम होता है तब जीनेके लिए वक्त नहीं रह जाता।

—रेगेल्नि

मैं बुरेसे-बुरा हूँ, लेकिन शुक्र है खुदाका, मैं अच्छेसे अच्छा हूँ।

—वाल्ट व्हिटमैन

अगर आदमीके रास्तेमे बाधा न आये तो वह कमबख्त जिन्दगीमे करेगा भी क्या ?

—एच जी. वेल्स

बहस करना महा जगलीपनकी निशानी है, क्योकि अच्छी सोसाइटीमे सबकी एक राये होती है।

बर्नार्ड शॉ बडा अच्छा आदमी है, दुनियामे उसका कोई दुश्मन नही, और उसके दोस्तोमे कोई उसे चाहता नही।

साहित्य और जर्नलिज़्ममे फर्क यह है कि जर्नलिज़्म पढने लायक नहीं और साहित्य पढा नही जाता।

जो पढनेके अयोग्य हो गया उसने पढानेका धन्धा शुरू कर दिया।

जिन्दगीमे पहली ड्यूटी यह है कि जितना हो सके उतने बनावटी बनो, दूसरी ड्यूटी क्या है, उसका अभी तक किसीने पता नही पाया।

वह असूलन् देर करके आता है, उसका असूल है कि वक्तकी पाबन्दी वक्तकी चोर है।

मै सिवाय प्रलोभनके हर चीज़का प्रतिरोध कर सकता हूँ।

मै उन चीज़को पसन्द नही करता जो मेरे कुदरती अज्ञानमे खलल डाले।

मै ऐसे किसी कामको कभी कल तक नही टालता जिसे मै परसों कर सकता हूँ।

—आस्कर वाइल्ड

परीक्षाओमे वेवकूफ लोग ऐसे सवाल पूछते है, अक्लमन्द जिनके जवाव नही दे सकते ।

दुनियामे दो ही ट्रेजेडी हैं, एक है इच्छित वस्तुका न पाना, दूसरी है उसे पा जाना ।

सलाह देना सदा वेवकूफीका काम है, लेकिन अच्छी सलाह देना तो नितान्त विघाती है ।

नैतिकता वघारनेवाला अकसर धूर्त होता है ।

शादी ही एक विषय है जिसपर सब औरते सम्मत है पर सब मर्द असम्मत ।

पत्ते अच्छे हो तो आदमीको ईमानदारीसे खेलना चाहिए ।

आदमीकी सच्ची जिन्दगी अकसर वह होती है जिसे वह जीता ही नही ।

सन्त और पापीमें केवल यह अन्तर है कि हर सन्तका एक भूतकाल होता है और हर पापीका एक भविष्य ।

समाज दुष्टोको पैदा करती है, और तालीम एक दुष्टको दूसरेसे बढकर बनाती है ।

लन्दनमे वातचीत करने लायक सिर्फ पाँच औरतें है, और उनमे-से दोको शिष्ट समाजमे प्रविष्ट नही होने दिया जा सकता ।

हम उस ज़मानेमे जी रहे है जिसमे अनावश्यक वस्तुएँ ही आवश्यक वस्तुएँ है ।

—आस्कर वाइल्ड

जवानीमें सोचा करता था कि पैसा जिन्दगीकी सबसे अहम चीज है, अब बुढापेमें मुझपर यह हकीकत रोशन हो गयी है।

जब देवगण हमे सज़ा देना चाहते है तो हमारी प्रार्थनाओंको मजूर कर लेते हैं।

औरत आदमीकी दस्तदराज़ियोके प्रतिरोधसे शुरू करती है और उसके बच निकलनेके मार्गको अवरुद्ध करके खत्म करती है।

आधुनिक सस्कृति आधीसे अधिक इस बातपर निर्भर है कि क्या नही पढा जाये।

वो बहसमे रोशनीसे ज्यादा गरमी लाते हैं।

—आस्कर वाइल्ड

सच बात कह दो, तुम्हारे विरोधी भौचक्के रह जायेंगे और किंकर्तव्य-विमूढ हो जायेंगे।

—हैनरी वॉटन

वह बेवकूफ है जो शादी करता है, लेकिन जो बेवकूफसे शादी नहीं करता वह और भी बड़ा बेवकूफ है।

—विलियम विचर्ली

अगर मैं अपनी 'क्वालिटी' से प्रभावित न कर पाया, तो मैं अपनी 'क्वाण्टिटी' आनकित कर दूँगा।

परिपूर्णता ऐसी बेहूदगी है कि मुझे अकसर अफसोस होता है कि मैंने तम्बाकू-सेवन क्यो छोड दिया।

—एमिल ज़ोला

शादीकी साँकल इतनी भारी है कि उसे उठानेके लिए दोकी जरूरत पड़ती है, कभी तीनकी।

मूर्खसे मुझे दुष्ट पसन्द है, दुष्ट कभी थम तो जाता है।

औरत अकसर हमे महान् कार्योंकी प्रेरणा देती है और उन्हींको करने नही देती।

—एलेग्ज़ेण्डर ड्यूमा

लोग धर्मके लिए आपा-धापी करेंगे, उसके लिए लिखेंगे, उसके लिए लड़ेंगे, उसके लिए मरेंगे, सब करेंगे पर उसके लिए जियेंगे नही।

—कोल्टन

बहादुर आदमी साधारण आदमीसे ज्यादा बहादुर नहीं होता, लेकिन वह पाँच मिनिट ज्यादा बहादुर रहता है।

शान्त रहो, सौ बरस बाद सब एक हो जायेगा।

जितनी मेहनतसे लोग नरकमें जाते हैं उससे आधीसे स्वर्गमे जा सकते हैं।

सोसाइटी लाइलाजोंका अस्पताल है।

शेखी बघारनेमें एक फायदा यह है कि बोलने वाला अनजानमें अपना आदर्श बना देता है।

हम हमेशा जीनेकी तैयारी करते रहते है, जीते कभी नहीं।

—एमर्सन

जवानीमें सोचा करता था कि पैसा जिन्दगीकी सबसे अहम चीज है, अब बुढापेमें मुझपर यह हकीकत रोशन हो गयी है।

जब देवगण हमे मजा देना चाहते है तो हमारी प्रार्थनाओको मजूर कर लेते है।

औरत आदमीकी दस्तदराजियोके प्रतिरोधसे शुरू करती है और उसके बच निकलनेके मार्गको अवरुद्ध करके खत्म करती है।

आधुनिक सस्कृति आधीसे अधिक इस बातपर निर्भर है कि क्या नही पढा जाये।

वो बहसमे रोशनीसे ज्यादा गरमी लाते है।

—आस्कर वाइल्ड

सच बात कह दो, तुम्हारे विरोधी भौंचक्के रह जायेंगे और किंकर्तव्य-विमूढ हो जायेंगे।

—हेनरी वॉटन

वह बेवकूफ है जो शादी करता है, लेकिन जो बेवकूफसे शादी नहीं करता वह और भी बड़ा बेवकूफ है।

—विलियम विचर्ली

अगर मैं अपनी 'क्वालिटी' से प्रभावित न कर पाया, तो मैं अपनी 'क्वाण्टिटी' आनन्दित कर दूंगा।

परिपूर्णता ऐसी बेहूदगी है कि मुझे अक्सर अफसोस होता है कि मैंने तम्बाकू-सेवन क्यो छोड दिया।

—एमिल जोला

शादीकी साँकल इतनी भारी है कि उसे उठानेके लिए दोकी ज़रूरत पडती है, कभी तीनकी ।

मूर्खसे मुझे दुष्ट पसन्द है, दुष्ट कभी थम तो जाता है ।

औरत अक्सर हमे महान् कार्योंकी प्रेरणा देती है और उन्हींको करने नही देती ।

—एलेग्ज़ेण्डर ड्यूमा

लोग धर्मके लिए आपा-धापी करेंगे, उसके लिए लिखेंगे, उसके लिए लडेंगे, उसके लिए मरेंगे, सब करेंगे पर उसके लिए जियेंगे नही ।

—कोल्टन

बहादुर आदमी साधारण आदमीसे ज्यादा बहादुर नही होता, लेकिन वह पाँच मिनिट ज्यादा बहादुर रहता है ।

शान्त रहो, सौ बरस बाद सब एक हो जायेगा ।

जितनी मेहनतसे लोग नरकमे जाते है उससे आधीसे स्वर्गमें जा सकते है ।

सोसाइटी लाइलाजोका अस्पताल है ।

शेखी बघारनेमे एक फायदा यह है कि बोलने वाला अनजानमें अपना आदर्श बता देता है ।

हम हमेशा जीनेकी तैयारी करते रहते है, जीते कभी नही ।

—एमर्सन

करोडो लोग अमरता चाहते है जिन्हे यह नही मालूम कि वर्षाके किसी इतवारके तीसरे पहर क्या करें।

—अर्ट्ज

जब अन्धा अन्धेको रास्ता बताता है तब दोनो जा गिरते है—शादीकी खन्दकमें।

—फ़र्कुहर

हर विवाहित युगलमें एक बेवकूफ जरूर होता है।

—हैनरी फ़ील्डिग

तीन चीजें ऐसी है जिनसे मुझे हमेशा प्रेम रहा लेकिन समझ कभी न पाया—कला, सगीत और स्त्री।

—फॉण्टेनल

जिन किताबोको सब तारीफ करते है वे वह किताबें होती है जिन्हे कोई नही पढता।

—अनातोले फ्रांस

लम्बी जिन्दगी सब चाहते हैं, बूढा होना कोई नही चाहता।

वह इतना विद्वान् था कि नौ भाषाओमें 'घोडा' शब्द जानता था, लेकिन इतना अनजान कि सवारीके लिए गाय खरीद लाया।

अगर आदमीकी आधी इच्छाएँ पूरी हो जायें तो उसकी मुश्किलें दूनी हो जाये।

अगर लोग धर्मको पाकर भी इतने दुष्ट है, तो उसके बगैर उनका क्या हाल हो ?

—बेंजामिन फ्रैंकलिन

अगर धन तुम्हारा है, तो तुम उसे परलोकमे अपने साथ क्यों नहीं ले जाते ?

अगर तुम किसी बार-बार आनेवाले दुष्टमे पिण्ड छुडाना चाहते हो, तो उसे कुछ पैसा उधार दे दो।

तीन आदमी भेदको छिपाये रख सकते है अगर उनमे-से दो मर जाये।

जितने पैसेसे एक व्यसनका निर्वाह होता है उससे दो बच्चोकी परवरिश हो सकती है।

—बेंजामिन फ्रेंकलिन

बच निकलनेका सबसे अच्छा रास्ता हमेशा बीचमे-से है।

कूटनीतिज्ञ वह आदमी है जो किसी स्त्रीको जन्मगांठ तो याद रखता है लेकिन उसकी उम्र कभी नही।

किसी मांको अपने लडकेको आदमी बनानेमें बीस बरस लगते है, और एक अन्य स्त्री उसे बीस मिनिटमे बेवकूफ बना देती है।

—रॉबर्ट फ्रॉस्ट

आप समस्यासे जितनी दूर होंगे उतने ही आदर्शवादी होंगे।

—जॉन गाल्सवर्दी

उधार देनेसे सर्वथा दे डालना अच्छा, एक ही भाव सस्ता है।

—निम्स

कूटनीति युगोंमें बुरी बातको अच्छीसे अच्छी तरह कहना है।

—गोल्डबर्ग

व्याकरणकी तरह जीवनमें भी यह होता है कि अपवादोंकी संख्या नियमोंसे भी बढ़ जाती है।

आदमीने अपनी अक्लसे काम लिया है; उसने बेवकूफी खोज निकाली।

तमाम धर्म यौनिक सवालोंको दीवानावार परिक्रमा कर रहे हैं।

स्त्री प्रथम चुम्बनको याद रखती है, जब कि पुरुष अन्तिमको भी भूल चुका होता है।

—गोरमौण्ट

मुतवातिर खुशहालीकी बनिस्बत दुनियाकी हर चीज़ क़ाबिले-बर-दाश्त है।

—गेटे

हमें जो कुछ सिखाया गया है उस सबको भूल जानेके बाद जो कुछ बाकी रहता है उसे शिक्षण कहते हैं।

—हैलीफैक्स

बात-चीतकी कलाका महान् रहस्य है खामोशी।

—हैजलिट

स्त्रियोंके विषयमें चालीस वर्षसे ऊपरकी उम्रवाले आदमीकी रायकी कोई कीमत नहीं।

—बैन हैक्ट

इतिहाससे हम यह सीखते है कि हम इतिहाससे कुछ नही सीखते ।

—हीगल

अगर रोमनोको लैटिन सीखनेके लिए मजबूर किया जाता तो उन्हे दुनियाको जीतनेका कभी वक्त ही न मिल पाता ।

आम तौरसे वह पागल रहता था, लेकिन कुछ मधुर क्षण ऐसे भी होते थे जब कि वह सिर्फ अहमक होता था ।

—हैनरिच

कूटनीति–शाही शानसे झूठ बोलना ।

चिड़ियाघर–आदमियोकी आदतोका अध्ययन करनेके लिए जानवरो के वास्ते बनायी गयी जगह ।

मेरी सबसे बड़ी महत्त्वाकाक्षा क्या है ? मेरी हमेशा यह इच्छा रही है कि बिजलीके पखेमे अण्डा फेंक दूँ ।

—हरफोर्ड

औरतें हमे शान्ति देती है, लेकिन अगर औरतें न होती तो हमे शान्ति की जरूरत ही न होती ।

डॉक्टर समझते है कि बहुत-से मरीज़ अच्छे हो गये जब कि वे सिर्फ परेशान होकर छोड़कर चले जाते है ।

यह नही हो सकता कि आप जिन्दगीको जी-भरकर जी भी लें और दार्शनिक भी बने रहें ।

—डॉन हेरोल्ड

काम दुनियामें सबसे बड़ी चीज है, इसलिए हमें चाहिए कि हमेशा कुछ कलके लिए भी रहने दिया करें।

बहुत-से लोगोंके पास चारित्र होता है, और कुछ नहीं होता।

शादी जवानीकी एक भूल है—जो कि हम सबको करनी चाहिए।

मौतकी तरह, शादीकी कोई फिक्र न करो।

लोगोंकी पत्नियाँ अपने पतियोंसे दिमागी तौरपर घटकर और रूहानी तौरपर बढ़कर होती हैं, इससे उनको दुहरी यन्त्रणा होती है।

किसी औरतके पास इतने ज्यादा कपड़े नहीं होने चाहिए कि वह पूछे, "क्या पहनूँ?"

खुशी मुसीबतमें भी बड़ी मुसीबत है।

कुछ लोगोंके पास सिवाय अनुभवके कुछ नहीं होता।

—डॉन हैरॉल्ड

अगर मैंने औरोंके बराबर पढ़ा होता, तो मैं उनसे ज्यादा न जान पाता।

—थॉमस हॉब्स

हर बच्चेका शिक्षण उसके पैदा होनेके सौ बरस पहले शुरू हो जाना चाहिए।

हमें जिन्दगीके ऐशका सामान दे दो, हम उसकी जरूरियातके बगैर चला लेंगे।

—वैण्डेल होम्स